राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 9 अंक 19

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, सोमवार, 30 जून, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

हथियार छोड़ मुख्य धारा में शामिल हों माओवादी

>>3

आपातकाल लगाने वालों ने हमारे संविधान की हत्या की : मोदी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- बोले–न्यायपालिका को गुलाम बनाने का था उनका इरादा
- बड़े पैमाने पर लोगों को प्रताड़ित किया गया, उन्हें कठोर यातनाएं दी गईं
- भारत को ट्रेकोमा नाम के नेत्र रोग से मुक्त घोषित किए जाने पर जताई खुशी
- देश के 95 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ मिल रहा है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में 1975 में लगे आपातकाल की कड़ी निंदा करते हुए उसे लोकतांत्रिक इतिहास का काला अध्याय बताया। कहा कि आपातकाल लगाने वालों ने ना सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की, बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाए रखने का था। उस दौरान बड़ी संख्या में लोगों को प्रताड़ित किया गया। कठोर यातनाएं दी गईं। किसी को भी गिरफ्तार कर लिया जाता था। जार्ज फर्नांडीज को जंजीरों में बांधा गया। छात्रों को परेशान किया गया। अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंटा गया। अंततः जनता की जीत हुई और आपातकाल थोपने वाले हार गए। मोदी ने कहा कि आपातकाल के विरुद्ध लड़ने वालों को सदैव स्मरण करना चाहिए, क्योंकि वे हमें लोकतंत्र की रक्षा की प्रेरणा देते हैं।

आपातकाल की बात करते हुए मोदी ने कांग्रेस एवं इंदिरा गांधी का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, जगजीवन राम और जार्ज फर्नांडीज के भाषणों की क्लिप सुनाई। मोदी की यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है, जब सरकार पर विपक्ष देश में 'अघोषित आपातकाल' थोपने का आरोप लगा रहा है।

मोदी ने भारत की दो बड़ी उपलब्धियों को भी साझा किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भारत को ट्रेकोमा नाम के नेत्र रोग से मुक्त घोषित किए जाने पर खुशी जताई और इसे डाक्टरों की मेहनत का परिणाम बताया। उन्होंने इसके लिए जल–जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान को भी श्रेय दिया। इस बीमारी से आंखों की रोशनी धीरे-धीरे खत्म हो जाती है। दूसरी उपलब्धि में पीएम मोदी ने इंटरनेशनल लेबर आर्गेनाइजेशन की रविवार को जारी रिपोर्ट की चर्चा की। इसमें कहा गया है कि भारत की 64 प्रतिशत आबादी यानी 95 करोड़ लोगों को किसी–ना–किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ जरूर मिल रहा है, जबकि 2015 तक 25 करोड़ से भी कम लोगों तक ऐसी योजनाएं पहुंच पाती थीं।

पीएम ने कैलाश मानसरोवर एवं पुरी की रथयात्रा एवं तीन जुलाई से शुरू होने जा रही अमरनाथ यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि ये यात्राएं उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' के भाव का प्रतिबिंब हैं। जब हम श्रद्धा, समर्पण और अनुशासन से धार्मिक यात्रा संपन्न करते हैं, तो उसका फल भी मिलता है।

मोदी ने मोटापा कम करने के लिए 10% कम खाद्य तेल का इस्तेमाल करने के अपने पूर्व के सुझाव को फिर दोहराया और लोगों को फिटनेस पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। कहा कि जब आप फिट होंगे तो जीवन में और भी ज्यादा सुपर हिट होंगे। प्रधानमंत्री ने उग्रवाद के लिए जाने जाने वाले बोडोलैंड की खेल की उपलब्धियों का खासतौर पर जिक्र किया और कहा कि अब वहां के युवाओं की पहचान फुटबाल प्लेयर के रूप में हो रही है। बोडोलैंड सीईएम कप में 3,700 से अधिक टीमें और लगभग 70 हजार खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

योग दिवस की दिलाई याद

मोदी ने 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' की याद दिलाई और कहा कि 10 वर्ष पहले शुरू किया गया यह सिलसिला बढ़ रहा है। लोग योग को अपना रहे हैं। न्यूयार्क, लंदन, टोक्यो, पेरिस एवं दुनिया के हर बड़े शहर से योग की तस्वीरें आई हैं, जो 'वसुधैव कुटुंबकम्' का अहसास कराती हैं। इन्हीं तस्वीरों में यशोदा अस्पताल के एमडी डा पीएन अरोड़ा के नेतृत्व में हुए योग को भी दिखाया गया।

दिल्ली में दस्तक के साथ मानसून ने नौ दिन पहले पूरे देश को किया कवर

दिल्ली में रविवार को तेज वर्षा के बीच विकास मार्ग से गुजरते वाहन। हरीश कुमार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

- मानसून ने 24 मई को केरल में रखा था कदम, दो दिन देर से दिल्ली पहुंचा
- अगले सात दिनों तक भारी वर्षा का अनुमान, एनसीआर में आरेंज अलर्ट

करीब एक सप्ताह के इंतजार के बाद दो दिन की देरी से मानसून ने रविवार को राजधानी में दस्तक दे दी। इसी के साथ इसने पूरे देश को कवर कर लिया। हालांकि इसके लिए सामान्य तिथि आठ जुलाई है, जबकि इस बार नौ दिन पहले ही पूरे देश में पहुंच गया। उत्तर–पश्चिम, मध्य, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कई भागों में अगले सात दिनों तक भारी से बहुत भारी वर्षा का अनुमान है। झारखंड और ओडिशा में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विज्ञानियों के अनुसार, मानसून आमतौर पर एक जून तक केरल पहुंचता है और आठ जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है। इस वर्ष मानसून 24 मई को केरल पहुंचा, जो भारत में 2009 के बाद से सबसे पहले है। उस वर्ष यह 23 मई को आया था। दिल्ली पहुंचने की इसकी सामान्य तिथि 27 जून है, लेकिन 2010 से लेकर अभी तक 16 वर्षों में मानसून ने जून माह में सात बार (2013, 2015, 2018, 2020, 2022 व 2023) ही दस्तक दी है। यह आठवां साल है, जब मानसून जून में आया है। 2013, 2020 व 2023 में समय से पहले आ गया था। मौसम विभाग के मुताबिक, इस समय देशभर में बादल छाए हुए हैं। खासतौर से उत्तर पश्चिमी इलाका। इसका कारण यह है कि लो प्रेशर एरिया का बना होना व घने बादल हैं। पंजाब, हरियाणा और एनसीआर के लिए बारिश का आरेंज अलर्ट है। यहां मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। दो–तीन दिन तक यही अलर्ट रहने वाला है। एनसीआर में दो जुलाई तक बादल छाए रहेंगे। गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा और तेज हवा चलने का भी अनुमान जताया गया है।

मध्य प्रदेश में बारिश से उप्र में डराने लगीं नदियां

मध्य प्रदेश में लगातार वर्षा से उप्र के बांदा जिले में केन, यमुना और चंद्रावल नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। कुछ गांवों में बाढ़ का पानी आने लगा है। फतेहपुर में गंगा और यमुना नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। गढ़मुक्तेश्वर में गंगा उफान की तरफ बढ़ने लगी है। बीते 48 घंटो में गंगा के जलस्तर में 30 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसके बाद गढ़ क्षेत्र में गंगा ने यलो अलर्ट के निशान की तरफ बढ़ना शुरू कर दिया है।

उत्तराखंड के नौ जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट पेज>>6

जागरण विशेष

आठ भाषाओं में 'हेट स्पीच' को पहचानेगा एआइ माडल

प्रयागराज: अब इंटरनेट मीडिया पर नफरत भरे शब्दों और अभद्र भाषा की पहचान करना आसान होगा। ऐसा आइआइआइटी के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित एआइ माडल से संभव हुआ है। ● पेज–6

मुद्दा

नसों में नशा

ड्रग्स ऐसा जहर है, जो भारत के युवा भविष्य को तेजी से खोखला कर रहा है। यह देश के भविष्य के लिहाज से बेहद खतरनाक है। नशा मुक्ति पखवाड़े के दौरान दिल्ली में 1600 किलो से अधिक ड्रग्स नष्ट की गई। जाहिर है कि अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की मदद से ही हजारों करोड़ रुपये कीमत की ड्रग्स भारत भेजी जा रही है। इस नेटवर्क को खत्म करने के लिए किए जा रहे प्रयास और चुनौतियों की पड़ताल पढ़ें पेज–7 पर

संपादकीय

राजनीतिक एजेंडे की भेंट चढ़ता पुरातत्व : यह आवश्यक है कि इतिहास–पुरातत्व को राजनीतिक विचारधाराओं से मुक्त रखा जाए, खासकर तब, जब क्षेत्रवाद के जरिये अलगाववाद को हवा दी जा रही हो। **विकास सारस्वत** का दृष्टिकोण।

देश और सरकार विरोध में भेद करे कांग्रेस : सरकार के फैसलों की समीक्षा कर उसे घेरना कांग्रेस का कर्तव्य है, पर वह देश हित के मुद्दों पर तो एकजुटता दिखाए। **अवधेश कुमार** का आलेख। ● पेज–8

विमर्श

चौतरफा दबाव में उड्डयन उद्योग: बढ़ती मांग के अनुरूप हवाई सेवाओं का विस्तार संभव नहीं हो पा रहा है। **मनोज वार्ष्णेय** का दृष्टिकोण।

माओवाद के विरुद्ध कारगर नीति: माओवाद से निपटने में केंद्र सरकार की त्रि–स्तरीय रणनीति अचूक साबित हुई है। **नीलू रंजन** का आलेख। ● पेज–9

रथयात्रा उत्सव में भगदड़ से तीन की मौत, 50 से अधिक घायल

गुंडिचा मंदिर के पास बारिश से बचने के लिए लोगों के भागने से मची भगदड़

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

- पुरी में भगदड़ के लिए ओडिशा के मुख्यमंत्री ने भगवान जगन्नाथ के भक्तों से मांगी क्षमा, डीएम और एसपी का तबादला
- घटना की जांच के आदेश, जान गंवाने वाले लोगों के स्वजन को 25–25 लाख की सहायता राशि देने की घोषणा

पुरी में रविवार को गुंडिचा मंदिर के पास हुई भगदड़ के बाद पीड़ितों के शोकाकुल स्वजन। प्रेट्र

ओडिशा के श्री जगन्नाथपुरी में रथयात्रा उत्सव के बीच रविवार सुबह गुंडिचा मंदिर के पास भगदड़ से दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक घायल हो गए। राज्य के सबसे बड़े उत्सव के बीच हुए इस दर्दनाक हादसे ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। साथ ही सुरक्षा तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ओडिशा सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर कड़ी कार्रवाई करते हुए अधिकारियों की लापरवाही को 'अक्षम्य' करार दिया है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने विकास आयुक्त की देखरेख में मामले की प्रशासनिक जांच के आदेश दिए हैं।

वहीं, सीएम ने घटना के बाद आपातकालीन बैठक बुलाकर जिला प्रशासन की सीधी जिम्मेदारी तय करते हुए पुरी के जिलाधिकारी सिद्धार्थ शंकर स्वाईं तथा पुलिस अधीक्षक विनीत अग्रवाल का तबादला कर दिया। डीसीपी विष्णु पति और कमांडेंट अजय पाढ़ी को ड्यूटी में लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। अब चंचल राणा को पुरी का नया डीएम तथा पिनाक मिश्रा को पुरी का नया एसपी नियुक्त किया गया है। हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के स्वजन को सरकार की ओर से 25–25 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की गई है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए सभी श्रद्धालुओं से माफी मांगी और इसके साथ ही आश्वासन दिया है कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

एक्स पर किए गए पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि महाप्रभु के दर्शन के लिए भक्तों में तीव्र उत्सुकता के बीच धक्का–मुक्की और अराजकता के कारण यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। व्यक्तिगत रूप से मैं और मेरी सरकार सभी जगन्नाथ भक्तों से क्षमा मांगते हैं। यह लापरवाही अक्षम्य है। मैंने निर्देश दिया है कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

भीड़ में घुसे ट्रक ने बढ़ाई मुसीबत : पुरी में नौ दिनों का रथयात्रा उत्सव चल रहा है। महाप्रभु जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा गुंडिचा मंदिर पहुंच चुके हैं। भगवान के दर्शन–पूजन करने तथा उत्सव मनाने के लिए लाखों श्रद्धालु जुटे हैं।

घटना के वक्त मंदिर के बाहर खड़े रथों के सामने दरी बिछाकर भी बड़ी संख्या में लोग बैठे हुए थे। सुबह लगभग चार बजे बारिश होने लगी तो बचने के लिए लोग इधर–उधर भागने लगे। इसी क्रम में लकड़ी और अनुष्ठान सामग्री लेकर दो ट्रक भी संकरे मार्ग में घुस गए। ट्रकों के भीड़ में घुसने के बाद अफरातफरी मच गई। वर्षा के कारण भीगी जमीन पर जगह–जगह फिसलन भी हो गई थी। भागने के क्रम में लोग फिसलकर लोग एक–दूसरे के ऊपर गिरने लगे। इसी क्रम में भगदड़ मच गई, जिसमें ओडिशा के तीन लोगों की मौत हो गई।

'पुलिस–प्रशासन जिम्मेदार'

श्रद्धालुओं ने घटना के लिए पुलिस–प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि लापरवाही के कारण घटना हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के वक्त मौके पर पुलिसकर्मी तैनात नहीं थे। जिन वरिष्ठ अधिकारियों को व्यवस्था और निगरानी की जिम्मेदारी दी गई थी, वह भी सोने चले गए थे। घटना के बाद भी पीड़ित श्रद्धालुओं ने ही एक–दूसरे की मदद की। पुलिस–प्रशासन के लोग काफी देर बाद पहुंचे।

सरकार की विफलता : पटनायक

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने घटना पर दुख जताते हुए मामले को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना की है। एक्स पर लिखा कि रथयात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन की विफलता के कारण घटना हुई। लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सरकार विफल रही है। यह रवैया असंवेदनशील है। सरकार को रथयात्रा में अब होने वाले आगामी अनुष्ठानों के दौरान भक्तों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक उपाय करने चाहिए।

यह त्रासदी गंभीर चेतावनी : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पुरी हादसे पर शोक जताया है। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने लिखा, यह त्रासदी एक गंभीर चेतावनी है, ऐसे बड़े आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की तैयारियों की गंभीरता से समीक्षा होनी चाहिए। जीवन की रक्षा सर्वोपरि है और इस जिम्मेदारी में कोई चूक स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। साथ ही ओडिशा सरकार से राहत कार्यों में तेजी लाने की अपील की है और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आग्रह किया है कि इसमें हरसंभव मदद करें।

अब कभी भी, कहीं से भी मिल सकेगा सरकारी डाटा

नई दिल्ली: अब सरकारी डाटा कहीं से भी, कभी भी मोबाइल पर आसानी से मिल सकेगा। डाटा के लिए मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। कुछ क्लिक कर आपको सारा डाटा मिल जाएगा। एनएसओ ने रविवार को जीओआइ स्टैट्स मोबाइल एप लांच किया है। यह एंड्रायड मोबाइल एप गूगल प्लेस्टोर पर निःशुल्क उपलब्ध होगा। आइओएस वर्जन जल्द जारी होगा। यह मोबाइल एप नागरिकों को आधिकारिक डाटा सुलभ कराने की प्रतिबद्धता दर्शाता है। (पेज–3)

महाराष्ट्र सरकार ने त्रिभाषा नीति पर जारी आदेश को लिया वापस

मुंबई: महाराष्ट्र के स्कूलों में कक्षा एक से पांच तक हिंदी भाषा पढ़ाए जाने के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच राज्य मंत्रिमंडल ने रविवार को त्रिभाषा नीति के कार्यान्वयन पर दो जीआर (सरकारी आदेश) वापस लेने का फैसला किया। मुंबई में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिक्षाविद् नरेंद्र जाधव के नेतृत्व में एक समिति के गठन की भी घोषणा की। यह समिति भाषा नीति के संबंध में सुझाव देगी। उसके आधार पर आगे निर्णय लिया जा सकेगा। (पेज–4)

ट्रेन छूटने से आठ घंटे पहले आरक्षण चार्ट बनाएगा रेलवे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- अभी चार घंटे पहले बनता है चार्ट, दिसंबर से बदलेगा नियम
- तत्काल टिकट कटाने के लिए अनिवार्य होगा पहचान सत्यापन

प्रतीकात्मक

रेलवे में यात्रियों की सुविधा के लिए कई तरह के बदलाव की तैयारी है। सबसे बड़ा परिवर्तन आरक्षण प्रणाली में होगा। टिकटों की बुकिंग व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाया जाएगा। मुसाफिरों को ट्रेन छूटने से आठ घंटे पहले पता चल जाएगा कि उनका टिकट कन्फर्म है या नहीं। अभी आरक्षण चार्ट ट्रेन छूटने से चार घंटे पहले तैयार होता है, जिससे प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को असुविधा होती है। विशेषकर दूर–दराज वाले यात्रियों को अंतिम समय तक स्थिति स्पष्ट न होने से समस्या होती है। नई आरक्षण प्रणाली दिसंबर 2025 तक लागू हो जाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में इन सुधारों की समीक्षा की और कई बड़े निर्णय लिए। तत्काल टिकट बुकिंग के लिए पहचान सत्यापन अनिवार्य किया गया है।

रेलवे बोर्ड के प्रस्ताव के अनुसार, जिन ट्रेनों को दोपहर दो बजे से पहले रवाना होना होगा, उनका आरक्षण चार्ट एक दिन पहले रात नौ बजे तक बना दिया जाएगा। इससे प्रतीक्षा सूची वालों को उनके कन्फर्मेशन की स्थिति की जानकारी पहले हो जाएगी। इससे जरूरत पड़ने पर वे वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था कर सकेंगे। प्रस्ताव को रेल मंत्री ने मंजूरी दे दी है। उनका कहना है कि टिकट बुकिंग प्रणाली पारदर्शी, सहज और प्रभावी होनी चाहिए। यात्रियों के अनुभव को केंद्र में रखकर ही सभी प्रणालियों को अत्याधुनिक बनाया जाए। टिकट बुकिंग से लेकर यात्रा तक का हर चरण यात्रियों के अनुकूल होना चाहिए।

नई आरक्षण प्रणाली 10 गुना ज्यादा सक्षम होगी पेज>>3

बिहार में 50 रुपये के विवाद में ई–स्कूटी शोरूम में लगा दी आग

औरंगाबाद: बिहार के औरंगाबाद में बदमाशों ने मात्र 50 रुपये को लेकर हुए विवाद के बाद शनिवार रात ओमकार इंटरप्राइजेज नामक ई–रिक्शा और ई–स्कूटी के शोरूम में आग लगा दी। जिससे शोरूम पूरी तरह जल गया। सात ई–रिक्शा और 36 ई–स्कूटी बुरी तरह नष्ट हो गए। (पेज–6)

कुछ महीनों में यूरेनियम शोधन फिर शुरू कर सकता है ईरान

न्यूयार्क: अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आइएईए) के प्रमुख रफाएल ग्रोसी ने कहा है कि ईरान कुछ ही महीनों में फिर से यूरेनियम का शोधन शुरू कर सकता है। अमेरिका और इजरायल के हमलों से ईरान के परमाणु संयंत्रों को भारी नुकसान हुआ है लेकिन यह ऐसा नहीं है कि ईरानी कार्यक्रम पूरी तरह से नष्ट हो गया हो। (पेज–11)

दैनिक जागरण सप्तरंग

साहित्य और संगीत का

कहानी : डर के आगे जीत है

वंशी की धुन में लोकलय का विन्यास

● पेज–13

कोर्ट का फैसला

पादरी की याचिका पर मद्रास हाई कोर्ट का फैसला, प्रार्थना घर के खिलाफ की गई कार्रवाई को रद कराने पहुंचा था कोर्ट, हाई कोर्ट ने कहा– सिर्फ लाउडस्पीकर या माइक्रोफोन का इस्तेमाल न करने भर से मुद्दा हल नहीं होगा

बिना अनुमति घर को प्रार्थना घर में नहीं कर सकते तब्दील

माला दीक्षित ● जागरण

मद्रास हाई कोर्ट। फाइल

नई दिल्ली : मद्रास हाई कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि अथारिटीज की इजाजत के बगैर घर को प्रार्थना घर में तब्दील नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने याचिकाकर्ता पादरी की ओर से हलफनामा दाखिल कर लाउडस्पीकर और माइक्रोफोन का प्रयोग किए बगैर शांतिपूर्ण ढंग से घर में प्रार्थना करने का भरोसा दिलाए जाने के बावजूद उसे घर को प्रार्थना घर की तरह इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ लाउडस्पीकर या माइक्रोफोन का इस्तेमाल न करने से मुद्दे का हल नहीं होगा। मूल मुद्दा यह है कि याचिकाकर्ता अपने घर को प्रार्थना घर में तब्दील नहीं कर सकता।

यह फैसला मद्रास हाई कोर्ट के न्यायाधीश एन. आनंद वेंकटेश ने तमिलनाडु के तिरुवरूर जिले के कोडावसाल तालुका के पादरी एल जोसेफ विल्सन की याचिका निपटाते हुए 13 जून को दिया। इस मामले में पादरी ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर उसके प्रार्थना घर के खिलाफ की गई कार्रवाई रद करने की मांग की थी। अथारिटीज ने घर में प्रार्थना सभा से आस–पड़ोस के लोगों को हो रही परेशानी की शिकायत पर परिसर को सील कर दिया था। इससे पहले पादरी ने घर की जगह चर्च बनाने की इजाजत अथारिटी से मांगी थी जो कि नहीं मिली थी। इसके बाद पादरी ने हाई कोर्ट में यह याचिका दाखिल की थी। इस मामले में याचिकाकर्ता पादरी का वर्ड आफ गाड मिनिस्ट्रीस ट्रस्ट नाम का ट्रस्ट था। याचिकाकर्ता ने दो जनवरी 2023 को वह संपत्ति खरीद ली और उसके बाद वहां लगातार प्रार्थना सभा करने लगा। उसके प्रार्थना सभा करने के खिलाफ अथारिटीज को शिकायत की गई। याचिकाकर्ता ने वहां पर चर्च बनाने की इजाजत के लिए आवेदन किया लेकिन जिला कलेक्टर ने आवेदन खारिज कर दिया। तहसीलदार ने उसे नोटिस जारी कर 10 दिन के भीतर प्रार्थना सभा बंद करने का आदेश दिया था। तभी याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

मामले में जिला कलेक्टर की ओर से कोर्ट में दिए गए जवाब में कहा गया था कि याचिकाकर्ता इजाजत के बगैर प्रार्थना सभा नहीं चला सकता। उसके प्रार्थना सभा करने से आस–पड़ोस और इलाके के लोग डिस्टर्ब होते हैं। इस संबंध में मद्रास हाई कोर्ट के ही एक पूर्व फैसले का हवाला दिया था जिसमें कोर्ट ने कहा था कि नियमों के तहत उचित ढंग से इजाजत लिए बगैर प्रार्थना सभागार में प्रार्थना सभा नहीं की जा सकती।

सभागार में प्रार्थना सभा के लिए नियमों के तहत इजाजत की आवश्यकता

मौजूदा फैसले में हाई कोर्ट ने पाया कि यह मामला 29 अप्रैल 2021 को दिए गए पूर्व फैसले से पूरी तरह कवर होता है। उस फैसले में कोर्ट ने माना था कि धार्मिक उद्देश्य से पूजा स्थल बनाने के लिए नियमों के तहत इजाजत लेनी होती है। हाई कोर्ट ने फैसले में कहा कि विभिन्न पूर्व फैसलों को देखने से स्पष्ट होता है कि प्रार्थना सभागार में प्रार्थना सभा करने के लिए संबंधित अथारिटी से नियमों के तहत इजाजत लेने की आवश्यकता होती है। कोर्ट ने कहा कि वह अथारिटीज को परिसर से सील हटाने का आदेश तभी देगा जब संबंधित अथारिटी की इजाजत के बगैर संपत्ति का उपयोग प्रार्थना हाल में न किया जाए। हाई कोर्ट ने तहसीलदार को परिसर से सील हटाने का आदेश दिया है लेकिन इसके साथ ही निर्देश दिया कि संपत्ति का इस्तेमाल प्रार्थना हाल की तरह नहीं किया जाएगा।

बांग्लादेश में हिंदू महिला से दुष्कर्म, नग्न हालत में वीडियो प्रसारित किया

- दुष्कर्म के खिलाफ पूरे देश में आक्रोश फैला, वीडियो प्रसारित होने के बाद पांच गिरफ्तार

ढाका, एएनआइ : बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार अत्याचार जारी है। अभी मंदिर विध्वंस का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि कोमिला जिले में एक हिंदू महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपितों ने नग्न हालत में उसका वीडियो बनाकर प्रसारित कर दिया। घटना को लेकर रविवार को पूरे देश में आक्रोश फैल गया। ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने घटना की निंदा करते हुए परिसर में मार्च निकाला। जगन्नाथ हाल छात्रावास के अल्पसंख्यक छात्रों ने जुलूस निकाला। पूर्व पीएम खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। अपदस्थ पीएम शेख हसीना के बेटे साजिब अहमद वाजेद ने हमलों व दुष्कर्म की घटनाओं में वृद्धि के लिए यूनुस प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया।

प्रतीकात्मक

पुलिस ने बताया कि 26 जून को कोमिला जिले के फजर अली को गांव की महिला से दुष्कर्म के आरोप में लोगों ने पकड़कर पीटा। कुछ लोगों ने महिला का वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। वीडियो में महिला इज्जत की रक्षा की गुहार लगाती दिख रही है। पुलिस ने फजर अली और वीडियो बनाने वाले चार अन्य को गिरफ्तार कर लिया है।

****

आज का मौसम

बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने व बिजली चमकने के साथ हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा होने के भी आसार हैं।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
30 जून	32.0	26.0
1 जुलाई	33.0	25.0
नोएडा		
30 जून	30.0	24.0
1 जुलाई	30.0	23.0
गुरुग्राम		
30 जून	33.0	25.0
1 जुलाई	32.0	26.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

अपराध की फिराक में घूम रहे दो बदमाश दबोचे

नई दिल्ली : मध्य जिले की पटेल नगर थाना पुलिस की टीम ने अपराध के इरादे से घूम रहे दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से एक कट्टा, दो कारतूस, बटन वाला चाकू और एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रणजीत नगर के नवीन उर्फ पुनीत, जो थाना रणजीत नगर का एक जाना-माना हिस्ट्रीशीटर है और पहले झपटमारी, सेंधमारी समेत कई मामलों में शामिल रहा है और दूसरे की रोहित उर्फ पेटल के रूप में हुई है, जो 14 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। (जासं)

सेवानिवृत्त प्रोफेसर से ठगों ने की 98 हजार की ठगी

नोएडा: नोएडा सेक्टर 46 के गार्डन ग्लोरी सोसायटी में रहने वाले दिल्ली विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त प्रोफेसर डा. विजयानंद से साइबर ठगों ने 98 हजार रुपये की ठगी कर ली। वह आनलाइन सामान को रिटर्न करने के लिए गूगल से निकाले नंबर से ठगों के संपर्क में आए। ठगों ने आनलाइन ही रुपये रिफंड कराने का झांसा देकर दो बैंक खाते की डिटेल, मोबाइल नंबर आदि जानकारी प्राप्त की और 98 हजार रुपये अकाउंट से निकाल लिए। (जासं)

आर्म्स एक्ट के मामले में वांछित बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने सीलमपुर थाने में दर्ज आर्म्स एक्ट मामले में वांछित बदमाश को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान सीलमपुर के तारिक अली के रूप में हुई है। उपायुक्त विक्रम सिंह के मुताबिक, क्राइम ब्रांच द्वारा एनडीपीएस, आबकारी, आर्म्स और जघन्य मामलों में शामिल अपराधियों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान यह गिरफ्तारी की गई। (जासं)

डेरियों के पास बायो गैस प्लांट के लिए जमीन तलाशें अफसर

पहल ▸ बांके बिहारी के दर्शन कर लौटीं मुख्यमंत्री ने अफसरों को दिए निर्देश

सीएम ने कहा कि जल्द ही शुरू होगा दो परियोजनाओं पर काम

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

नंगे पांव गोवर्धन की परिक्रमा करतीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता। सौजन्य: दिल्ली सरकार

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मथुरा की पावन भूमि की यात्रा कर रविवार दोपहर दिल्ली लौटीं। उन्होंने वृंदावन में ठाकुर श्री बांके बिहारी के दर्शन किए और गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा कर दिल्लीवासियों की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने मथुरा के कमार गांव में बायो-सीएनजी परियोजना वेस्ट-टू-वेल्थ का उद्घाटन भी किया और कहा कि उनकी सरकार ऐसे प्लांट्स को दिल्ली में स्थापित कर रही है। ऐसे प्लांट्स से गैस के अलावा खाद का भी उत्पादन होता है। उन्होंने संबंधित विभाग के अफसरों को निर्देश दिए कि दिल्ली की डेरियों के पास ऐसे और स्थलों को चिन्हित करें, जहां ऐसे और प्लांट स्थापित किए जा सकें। मुख्यमंत्री को उम्मीद है कि इन प्लांट से हरित ऊर्जा का उत्पादन तो होगा ही, साथ ही मां यमुना को स्वच्छ रखने में भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री रविवार दोपहर अपने आवास पर पहुंचीं तो उन्होंने बायो गैस प्लांट से जुड़े आला अफसरों से बात की। उन्हें निर्देश दिए कि वे दिल्ली की डेरियों के आसपास ऐसी और जमीनों की तलाश करें, जहां बायो गैस प्लांट जल्द और आसानी से लगाए जा सकें। उन्होंने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ बनाने और मां यमुना को निर्मल बनाने के लिए इस तरह के प्लांट बेहद आवश्यक हैं और हम लगातार ऐसे प्लांट लगा रहे हैं। उन्होंने अफसरों से कहा कि वे जल्द से जल्द ऐसी जमीन की सूचना उन तक पहुंचाएं तो ऐसे और प्लांट लगाने की प्रक्रिया शुरू की जा सके। मुख्यमंत्री के अनुसार दिल्ली में 12,000 से अधिक डेरियों से प्रतिदिन हजारों टन गोबर निकलता है और नालों के माध्यम से यमुना नदी में पहुंचकर उसे दूषित करता है। सीएम के अनुसार हमारी सरकार सीएनजी बायो प्लांट लगाने को लेकर गंभीर है। हम जल्द ही दो प्रोजेक्ट शुरू कर देंगे। पिछली सरकारों ने अपने कार्यकाल में गोबर मसले का समाधान करने का प्रयास नहीं किया। हम इस मसले को लेकर गंभीर हैं और स्थायी हल निकाल रहे हैं। ऐसे प्लांट हमारी सरकारी की प्राथमिकता में शामिल हैं।

बगैर पीयूसीसी वाले वाहन मालिकों की भी एक जुलाई से खैर नहीं

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: बगैर पीयूसीसी (प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र) वाले वाहनों की भी अब खैर नहीं है। एक जुलाई से बगैर पीयूसीसी वाले वाहनों का पेट्रोल पंप पर पहुंचते ही 10 हजार का चालान कटेगा। उम्र पूरी कर चुके वाहनों की धड़पकड़ के साथ साथ ई-चालान के तहत वाहन मालिक के मोबाइल नंबर पर चालान की सूचना भी भेजे जाने का काम शुरू होगा। परिवहन विभाग ने 520 पेट्रोल पंपों पर कैमरा सिस्टम लगाकर यह व्यवस्था तैयार की है। अभी तक इस सेवा का कुछ पेट्रोप पंपों पर ट्रायल चल रहा था, अब इसे सभी पेट्रोप पंपों पर नियमित तौर पर शुरू किया जा रहा है।

जिस तरह से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या बनी हुई है, दिल्ली सरकार इसे लेकर और सख्त हो गई है। इससे पहले सरकार ने पेट्रोल पंप पर ऐसे वाहन के पहुंचने पर चेतावनी देकर दो घंटे का समय देने की योजना बनाई थी यानी लोगों को सूचना देकर दो घंटे का समय दिया जाता कि वे अपने वाहन का पीयूसीसी बनवा लें और इस समय के अंदर भी वे अगर पीयूसीसी नहीं बनवाते हैं तो चालान काटा जाता।

मगर प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिहाज से सरकार ने योजना में बदलाव किया है, अब सीधे चालान कटेगा। ऐसे में सलाह यही है कि दिल्ली में अगर वाहन चला रहे हैं तो प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र बनवाना ना भूलें।

'सत्ता में आने के पांच माह के भीतर ही भाजपा ने तोड़ दीं झुग्गियां'

▸ प्रदर्शन में बोले- दिल्ली और देश के लोग भाजपा व प्रधानमंत्री पर भरोसा न करें

▸ कार्यक्रम में आए लोगों को भाजपा और कांग्रेस को वोट नहीं देने की दिलाई कसम

जंतर मंतर पर प्रदर्शन के दौरान बोलते पूर्व मुख्यमंत्री व आप संयोजक अरविंद केजरीवाल साथ मौजूद राज्यसभा सदस्य संजय सिंह, विधायक गोपाल राय व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी। जागरण

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

जंतर मंतर पर आयोजित घर-रोजगार बचाओ आंदोलन के नारे के साथ आयोजित प्रदर्शन में आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैंने कहा था कि ये भाजपा वाले सत्ता में आए तो एक साल में तुम्हारी झुग्गी तोड़ देंगे मगर इन्होंने पांच माह के अंदर ही झुग्गी तोड़ दी हैं। भाजपा की गारंटी थी कि 'जहां झुग्गी, वहां मकान' मगर इसका असली मतलब है कि 'जहां झुग्गी, वहां मैदान'। उन्होंने कहा कि दिल्ली और देश के लोग भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर भरोसा न करें, नकली प्रोडक्ट की तरह उनकी गारंटी भी नकली और झूठी है।

केजरीवाल ने कहा कि जब से ये लोग सत्ता में आए हैं, काम नहीं कर रहे। ये कभी मनीष सिसोदिया, कभी सौरभ भारद्वाज तो कभी सत्येंद्र जैन पर एफआइआर कर रहे हैं। जनता ने इनको काम करने के लिए वोट दिया था। दिल्ली में 40 लाख झुग्गी वाले हैं, सभी अगर एक हो जाएं तो उन्हें कोई नहीं उजाड़ सकता। आप संयोजक ने कार्यक्रम में आए लोगों को कसम दिलाई कि वे कभी भी भाजपा और कांग्रेस को वोट नहीं देंगे।

वहीं, आप नेता गोपाल राय ने कहा कि भाजपा झुग्गियों को तोड़ना बंद करे, नहीं तो झुग्गी वाले प्रधानमंत्री के घर पर कब्जा करने के लिए कूच करेंगे। इस दौरान सौरभ भारद्वाज, संजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष आतिशी, पार्टी के गुजरात प्रभारी गोपाल राय समेत अन्य नेता मौजूद थे।

ग्रीन लाइन पर मेट्रो परिचालन के नियम में बदलाव, बढ़ेगी फ्रिक्वेंसी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

▸ कीर्ति नगर से चलने वाली हर मेट्रो जाएगी बहादुरगढ़

ग्रीन लाइन (बहादुरगढ़-कीर्ति नगर-इंद्रलोक) की मेट्रो में यात्रियों का दबाव बढ़ा है। इसके मद्देनजर दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने इस कारिडोर पर मेट्रो परिचालन के नियमों में बदलाव किया है। अब सोमवार से प्रत्येक कार्य दिवस के दिन इस कारिडोर पर दो लूप में मेट्रो चलेगी। डीएमआरसी का कहना है कि इससे इस कारिडोर पर मेट्रो की फ्रिक्वेंसी बढ़ेगी और पहले के मुकाबले कुछ कम समय में यात्रियों को मेट्रो उपलब्ध होगी।

ग्रीन लाइन पर अशोक पार्क मेन स्टेशन से कीर्ति नगर के बीच एक अलग लूप लाइन है। ग्रीन लाइन पर प्रतिदिन 20 ट्रेनों का परिचालन होता है। व्यस्त समय में इस कारिडोर पर चार मिनट दस सेकेंड से आठ मिनट 20 सेकेंड के अंतराल पर ट्रेन उपलब्ध होती है। कीर्ति नगर से चलने वाली हर दूसरी ट्रेन बहादुरगढ़ स्थित ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन जाती थी। डीएमआरसी के अनुसार 30 जून से हर सप्ताह सोमवार से शुक्रवार तक दो लूप में मेट्रो का परिचालन होगा। एक लूप में ब्रिगेडियर होशियार सिंह स्टेशन से कीर्ति नगर के बीच और दूसरे लूप में मुंडका से इंद्रलोक के बीच सीधी मेट्रो उपलब्ध होगी।

यानी कीर्ति नगर से चलने वाली हर मेट्रो बहादुरगढ़ स्थित ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन जाएगी। ब्रिगेडियर होशियार सिंह स्टेशन से इंद्रलोक जाने वाले यात्री अशोक पार्क मेन स्टेशन पर उतरकर इंद्रलोक के लिए मेट्रो पकड़ सकेंगे। वहीं इंद्रलोक से बहादुरगढ़ जाने के लिए यात्री राजधानी पार्क स्टेशन पर उतरकर बहादुरगढ़ की मेट्रो पकड़ सकेंगे। इससे हर ट्रिप पर 17 सेकेंड का समय बचेगा। इससे ग्रीन लाइन पर रोज दो अतिरिक्त मेट्रो चल सकेंगी। यात्रियों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर बहादुरगढ़ से कीर्ति नगर औद्योगिक क्षेत्र के बीच बेहतर आवागमन के लिए यह कदम उठाया गया है। शनिवार व रविवार को पहले की तरह मेट्रो का परिचालन होगा।

बिना कारण आरोपित के रूप में नहीं जारी करना चाहिए समन: हाई कोर्ट

विनीत त्रिपाठी, जागरण, नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट ने यह कहते हुए 98 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में एक व्यक्ति को जारी समन रद कर दिया कि ट्रायल कोर्ट को बिना किसी उचित कारण के किसी व्यक्ति को आरोपित के रूप में समन जारी नहीं करना चाहिए। न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने कहा कि समन जारी करना एक गंभीर मुद्दा है और समन आदेश में विवेक का प्रयोग होना चाहिए। समन बिना सोचे-समझे और सामग्री की जांच किए जारी किए गए थे और कंपनी ने बकाया वसूली के लिए दीवानी कार्यवाही को आपराधिक रूप देने की कोशिश की।

अपीलकर्ता ने ट्रायल कोर्ट के 28 सितंबर 2013 के आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील दायर की थी। इस आदेश में व्यक्ति को आरोपित के रूप में समन किया गया था। यह मामला शेयर ट्रेडिंग का कारोबार करने वाली कंपनी मेसर्स इंडियाबुल्स सिक्योरिटीज लिमिटेड द्वारा भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत दायर शिकायत से जुड़ा है।

गुजरात में छात्रा की मौत को माना हादसा, भविष्य के लिए एसओपी बनाई

उदय जगताप ● जागरण

▸ आइआइटी दिल्ली की शोध छात्रा की मृत्यु पर गठित समिति ने रिपोर्ट सौंपी

इसी जगह शोध के लिए गईं थीं सुरभि। फाइल

नई दिल्ली : गुजरात के लोथल में शोध कार्य के दौरान गड्ढे में गिरने से शोध छात्रा सुरभि वर्मा की मौत के मामले में आइआइटी दिल्ली की ओर से गठित समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। समिति ने हादसे के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है बल्कि इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना माना है। समिति ने एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी बनाई है और ऐसे शोध कार्यों में दिशानिर्देश का पालन करने को कहा है।

पिछले साल नवंबर में आइआइटी दिल्ली के पर्यावरण विज्ञान विभाग की छात्रा सुरभि वर्मा, प्रो. यामा दीक्षित के साथ गुजरात के लोथल में हड़प्पा कालीन क्षेत्र में शोध कार्य के लिए गई थीं। इसके लिए उन्होंने 10 से 12 फीट का गड्ढा खोदा। मिट्टी का नमूना लेने जब सुरभि नीचे उतरीं तो मिट्टी ढह गई और दबने से उनकी मौत हो गई थी। समिति ने रिपोर्ट में कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं का जिक्र किया है, जिसमें कहा गया कि यह खोदाई 10 फीट गहरी, पांच फीट चौड़ी और 10 फीट लंबी थी और जलोढ़ मैदान क्षेत्र में की जा रही थी।

समिति के अनुसार यह गड्ढा बहुत गहरा नहीं था। वर्तमान में ऐसी उथली खोदाई के लिए कोई अनिवार्य एसओपी या सुरक्षा प्रोटोकाल निर्धारित नहीं हैं। रिपोर्ट में अहम सिफारिशें भी की गई हैं। इसमें गड्ढे की दीवारों को हल्का तिरछा रखने, साइड में सीढ़ी या रैंप बनाने जैसे दिशानिर्देश शामिल हैं।

अनसुलझे हैं सवाल

समिति ने माना है कि फील्डवर्क के लिए दिशानिर्देशों का अभाव है। छात्रा के स्वजनों ने आरोप लगाए थे कि मिट्टी का नमूना लेने छात्रा को अकेले उतारा गया था। मिट्टी दलदली थी। सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया। इन सवालों के जवाब अभी तक नहीं मिले हैं।

मार्च में गठित हुई थी समिति

आइआइटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने यह समिति बीती 12 मार्च को गठित की थी। इसमें भूविज्ञान और सिविल इंजीनियरिंग के विशेषज्ञ शामिल थे। आइआइटी कानपुर के प्रो. जावेद एन मलिक अध्यक्ष थे, जबकि समिति में चेन्नई के अन्ना विश्वविद्यालय की प्रो. हेमा आच्युतन और आइआटी बाम्बे के प्रो. दीपांकर चौधुरी भी इसमें शामिल थे।

सरकार सिखों के धार्मिक मामलों में कर रही हस्तक्षेप : मनजीत सिंह

▸ गुरुद्वारा प्रबंध में सरकारी हस्तक्षेप के खिलाफ शिरोमणि अकाली दल ने की अरदास

गुरुद्वारा रकाब गंज में अरदास करते शिरोमणी अकाली दल के सदस्य। जागरण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) में सरकारी हस्तक्षेप के खिलाफ शिरोमणि अकाली दल के कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली संसद भवन के पास स्थित गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में संगत के साथ मिलकर अरदास की। यह अरदास गुरुद्वारा बंगला साहिब से शुरू की गई है। प्रत्येक रविवार को किसी न किसी गुरुद्वारे में अरदास की जाएगी।

शिरोमणि अकाली दल दफ्तर से बड़ी संख्या में संगत गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब पहुंची। उन्होंने दरबार हाल में मत्था टेकने के बाद निशान साहिब के समक्ष बरामदे में पंथ की चढ़दीकला और गुरुद्वारा प्रबंध की स्वतंत्रता के लिए अरदास की। इस अवसर पर दिल्ली कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने कहा कि मौजूदा सरकार सिखों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप कर रही है। जीके ने कहा कि जब दुनिया के सारे रास्ते बंद हो जाएं तो सिख कौम अरदास का सहारा लेती है। वहीं, गुरु चरणों में यह विनती की है कि हमें फिर से स्वतंत्र और स्वायत्त प्रबंध का अधिकार मिले। इस अवसर पर डा. परमजीत सिंह राणा ने वर्तमान प्रबंधकों की सरकार के समक्ष झुकने की नीति की आलोचना की। इस दौरान बीबी मनदीप कौर बख्शी और अन्य मौजूद रहे।

रिश्वत मामले में हवलदार की गिरफ्तारी के बाद थानाध्यक्ष लाइन हाजिर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की विजिलेंस टीम द्वारा बुराड़ी थाने के एक हवलदार सुरेंद्र कुमार मीणा को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तारी के बाद थानाध्यक्ष को लाइन हाजिर कर दिया गया है। माना जा रहा है कि उनके खिलाफ विभागीय जांच भी कराई जाएगी।

शनिवार देर रात करीब साढ़े ग्यारह बजे इस बाबत आला अधिकारियों की तरफ से आदेश जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि थानाध्यक्ष को लाइन हाजिर किया जाता है। उनकी जगह बुराड़ी थाने के एटीओ बतौर तब तक कामकाज देखेंगे। थाने के एटीओ इन दिनों छुट्टी पर चल रहे हैं। इस आर्डर के बाबत उनको सूचित किया गया है कि वह जल्द अपना पदभार संभालें। उतने समय तक थाने के इंस्पेक्टर इनवेस्टिगेशन को जिम्मेदारी दी गई है। बता दें, हवलदार सुरेंद्र कुमार मीणा ने 75 हजार रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप है और विजिलेंस की छापेमारी के दौरान सुरेंद्र को दिल का दौरा पड़ गया था। फिर उन्हें नजदीकी अस्पताल के आइसीयू में भर्ती कराया गया। जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई थी।

जेएनयू कुलपति ने छात्रसंघ की प्रवेश परीक्षा को लेकर की जा रही मांग ठुकराई

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ कुलपति ने छात्रसंघ को एक जुलाई को मिलने के लिए बुलाया

▸ जेएनयूएसयू का कहना है कि मांगें मानने तक हड़ताल जारी रहेगी

जेएनयू की कुलपति प्रोफेसर शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित। फाइल

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के कुलपति ने छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) की खुद की प्रवेश परीक्षा से प्रवेश देने की मांग ठुकरा दी है। उन्होंने कहा, सभी केंद्रों के डीन ने सहमति नहीं दी है। उन्होंने सीयूईटी को अधिक लोकतांत्रिक बताया है।

कुलपति प्रो. शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित ने कहा, उन्होंने पूर्व में भी छात्रसंघ से मुलाकात की है और जेएनयू प्रवेश परीक्षा (जेएनयूईई) को लेकर सभी डीन और चेयरपर्सन्स के साथ व्यापक चर्चा की थी। मैंने एक साल पहले सभी डीन से कहा था कि वे लिखित में दें कि उनकी स्कूल या केंद्र जेएनयूईई आयोजित कराने की जिम्मेदारी लेंगे लेकिन, किसी ने भी लिखित में सहमति नहीं दी। कई डीन ने नेट और सीयूईटी के पक्ष में राय दी। उन्होंने छात्रसंघ के एक सदस्य द्वारा अकेले मिलने के अनुरोध को अस्वीकार करते हुए कहा, "आप सभी छात्रों के लिए मिलकर लड़ते हैं इसलिए जेएनयूएसयू की एकता बनाए रखना जरूरी है। अगर आप पूरी टीम के साथ आएंगे तो मैं आपसे फिर मिलूंगी। कुलपति ने बताया कि छात्रावासों से जुड़ी अन्य समस्याओं के लिए डीओएस और उनकी टीम से संपर्क किया जा सकता है क्योंकि विश्वविद्यालय में निर्णय प्रक्रिया विकेंद्रीकृत है। आपके मुद्दों पर डीओएस और डीओए और मेरे स्तर पर पहले ही विस्तार से चर्चा हो चुकी है। यदि आप चाहें तो हम फिर से एक बैठक कर सकते हैं।

हड़ताल रहेगी जारी

जेएनयूएसयू अध्यक्ष नीतीश कुमार ने स्पष्ट कर दिया है कि मांगें मानने तक हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने कहा, कई केंद्र व स्कूल के डीन ने जेएनयूईई के पक्ष में राय दी है। कुलपति से मिलकर हम इस पर चर्चा करेंगे। पीएचडी व अन्य प्रवेश के लिए जेएनयूईई को अनिवार्य किया जाए और साक्षात्कार का वेटेज घटाकर 10-15 प्रतिशत किया जाए। पीएचडी शोधार्थियों को दी गई छात्रावास खाली करने की नोटिस वापस ली जाए और शोध पूरा होने तक छात्रावास आवास सुनिश्चित किया जाए। प्राक्टोरियल जांचों को रद किया जाए।

स्पेशल स्टाफ ने दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे 83 बांग्लादेशियों को पकड़ा

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली : पूर्वी जिला पुलिस स्पेशल स्टाफ ने अवैध रूप से रह रहे 83 बांग्लादेशियों को पकड़ा है। इनमें 44 महिलाएं, 39 पुरुष और 33 नाबालिग हैं। ये बांग्लादेश के कुरीग्राम और तांगल के रहने वाले हैं। इनको विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के जरिये इनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

स्पेशल स्टाफ ने आनंद विहार रेलवे स्टेशन से कुछ बांग्लादेशियों को पकड़ा था। इनसे मालूम हुआ था कि राष्ट्रीय राजधानी में बांग्लादेशियों की धरपकड़ के चलते यह लोग दूसरे स्थान पर जा रहे थे। इनसे पूछताछ कर यह जानकारी जुटाई गई कि इनके जानने वाले बांग्लादेश के लोग किन-किन इलाकों में रहते हैं। इसके बाद स्पेशल स्टाफ की टीम ने आनंद विहार, गाजीपुर, लक्ष्मी नगर के पास यमुना खादर, मंडावली, कल्याणपुरी समेत कई इलाकों में छापेमारी कर 83 बांग्लादेशियों को पकड़ा। पूछताछ में इन लोगों ने स्पेशल स्टाफ को बताया कि वे बांग्लादेश से नदी पार कर पश्चिम बंगाल आए। फिर दिल्ली आकर बस गए थे।

कार्रवाई

तीन वर्षों में पकड़ी गईं 20 करोड़ से अधिक की नकली दवा, अब तक 39 की हुई गिरफ्तारी, उप्र, उत्तराखंड, हरियाणा, बिहार, हिमाचल प्रदेश में तक फैला जाल

संगठित उद्योग बनता जा रहा है नकली दवाओं का कारोबार

अनूप कुमार सिंह ● जागरण

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी में नकली दवाओं का कारोबार अब संगठित उद्योग बनता जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में दिल्ली में पकड़ी गईं 20 करोड़ से अधिक की नकली दवाओं और इन मामलों में 39 से की हुई गिरफ्तारी इसकी पुष्टि करने को काफी है। एम्स व अन्य बड़े अस्पताल होने के कारण दिल्ली में कैंसर, किडनी, लिवर, डायबिटीज हाइपरटेंशन और हृदय संबंधी गंभीर रोगों से संबंधित दवाओं की मांग अधिक होने से इनकी नकली दवा यहां आसानी से खपाई जा रही हैं। इसका प्रमुख कारण कमजोर निगरानी तंत्र, भ्रष्टाचार और मोटे मुनाफे का लालच है। भारत विश्व का सबसे बड़ा जेनेरिक दवा उत्पादक है, जो वैश्विक स्तर पर 50 प्रतिशत टीकों, अमेरिका में 40 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं और यूके में 25 प्रतिशत दवाओं की आपूर्ति करता है।

प्रतीकात्मक

दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि हाल ही में कैंसर की नकली दवाओं की खेप पकड़ी गई थी। पुलिस लगातार इन पर कार्रवाई कर रही है। क्राइम ब्रांच ने पिछले वर्ष भी नकली दवा बनाने-बेचने के रैकेट पकड़ा था। इस कार्रवाई में करीब एक करोड़ की नकली दवा, मशीनरी और पैकेजिंग सामग्री जब्त की गई थी। इस मामले में 10 आरोपितों को भी पकड़ा गया था, जिसमें से पांच के पास फार्मेसी की डिग्री थी। जो बड़ी कंपनियों के ब्रांड नेम से नकली दवाओं को पैकेजिंग कर उन्हें बेचने का काम कर रहे थे। इनका नेटवर्क दिल्ली-एनसीआर के साथ ही उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल, बिहार और उत्तराखंड तक फैला हुआ था।

मिलीभगत

- बड़े अस्पतालों और फार्मेसी से कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों की दवाओं, इंजेक्शन की खाली शीशियों को एकत्र कर उनमें नकली दवा भर दोबारा पैक कर बेचा जाता है।
- दिल्ली के अलावा गोरखपुर और कानपुर आदि में थोक दवा व्यापारी नकली दवाओं को बाजार में खपाने में शामिल हैं।
- आनलाइन बाजार : कुछ नकली दवा आनलाइन प्लेटफार्म के जरिये सस्ते दामों पर बेची जाती हैं, जहां उनकी प्रामाणिकता की जांच मुश्किल है।
- नकली दवाओं को असली दवाओं की खेप में मिलाकर सप्लाई किया जाता है, जिससे जांच में पकड़ मुश्किल हो।

पिछले तीन वर्षों में की गई प्रमुख कार्रवाई

जून 2025: नकली रोसुवास एफ-20 टैबलेट का वितरण नेटवर्क पकड़ा

दिसंबर, 2024 : औषधि नियंत्रण विभाग और दिल्ली पुलिस ने राजेंद्र नगर (गाजियाबाद) में एक करोड़ 10 लाख की नकली दवा पकड़ी

2022-23: गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में नकली कफ सिरप की आपूर्ति का आरोप

अप्रैल, 2023: दिल्ली एक नामी कंपनी की नकली दवा बनाने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार दिल्ली पुलिस ने भारी मात्रा में नकली जीवनरक्षक दवा बरामद की

दिसंबर, 2022: दिल्ली पुलिस ने कैंसर और डायबिटीज की 50 लाख रुपये से अधिक की नकली दवाएं बरामद कीं

****

नवजात की देखभाल के लिए पाक्सो मामले की आरोपित को मिली जमानत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ आरोपित महिला को 25 हजार के निजी मुचलके पर सशर्त दी जमानत

▸ अपहरण, दुष्कर्म, मानव तस्करी मामले में आरोपित है महिला

न्यायिक हिरासत में जन्मे अपने दो माह के नवजात शिशु की देखभाल के लिए दिल्ली हाई कोर्ट ने एक पाक्सो मामले में आरोपित महिला को 90 दिनों की अंतरिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति रेनू भटनागर की अवकाश पीठ ने कहा कि मामले में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है और जांच भी पूरी हो चुकी है। अदालत ने यह भी नोट किया कि मामले में सह-आरोपित को जमानत मिल चुकी है। ऐसे में याचिकाकर्ता आरोपित महिला को 25 हजार रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के एक जमानती पर रिहा करने का आदेश दिया। याचिका के अनुसार महिला के खिलाफ वर्ष 2019 में अपहरण, मानव तस्करी, दुष्कर्म और पाक्सो की धारा की तहत मामला दर्ज किया गया था।

पीठ ने निर्देश दिया कि इस दौरान आरोपित न तो सुबूतों से छेड़छाड़ करेगी और न ही गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश करेगी। पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि बिना अदालत की अनुमति के महिला दिल्ली से बाहर भी नहीं जा सकेगी। याचिकाकर्ता महिला ने यह कहते हुए जमानत की मांग की कि उसके दो बच्चे हैं और एक बच्चे का जन्म जेल में हुआ था। महिला ने कहा कि मामले में निष्कर्ष आने में लंबा वक्त लगेगा और ऐसे में बच्चों की देखभाल के लिए उसने 90 दिनों की अंतरिम जमानत पर रिहा करने का निर्देश देने की मांग की।

64.3 प्रतिशत हो गई है सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आने लोगों की संख्या, जो 2016 में 22 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल स्रोत का उपयोग करने वाली जनसंख्या का प्रतिशत 2015-16 में 94.57 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 99.62 प्रतिशत हो गया है।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को चुनौती देंगे विपक्षी दल

कांग्रेस के अलावा अन्य दल भी कानूनी विकल्प पर कर रहे आपसी चर्चा

कांग्रेस ने चुनाव आयोग को लिखा है, जवाब मिलने पर उठाए जाएंगे सभी संभव कदम : जयराम

संजय मिश्र ● जागरण

जयराम रमेश। फाइल

नई दिल्ली : चुनाव आयोग द्वारा बिहार में विधानसभा चुनाव से पूर्व मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान पर उठ रहे सवालों के बीच, विपक्षी दल इस मुद्दे पर राजनीतिक लड़ाई के साथ-साथ कानूनी विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार कर रहे हैं। बिहार के महागठबंधन की पार्टियों ने मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के लिए निर्धारित नए दिशानिर्देशों और शर्तों के खिलाफ जमीनी स्तर पर साझा मुकाबला करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, कुछ दल विधि विशेषज्ञों से कानूनी विकल्पों पर सलाह भी ले रहे हैं।

मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने पहले ही चुनाव आयोग को लिखित रूप से इस पुनरीक्षण के कदम पर सवाल उठाए हैं और अब आयोग के जवाब का इंतजार कर रही है। इसके बाद पार्टी कानूनी विकल्पों को आजमाने की दिशा में आगे बढ़ेगी। तृणमूल कांग्रेस भी इस मुद्दे पर कानूनी दांव के माध्यम से आयोग के कदम को रोकने की पहल करने पर विचार कर रही है।

विपक्षी दल लोकसभा चुनाव 2024 के बाद महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर नाम जोड़े जाने और चुनाव में कथित धांधली के आरोप लगाते रहे हैं। इसी मद्देनजर ही बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण को लेकर आयोग पर हमलावर हैं। महागठबंधन की पार्टियों ने पटना में शुक्रवार को राजद नेता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में जमीनी स्तर पर वोटर लिस्ट पुनरीक्षण में किसी भी प्रकार की मनमानी रोकने के लिए साझा लड़ाई की घोषणा की है। वैसे विपक्षी दलों ने अपने-अपने स्तर पर भी चुनाव आयोग से बिहार में चुनाव से ठीक पहले वोटर लिस्ट के सघन पुनरीक्षण का एक सुर से विरोध किया है। कांग्रेस ने 26 जून को आयोग को पत्र लिखकर इस कदम की मंशा और निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए इसका विरोध करने की घोषणा की थी। पार्टी ने अपने पत्र में मतदाताओं से जन्म तिथि प्रमाणपत्र और उनके माता-पिता का जन्म प्रमाण पत्र मांगे जाने को मनमाना बताते हुए आयोग से जवाब मांगा था। कांग्रेस ही नहीं राजद, वामपंथी दल, एआइएमआइएम जैसे विपक्षी दलों ने विशेष सघन पुनरीक्षण स्थगित करने की मांग करते हुए आयोग से कई सवाल किए हैं। कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने इस विषय पर पूछे जाने पर कानूनी विकल्पों की संभावनाओं के खुले रहने का संकेत दिया। उन्होंने कहा, हमने चुनाव आयोग को लिखा है। आयोग के जवाब की प्रतीक्षा है, जिसके बाद हम सभी संभव कदम उठाएंगे। कांग्रेस के नेताओं का एक विशेष समूह मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के पहलुओं का अध्ययन कर रहा है, जबकि पार्टी के कानूनी सलाहकारों की टीम भी आंतरिक मंत्रणा कर रही है। दिलचस्प यह है कि सबसे पहले आयोग के इस कदम के खिलाफ मुखर आवाज उठाने वालीं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी महागठबंधन और कांग्रेस के साथ खड़ी नजर आ रही हैं। तृणमूल कांग्रेस ने भी बिहार जैसा प्रयोग बंगाल में किए जाने की आशंका जताते हुए आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

बिहार के तीन करोड़ मतदाताओं को देना होगा जन्म स्थान या जन्म तिथि का प्रमाण

- **चुनाव आयोग 2003 की बिहार की मतदाता सूची जल्द ही वेबसाइट पर करेगा अपलोड**
- **आयोग ने कहा - उन 4.96 करोड़ मतदाताओं को दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं**

नई दिल्ली, प्रेट्र : निर्वाचन आयोग जल्द ही 2003 की बिहार की मतदाता सूची को अपनी वेबसाइट पर अपलोड करेगा ताकि लगभग 4.96 करोड़ मतदाता जिनके नाम इसमें शामिल हैं, वे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए नामांकन प्रपत्र के साथ संलग्न करने के लिए अपने नामों से संबंधित हिस्से को निकाल सकें। ऐसी सूरत में इन मतदाताओं को अपनी जन्म तिथि या जन्म स्थान साबित करने के लिए कोई भी दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं है। इनके अलावा राज्य में बचे और करीब तीन करोड़ मतदाता। ऐसे मतदाताओं को सत्यापन के लिए अपना जन्म स्थान या जन्म तिथि का प्रमाण देना होगा।

विपक्षी दलों द्वारा संशोधन प्रक्रिया पर सवाल उठाए जाने के बीच, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई अयोग्य व्यक्ति इसमें शामिल न हो।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जो भी इस प्रक्रिया का विरोध कर रहा है, वह अनुच्छेद 326 का भी विरोध कर रहा है और उन्हें अपने रुख को स्पष्ट करना चाहिए। अनुच्छेद 326 कहता है कि सभी योग्य नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल किया जाना चाहिए और जो अयोग्य या भारत के नागरिक नहीं हैं, वे मतदाता सूची का हिस्सा नहीं हो सकते।

निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार के चुनावी तंत्र को जारी किए गए निर्देशों के अनुसार, 4.96 करोड़ मतदाताओं जो कुल मतदाताओं का 60 प्रतिशत हैं और जो 2003 की विशेष व्यापक पुनरीक्षण सूची में शामिल थे, उन्हें अपनी जन्म तिथि या जन्म स्थान साबित करने के लिए कोई भी दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं है, बशर्ते कि वे पुनरीक्षण के बाद प्रकाशित मतदाता सूची का प्रासंगिक हिस्सा संलग्न करें। शेष तीन करोड़ यानी करीब 40 प्रतिशत मतदाताओं को अपना जन्म स्थान या जन्म तिथि प्रमाणित करने के लिए 11 सूचीबद्ध दस्तावेजों में से एक दस्तावेज उपलब्ध कराना होगा। एक अधिकारी ने बताया कि मूल प्रक्रिया यह है कि शेष तीन करोड़ मतदाताओं में से प्रत्येक व्यक्ति की पहचान की जाए, उसके बाद ही उनके नाम सूची में शामिल किए जाएं।

बिहार में अभी 243 विधानसभा सीट पर 7.89 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। राज्य में इस साल के अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। अधिकारियों ने बताया कि मतदाता सूची में विशेष गहन संशोधन के दौरान आयोग ने राजनीतिक दलों को सलाह दी है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को सभी मतदान केंद्रों पर बूथ स्तर के एजेंट (बीएलए) के रूप में नियुक्त करें। शनिवार को आयोग ने कहा कि सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों ने पहले ही 1,54,977 बीएलए नियुक्त किए हैं।

नई आरक्षण प्रणाली 10 गुना ज्यादा सक्षम होगी

प्रथम पृष्ठ से आगे

नई आरक्षण प्रणाली को आसान बनाने का काम सेंटर फार इन्फार्मेशन सिस्टम को दिया गया है। नई प्रणाली वर्तमान क्षमता से लगभग 10 गुना ज्यादा सक्षम होगी। इससे बुकिंग क्षमता बढ़ जाएगी। अभी एक मिनट में 32 हजार टिकट बुक होता है। नई प्रणाली में डेढ़ लाख से ज्यादा टिकट बुक होने लगेंगे। पूछताछ की क्षमता भी बढ़ जाएगी। अभी प्रत्येक मिनट चार लाख पूछताछ की क्षमता है, जो बढ़कर 40 लाख तक पहुंच जाएगी।

एसी श्रेणियों के लिए प्रतीक्षा सूची की सीमा रेल मंत्रालय ने 60 प्रतिशत की : रेल मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक नए आदेश में सभी एसी श्रेणियों के लिए यात्रियों की प्रतीक्षा सूची की सीमा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत और गैर-एसी श्रेणियों के लिए 30 प्रतिशत कर दी है। सभी श्रेणियों के यात्रियों की प्रतीक्षा सूची को 25 प्रतिशत तक सीमित करने का आदेश मूल रूप से 17 अप्रैल को जारी किया गया था। यह 16 जून से लागू कर दिया।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर कहा कि यात्रा वर्गों की कुल सीटों/बर्थों की प्रतीक्षा सूची 25 प्रतिशत तक सीमित करने का आदेश लागू करने के मात्र 12 दिन बाद ही मंत्रालय को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसने अपना निर्णय लगभग वापस ले लिया।

बिना मंजूरी चलाए जा रहे आनलाइन एलएलएम प्रोग्राम : बीसीआइ

- **कानूनी शिक्षा की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए एडवाइजरी जारी**
- **मौजूदा कानूनी और शैक्षणिक ढांचे के अनुपालन पर दिया जोर**

नई दिल्ली, एएनआइ : बार काउंसिल आफ इंडिया (बीसीआइ) ने कहा है कि देश में बिना मंजूरी कई आनलाइन एलएलएम प्रोग्राम चलाए जा रहे हैं। देश में कानूनी शिक्षा की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए बीसीआइ ने आनलाइन, दूरस्थ या हाइब्रिड प्रारूपों में पेश किए जा रहे गैर मान्यता वाले एलएलएम (मास्टर आफ ला) प्रोग्राम के खिलाफ एडवाइजरी जारी की है। इसमें मौजूदा कानूनी और शैक्षणिक ढांचे के अनुपालन पर जोर दिया गया है।

दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और कानूनी शिक्षा पर स्थायी समिति के सह-अध्यक्ष जस्टिस राजेंद्र मेनन ने इस संबंध में सभी उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरलों के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट को लिखे पत्र में कहा है कि एलएलएम (प्रोफेशनल), एक्जीक्यूटिव एलएलएम, या साइबर ला में एमएससी जैसे वैकल्पिक पाठ्यक्रमों या प्रोग्राम की बढ़ती संख्या से बीसीआइ चिंतित है। इनमें से कई प्रोग्राम अनिवार्य मंजूरी के बिना चलाए जा रहे हैं। यह न केवल सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन है, बल्कि इससे छात्र गुमराह होते हैं और शैक्षणिक गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। पत्र की प्रतियां विश्वविद्यालयों और राज्य बार काउंसिलों को भी भेजी गईं ताकि उचित कार्रवाई हो सके। एडवाइजरी के तहत एलएलएम प्रोग्रामों को संचालित करने से पहले पूर्व अनुमोदन आवश्यक है।

बार काउंसिल ने स्पष्ट किया कि अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के तहत केवल बीसीआइ को स्नातक और स्नातकोत्तर कानूनी प्रोग्राम को विनियमित करने का अधिकार है। गुणवत्ता या नियामक अनुपालन में किसी भी प्रकार की छूट सीधे कानूनी पेशे को प्रभावित करती है। बीसीआइ ने उच्च न्यायालयों से आग्रह किया है कि वे न्यायिक संज्ञान लें। गैर मान्यता प्राप्त एलएलएम प्रोग्राम से प्राप्त अर्हता को नियुक्तियों या पदोन्नतियों के लिए अस्वीकार करें।

'हथियार छोड़ मुख्य धारा में शामिल हों माओवादी'

- **केंद्रीय गृह मंत्री का माओवादियों से वातचीत की संभावना से इन्कार**
- **आपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने के लिए राहुल पर भी प्रहार**
- **कहा, आपरेशन का असर समझने को देखें पाक की (खराब) हालत**

हैदराबाद, प्रेट्र : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माओवादियों से किसी भी तरह की बातचीत की संभावना से इन्कार करते हुए कहा कि प्रतिबंधित संगठन के सदस्यों को हथियार छोड़ देना चाहिए, पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर देना चाहिए और मुख्यधारा में शामिल हो जाना चाहिए।

रविवार को तेलंगाना के निजामाबाद में हल्दी बोर्ड के राष्ट्रीय मुख्यालय का उद्घाटन करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अभी भी आपरेशन सिंदूर पर सवाल उठा रहे हैं। उन्हें इस आपरेशन का असर समझने के लिए पाकिस्तान की (खराब) हालत देखनी चाहिए। शाह ने कहा, 'कांग्रेस केंद्र सरकार से माओवादियों से चर्चा करने के लिए कहती है। मगर, हमारी सरकार की स्पष्ट नीति हथियार रखने वालों से कोई बातचीत नहीं करने की है। हथियार छोड़ो, आत्मसमर्पण करो और मुख्यधारा में शामिल हो जाओ।'

गृह मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर में करीब 10,000 लोगों ने हथियार छोड़ दिए और मुख्यधारा में शामिल हो गए। उन्होंने तालुक स्तर से लेकर विधानसभाओं तक के लिए हुए चुनावों में भी भाग लिया।

निजामाबाद में रविवार को राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के मुख्यालय का फीता काटकर उद्घाटन करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व अन्य। एएनआइ

इसी तरह, पिछले डेढ़ साल में 2,000 से अधिक माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने दो टूक कहा, 'हथियार छोड़ो और आत्मसमर्पण करो। अगर आप आत्मसमर्पण नहीं करते हैं तो हमने तय किया है कि 31 मार्च, 2026 से पहले इस देश से माओवादियों का सफाया हो जाएगा।'

उन्होंने कहा कि आदिवासी इलाकों में हिंसा में पिछले चार दशकों में 40,000 लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने कहा कि उन्हें आशंका है कि कांग्रेस देशभर में भाग रहे माओवादियों को तेलंगाना में पनाह न दे दे। हालांकि, उन्होंने कहा कि चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि केंद्र में मोदी सरकार सत्ता में है।

अब कभी भी, कहीं से भी मिल सकेगा सरकारी डाटा

- **एनएसओ ने लांच किया जीओआइ स्टैट्स मोबाइल एप**
- **एंड्रायड वर्जन गूगल प्लेस्टोर पर उपलब्ध, आइओएस वर्जन जल्द**

नई दिल्ली, प्रेट्र : अब सरकारी डाटा कहीं से भी, कभी भी मोबाइल पर आसानी से मिल सकेगा। डाटा के लिए मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। कुछ क्लिक कर आपको सारा डाटा मिल जाएगा। एनएसओ ने रविवार को जीओआइ स्टैट्स मोबाइल एप लांच किया है। यह एंड्रायड मोबाइल एप गूगल प्लेस्टोर पर निःशुल्क उपलब्ध होगा। आइओएस वर्जन जल्द ही जारी किया जाएगा। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के तहत नेशनल सैंपल सर्वे आफिस (एनएसओ) द्वारा सांख्यिकी दिवस पर जारी यह मोबाइल एप सभी नागरिकों के लिए आधिकारिक डाटा को सुलभ और यूजर अनुकूल बनाने की भारत की प्रतिबद्धता में मील का पत्थर है।

इस एप में इंटरैक्टिव 'की ट्रेंड्स या मुख्य रुझान' डैशबोर्ड है। इस पर जीडीपी, महंगाई, रोजगार के डाटा विजुअलाइजेशन के साथ उपलब्ध हैं। यूजर्स 'प्रोडक्ट्स' सेक्शन के माध्यम से एनएसओ के डाटाबेस से डाटा प्राप्त कर सकेंगे।

एप में क्यूरेटेड इन्फोग्राफिक्स सेक्शन शामिल है। इसमें जटिल आंकड़ों को सरलता से समझाया गया है। चार्ट और ग्राफ, शेयरिंग सुविधा के साथ डाटा के स्रोत की भी जानकारी होगी। पब्लिकेशन सेक्शन में यूजर्स डाटा को डाउनलोड भी कर सकेंगे। एप में निरंतर सुधार के लिए फीडबैक तंत्र, यूजर्स के अनुकूल इंटरफेस एप की प्रमुख विशेषताएं हैं।

गौरतलब है कि सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा किए गए उल्लेखनीय योगदान के सम्मान में उनकी जयंती 29 जून को सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय संकेतक रूपरेखा प्रगति रिपोर्ट 2025, सतत विकास लक्ष्यों पर डाटा स्नैपशाट और सतत विकास लक्ष्य - राष्ट्रीय संकेतक रूपरेखा, 2025 भी जारी किए गए।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ का दो दिनी वार्षिक सम्मेलन आज से

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : तपोवन विधानसभा परिसर में 30 जून व पहली जुलाई को आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए शनिवार को पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना व कर्नाटक सरकार के विधानसभा अध्यक्ष धर्मशाला पहुंचे। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश भी धर्मशाला पहुंच गए हैं। सोमवार को सम्मेलन का शुभारंभ लोकसभा अध्यक्ष एवं राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत के चेयरमैन ओम बिरला करेंगे। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। तपोवन में ऐसा आयोजन पहली बार किया जा रहा है। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत में पांच राज्य हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली व जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। सम्मेलन में भाग लेने के लिए उत्तर प्रदेश, कर्नाटक व तेलंगाना को विशेष रूप से आमंत्रित किया है। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया इन सभी राज्यों के संयोजक हैं।

विमान हादसे की तोड़फोड़ एंगल से भी जांच कर रहा है एएआइबी

- **नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा- पूरी जांच देश के भीतर ही की जाएगी**
- **हादसाग्रस्त विमान के ब्लैक बाक्स के सीवीआर व एफडीआर के डाटा का विश्लेषण किया जा रहा**

नई दिल्ली, आइएएनएस : नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा है कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया एआइ-171 विमान हादसे की सभी एंगल से जांच कर रहा है, जिसमें किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ जैसी साजिश भी शामिल है। रिपोर्ट तीन महीने में आने की उम्मीद है। बता दें 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही हादसे का शिकार हो गया था। इसमें सवार 242 में से 241 यात्रियों समेत 270 से अधिक लोगों की जान गई थी।

पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान मोहोल ने कहा कि एएआइबी जांच में जुटा है। सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा की जा रही है। मंत्री ने इस दुर्घटना को असामान्य मामला करार देते हुए कहा कि ऐसा कभी नहीं हुआ कि दोनों इंजन एक साथ बंद हो गए हों। उन्होंने कहा कि अनुभवी पायलटों और विशेषज्ञों के अनुसार, डुअल इंजन फेल्यर के कारण दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने कहा कि हादसाग्रस्त विमान का ब्लैक बाक्स बरामद कर लिया गया है और यह एएआइबी के पास है। नई दिल्ली में एएआइबी की आधुनिक प्रयोगशाला में काकपिट वायस रिकार्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डाटा रिकार्डर (एफडीआर) के डाटा का विश्लेषण किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि इसकी जांच पूरी तरह से देश के भीतर ही की जाएगी। इन उपकरणों को देश से बाहर नहीं भेजा जाएगा।

मुरलीधर मोहोल। सौ. एक्स@मोहोलमुरलीधर

स्कूलों में जुंबा को लेकर अपना निर्णय नहीं बदलेगी केरल सरकार

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : केरल सरकार ने स्कूलों में जुंबा शुरू करने को लेकर कुछ मुस्लिम धार्मिक संगठनों के विरोध के बीच स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अपने फैसले को बदलने वाली नहीं है।

सरकार ने नशा रोधी अभियान के तहत राज्य के विद्यालयों में जुंबा शुरू करने का फैसला लिया है। जुंबा एक प्रकार का कसरत है। इसमें नृत्य संगीत गतिविधियां भी होती हैं। जुंबा तनाव कम करने में मददगार है। कई स्कूलों ने जुंबा प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया है। कुछ मुस्लिम संगठन सरकार के इस निर्णय का विरोध कर रहे हैं।

केरल के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने स्कूलों में जुंबा शुरू करने के फैसले सही ठहराया। उन्होंने शैक्षिक गतिविधियों को सांप्रदायिक रंग देने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा, स्कूलों में शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में सभी निर्णय निर्वाचित सरकार द्वारा लिए जाते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि यदि कोई चिंताएं हैं, तो सरकार चर्चा के लिए तैयार है। इसे सांप्रदायिक रंग देना धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ है।

इंडोनेशिया में भारतीय रक्षा राजनयिक के बयान पर विवाद

- **वोले, आपरेशन सिंदूर के शुरुआती चरण में भारतीय वायुसेना ने लड़ाकू विमान गंवाए**
- **पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला नहीं करने के आदेश के कारण बाध्य होना पड़ा**

नई दिल्ली, प्रेट्र : इंडोनेशिया में भारतीय रक्षा राजनयिक कैप्टन शिव कुमार की टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि आपरेशन सिंदूर के शुरुआती चरण में भारतीय वायुसेना ने लड़ाकू विमान खो दिए थे, क्योंकि उसे पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला नहीं करने और केवल आतंकवादी ढांचे को ही निशाना बनाने का आदेश दिया गया था।

रविवार को कैप्टन शिव कुमार द्वारा 10 जून को एक सभा में की गई टिप्पणियों का कथित वीडियो सामने आने के बाद जकार्ता स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि अधिकारी ने केवल इस तथ्य को रखा था कि भारतीय सशस्त्र बल देश के राजनीतिक नेतृत्व के तहत काम करते हैं, जबकि कुछ अन्य पड़ोसी देशों में ऐसा नहीं है। भारतीय नौसेना के अधिकारी जकार्ता के एक विश्वविद्यालय में आयोजित एक सेमिनार में बोल रहे थे।

विपक्षी कांग्रेस ने लड़ाकू विमान के नुकसान पर रक्षा राजनयिक की कथित टिप्पणियों का हवाला देते हुए सरकार पर देश को 'गुमराह' करने का आरोप लगाया। हालांकि, भारतीय दूतावास ने एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट में कहा, 'उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर उद्धृत किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में उनके द्वारा कही गई बातों और तथ्यों को प्रस्तुत करने की उनकी मंशा को गलत ढंग से पेश किया गया है।'

कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए यह भी पूछा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विपक्ष को विश्वास में लेने के लिए सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने से क्यों इन्कार कर रहे हैं और संसद के विशेष सत्र की मांग को क्यों खारिज कर दिया गया है।

लद्दाख में एलएसी से सटे क्षेत्रों में आरक्षण के लिए अधिसूचना जारी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू : केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के प्रशासन ने एक और उपलब्धि हासिल की है, जिसमें जम्मू और कश्मीर आरक्षण अधिनियम, 2004 के प्रविधानों के तहत वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से सटे विशिष्ट क्षेत्रों को घोषित करने की आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई है। इसे केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख आरक्षण (संशोधन) विनियम, 2025 द्वारा संशोधित किया गया है।

अधिसूचना के अनुसार लेह जिले में नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ स्थित 18 राजस्व गांव और कारगिल जिले में एलओसी के साथ स्थित 34 राजस्व गांव शामिल हैं। यह घोषणा इन पहचाने गए क्षेत्रों के निवासियों को संशोधित लद्दाख आरक्षण नियमों में निर्दिष्ट आरक्षण का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगी। आधिकारिक स्रोत के अनुसार यह घोषणा एक संरचित प्रक्रिया के बाद हुई है जो प्रशासन द्वारा शुरू की गई थी, जिसमें न्यायमूर्ति बंसी लाल भट्ट, पूर्व न्यायाधीश जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया गया था।

आपके पास फोन, साइकिल, स्कूटर, कार, रेडियो व टीवी है?

जनगणना में होंगे सवाल

पानी, बिजली, शौचालय, रसोई गैस (एलपीजी/पीएनजी) कनेक्शन के बारे में भी पूछा जाएगा, एक अप्रैल 2026 से शुरू होगा जनगणना का पहला चरण, मुख्य सचिवों को लिखा गया पत्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा है कि मकानों की गणना के साथ ही एक अप्रैल, 2026 से जनगणना का पहला चरण शुरू होगा। इससे पहले राज्यों और जिला प्रशासन के सहयोग से पर्यवेक्षकों, गणनाकारों की नियुक्ति और उनके बीच कार्य वितरण किया जाएगा।

महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय ने लोगों से पूछे जाने वाले लगभग तीन दर्जन प्रश्न तैयार किए हैं। सर्वेक्षण के दौरान घरों में फोन, इंटरनेट, वाहन (साइकिल, स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार, जीप, वैन) और उपकरणों (रेडियो, टीवी) जैसी वस्तुओं के स्वामित्व के बारे में पूछा जाएगा। लोगों से अनाज की खपत, पीने के पानी और ऊर्जा के स्रोत, शौचालयों के प्रकार और उनकी उपलब्धता, अपशिष्ट जल निपटान, स्नान और रसोई की सुविधाएं, खाना पकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ईंधन और एलपीजी/पीएनजी कनेक्शन के बारे में भी पूछा जाएगा। अतिरिक्त प्रश्नों में मकान के फर्श, दीवारों और छत में प्रयुक्त सामग्री, उसकी स्थिति, निवासियों की संख्या, कमरों की संख्या, विवाहित जोड़ों की उपस्थिति तथा क्या परिवार की मुखिया महिला है और परिवार अनुसूचित जाति या जनजाति का है, आदि शामिल हैं।

पत्र के अनुसार, जनगणना दो चरणों में होगी। एक अप्रैल, 2026 से मकान गणना कार्य, पर्यवेक्षकों और गणनाकारों की नियुक्ति और उनके बीच कार्य विभाजन किया जाएगा। जबकि, एक फरवरी, 2027 से जनगणना शुरू होगी। पहले चरण यानी मकान गणना अभियान में प्रत्येक घर की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं के बारे में जानकारी एकत्र की जाएगी। इसके बाद दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना में हर घर में रहने वाले लोगों की संख्या, उनका सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य विवरण एकत्र किया जाएगा, जो एक फरवरी, 2027 से निर्धारित है। एक सरकारी बयान में कहा गया था कि जनगणना में जाति गणना भी की जाएगी।

जनगणना गतिविधियों के लिए 34 लाख से अधिक गणनाकार और पर्यवेक्षक तथा लगभग 1.3 लाख जनगणना कार्यकर्ता तैनात किए जाएंगे। यह अब तक की 16वीं जनगणना है तथा स्वतंत्रता के बाद आठवीं जनगणना है। आगामी जनगणना मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग करके डिजिटल माध्यम से की जाएगी। लोगों को स्व-गणना का प्रविधान भी उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं में कोई भी बदलाव 31 दिसंबर तक

नारायण ने कहा कि जनगणना के लिए सभी गांवों और कस्बों को एक समान गणना ब्लाकों में विभाजित किया जाता है और प्रत्येक ब्लाक के लिए एक गणनाकर्ता नियुक्त किया जाता है ताकि गणना में किसी चूक या दोहराव से बचा जा सके। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा गया है कि वे प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं में प्रस्तावित कोई भी बदलाव 31 दिसंबर से पहले करें क्योंकि इस तिथि तक किए गए बदलाव को ही जनगणना के लिए अंतिम बदलाव माना जाएगा। नियमों के अनुसार, जिलों, उप-जिलों, तहसीलों, तालुकाओं और थानों जैसी प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं को स्थिर करने के तीन महीने बाद ही जनगणना की जा सकती है। नारायण ने मुख्य सचिवों से कहा है कि वे 31 दिसंबर से पहले नगर निगमों, गांवों, तहसीलों, उप-विभागों या जिलों की सीमाओं में कोई भी प्रस्तावित बदलाव करने के लिए सभी विभागों को निर्देशित करें।

****

कह कर रहेंगे माधव जोशी

40 हजार से अधिक लोग जिनमें नागरिक, सुरक्षाकर्मी और यहां तक कि बच्चे भी शामिल हैं 1990 से अब तक कश्मीर में आतंकवाद के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं।

मजीठिया की गिरफ्तारी पर सवाल उठाने पर आप ने विधायक को किया निलंबित

पार्टी ने कहा– कुंवर ने नशे के खिलाफ अभियान को कमजोर करने की कोशिश की

अमृतसर नार्थ से विधायक हैं कुंवर विजय प्रताप सिंह, पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने का भी आरोप

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

कुंवर विजय प्रताप सिंह

पंजाब में आम आदमी पार्टी ने कड़ा रुख अपनाते हुए अपने विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह को पांच वर्ष के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। पार्टी की शीर्ष नीति-निर्धारक संस्था पालिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) ने रविवार को यह निर्णय लिया। पार्टी ने आरोप लगाया है कि कुंवर विजय पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त थे और उन्होंने नशे के खिलाफ अभियान को कमजोर करने की कोशिश की।

पालिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) के अनुसार, कुंवर ने हाल ही में अकाली दल नेता बिक्रम मजीठिया के खिलाफ विजिलेंस की कार्रवाई पर सवाल उठाए जिससे सरकार की ड्रग्स-विरोधी प्रतिबद्धता को ठेस पहुंची। कुंवर ने 25 जून को विजिलेंस द्वारा मजीठिया की आय से अधिक संपत्ति मामले में गिरफ्तारी को लेकर सवाल खड़े किए थे, जिसे पीएसी ने अनशासनहीनता माना है।

पूर्व आइपीएस अधिकारी कुंवर विजय प्रताप ने अपने पद से इस्तीफा देकर 2022 में आम आदमी पार्टी से चुनाव लड़ा था। अमृतसर नार्थ से विधायक चुने जाने के बाद वह गंभीर मामलों में ठोस कार्रवाई नहीं करने को लेकर विधानसभा में अपनी सरकार पर सवाल खड़े करते रहे। पुलिस अधिकारी रहते हुए कुंवर कांग्रेस सरकार द्वारा गठित एसआइटी के सदस्य थे। कुंवर जब राजनीति में आए तो यह कयास था कि सरकार बनने के बाद आम आदमी पार्टी कुंवर को मंत्री बना सकती है। हालांकि, उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया।

मजीठिया को गिरफ्तार किए जाने पर कुंवर विजय ने कहा था कि जब मजीठिया ड्रग्स मामले में जेल में थे तब सरकार ने आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्ण जांच क्यों नहीं की। उन्होंने कहा था कि वह मजीठिया से पहले भी असहमत थे और आगे भी असहमत रहेंगे लेकिन परिवार की इज्जत सभी की साझी होती है, चाहे वह नेता हो या अभिनेता, अमीर हो या गरीब, दोस्त हो या विरोधी। उन्होंने कहा था कि विजिलेंस की रेड डालना गलत है और पूर्व सरकारों की तरह मौजूदा सरकार भी विजिलेंस का दुरुपयोग कर रही है। इससे आम आदमी पार्टी को अपनी कार्रवाई पर जवाब देना मुश्किल हो रहा था।

नशा, अपराध के खिलाफ लड़ाई में रुकावट को बर्दाश्त नहीं करेंगे : प्रवक्ता

विधायक कुंवर विजय को निलंबित किए जाने पर आप प्रवक्ता नील गर्ग ने कहा कि पार्टी और सरकार का उद्देश्य साफ है कि पंजाब से नशा, अपराध व भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना है और जो भी इस लड़ाई में रुकावट बनेगा, उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नशा बड़ा मुद्दा

पंजाब की राजनीति में पिछले कुछ सालों में नशा बड़ा मुद्दा रहा है। बुधवार को जब शिरोमणि अकाली दल के बड़े नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया की गिरफ्तारी हुई तो एक बार फिर नशे के मुद्दे को लेकर पंजाब की राजनीति में हंगामा शुरू हो गया है। बता दें, मजीठिया को विजिलेंस ब्यूरो ने आय से अधिक संपत्ति मामले में गिरफ्तार किया है। विजिलेंस का आरोप है कि मजीठिया के खिलाफ ड्रग स्मगलिंग और हवाला कारोबार करने के सबूत मिले हैं। आरोप है कि मजीठिया ने 2007 से 2017 के बीच पंजाब सरकार में मंत्री रहते हुए आय से अधिक संपत्ति अर्जित की। 2012 में नशा तस्करी में बड़ा मामला सामने आया था। इसमें 6000 करोड़ रुपये के सिंथेटिक ड्रग का पता चला था। उस समय पंजाब में अकाली दल और भाजपा की सरकार थी और बिक्रम सिंह मजीठिया इसमें राजस्व मंत्री थे।

बढ़ते विरोध के बीच महाराष्ट्र सरकार ने त्रिभाषा नीति पर जारी आदेश को लिया वापस

27 में से 20 सदस्यों ने समिति की बैठक में हिस्सा लिया

- मुख्यमंत्री फडणवीस ने की एक समिति के गठन की घोषणा
- यह समिति भाषा नीति के संबंध में देगी अपना सुझाव

देवेंद्र फडणवीस। फाइल

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र के स्कूलों में कक्षा एक से पांच तक हिंदी भाषा पढ़ाए जाने के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच राज्य मंत्रिमंडल ने रविवार को त्रिभाषा नीति के कार्यान्वयन पर दो जीआर (सरकारी आदेश) वापस लेने का फैसला किया। मुंबई में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिक्षाविद् नरेंद्र जाधव के नेतृत्व में एक समिति के गठन की भी घोषणा की। यह समिति भाषा नीति के संबंध में सुझाव देगी।

फडणवीस ने आरोप लगाया कि जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे, उन्होंने कक्षा एक से 12 तक त्रिभाषा नीति शुरू करने के लिए डा. रघुनाथ माशेलकर समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया था। इस नीति के कार्यान्वयन के लिए एक समिति भी गठित की गई थी।

फडणवीस ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने कक्षा एक से त्रिभाषा नीति के कार्यान्वयन के संबंध में अप्रैल और जून में जारी सरकारी संकल्प (जीआर) को वापस लेने का फैसला किया है। त्रिभाषा नीति के कार्यान्वयन की सिफारिश करने के लिए डा. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जाएगी। फडणवीस सरकार ने 16 अप्रैल को एक जीआर जारी किया था, जिसमें अंग्रेजी और मराठी माध्यम के स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा एक से पांच तक के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाया गया था।

महाराष्ट्र सरकार 'मराठी मानुष' की शक्ति के आगे हार गई : उद्धव

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार 'मराठी मानुष' की शक्ति के आगे हार गई। उसने राज्य के स्कूलों में कक्षा एक से पांच तक त्रिभाषा नीति के तहत हिंदी के कार्यान्वयन पर दो जीआर (सरकारी संकल्प) वापस ले लिए हैं। मीडिया से बात करते हुए उद्धव ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस सरकार ने मराठी मानुष की एकता को तोड़ने और मराठी और गैर मराठियों के बीच विभाजन पैदा करने का प्रयास किया। सरकार मराठी मानुष की शक्ति के आगे हार गई। सरकार को यह एहसास नहीं था कि मराठी मानुष इस तरह से एकजुट हो जाएगा। अपने पार्टी के सहयोगी संजय राउत द्वारा जीआर के विरोध में पांच जुलाई को होने वाली रैली को रद करने की घोषणा के बीच ठाकरे ने कहा कि यह कार्यक्रम अब मराठी एकता की सफलता का जश्न मनाने के लिए एक विजय मार्च में बदल जाएगा। उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा को झूठ की फैक्ट्री करार दिया।

विपक्षी दलों के विरोध के बीच सरकार ने 17 जून को संशोधित जीआर जारी किया, जिसमें हिंदी को वैकल्पिक भाषा बनाया गया।

इससे पहले सरकार द्वारा नियुक्त सलाहकार समिति ने प्राथमिक कक्षाओं में हिंदी पढ़ाने के फैसले को वापस लेने का आग्रह किया। सरकार को मराठी भाषा के संबंध में अनुशंसा करने वाली भाषा सलाहकार समिति ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें मांग की गई कि कक्षा पांच से पहले हिंदी समेत कोई तीसरी भाषा न पढ़ाई जाए। यह प्रस्ताव पुणे में आयोजित एक बैठक के दौरान पारित किया गया। इसमें समिति के 27 में से 20 सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के दौरान मराठी भाषा विभाग के सचिव किरण कुलकर्णी भी मौजूद थे।

मप्र में आदिवासी और महिला वर्ग के बीच भी भाजपा टटोल रही प्रदेश अध्यक्ष का चेहरा

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल

- कल भोपाल आएंगे धर्मेंद्र प्रधान, दो दिन भाजपा प्रदेश कार्यालय में चलेगी वृहद कार्यसमिति की बैठक

धर्मेंद्र प्रधान। फाइल

मध्य प्रदेश को भारतीय जनता पार्टी का नया प्रदेश अध्यक्ष अगले माह मिल जाएगा। पार्टी ने इसको लेकर तैयारी शुरू कर दी है। वैसे तो अब तक नए अध्यक्ष की दौड़ में हेमंत खंडेलवाल का नाम सबसे अधिक चर्चा में है, लेकिन भाजपा आदिवासी और महिला वर्ग के बीच भी प्रदेश अध्यक्ष का चेहरा टटोल रही है।

वर्तमान में विष्णुदत्त शर्मा सामान्य वर्ग से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं और साढ़े पांच वर्ष का लंबा कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। डा मोहन यादव ओबीसी वर्ग से मुख्यमंत्री और अनुसूचित जाति वर्ग व ब्राह्मण वर्ग से दो उप मुख्यमंत्री हैं। यही वजह है कि भाजपा अब प्रदेश अध्यक्ष की कमान आदिवासी या महिला के हाथों में सौंप सकती है। हालांकि यह केंद्रीय नेतृत्व ही तय करेगा, लेकिन एक जुलाई को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव अधिकारी धर्मेंद्र प्रधान का मध्य प्रदेश में दौरा इस बात का संकेत है कि जुलाई के प्रथम सप्ताह में प्रदेश अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। दो जुलाई को भी बैठक रखी गई है।

खंडेलवाल, उइके और पटेल के नाम पर भी मंथन तेज: भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के दावेदारों में आदिवासी वर्ग के नेता बैतूल सीट से सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके और खरगोन सीट से सांसद गजेंद्र पटेल के नाम पर भी मंथन तेज हुआ है। इधर उइके की दावेदारी इसलिए भी प्रबल दिखाई दे रही है क्योंकि गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल हैं और वह केंद्रीय मंत्री भी है। ऐसे में यह प्रयोग पार्टी प्रदेश में उइके को लेकर कर सकती है।

प्रदेश में पार्टी जो भी प्रयोग करती है वे सफल रहे हैं। इसलिए पार्टी इस बार महिला प्रदेश अध्यक्ष बनाने का प्रयोग भी कर सकती है। महिला नेत्रियों में पूर्व मंत्री व बुरहानपुर से विधायक अर्चना चिटनीस, आदिवासी नेत्री पूर्व मंत्री रंजना बघेल के नाम भी चर्चा में हैं। रंजना बघेल कई बार की विधायक रही हैं और संगठन में भी उपाध्यक्ष रही हैं।

मैं बिहार से नहीं, बिहार के लिए लड़ूंगा चुनाव : चिराग पासवान

जागरण संवाददाता, राजगीर (नालंदा)

- राजगीर में बहुजन भीम समागम रैली में केंद्रीय मंत्री ने कहा–सबसे पहले बिहारी के मूल मंत्र पर करूंगा काम
- विधानसभा चुनाव में तय करेंगे कि आने वाले पांच वर्षों में हमारे बिहार का भविष्य कैसा रहेगा

चिराग पासवान। फाइल

मैं बिहार से नहीं, बल्कि बिहार के उन 14 करोड़ बिहारवासियों के लिए चुनाव लड़ना चाहता हूं, जो रोजगार, उच्च शिक्षा और अपने परिवार के सपनों को सच करने को लेकर बिहार से बाहर दर-दर भटकते हैं। यह फैसला मैंने बिहारवासियों तथा बिहार हित के लिए लिया है। मैं अपने पिता के सपनों को साकार करने और बिहार की दशा व दिशा बदलने के उद्देश्य से सबसे प्रथम बिहार व सबसे पहले बिहारी के मूल मंत्र पर काम करूंगा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को राजगीर के स्टेट गेस्ट हाउस परिसर में आयोजित बहुजन भीम समागम रैली को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि बिहार के लिए वर्ष 2025 महत्वपूर्ण है। हमलोग विधानसभा चुनाव में तय करेंगे कि आने वाले पांच वर्षों में हमारे बिहार का भविष्य कैसा रहेगा। लोकसभा चुनाव के दौरान हम लोगों ने देखा कि किस तरीके से विपक्षी दल झूठी बातें फैलाकर हम लोगों को भ्रमित करने का प्रयास करते हैं, अब यही हाय तौबा आने वाले चुनावी प्रचार के महीनों में रचा जाएगा। भ्रम में हमको नहीं फंसना है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी हाथ में एक लाल रंग की संविधान की किताब बार-बार लहराते हैं। उनको यह जवाब देना होगा कि समय-समय पर उनके जिन नेताओं से जो भूल हुई, उन्होंने उसके लिए माफी मांगी कि नहीं। क्योंकि, कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान उसी संविधान को पूरी तरीके से बदलने का काम किया था। मुसलमानों को उनका हक दिलाने के समर्थक तेजस्वी यादव से भी पूछा जाए कि बड़ी संख्या में मुसलमान भाइयों को दिल्ली के बाहर सड़क पर गाजियाबाद के पास फेंक दिया गया था, क्या वह उसके लिए राहुल गांधी को माफी मांगने को कहेंगे। ये नेता सत्ता हासिल करके सिर्फ अपने घर परिवार को चमकाना चाहते हैं।

चिराग ने कहा कि वह 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' के विजन के साथ आगे बढ़ रहे हैं और बिहार को विकास की ऊंचाई पर ले जाना उनका सपना है। उन्होंने कहा कि जब वह बिहार लौटकर सेवा की बात करते हैं तो उन्हें उन्हीं लोगों से विरोध झेलना पड़ता है जिन्होंने पिछली सदी के अंतिम दशक में बिहार को बर्बाद किया।

चुनाव से पहले महागठबंधन ने हार मान ली

इससे पहले पटना में चुनाव आयोग द्वारा गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान चलाने को लेकर विपक्ष के आरोपों पर चिराग ने तंज कसते हुए कहा कि चुनाव से पहले महागठबंधन ने हार मान ली है। इसी वजह से वे हर काम को साजिश की नजर से देखते हैं। जबकि, चुनाव आयोग सुनिश्चित करना चाहता है कि एक भी फर्जी वोटर नहीं रहे।

लालू की जमीन पर भूमिहीनों के बनेंगे घर, सरकार देगी खर्च

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

लालू यादव।

जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने फुलवारीशरीफ में की यह घोषणा

जदयू ने कहा कि अगली सरकार के गठन के साथ ही राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद की फुलवारीशरीफ (पटना) स्थित जमीन जब्त होगी। वहां सरकारी खर्च पर भूमिहीनों के लिए घर बनाए जाएंगे। रविवार को फुलवारीशरीफ में आयोजित जदयू के एक कार्यक्रम में पार्टी के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि लालू परिवार के पास पटना और इसके आसपास के इलाके में 40 एकड़ जमीन है। इनमें छह एकड़ जमीन फुलवारीशरीफ में है। कहा कि लालू सबसे बड़े शहरी जमींदार हैं। नीरज राज्य कैबिनेट में सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री रह चुके हैं। अभी विधान परिषद के सदस्य हैं। लालू की जमीन के इस तरह के उपयोग की घोषणा जदयू के किसी नेता ने पहली बार की है।

उन्होंने कहा कि लालू परिवार ने अपने पूरे शासनकाल में सिर्फ धन का ही अर्जन किया। जन कल्याण उनके एजेंडा में कभी था ही नहीं। नीरज ने कहा कि लालू की जमीन का उपयोग उन्हीं वर्गों के लिए किया जाएगा, जिनके नाम पर राजद 15 वर्षों तक शासन में रहा। केंद्र सरकार में मंत्री रहते समय भी लालू ने नौकरी के बदले इनकी जमीन अपने स्वजन के नाम करा ली।

वहीं, राजद प्रवक्ता चितरंजन गगन ने कहा कि इस साल नवंबर के बाद राज्य में तेजस्वी के नेतृत्व में नई सरकार का गठन होगा। एनडीए शासनकाल में भ्रष्टाचार के माध्यम से अर्जित संपत्ति की जांच होगी। नीरज कुमार अगली बार सरकार बनने का सपना देख रहे हैं। सच यह है कि जनता नीतीश सरकार को अपदस्थ करने का मन बना चुकी है। गगन ने कहा कि इस सरकार में भ्रष्टाचार किस स्तर पर है, यह केंद्रीय एजेंसियों के छापे से ही पता चल रहा है।

महागठबंधन की सरकार बनी तो कूड़ेदान में होगा वक्फ संशोधन कानून : तेजस्वी

जासं, पटना सिटी

- बिहार में इमारत-ए-शरिया के आह्वान पर पटना के गांधी मैदान में वक्फ बचाओ-संविधान बचाओ सम्मेलन आयोजित

« गांधी मैदान में आयोजित 'वक्फ बचाओ-संविधान बचाओ' सम्मेलन में तेजस्वी। एएनआइ

इमारत-ए-शरिया के तत्वावधान में रविवार को पटना के गांधी मैदान में आयोजित 'वक्फ बचाओ-संविधान बचाओ' सम्मेलन में विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि यह काला कानून मोदी सरकार की सोची-समझी साजिश है। केंद्र सरकार कानून की आड़ में वक्फ की संपत्ति पर कब्जा कर उसे अपने व्यापारी दोस्तों को देना चाहती है। राजद ने लोकसभा, राज्यसभा से सड़क तक इस कानून का विरोध किया है। बिहार से भाजपा जदयू की सरकार जाने वाली है। यहां महागठबंधन की सरकार बनी तो यह काला कानून कूड़ेदान में होगा।

सम्मेलन में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का लिखित संदेश भी पढ़ा गया। राहुल ने अपने संदेश में कहा कि हमारा संविधान समावेशिता और भाईचारे पर आधारित है। हमें भाजपा, आरएसएस के विभाजनकारी एजेंडे का विरोध करना चाहिए, जिसे सुधार के नाम पर छुपाया गया है। सम्मेलन में वक्ताओं के निशाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह रहे, वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू साजिश के भागीदार बताए गए।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि इंसाफ की लड़ाई में देश का हर वह नागरिक मुसलमानों के साथ है जो संविधान को मानता है। क्योंकि आज तुम्हारी तो कल हमारी बारी है। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि वक्फ की संपत्ति लूट कर केंद्र सरकार अपने दोस्तों में बांटेगी।

ड्रोन का संतुलन बिगड़ा, बचे तेजस्वी

वक्फ बचाओ सम्मेलन के दौरान एक ड्रोन पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के करीब आकर मंच से टकरा गया जिससे अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। उस वक्त तेजस्वी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। वक्फ सम्मेलन को ड्रोन से कवर किया जा रहा था। ड्रोन अचानक संतुलन खो बैठा और सीधा मंच की ओर बढ़ते हुए तेजस्वी के बेहद करीब पहुंच मंच से टकरा गया।

कर्नाटक के विधायक का दावा, दो तीन महीने में सीएम बन सकते हैं शिवकुमार

- कहा– सभी जानते हैं कि कांग्रेस की जीत के लिए किसने संघर्ष किया
- पूरा विश्वास है कि आलाकमान सही समय पर उचित निर्णय लेगा

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक के कांग्रेस विधायक एए इकबाल हुसैन ने रविवार को दावा किया कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को अगले दो से तीन महीनों में मुख्यमंत्री बनने का मौका मिल सकता है।

शिवकुमार के करीबी माने जाने वाले इकबाल ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब इस बात की चर्चा चल रही है कि कर्नाटक में इस वर्ष के अंत में नेतृत्व परिवर्तन हो सकता है। हाल ही में सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने भी सितंबर के बाद राज्य में बड़े राजनीतिक परिवर्तन के संकेत दिए थे।

हुसैन ने कहा, सभी जानते हैं कि इस सरकार के सत्ता में आने से पहले हमारी (कांग्रेस की) ताकत क्या थी। इस जीत को हासिल करने के लिए किसने संघर्ष किया। हमें पूरा विश्वास है कि आलाकमान स्थिति से अवगत है और सही समय पर उचित निर्णय लेगा।

जब उनसे पूछा गया कि क्या शिवकुमार इस साल मुख्यमंत्री बनेंगे, तो हुसैन ने जवाब दिया, "हां, मैं यह कह रहा हूं। मैं बात को घुमा-फिराकर नहीं कह रहा हूं। मैं सीधे तौर पर बोल रहा हूं।

सत्तारूढ़ कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें पिछले कुछ समय से चल रही हैं, जो सिद्दरमैया और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता-साझेदारी समझौते से जुड़ी हैं। पार्टी हाईकमान के सख्त निर्देशों के बाद ऐसी चर्चाएं शांत हो गई थीं।

मई 2023 में कांग्रेस के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्दरमैया और शिवकुमार के बीच कड़ा मुकाबला था। आलाकमान शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री की भूमिका स्वीकार करने के लिए मनाने में सफल रहा। इस तरह की खबरें आईं कि "रोटेशनल सीएम फार्मूला" का सुझाव दिया गया था, जिसके अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद पदभार संभालेंगे, हालांकि इसकी कभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को कभी छिपाया नहीं है।

राष्ट्रीय फलक

केबिन में लगातार गर्मी से कोलकाता डायवर्ट की गई टोक्यो-दिल्ली उड़ान

नई दिल्ली, आइएएनएस : उड़ानों में लगातार सामने आ रही तकनीकी समस्याओं के बीच एअर इंडिया के एक विमान एआइ 357 को मुश्किल का सामना करना पड़ा है। रविवार को जापान से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले इस विमान के केबिन में लगातार गर्मी के कारण सुरक्षा के दृष्टिकोण से उड़ान को कोलकाता डायवर्ट कर दिया गया।

यह बोइंग 787 विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और इसकी जांच हो रही है। उड़ान संख्या एआइ 357 टोक्यो के हनेडा हवाई अड्डे से नई दिल्ली के लिए रवाना हुई, जब चालक दल ने तकनीकी समस्या की सूचना दी। केबिन में लगातार तापमान बढ़ने के कारण इसे कोलकाता की ओर डायवर्ट किया गया। एअर इंडिया ने कहा कि कोलकाता में ग्राउंड स्टाफ यात्रियों की सहायता कर रहा है और उन्हें जल्द दिल्ली ले जाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

प्राचीन मठों का होगा जीर्णोद्धार : किरेन रिजीजू

जागरण संवाददाता, केलंग

- लाहुल स्पीति में विकास केंद्र व प्रदेश सरकारों की सामूहिक जिम्मेदारी
- अल्पसंख्यक लोगों की सेवा में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी

केलंग में 26.75 करोड़ की मल निकासी योजना का शिलान्यास करते किरेन रिजीजू। जागरण

केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजीजू ने रविवार को कहा कि प्राचीन बौद्ध मठों और प्रमुख गोंपाओं के जीर्णोद्धार के लिए बौद्ध विकास योजना बनाकर मदद मुहैया कराई जाएगी। कहा, विकास कि दृष्टि से लाहुल स्पीति को आगे ले जाना केंद्र व प्रदेश दोनों सरकारों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

रिजीजू केलंग में पीएम जनकल्याण कार्यक्रम के तहत केंद्र व राज्य सरकार के 90/10 के वित्तीय अनुपात में वित्तपोषित मल निकासी योजना के शिलान्यास के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, सीमांत क्षेत्रों के लोगों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए गृह मंत्रालय ने वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम चलाया है। इस योजना में सड़क, स्कूल, बिजली व पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। पीएम नरेन्द्र मोदी के स्पष्ट निर्देश हैं कि सभी मंत्री धरातल में जाकर परियोजना के कार्यों की समीक्षा करें। सरकार की हर योजना का लाभ पात्र व्यक्ति को मिले। लोगों के बीच जाकर मंत्री उनकी समस्याओं से अवगत हों। सभी मंत्री इस दिशा में काम कर रहे हैं। अल्पसंख्यकों की सेवा में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। जो लोग छूट गए हैं उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। हिमाचल के सभी बौद्ध लोगों के उत्थान के लिए बौद्ध विकास योजना बनाएंगे। रिजीजू ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम द्वारा आयोजित जागरूकता शिविर में लाभार्थियों से भेंट की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम ने राज्य सरकार के अल्पसंख्यक विकास एवं वित्त निगम से समझौता किया है।

****

'आतंकियों के शिकार कश्मीरी परिवारों की नहीं सुनी गई आवाज'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

3 दशक से न्याय से वंचित परिवारों का दर्द साझा करने की भारत सरकार ने शुरू की पहल

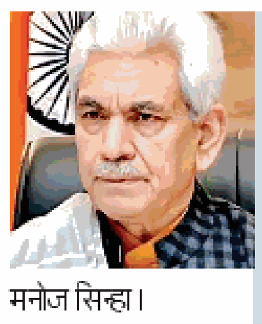

मनोज सिन्हा।

एक महीने के भीतर आतंकवाद के पीड़ितों को दी जाएगी नौकरी व वित्तीय मदद

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को पिछले तीन दशक में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों द्वारा मारे गए कश्मीरियों के 80 से अधिक परिवारों से मुलाकात कर उनकी पीड़ा सुनी। इस दौरान कहा कि आतंकवाद के शिकार कश्मीरी परिवारों को न्याय से वंचित रखा गया। आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र के दबाव में सच्चाई को दबाया गया। उनकी आवाज नहीं सुनी गई। अब भारत सरकार और सुरक्षा तंत्र पीड़ितों की आवाज सामने लाने और उन्हें न्याय दिलाने को प्रतिबद्ध हैं।

मनोज सिन्हा ने कहा, असली अपराधी चाहे वे जम्मू-कश्मीर में हों या पाकिस्तान में छिपे हों, उन्हें कड़ी सजा मिलेगी। यह भी कहा कि आतंकवाद से प्रभावित जो परिवार सरकारी नौकरी के हकदार हैं, अपने मामले जिला उपायुक्तों को प्रस्तुत करें। उनकी नियुक्ति व वित्तीय मदद की जल्द प्रक्रिया शुरू होगी। जिन मामलों में एफआइआर दर्ज नहीं की गई, उसमें भी कार्रवाई होगी। उपराज्यपाल ने कहा कि जो परिवार के सदस्य अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, उन्हें मदद मिलेगी।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकियों की गोलियों का शिकार हुए आम कश्मीरी नागरिकों को श्रद्धांजलि दी।

पीएम को पत्र लिख ईरान से मछुआरों को वापस लाने का किया आग्रह

चेन्नई, आइएएनएस : तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने रविवार को ईरान में फंसे तमिलनाडु के 49 मछुआरों की सुरक्षित वापसी के लिए पीएम को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर मछुआरों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। वे ईरान के बंदर-ए-चिरुइया और किश द्वीप में फंसे हुए हैं। पत्र में सभी प्रभावित व्यक्तियों के पासपोर्ट विवरण भी शामिल किया गया है।

बयान में कहा गया है कि भले ही इजरायल और ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम की घोषणा की गई हो, लेकिन ईरान में माहौल अब भी अस्थिर है। मछुआरों के चिंतित परिवारों ने भाजपा के राज्य नेतृत्व से संपर्क किया और अपने प्रियजनों को वापस घर लाने के लिए त्वरित कार्रवाई की अपील की।

15 जवानों की हत्या में शामिल माओवादी मन्नू पल्लो को गढ़चिरौली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उस पर छह लाख रुपये का इनाम था और वह 2020 से पहचान छिपाकर फरार चल रहा था।

संवादधर्मी समाज को नई दृष्टि देकर अभिव्यक्ति के उत्सव ने ली विदाई

जागरण संवाददाता, देहरादून

- देहरादून में 13 सत्रों में हुआ अभिव्यक्ति के उत्सव जागरण संवादी का दो दिवसीय आयोजन
- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने 'जागरण संवादी' के लिए चयनित विषयों पर चर्चा की मुक्तकंठ से प्रशंसा की

देहरादून में आयोजित दो दिवसीय संवादी के समापन सत्र को संबोधित करते उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि)। जागरण

अभिव्यक्ति के उत्सव 'जागरण संवादी' ने रविवार को देहरादून से विदाई ली। 'हिंदी हैं हम' के तहत आयोजित इस दो दिवसीय उत्सव के अंतिम दिन सिनेमा, संगीत, लोक संस्कृति, राजनीति आदि विषयों पर विचारों की गंगा में श्रोता भावविभोर हो गोते लगाते नजर आए। समापन पर बतौर मुख्य अतिथि मौजूद राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने अभिव्यक्ति के उत्सव की सराहना करते हुए कहा कि संवादी विचारों का मंथन ही नहीं, संवेदनाओं की साझेदारी है। संवादी साहित्य, संस्कृति और कला का अनूठा संगम और आत्माओं के बीच का संवाद बन चुका है। उन्होंने हिंदी के ध्वजवाहक के रूप में दैनिक जागरण के इस प्रयास को भारतीयता और राष्ट्रीयता का प्रतिबिंब बताया। साथ ही संवादी के मंथन को सृजन व समाधान की ओर ले जाने का आह्वान किया। इस मौके पर राज्यपाल ने 'हिंदी हैं हम' अभियान के तहत हिंदी शब्दकोष में नई जोड़ी जा रही शब्दमाला पर तैयार पुस्तक 'शब्दार्थ' का विमोचन भी किया।

देहरादून स्थित फेयरफील्ड बाय मैरियट होटल में आयोजित 'जागरण संवादी' के अंतिम दिन पहले सत्र की शुरुआत अमोल की अमानत से हुई। 'अमानत' अभिनेता अमोल पालेकर की आत्मकथा का हिंदी रूपांतरण है, जिसे अमोल व उनकी पत्नी संध्या गोखले ने लिखा है। यह कोई सामान्य आत्मकथा नहीं है, बल्कि उनकी रील और रियल लाइफ में क्या समानता और क्या भिन्नता है, यह जानने का अवसर यह पुस्तक प्रदान करती है। इस पर अमोल व संध्या से संवाद किया सिनेमा एवं संगीत अध्येता यतींद्र मिश्र ने। दूसरे सत्र में 'हिंदी में रचनात्मकता का संकट' विषय पर चर्चा हुई, जिसमें लेखिका एवं कवयित्री गगन गिल, उपन्यासकार एवं पटकथा लेखिका अनु सिंह चौधरी, कथाकार ममता सिंह व लेखिका दीपाली मलिक से लेखक नवीन चौधरी ने संवाद किया।

आपातकाल पर केंद्रित तीसरे सत्र का विषय था 'दमन के 50 वर्ष'। मंच पर मौजूद थे कवि एवं गीतकार बुद्धिनाथ मिश्र, दैनिक जागरण के कार्यकारी संपादक विष्णु प्रकाश त्रिपाठी व स्तंभकार अभिजीत अय्यर मित्रा। उनसे संवाद किया दैनिक जागरण के एसोसिएट एडिटर अनंत विजय ने। सार यही था कि आपातकाल विशुद्ध रूप से राजनीति का विषय है, इसलिए इसे विस्तृत दायरे में देखे जाने की आवश्यकता है और इसके प्रत्येक पहलू पर गहनता से शोध किया जाना चाहिए। चौथे सत्र में मंच पर थे लोकगायक नरेंद्र सिंह नेगी और उनसे 'माटी की महक' विषय पर संवाद किया लोक सेवक एवं साहित्यकार ललित मोहन रयाल ने। पांचवें सत्र में उपन्यासकार चेतन भगत से 'लिखते-लिखते प्यार हो जाए' विषय पर दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर गीतांजलि काला ने संवाद किया। चेतन कहते हैं कि उनका शुरुआती साहित्य दोस्ती और प्यार की कहानियों पर केंद्रित था। लेकिन समय के साथ इसकी विषयवस्तु बदली और अब वह परिपक्व लोगों की प्रेम कहानी पर अपने लेखन को आगे बढ़ा रहे हैं।

छठे सत्र में राजनीतिक विश्लेषक तहसीन पूनावाला और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला में संविधान पर चर्चा के दौरान तीखी नोकझोंक हुई। शहजाद ने संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर, समाजवाद व अखंडता शब्द जोड़े जाने पर तत्कालीन कांग्रेस सरकार की मंशा पर प्रश्न खड़े किए। इसमें दोनों के साथ संवाद किया प्रशांत कश्यप ने।

ऐशबाग आरओबी के दोषी इंजीनियरों के विरुद्ध आज दिए जाएंगे आरोप पत्र

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल

90 डिग्री कोण वाले पुल के मामले में लोक निर्माण विभाग को 15 दिन में देना होगा जवाब

भोपाल के ऐशबाग क्षेत्र में 90 डिग्री कोण वाला अजूबा रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) बनाने के दोषी आठ इंजीनियरों के विरुद्ध विभागीय जांच होगी। इसके लिए प्रमुख अभियंता कार्यालय सोमवार को आरोप पत्र का प्रारूप तैयार करके लोक निर्माण विभाग को देगा। 15 दिन जवाब देने के लिए दिए जाएंगे और इससे संतुष्ट नहीं होने पर विभागीय जांच होगी, जिसमें दोषी पाए जाने पर वेतनवृद्धि रोकने से लेकर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक तौर पर दो स्तर पर लापरवाही सामने आई है। इंजीनियरों ने एक तो रेलवे से सहमति प्राप्त किए बिना जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग का अनुमोदन किया और दूसरी ओर समन्वय बनाए बिना काम किया। जो पत्र रेलवे की ओर से लिखे गए, उसका उत्तर भी नहीं दिया। आरोप पत्र के माध्यम से यह तय किया जाएगा कि किसकी क्या जिम्मेदारी थी और उसने क्या लापरवाही की? प्रश्न यह भी उठेगा कि जब संयुक्त निरीक्षण हुआ तब 90 डिग्री कोण की बात क्यों नहीं रखी गई। यदि आपत्ति दर्ज कराई गई तो उसका समाधान हुए बिना काम को आगे क्यों बढ़ाया गया और इसके लिए उच्च स्तर से अनुमति ली गई या नहीं? जो ड्राइंग बनवाई गई, उसमें ब्रिज की खामी की ओर ध्यान क्यों नहीं दिया गया? निर्माण एजेंसी ने आपत्ति क्यों नहीं उठाई?

सूत्रों का कहना है कि अकेले दोष लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों का नहीं है। रेलवे की ओर से भी इसमें पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। कार्यपालन यंत्री के स्तर से कई बार पत्र भी लिखे गए लेकिन समुचित कार्रवाई नहीं हुई। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि आरोप पत्र का जवाब आने पर कई चीजें स्पष्ट होंगी। उधर, ब्रिज को उपयोगी बनाने के लिए जो सुधारात्मक कदम उठाए जाने हैं, उसके लिए समिति का गठन भी एक-दो दिन में किया जाएगा।

वरिष्ठ नेताओं की विवादित टिप्पणियों से सवालों के घेरे में तृणमूल कांग्रेस

ला कालेज की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म पर पहले सांसद कल्याण बनर्जी ने की थी टिप्पणी

कहा था– अगर एक दोस्त अपने दोस्त के साथ दुष्कर्म करता है, तो आप सुरक्षा कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- तृणमूल ने मदन मित्रा को नोटिस जारी करते हुए तीन दिन के भीतर मांगा जवाब

प्रतीकात्मक

कोलकाता के साउथ कलकत्ता ला कालेज में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की विवादित टिप्पणियों ने पार्टी को कटघरे में खड़ा कर दिया है। तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी की विवादास्पद टिप्पणी के एक दिन बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधायक मदन मित्रा ने कहा कि अगर छात्रा अपने साथ कुछ दोस्तों को ले जाती या वहां जाने से पहले लोगों को सूचित करती तो घटना नहीं होती। बनर्जी ने कहा था कि अगर एक दोस्त अपने दोस्त के साथ दुष्कर्म करता है तो आप सुरक्षा कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं? तृणमूल ने दोनों नेताओं की टिप्पणियों से किनारा करते हुए कहा कि उनका निजी बयान है। इसके साथ ही टीएमसी ने पार्टी अनुशासन तोड़ने को लेकर मदन मित्रा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

टीएमसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर पार्टी की जीरो टालरेंस नीति है और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। इस पर कल्याण ने सवाल उठाया कि घटना के पहले जीरो टालरेंस या घटना के बाद जीरो टालरेंस? क्या पार्टी उन नेताओं का परोक्ष रूप से समर्थन कर रही है जो अपराधियों का बचाव कर रहे हैं।

तृणमूल के शासन में बंगाल और खराब हो गया

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कोलकाता में कहा कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में बंगाल और खराब हो गया है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से जुड़े गुंडे राज्य की बेटियों पर अत्याचार कर रहे हैं जबकि मुख्यमंत्री ममता इस मुद्दे पर चुप हैं।

रातभर हिरासत में रखे गए केंद्रीय मंत्री

घटना के खिलाफ प्रदर्शन करने को लेकर शनिवार को हिरासत में लिए गए केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार रविवार सुबह पुलिस मुख्यालय से बाहर आए। मजूमदार ने निजी मुचलके पर जमानत लेने से इन्कार कर दिया था और पुलिस ने बिना कोई आरोप लगाए उन्हें सुबह रिहा कर दिया। भाजपा नेता ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान जो लोग गिरफ्तार किए जाएंगे वह थानों से निजी मुचलके पर जमानत नहीं लेंगे, अदालत में पेश किए जाने की मांग करेंगे।

कोलकाता पुलिस को पता नहीं पीड़िता कहां है

सामूहिक दुष्कर्म की घटना की जांच के सिलसिले में तीन सदस्यीय राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की टीम ने रविवार को घटनास्थल का दौरा किया। आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने दावा किया कि पुलिस उन्हें इस बात की जानकारी नहीं दे सकी कि पीड़िता इस समय कहां है। आयोग की सदस्यों को अंदर वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी की अनुमति नहीं दी गई, जिसे लेकर पुलिस के साथ उनकी बहस भी हुई।

कल्याण व महुआ में जुबानी जंग तेज

कल्याण व मदन की टिप्पणियों पर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने दोनों नेताओं का नाम नहीं लेते हुए कहा कि महिलाओं के प्रति नफरत किसी एक पार्टी तक सीमित नहीं है, फर्क बस इतना है कि टीएमसी ऐसी घिनौनी टिप्पणियों की निंदा करती है, चाहे वह कोई भी करे। इस पर कल्याण ने कहा कि मैं सभी महिलाओं का सम्मान करता हूं। मुझे सिर्फ एक महिला महुआ मोइत्रा से नफरत है।

भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने प्रयागराज में किया उपद्रव, तोड़फोड़ और आगजनी

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

- ढाई घंटे तक होती रही पत्थरबाजी, 12 पुलिसकर्मी समेत 35 घायल
- अशांति की आशंका पर चंद्रशेखर को करछना जाने से रोकने पर उग्र हुए कार्यकर्ता

प्रयागराज स्थित भड़ेवरा बाजार में पुलिस जीप पर पुलिस जीप के शीशे को तोड़ता आजाद समाज पार्टी का कार्यकर्ता। जागरण

अनुसूचित जाति के पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे भीम आर्मी के संस्थापक व आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद चंद्रशेखर को रोकने से नाराज कार्यकर्ताओं ने रविवार शाम यमुनापार के करछना-कोहड़ार मार्ग पर जमकर उपद्रव किया। चंद्रशेखर जिस परिवार से मिलना चाहते थे उसके एक सदस्य देवीशंकर की दो माह पूर्व हत्या कर दी गई थी। पीड़ित परिवार के गांव में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता पहले से जमा हो गए थे। ऐसे में अशांति की आशंका के कारण पुलिस ने चंद्रशेखर को सर्किट हाउस में ही रोक लिया और वहीं पीड़ित परिवार को लाकर मिलवाने की बात कही। पुलिस गांव से परिवार को लेकर रवाना भी हुई, मगर कार्यकर्ताओं ने सांसद के गांव आने की बात कहते हुए रास्ता रोक लिया। चंद्रशेखर को सर्किट हाउस में रोके जाने की सूचना पर उग्र कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम कर पथराव शुरू कर दिया। दुकानों में तोड़फोड़ के साथ आगजनी की। पुलिस के चार समेत 40 से अधिक वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। छह बाइकों को फूंक दिया। पथराव में 12 पुलिसकर्मी समेत 35 लोग जख्मी हुए हैं, जिनमें निर्दोष ग्रामीण भी हैं। पुलिस के साथ ग्रामीणों ने भी उपद्रवियों से मोर्चा लिया।

सहायता नहीं देने का आरोप लगा मुद्दा गर्माया

जिले के करछना थाना क्षेत्र के इसौटा गांव के रहने वाले अनुसूचित जाति के देवीशंकर की 13 अप्रैल को हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए ठाकुर बिरादरी के सात आरोपितों सहित कुल आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। शासन के निर्देश पर प्रशासन द्वारा आर्थिक मदद के साथ मृतक के परिवार वालों को कृषि योग्य 11 बिस्वा जमीन का पट्टा व आवास के लिए 200 वर्ग मीटर जमीन आवंटित की गई थी। इधर, कुछ दिन पहले आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) व भीम आर्मी के स्थानीय नेताओं ने यह कहकर फिर से मुद्दा गर्म कर दिया कि मृतक के स्वजन को कोई सहायता नहीं दी गई है। इस पर रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर देवीशंकर के घरवालों से मुलाकात करने आ पहुंचे। जब पुलिस पीड़ित परिवार को सांसद से मिलाने सर्किट हाउस ले जा रही थी तभी कार्यकर्ता उग्र हो गए।

> पुलिस ने हमारे साथ छल किया। एयरपोर्ट से अधिकारी मुझे सर्किट हाउस ले आए। कहा कि परिवार से मिला देंगे। हमारी भावनाएं आहत की गईं। पीड़ा है कि करछना के पीड़ित परिवार से नहीं मिल सके। कौशांबी में भी पाल समाज के एक पीड़ित परिवार से मिलने जाना था, अब इसकी लड़ाई हम लखनऊ में लड़ेंगे।– चंद्रशेखर, सांसद

60 वर्षीय जीजा संग गई महिला, पति ने रखा 10 हजार रुपये इनाम

जागरण संवाददाता, इटावा : 35 वर्षीय महिला प्रेमजाल में फंसकर अपने 60 वर्षीय जीजा के साथ फरार हो गई। दिव्यांग पति ने थाने में पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पत्नी को खोजकर लाने वाले को 10 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है।

ग्रामीण एक हाथ से दिव्यांग है। उसने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पत्नी की पहले भी शादी हो चुकी थी। पहले पति की मृत्यु के बाद उसके साथ शादी की थी। कुछ समय पहले पत्नी के मायके पक्ष का 60 वर्षीय रिश्तेदार गांव में राजमिस्त्री के काम के लिए आया था। एक सप्ताह तक उसने घर में प्लास्टर का कार्य किया। इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और प्रेम संबंध हो गए। पत्नी 24 अप्रैल को घर से लापता हो गई। उसने उसी दिन थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बाद में जानकारी मिली कि उसकी पत्नी रिश्ते के जीजा के साथ चली गई है। वह विवाहित है और उसकी संतान भी है। पीड़ित ने 18 जून को दोबारा पुलिस को प्रार्थना पत्र सौंपा, जिसमें कहा गया कि पत्नी घर से नकदी व अन्य सामान भी ले गई है।

एमएनएनआइटी में छात्र के कपड़े उतरवाकर धमकाया, तानी रिवाल्वर

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

- आरटीआइ की याचिकाएं वापस नहीं लेने से जुड़ा मामला, जांच के लिए कमेटी का किया गया गठन

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआइटी) इलाहाबाद के इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग (ईसीई) के एमटेक प्रथम वर्ष के एक छात्र ने विभागाध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाया है। छात्र का आरोप है कि प्रोफेसर और अन्य फैकल्टी व स्टाफ सदस्यों द्वारा आरटीआइ वापस नहीं लेने के कारण मानसिक उत्पीड़न किया गया। कपड़े उतरवाकर शारीरिक अपमान किया गया। जान से मारने की नीयत से फायर किया गया और अब निष्कासन की धमकी दी जा रही है। इस प्रकरण पर संस्थान ने पूरे प्रकरण की जांच के लिए कमेटी का भी गठन कर दिया है।

एमएनएनआइटी परिसर में घटी यह सनसनीखेज घटना 24 जून की है। छात्र के साथ हुआ अमानवीय घटनाक्रम इंटरनेट मीडिया पर सुर्खियों में है। छात्र के अनुसार सुबह 10:26 बजे उन्हें पहले लैब अटेंडेंट और फिर विभागाध्यक्ष की ओर से काल करके कार्यालय बुलाया गया। वह पहुंचे तो विभागाध्यक्ष केबिन में ले जाया गया। जहां पहले से ही कई फैकल्टी सदस्य, स्टाफ और कुछ अज्ञात लोग मौजूद थे। आरोप लगाया कि बिना किसी लिखित अनुमति या कारण के उनके बैग की तलाशी ली गई। फिर उन पर जासूसी के आरोप लगाते हुए उनके कपड़े उतरवा दिए गए। आरोप है कि उन्हें पूरी तरह नग्न अवस्था में मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। केबिन को बाहर से बंद कर दिया गया। सबसे भयावह क्षण तब आया, जब विभागाध्यक्ष ने उसके सिर पर साइलेंसर लगी रिवाल्वर तान दी। जब भागने की कोशिश की तो गोली चलाई। उस समय दो शिक्षकों ने केबिन खोलकर उन्हें बाहर निकाला। इसके बाद वह केंद्रीय पुस्तकालय के पास बेहोश हो गए। एमएनएनआइटी के कुलसचिव डा. रमेश पांडे के अनुसार एमटेक प्रथम वर्ष के एक छात्र द्वारा ईमेल के माध्यम से मानसिक उत्पीड़न, धमकी व अन्य आपत्तिजनक घटनाओं का आरोप लगाया गया है।

साहिबा बानो ने खुशी बनकर इंद्र कुमार से की शादी, प्रेमी संग मिलकर गला काटा

जागरण संवाददाता, कुशीनगर

- शादी के लिए इच्छुक जबलपुर के व्यक्ति का कुशीनगर में मिला था शव, हुआ पर्दाफाश

शादी के बाद होटल के कमरे में इंद्र कुमार तिवारी व साहिबा बानो उर्फ खुशी तिवारी। सौ. पुलिस मीडिया सेल

मध्य प्रदेश के सिहोर में कथावाचक के सम्मुख शादी न होने की समस्या साझा करने वाले जबलपुर के इंद्र कुमार तिवारी का इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो ही उनके लिए काल बन गया। 600 किलोमीटर दूर गोरखपुर में बैठी साहिबा बानो ने खुशी बनकर इंद्र कुमार की 18 एकड़ भूमि हड़पने के लिए न केवल फर्जी शादी रचाई, बल्कि हत्या का षड्यंत्र रचकर उसे अंजाम तक पहुंचाया। इंद्र कुमार को जाल में फंसाने के लिए प्रेमी-प्रेमिका ने खुद को भाई-बहन बताया और शादी के लिए कुशीनगर बुलाकर हत्या कर दी। 400 सीसीटीवी कैमरों और 700 वाहनों को खंगालने के बाद तीन हत्यारोपितों को गिरफ्तार कर पुलिस ने वारदात का पर्दाफाश कर दिया।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र ने रविवार को प्रेसवार्ता में बताया कि छह जून को चकनीलकंठ उपासपुर गांव के पास झाड़ियों के बीच में अधेड़ का खून से सना शव मिला था। आठ जून को हाटा कोतवाली पहुंची जबलपुर पुलिस ने बताया कि इंद्र कुमार तिवारी शादी करने के उद्देश्य से तीन जून को गोरखपुर के लिए रवाना हुए थे। स्वजन ने उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई है। शव की पहचान 45 वर्षीय इंद्र कुमार तिवारी के रूप में हुई, जो जबलपुर के रहने वाले थे। इसके बाद कुशीनगर पुलिस मोबाइल काल डिटेल, सर्विलांस और मुखबिरों की मदद से हत्याकांड के पर्दाफाश में जुट गई। पुलिस ने इस मामले में गोरखपुर की साहिबा बानो, देवरिया के मूलनिवासी कौशल कुमार तथा शमशुद्दीन अंसारी को तितला गांव के पास ढाबे से गिरफ्तार किया। तीनों ने पूछताछ में इंद्र कुमार की हत्या कर शव को झाड़ियों में फेंकने का जुर्म स्वीकार किया। वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद हो गया है। साहिबा ने बताया कि लगभग एक माह पूर्व मोबाइल पर रील देखकर इंद्र कुमार के बारे में जानकारी हुई। प्रेमी कौशल कुमार के साथ मिलकर इंद्र कुमार से शादी करने और उसकी हत्या कर संपत्ति अपने नाम कराने की योजना बनाई। कौशल ने मई में जबलपुर जाकर इंद्र कुमार से मुलाकात की।

एसपी ने बताया कि इंद्र कुमार जेवर, नकदी व अपने भूमि की खतौनी आदि लेकर तीन जून को जबलपुर से गोरखपुर के लिए चले थे। अगले दिन वह गोरखपुर में कौशल व साहिबा के कमरे पर पहुंचे। तीनों कमरे में ही रुके। पांच जून को कौशल ने ड्राइवर शमशुद्दीन से संपर्क कर सहयोग मांगा। दोपहर में चारों कार से कुशीनगर स्थित आइडियल होटल पहुंचे। कमरा बुक किया, इंद्र कुमार व खुशी तिवारी बनी साहिबा का विवाह हुआ।

दुष्कर्म मामले में बिश्नोई महासभा के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र बूड़िया गिरफ्तार

जागरण टीम, जयपुर : हरियाणा क्राइम ब्रांच ने दुष्कर्म के मामले में अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बूड़िया को जोधपुर में उनके आवास से गिरफ्तार किया है। सोमवार को आरोपित को हिसार की अदालत में पेश किया जाएगा। बूड़िया पर इसी वर्ष 24 जनवरी को हिसार के आदमपुर में 20 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया था। आरोपित की अग्रिम जमानत याचिकाएं सेशन कोर्ट, पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में खारिज हो चुकी थीं।

बता दें कि हिसार की युवती ने बूड़िया के खिलाफ आदमपुर थाने में दुष्कर्म की शिकायत दी थी। युवती ने बताया था कि वर्ष 2022 में विदेश जाने की बात घरवालों को बताने पर वर्ष 2023 में उसके पिता ने देवेंद्र बूड़िया से मिलवाया। देवेंद्र ने उसे चंडीगढ़ में आइलेट्स का कोर्स करने को बुलाया। आरोप है कि फरवरी 2024 में उसने चंडीगढ़ के होटल में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो भी बनाया। विरोध करने पर वेश्यावृत्ति के झूठे केस में फंसाने की धमकी दी।

कोर्ट का फैसला

मानसिक रूप से अक्षम संतान को परिवार पेंशन पाने का अधिकार

> मद्रास हाई कोर्ट ने कहा– नहीं दिखाना होगा आय प्रमाणपत्र, उसके लिए मेडिकल सर्टिफिकेट दिखाना ही पर्याप्त, फैसले में केंद्र के पेंशन नियम का दिया हवाला, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसले का भी किया जिक्र

माला दीक्षित ● जागरण

- कहा, पेंशन को एक अधिकार माना जाना चाहिए, न कि यह कोई खैरात या उपहार

नई दिल्ली : परिवार पेंशन के अधिकार पर मद्रास हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला देते हुए कहा है कि सरकारी कर्मचारी की मानसिक रूप से अक्षम संतान परिवार पेंशन पाने की अधिकारी है। इस निर्णय में कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मानसिक रूप से अक्षम संतान को आय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि उसके लिए केवल एक मेडिकल सर्टिफिकेट दिखाना पर्याप्त होगा, जिसमें उसकी शारीरिक अक्षमता के कारण आजीविका कमाने में असमर्थता का उल्लेख हो।

कोर्ट ने यह भी कहा कि पेंशन को एक अधिकार माना जाना चाहिए, न कि यह कोई खैरात या उपहार है। जब मानसिक रूप से असमर्थ व्यक्ति को पेंशन का लाभ देने की बात आती है तो संबंधित प्राधिकरण को तत्परता दिखानी चाहिए। यह दृष्टिकोण उस परोपकारी उद्देश्य को पूरा करेगा जिसके लिए विधायी नियम बनाए गए हैं और इसे संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) के एक पहलू के रूप में देखा जाना चाहिए।

मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच के न्यायाधीश जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस के. राजशेखर की पीठ ने 19 जून 2025 को दिए गए फैसले में सेंट्रल सिविल सर्विस रूल (सीसीएस पेंशन रूल) 54(6) का उल्लेख किया। इस नियम के अनुसार, यदि सरकारी कर्मचारी का बेटा या बेटी दिव्यांग या मानसिक रूप से अक्षम है और वह 25 वर्ष की उम्र पूरी करने के बाद भी जीवकोपार्जन में असमर्थ है तो उसे जीवनभर परिवार पेंशन मिलेगी। कोर्ट ने कहा कि जब विधायी नियम केवल डाक्टर या मेडिकल बोर्ड के सर्टिफिकेट की बात करते हैं, जिसमें मृतक कर्मचारी के उस बेटे या बेटी के मानसिक या शारीरिक दिव्यांगता के कारण जीवकोपार्जन में असमर्थता का उल्लेख हो तो प्राधिकरण इसके अलावा और कुछ नहीं मांग सकता। इसके लिए सभी स्रोतों से होने वाली आय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है। ऐसा ही नियम तमिलनाडु पेंशन रूल्स में भी है। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट के 1995 के भगवंती ममतानी बनाम भारत सरकार के निर्णय का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें मानसिक रूप से अक्षम बेटी को परिवार पेंशन पाने का अधिकार दिया गया था।

सरकारी कर्मी के बेटे ने अपने भाई के लिए मांगी थी पेंशन

इस मामले में प्रिंसिपल अकाउंटेंट जनरल ने खंडपीठ में रिट अपील दाखिल की थी, जिसमें एकल पीठ के आदेश में की गई कड़ी टिप्पणियों को हटाने की मांग की गई थी। यह मामला मानसिक रूप से अक्षम बच्चे को परिवार पेंशन से संबंधित था। प्रतिवादी एवी जेराल्ड के पिता सरकारी कर्मचारी थे और उन्होंने मानसिक रूप से अक्षम अपने छोटे भाई के लिए परिवार पेंशन की मांग की थी। जब कोई नतीजा नहीं निकला तो उन्होंने हाई कोर्ट में रिट याचिका दाखिल की। हाई कोर्ट की एकल पीठ ने याचिका स्वीकार करते हुए पेंशन का आदेश दिया। खंडपीठ ने मामले में दिए आदेश में दिव्यांग बच्चे के परिवार पेंशन पाने के अधिकार पर कानून बताते हुए व्यवस्था दी है। फैसले में कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस रहे जस्टिस टीएस अरुणाचलम की मानसिक रूप से अक्षम बेटी को परिवार पेंशन के मामले का भी उल्लेख किया है।

****

गोरखपुर समेत देश के 15 एयरपोर्ट में बम होने की सूचना से हड़कंप

जागरण संवाददाता, गोरखपुर

- बम होने की सूचना ईमेल से मिली, जांच में फर्जी निकली, बढ़ाई गई सुरक्षा
- गोरखपुर में आज राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए एयरपोर्ट पर हाई अलर्ट

देशभर के 15 एयरपोर्ट में बम होने की सूचना से रविवार को हड़कंप मच गया। इस सूची में गोरखपुर एयरपोर्ट भी शामिल था। यह सूचना सुबह 10:18 बजे roadkillandkyokill@atomicmail.io मेल आइडी से भेजी गई थी। अवकाश होने के चलते गोरखपुर एयरपोर्ट सुरक्षा अधिकारी की नजर इस ईमेल पर दोपहर एक बजे पड़ी, जिसके बाद आनन-फानन बम निरोधक दस्ते, एसएसएफ, एयरफोर्स और एम्स थाना पुलिस को अलर्ट कर दिया गया। एक घंटे की तलाशी में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली तो अधिकारियों ने राहत की सांस ली। गोरखपुर में 30 जून को राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए एयरपोर्ट के आसपास अतिरिक्त फोर्स और बम निरोधक दस्ते तैनात कर दिए गए हैं। एयरपोर्ट के हर आने-जाने वाले पर नजर रखी जा रही है।

इस मेल में गोरखपुर सहित गुवाहाटी, ग्वालियर, हुबली, इंफाल, इंदौर, जबलपुर, जम्मू, जामनगर, जोधपुर, जोरहाट, कानपुर, खजुराहो, बेंगलुरु और मैसूर एयरपोर्ट के भीतर बैग में बम होने की सूचना दी गई थी। गोरखपुर एयरपोर्ट के निदेशक आरके पाराशर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एम्स थाने में तहरीर दी है। इसमें बताया गया है कि गोरखपुर सहित 15 एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी भरा मेल मिला है, जो शरारतीतत्वों द्वारा भेजा गया प्रतीत हो रहा है।

3 की जलकर शनिवार रात मौत हो गई बंगाल के आसनसोल में। मरने वालों में कोयला कारोबारी सहित उनके परिवार के तीन सदस्य शामिल हैं। शुरुआती जांच के बाद पुलिस को संदेह है कि आग शार्ट सर्किट की वजह से लगी होगी।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 30 जून, 2025

उत्तरकाशी में आसमान से बरसी आफत, दो की मौत, सात लापता

उत्तरकाशी में बादल फटने से यमुनोत्री राजमार्ग का 10 मीटर हिस्सा ध्वस्त, नौ श्रमिक बहे

भूस्खलन व भूधंसाव होने से पांच दर्जन से अधिक संपर्क मार्ग बाधित, कई गांव अलग-थलग पड़े

जागरण टीम, देहरादून

उत्तराखंड में शनिवार रात मौसम ने करवट ली तो आसमान से आफत बरसने लगी। मूसलाधार वर्षा और अतिवृष्टि से कई जिलों में व्यापक नुकसान हुआ। उत्तरकाशी जिले में बादल फटने से होटल निर्माण कार्य में लगे दो श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि सात लापता हैं। मृतकों में एक उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, दूसरा नेपाल का रहने वाला था। साथ ही यमुनोत्री राजमार्ग का 10 मीटर हिस्सा ध्वस्त हो गया। राजमार्ग की स्थिति व भारी वर्षा के अलर्ट को देखते हुए चार धाम यात्रा को 24 घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया है। प्रदेश में पांच दर्जन से अधिक संपर्क मार्ग बाधित हैं। गंगा, अलकनंदा, मंदाकिनी, महाकाली समेत अन्य नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया है। इनके आसपास रहने वालों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई है। देहरादून में भारी वर्षा से दो आवासीय भवन ध्वस्त हुए हैं। बागेश्वर के कपकोट के भनार गांव में एक मकान भूकटाव की जद में आकर ढह गया। पिथौरागढ़ में दो दिन बाद रविवार को खुला तवाघाट-लिपुलेख राजमार्ग (आदि कैलास मार्ग) फिर तवाघाट में मलबा आने से अवरुद्ध हो गया है। मुख्यमंत्री धामी ने पड़ावों पर रोके गए यात्रियों के लिए सभी प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं।

उत्तरकाशी में शनिवार रात करीब तीन बजे यमुनोत्री राजमार्ग पर पालीगाड़ से चार किलोमीटर आगे सिलाई बैंड के पास बादल फट गया। इससे करीब 10 मीटर राजमार्ग ध्वस्त हो गया। साथ ही यहां कैंप बनाकर रह रहे नौ श्रमिक पानी के तेज बहाव में लापता हो गए। घटना के समय कैंप में 29 श्रमिक थे। इनमें से 20 ने भागकर जान बचाई। जिलाधिकारी उत्तरकाशी प्रशांत आर्य ने बताया कि सिलाई बैंड के पास एक होटल निर्माणाधीन है, सभी श्रमिक वहीं काम कर रहे थे। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम ने दो लापता श्रमिकों दूजेलाल (55) निवासी पीलीभीत और केवल बिष्ट (43) निवासी नेपाल के शव बरामद कर लिए हैं। अन्य लापता सात श्रमिकों की खोज जारी है। इसमें चार देहरादून और तीन नेपाल के निवासी हैं। रुद्रप्रयाग के जखोली में गदेरा उफान पर आने से पोठी-मुनियाघर के बीच बना मोटर पुल ध्वस्त हो गया। देहरादून-मसूरी मार्ग भी गलोगी के पास भूस्खलन बाधित रहा। मसूरी जाने वाले भारी वाहन राजपुर होते हुए भेजे जा रहे हैं।

गंगा समेत अन्य नदियों का जलस्तर बढ़ा, लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील

सिलाई बैंड के पास बादल फटने से मची तवाही से क्षतिग्रस्त बैकहो लोडर। « ओंमकार बहुगुणा

पड़ावों पर ठहरे में 14 हजार से अधिक चार धाम यात्री

चारधाम यात्रा 24 घंटे के लिए रोक दी गई है। यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ व बदरीनाथ के पड़ावों पर 14 हजार से अधिक यात्री रोके गए हैं। चमोली में सात हजार, रुद्रप्रयाग में चार हजार तीर्थयात्री रोके गए हैं। वहीं उत्तरकाशी में तीन हजार से अधिक यात्री रोके गए हैं।

अगले दो माह तक 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहें अधिकारी : धामी

राज्य ब्यूरो, जागरण : देहरादून : वर्षाकाल में आपदा की चुनौतियों से निबटने के दृष्टिगत सरकार सक्रिय हो गई है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को आइटी पार्क स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचकर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण उत्पन्न स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मानसून को देखते हुए शासन-प्रशासन के अधिकारियों को अगले दो माह तक 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। साथ ही मानसून में अधिकारियों को नियमित रूप से व्यवस्था चाक-चौबंद रखने को कहा।

हिमाचल में वर्षा से कई जगह भूस्खलन, भारी नुकसान

राज्य ब्यूरो, जागरण • शिमला

हिमाचल में कई स्थानों पर रविवार को भारी वर्षा हुई। इससे शिमला, सोलन व मंडी में भारी नुकसान हुआ है। शिमला के जौली के बौथ वेल में शनिवार रात घर पर मलबा आने से मां-बेटी एटिक पर फंस गईं। ढाई घंटे बाद इन्हें बाहर निकाला। रविवार सुबह करीब सात बजे चंडीगढ़-शिमला फोरलेन चक्की मोड़ के पास मलबा आने से बंद हो गया। बरोटीवाला से बग्गूवाला मार्ग और पिंजौर-नालागढ़ नेशनल हाईवे पर कीरतपुर के पास पुलिया बह गई। चंबा के नैनीखड्ड क्षेत्र में पठानकोट-चंबा-भरमौर एनएच करीब साढ़े पांच घंटे बंद रहा। उधर तेज वर्षा के कारण कालका-शिमला रेलमार्ग रविवार सुबह छह घंटे बाधित रहा। भूस्खलन, पेड़ व पत्थर गिरने से ट्रैक अवरुद्ध हो गया था। गगल स्थित कांगड़ा एयरपोर्ट पर रविवार को पांच में से दो विमान सेवाएं रद हो गईं। कुल्लू में भुंतर एयरपोर्ट और शिमला मे जुब्बड़हट्टी हवाई अड्डा से उड़ान नहीं हो सकी।

स्कूल तक पहुंचा बाढ़ का पानी, फंसे 162 छात्रों को निकाला

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में रविवार को पानी भरने के बाद आवासीय विद्यालय में फंसे छात्रों को सुरक्षित बाहर निकालने में जुटे पुलिसकर्मी। प्रेट्र

जागरण संवाददाता, पोटका (पूर्वी सिंहभूम)

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड में स्थित एक आवासीय विद्यालय शनिवार रात अचानक बाढ़ के पानी में घिर गया। जान बचाने के लिए स्कूल के छात्र और शिक्षकों ने छत पर चढ़कर जान बचाई। बाद में बचाव अभियान चलाकर पुलिस-प्रशासन की टीम ने 162 छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला।

बादल गरजने की तेज आवाज सुन उठे तेग ने चिल्लाकर बचाई कई जान

जागरण संवाददाता, उत्तरकाशी : शनिवार मध्यरात्रि करीब एक बजे बादल गरजने की तेज आवाज सुनाई दी, मैं अनहोनी की आशंका में नींद से उठ गया, मैंने कमरे में नजर दौड़ाई तो चारों ओर घुटने तक पानी भर चुका था। मैंने जल्दी कमरे में सोये अपने अन्य साथियों को उठाया और भागकर ऊपर आ गया। बाद में भागो-भागो चिल्लाकर अन्य कमरों में सोये साथियों को भी जगाया, जो मेरी आवाज सुन उठकर भाग पाए, उनकी जान तो बच गई। लेकिन, गहरी नींद में होने से जो नहीं उठ सके, वह मलबे में ही जिंदा दफन हो गए। यह आप बीती है तेग बहादुर की, जो कि यमुनोत्री हाईवे पर सिलाई बैंड के पास बादल फटने से मची तबाही के प्रत्यक्षदर्शी हैं। नेपाल मूल के तेग बहादुर ने बताया कि सिलाई बैंड के पास एक होटल के निर्माण के लिए वह और उसके करीब 28 अन्य साथी अस्थायी टिनशेडों में रह रहे थे। इस हादसे में 20 लोग तो सुरक्षित बच गए, लेकिन नौ लोग गहरी नींद में होने से पानी और मलबे के साथ ही बह गए। तेग ने बताया कि हादसे में एक मजदूर भागकर ऊपर की ओर आ गया था, लेकिन फिर मोबाइल के लालच में वह नीचे आया। वह मोबाइल लेने जैसे ही कमरे में गया तो मलबे के साथ सैलाब आ गया और वह वहीं दफन हो गया।

न्यूज गैलरी

नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसे युवक को पकड़ा

राजौरी : सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने जम्मू कश्मीर के राजौरी मंजाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसे गुलाम जम्मू-कश्मीर के युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आशंका है कि पकड़ा गया युवक आतंकियों का गाइड है और घुसपैठ का रास्ता देखते हुए नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय क्षेत्र में आ गया। आपरेशन सिंदूर के बाद यह पहली घटना है, जब गुलाम जम्मू-कश्मीर का युवक नियंत्रण रेखा को पार कर रविवार दोपहर भारतीय क्षेत्र में दाखिल हो गया। जैसे ही युवक भारतीय क्षेत्र में पहुंचा, सजग सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उसे पकड़ लिया। युवक से सेना, पुलिस व सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। (जासं)

पुलवामा में आतंकी के सहयोगी के घर पर छापा

जम्मू : कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा में पुलिस ने आतंकवाद से जुड़े एक मामले में एक आतंकी के सहयोगी के घर पर छापेमारी की। पुलिस ने अवंतीपोरा थाने में दर्ज एफआइआर की जांच के सिलसिले में लाधू बाटापोरा पांपोर निवासी एक आतंकी के सहयोगी मोहम्मद मकबूल वानी के घर पर छापेमारी की। यह छापेमारी अवंतीपोरा के एसडीपीओ और एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में आतंकवाद से जुड़े एक मामले में उसकी संलिप्तता के आधार पर की गई। (राब्यू)

भरतपुर में मिट्टी ढहने से चार मजदूरों की मौत

जयपुर : राजस्थान के भरतपुर जिले में चंबल परियोजना की पाइपलाइन बिछाने के दौरान मिट्टी ढहने से उत्तर प्रदेश के फतेहपुर सिकरी के उट्टू गांव के 10 श्रमिक दब गए, जिनमें चार की मौत हो गई। छह घायल हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर है। (जासं)

पंजाब में सरहद के निकट घूमता बांग्लादेशी गिरफ्तार

फाजिल्का: पंजाब में बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा के पास संदिग्ध हालात में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। थाना सदर पुलिस को बीएसएफ की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक पकड़ा गया व्यक्ति बांग्लादेश के जमालपुर जिले के गांव पठियाला का रहने वाला है। उसे फाजिल्का के मुहारसोना इलाके में भारत-पाक सीमा के नजदीक संदिग्ध हालात में घूमते पकड़ा गया है। (जासं)

बदायूं में हनुमान मंदिर परिसर में पढ़ी नमाज, गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, बदायूं

- 30 वर्ष पहले मंदिर में ली थी शरण, करता था साफ-सफाई
- पुजारी ने कहा-पहली बार परिसर में नमाज पढ़ने आया अली

30 वर्षों से हनुमान मंदिर में शरण लिए अली मोहम्मद ने उसी परिसर को नमाज का स्थान बना दिया। शुक्रवार को उसे नमाज पढ़ता देख एक व्यक्ति ने वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया तो हिंदू संगठनों ने आपत्ति जताई। शनिवार को यह प्रकरण पुलिस तक पहुंचा, जिसके बाद आरोपित अली मोहम्मद के विरुद्ध धार्मिक भावनाएं आहत करने, माहौल बिगाड़ने की धारा में प्राथमिकी पंजीकृत कर गिरफ्तार कर लिया गया। पुजारी का कहना है कि आरोपित वर्षों से यहां रह रहा था, मगर कभी परिसर में नमाज नहीं पढ़ी। इस बार उसने गलत हरकत की।

उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के पापड़ गांव के लोगों के अनुसार, अली मोहम्मद 30 वर्ष पहले गांव के हनुमान मंदिर में मदद मांगने आया था। उसे सहायता मिलने लगी तो मंदिर परिसर की साफ-सफाई और गायों की देखरेख करने लगा। उसे इसके बदले कुछ रुपये व भोजन इत्यादि मिल जाता था। अब उसकी उम्र 60 वर्ष हो चुकी, परिवार में कोई अन्य सदस्य नहीं है। मंदिर के पुजारी महात्मा परमात्मा दास ने बताया कि अली मोहम्मद ने पहले कभी मंदिर परिसर में नमाज नहीं पढ़ी। वह इसकी चर्चा भी नहीं करता था। शुक्रवार को उसने ऐसा क्यों किया, यह समझ से परे है।

बदायूं के मंदिर परिसर में नमाज पढ़ता अली मोहम्मद। वीडियो ग्रैब

उत्तराखंड के नौ जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट

प्रथम पृष्ठ से आगे

आइएमडी ने 29 और 30 जून को उत्तराखंड में उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, देहरादून, टिहरी, पौड़ी, हरिद्वार और नैनीताल समेत नौ जिलों में भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। चारधाम यात्रा को एक दिन के लिए रोक दिया गया है। हिमाचल के चार जिलों सोलन, सिरमौर, कांगड़ा एवं मंडी जिलों में सोमवार को वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इन जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि अपने जिलों में शिक्षण संस्थान बंद करने के आदेश तुरंत जारी करें। राजस्थान में एक जून से अब तक 155% ज्यादा बारिश हुई है। रविवार को सिरोही में चार घंटे तक हुई तेज बारिश से जन-जीवन अस्तव्यस्त हो गया।

ओडिशा में बाढ़ की आशंका : बिहार में पटना सहित विभिन्न जिलों में झमाझम वर्षा हुई। पटना में 14.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई। रोहतास के करगहर में सर्वाधिक 48.6 मिमी वर्षा हुई। ओडिशा में बुधबलंग, सुवर्णरेखा, जलका और सोनो नदियों के जल स्तर में वृद्धि देख रही है और सोमवार तक बाढ़ की आशंका जताई जा रही है। त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम और दक्षिणी असम के लिए रेलवे लिंक आंशिक रूप से बहाल किया गया।

कथावाचक प्रकरण में अभद्र टिप्पणी करने का मुख्य यजमान की पत्नी पर मुकदमा

जागरण संवाददाता, इटावा

- इंटरनेट मीडिया में भड़काऊ पोस्ट करने वालों पर बढ़ी सख्ती
- पुलिस अब तक 22 लोगों को गिरफ्तार कर भेज चुकी है जेल

जाति छिपाने वाले कथावाचक से जुड़े विवाद के बाद इंटरनेट मीडिया में भ्रामक व भड़काऊ पोस्ट करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। रविवार को कथा के मुख्य यजमान की पत्नी के खिलाफ भी एक विशेष जाति के विरुद्ध इंटरनेट मीडिया में अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के एक गांव में 21 जून को खुद को ब्राह्मण बताने वाले कथावाचक के साथ अभद्रता की गई थी। इसके बाद कथावचक के समर्थन में जातीय संगठन अहीर रेजिमेंट के अध्यक्ष गगन यादव के आह्वान पर 26 जून को उपद्रवियों ने बकेवर थाना और हाईवे पर बवाल किया था। तब से अब तक अफवाह फैलाने, सामाजिक समरसता बिगाड़ने के मामले में 22 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। हाल ही में एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसमें मुख्य यजमान की पत्नी एक यूट्यूब चैनल पर जाति विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करती दिख रही थीं। इस वीडियो से संबंधित जाति के लोगों में भारी रोष देखने को मिला, वहीं सपा नेताओं ने भी आपत्ति जताते हुए पुलिस प्रशासन से कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने आइटी एक्ट समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया है।

प्रधानमंत्री को गाली देने पर युवक के खिलाफ केस

इंटरनेट मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और एक जाति समाज को अपशब्द कहने वाले एक अज्ञात युवक का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ है। पुलिस ने इस मामले में भी आइटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

जातियों का भेद नहीं, कोई भी करा सकता है कर्मकांड

महेन्द्र पाण्डेय • जागरण, लखनऊ : जाति को लेकर उठे विरोध के बीच वैचारिक द्वंद्व छिड़ा है, पर धार्मिक कर्मकांड, पूजा-पाठ आदि में जातियों का कोई भेद नहीं है। गायत्री परिवार इसके लिए दशकों से प्रशिक्षण दिला रहा है। यहां से प्रशिक्षित कोई भी व्यक्ति मुंडन, यज्ञोपवीत, विवाह आदि संस्कार करा सकता है। यहां तक कि संगीत साधना, प्रवचन आदि भी कर सकता है। इंदिरा नगर शक्तिपीठ के उमानंद शर्मा बताते हैं कि कोई व्यक्ति अपने यहां किसी धार्मिक अनुष्ठान आदि के आयोजन की सूचना देता है तो हम उसे संबंधित क्षेत्र के शक्तिपीठ से संपर्क कराते हैं। फिर उसी क्षेत्र के कार्यकर्ता वहां पूजा-पाठ आदि कराने जाते हैं। शांतिकुंज हरिद्वार में कार्यकर्ताओं को पांच दिन, नौ दिन, एक महीना, तीन महीने और छह महीने का अलग-अलग प्रशिक्षण दिलाया जाता है। इसमें कर्मकांड, साधना, संगीत, योग, प्रवचन की कला आदि सिखाया जाता है।

नाबालिग को बंधक बनाकर पीटा, पेशाब पिलाई व चप्पल पर थूक चटवाया

जागरण संवाददाता, कानपुर : दोस्तों ने आपसी विवाद में 17 वर्षीय नाबालिग को अगवा कर कमरे में बंधक बना लिया और जमकर पीटा। चप्पल पर थूककर उसे चटाया। उसको पेशाब पिलाई। घटना का वीडियो भी बनाया। आरोपित वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी देकर उस पर मुंह बंद रखने का दबाव बनाते रहे। घटना के चार दिन बाद शनिवार को वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने देर रात तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। आरोपितों की तलाश के लिए दो टीमें बनाकर दबिश दी जा रही है। घटना के पीछे जुए का विवाद माना जा रहा है।

पीड़ित नाबालिग कास्मेटिक की दुकान संचालित करता है। 25 जून की शाम वह दुकान पर था, तभी दीपक पाल का फोन आया। उसने बताया कि वह राम गोपाल चौराहे के पास बैठा है। उसे घर वालों ने निकाल दिया है। इस पर वह दुकान बंद कर वहां पहुंचा। तीनों दोस्त उसको कुछ दूर स्थित पार्क ले गए। वहां से कार में बैठाकर एक कमरे में ले गए, जहां तीनों ने बंधक बनाकर उसकी पिटाई की।

बुजुर्ग महिला से तीन करोड़ की ठगी में तीन गिरफ्तार

ठाणे, प्रेट्र : महाराष्ट्र के ठाणे में एक बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट रखने और तीन करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने के आरोप में पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी सिंडिकेट से जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 61 वर्षीय महिला को 13 अगस्त 2024 को कुछ लोगों ने कूरियर कंपनी के कर्मियों के रूप में फोन किया था। उन्होंने दावा किया कि उसका पार्सल जब्त कर लिया है, जिसमें लैपटाप, 140 ग्राम एमडी (ड्रग) पाउडर, एक थाई पासपोर्ट, तीन क्रेडिट कार्ड और कपड़े हैं।

इसके तुरंत बाद एक व्यक्ति ने सीबीआइ अधिकारी बनकर पीड़िता को पहचान सत्यापित करने के लिए काल किया। उसने कुछ जाली दस्तावेज दिखाए और डिजिटल अरेस्ट रखने के बाद फंड ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया। महिला ने 3.04 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। ठाणे साइबर पुलिस द्वारा की गई जांच में तार अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट से जुड़े होने का पता चला। जालसाज 82.46 लाख रुपये विदेश में स्थानांतरित करने में कामयाब रहे। 19 जून को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

एक अन्य मामला सामने आया : मिड डे के अनुसार, साइबर धोखाधड़ी के एक अन्य मामले में उत्तरी साइबर पुलिस ने गुजरात से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान बडोदरा निवासी वेदांत जानकीदास महंत, मोहित हरेशभाई भुटैय्या, भाविक जसभाई पटेल के रूप में हुई है। आरोपितों ने एयर इंडिया के एक सेवानिवृत्त अधिकारी से 67 लाख रुपये की ठगी की थी।

- बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट रखने और उससे तीन करोड़ रुपये की ठगी में गिरफ्तारी

राजस्थान में दो अधिकारियों पर मतांरण कराने का आरोप, हंगामा

जागरण संवाददाता,जयपुर : राजस्थान के दौसा में दो सरकारी अधिकारियों पर मतांतरण कराने का आरोप लगा है। विहिप कार्यकर्ताओं ने रविवार को शहर में एक घर को घेर कर नारेबाजी शुरू कर दी। नारेबाजी करने वालों ने आरोप लगाया कि राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जग्निेश वर्मा और उनकी बहन विकास अधिकारी जिनू वर्मा दलितों का मतांतरण करा रहे थे और बदले में पैसे दिए जा रहे थे। फिर उन्हें स्नान करवाने के साथ गले में क्रास पहनाया जा रहा था।

सूचना मिलने पर पुलिस उप अधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा मौके पर पहुंचे और समझा-बुझाकर कर नारेबाजी करने वालों को शांत किया। दौसा थाना अधिकारी सुधीर उपाध्याय ने बताया कि नारेबाजी में एक सौ से अधिक लोग शामिल थे। पूछताछ में सामने आया कि जिस घर के बाहर नारेबाजी हो रही थी, वहां प्रत्येक रविवार को ईसाइयों का धार्मिक आयोजन होता है। विहिप कार्यकर्ताओं ने इस आयोजन में मतांतरण कराने का आरोप लगाया है।

बिहार में 50 रुपये के विवाद में ई-स्कूटी शोरूम में लगा दी आग

शोरूम में जला हुआ ई-रिक्शा और स्कूटी।

जासं, औरंगाबाद

- जल गए 36 ई-स्कूटी और सात ई-रिक्शा, एक गिरफ्तार

बिहार के औरंगाबाद में बदमाशों ने मात्र 50 रुपये को लेकर हुए विवाद के बाद शनिवार रात ओमकार इंटरप्राइजेज नामक ई-रिक्शा और ई-स्कूटी के शोरूम में आग लगा दी। जिससे शोरूम पूरी तरह जल गया। सात ई-रिक्शा और 36 ई-स्कूटी बुरी तरह नष्ट हो गए। रविवार को दो के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई। एक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

शोरूम संचालक अशोक सिंह ने बताया कि विष्णु ने उनके यहां से 31 मार्च को ई-स्कूटी खरीदी थी। वह 25 जून को शोरूम आए और कहा कि स्कूटी खराब हो गई है। इसे ठीक करके 27 जून को वापस किया गया, जिसमें 50 रुपये का सामान लगा था। जब वह राशि मांगी गई तो विष्णु ने पैसे देने से इन्कार कर दिया। बात मारपीट तक पहुंच गई, जिसमें उनके दाएं हाथ की अंगुली टूट गई। आरोपितों ने कट्टा दिखाकर धमकी दी और शोरूम को जलाने की चेतावनी दी थी।

जागरण विशेष

आठ भाषाओं में 'हेट स्पीच' को पहचानेगा एआइ माडल

प्रयागराज में आइआइआइटी के शोधकर्ताओं ने तैयार किया बहुभाषी घृणा-भाषा पहचान तंत्र

मृत्युंजय मिश्रा • जागरण

प्रयागराज: अब इंटरनेट मीडिया पर नफरत भरे शब्दों और अभद्र भाषा की पहचान करना आसान होगा। प्रयागराज स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइआइटी) के शोधकर्ताओं ने अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) माडल विकसित किया है, जो हिंदी, अंग्रेजी समेत आठ भाषाओं में फैली 'हेट स्पीच' को पहचानने में सक्षम हैं। यह माडल इंटरनेट मीडिया पर महिला विरोधी टिप्पणियों, जातीय और सांप्रदायिक कंटेंट, साइबर बुलिंग और गाली-गलौज जैसे अभद्र व्यवहार और भाषा की पहचान करेगा। इससे इंटरनेट मीडिया पर आपत्तिजनक व भड़काऊ पोस्ट करने वालों को नियंत्रित करने में भी मदद मिलेगी।

इस शोध परियोजना का निर्देशन सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रो. वृजेंद्र सिंह ने किया, जिसे शोध छात्र अशोक यादव और एमटेक छात्रों सरबजीत पटनायक, प्रिंस राज, आकृति सिंह और मंगेश डामरे की टीम ने पूरा किया है। यह नवाचार अब आइईईई ट्रांजेक्शंस आन अफेक्टिव कंप्यूटिंग जैसे अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशन की प्रक्रिया में है। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह माडल अब तक मौजूद अंग्रेजी-आधारित तकनीकों से अलग है। इसमें तमिल, मराठी, संस्कृत, मलयालम और नेपाली भाषाओं व भोजपुरी बोली में नफरत भरे कंटेंट की पहचान की जा सकती है। इसके लिए विशेष बहुभाषी माड्यूल्स विकसित किए गए हैं, जो न केवल टेक्स्ट बल्कि आडियो और वीडियो आधारित भाषणों का विश्लेषण कर सकते हैं।

हिंग्लिश पोस्ट की भी होगी निगरानी : हेट स्पीच को पहचानने के लिए 'क्वांटम बर्ट' और 'मीम डिटेक्शन माडल' विकसित किया गया है, जो खास तौर पर रोमन लिपि में लिखी गई हिंग्लिश पोस्ट और मीम्स में छिपे अपशब्दों को भी पहचानता है। इस माडल ने 86 प्रतिशत तक की सटीकता दर्ज की है। यह एआइ माडल एक्स, यूट्यूब के साथ मेटा के अलग अलग इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म की निगरानी करने में सक्षम है। प्रो. सिंह के अनुसार, यह तकनीक विशेष वर्गों और संवेदनशील समुदायों के विरुद्ध फैलाई जा रही नफरत को विशेष रूप से पहचानने में कारगर है। शोध का मुख्य उद्देश्य दो बातों पर केंद्रित रहा- पहला, किसी पोस्ट में हेट स्पीच है या नहीं, और दूसरा, उसका निशाना कौन है-व्यक्ति, समुदाय या संस्था।

चुनावी पोस्ट्स से मिली 96 प्रतिशत सटीकता: शोध टीम ने 'चुनाव' विषय पर आधारित 11,457 हिंदी एक्स पोस्ट का एक डेटासेट तैयार किया, जिसमें दो एआइ माडल को प्रशिक्षित किया गया। शोधकर्ताओं ने इन विकसित माडल का एनआइटी राउरकेला में आयोजित सेमिनार में प्रदर्शित किया। इसमें बीओजीएम माडल ने 96 प्रतिशत टेस्ट सटीकता दी। इसमें उन पोस्ट का विश्लेषण किया गया जो पूर्व माडल द्वारा गलत पहचाने गए थे। साथ ही महिला विरोधी मीम्स के विरुद्ध तमिल और मलयालम में बड़ी सफलता मिली।

« आइआइआइटी की अपनी प्रयोगशाला में कार्य करते प्रोफेसर वृजेंद्र सिंह • सौ. स्वयं

> यदि यह तकनीक इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर लागू की जाए, तो महिलाओं, बच्चों और अल्पसंख्यकों के लिए डिजिटल दुनिया को कहीं अधिक सुरक्षित और सम्मानजनक बनाया जा सकता है। लोकतंत्र में संवाद जरूरी है, लेकिन जब वह नफरत में बदल जाए, तो उसे रोकना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। यही इन माडलों का मूल दर्शन है।
> **-प्रो. वृजेंद्र सिंह,** आइटी विभाग, आइआइआइटी प्रयागराज

वीडियो से फैलाई जा रही नफरत पर भी नजर

हेट स्पीच केवल शब्दों में नहीं, वीडियो से भी फैलाई जाती है। इसे रोकने के लिए शोधकर्ताओं ने एक अभिनव मल्टीमाडल प्रणाली 'वाइटीहेटविड' विकसित की है। जो वीडियो, आडियो और टेक्स्ट तीनों का विश्लेषण करती है। शोधकर्ताओं ने बर्ट, डिस्टिलबर्ट और मल्टी हेड क्रास अटेंशन तकनीकों को एकीकृत किया। शोधकर्ता अशोक यादव ने बताया कि 'वाइटीहेटविड' माडल को हेटएमएम डेटासेट पर प्रशिक्षित किया गया और 81.86 प्रतिशत सटीकता प्राप्त की। साथ ही नए डेटासेट वाइटीहेट (196 यूट्यूब वीडियो) पर भी परीक्षण किया गया, जहां इस माडल ने घृणा वाली वीडियो सामग्री को पहचानने में उल्लेखनीय दक्षता दिखाई।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

भारतीय सीमा में मिले पाकिस्तानी युवक और नाबलिग लड़की के शव

जागरण संवाददाता, जयपुर : जैसलमेर जिले में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट तनोट थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की और युवक के शव बरामद हुए हैं। दोनों शव एक सप्ताह पुराने लग रहे हैं। शवों के पास पाकिस्तानी सिम कार्ड और पहचान पत्र मिले हैं।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि शव सीमा से लगभग 10 किलोमीटर अंदर साधेवाला में मिले। युवक का शव नाबालिग से लगभग 50 फीट दूर था। शवों के पास मिले पाकिस्तानी पहचान पत्र में युवक की जन्म तारीख तीन जनवरी 2008 और नाबालिग की 30 जुलाई 2010 दर्ज है। दोनों कार्डों में पाकिस्तान का उल्लेख है। शवों को मर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस और बीएसएफ मौत के कारणों की जांच कर रही है। आशंका है, दोनों अवैध रूप से भारत आए हों और भूख व प्यास से उनकी मृत्यु हो गई हो।

****

हां 85% / नहीं 15% — क्या युवाओं में बढ़ती ड्रग्स की लत भारत के भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा है ?

हां 30% / नहीं 70% — क्या केंद्र और राज्य सरकारें ड्रग्स की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए गंभीर दिख रही हैं ?

मुद्दा से संबंधित अपनी राय, सुझाव और प्रतिक्रिया mudda@jagran.com पर भेज सकते हैं।

नसों में नशा

ड्रग्स। ऐसा जहर है, जो भारत के युवा भविष्य को तेजी से खोखला कर रहा है। अक्सर पंजाब ड्रग्स की तस्करी और युवाओं में नशे की बढ़ती लत को लेकर सुर्खियों में रहता है लेकिन ड्रग्स का का विषैला फन सिर्फ पंजाब तक सीमित नहीं है। हरियाणा के युवाओं में भी ड्रग्स की लत तेजी से बढ़ रही है। गुजरात में हजारों करोड़ की ड्रग्स की खेप कई बार पकड़ी जा चुकी हैं। बड़े शहर के युवा खास कर कालेज जाने वाले युवाओं के बीच इसका चलन तेजी से बढ़ रहा है। यह देश के भविष्य के लिहाज से बेहद खतरनाक है। नशा मुक्ति पखवाड़े के दौरान दिल्ली में 1600 किलो से अधिक ड्रग्स नष्ट की गई है। जाहिर है कि अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की मदद से ही हजारों करोड़ रुपये कीमत की ड्रग्स भारत भेजी जा रही है। ड्रग्स के इस विषैले नेटवर्क को खत्म करने के लिए किए जा रहे प्रयास और चुनौतियों की पड़ताल अहम मुद्दा है...

2018-2023 के बीच जब्त की गई ड्रग्स और प्रतिबंधित चीजें

वर्ष	2018	2019	2020	2021	2022	2023
हेरोइन	1,258	3,231	3,838	7,197	5,410	2,986
अफीम	4,307	4,488	5,212	5,161	3,805	8,533
मारफीन	20	125	11	131	129	210
गांजा	3,91,275	3,42,045	5,81,644	8,12,545	7,18,376	6,28,612
हशीश	3,911	3,572	6,643	4,197	3,495	3,320
कोकीन	35	66	19	364	218	292
एफेड्रिन/ सूडो एफेड्रिन	337	686	841	325	1,001	969
एसेटिक एनहाइड्राइड	9,717	214	121	24,265	333	40
एटीएस	431	1,774	1,357	387	1,224	3,406

मात्रा:किलोग्राम में — एनसीबी रिपोर्ट 2023

इसलिए ड्रग्स के शिकार हो रहे युवा

इंडियन काउंसिल फार सोशल साइंस रिसर्च (आइसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित स्टडी में दोस्तों के दबाव, बेरोजगारी और ड्रग्स की उपलब्धता को युवाओं में ड्रग्स के प्रसार की प्रमुख वजह बताया गया है। ड्रग्स का प्रसार देश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थायित्व के लिए खतरा पैदा कर सकता है।

बहुआयामी रणनीति की जरूरत

ड्रग्स की समस्या सामाजिक सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक तंत्र में गहरे जड़ जमा चुकीं विकृतियों के कारण भयावह हो रही है। इसका समाधान भी सुव्यवस्थित और बहुआयामी रणनीति को लागू करके ही किया जा सकता है। इस समस्या की जटिलताओं को गहराई से समझने की जरूरत है। इसके दूरगामी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव हो सकते हैं। ड्रग्स की समस्या के लिए जिम्मेदार कारकों को खत्म करना होगा।

70% ड्रग्स की लत के शिकार युवा हैं 15 से 35 वर्ष आयु समूह के

65% ड्रग्स के आदी युवाओं ने 15-20 वर्ष की उम्र में ड्रग्स लेना शुरू किया था

18% ड्रग्स के आदी युवाओं ने 21 से 25 वर्ष की उम्र में लेना शुरू किया था ड्रग्स

54% ड्रग्स एडिक्ट ग्रामीण इलाकों में रहते हैं, खेती करते हैं या श्रमिक हैं

ये तरीके होंगे प्रभावी

ड्रग्स की समस्या को दूर करने के लिए रोजगार पैदा करने, दंडात्मक और निवारक उपायों से ड्रग्स की सप्लाई चेन खत्म करना जरूरी है। इसके अलावा ड्रग एडिक्ट की काउंसलिंग करके उनको समाज की मुख्यधारा में लाने की सिफारिश की गई है।

ड्रग्स के खिलाफ जंग

2014 के बाद मोदी सरकार की ड्रग्स पर अंकुश लगाने के लिए बहुआयामी रणनीति का नतीजा है कि एनसीबी द्वारा जून 2023 तक मादक पदार्थों की जब्त की गई मात्रा 100 प्रतिशत तक बढ़ी है। वहीं ड्रग्स की तस्करी करने और इसे बेचने वालों के खिलाफ दर्ज किए गए मामलों में 152 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है।

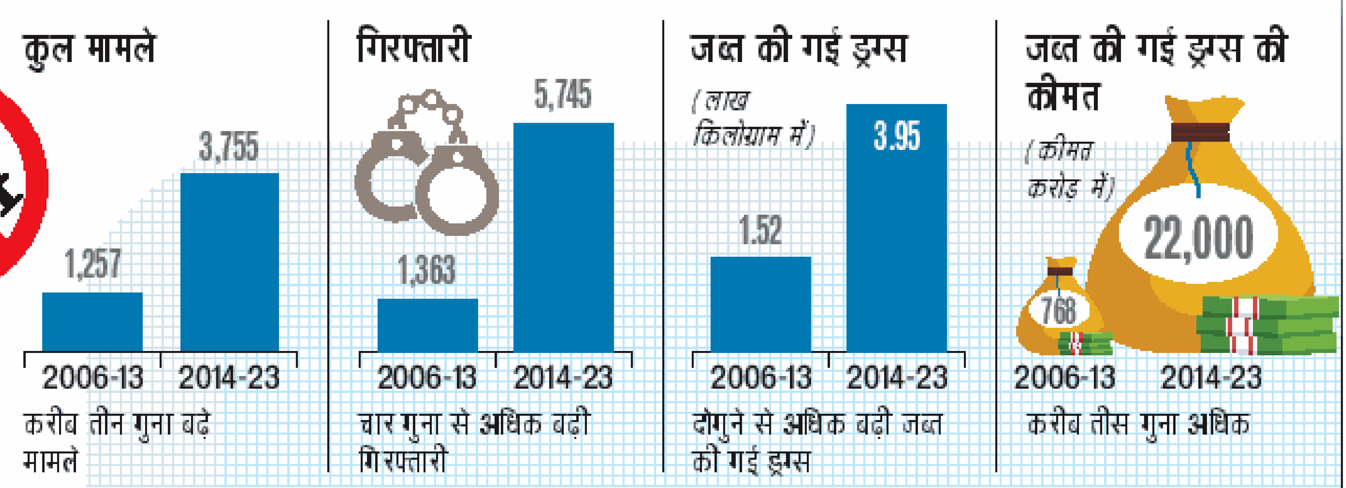

2,000 रुपये रोज मादक पदार्थ पर खर्च कर रहे हैं लत के शिकार युवा

7.5 करोड़ लोग नशे के आदी हैं भारत में कम से कम संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार

18-35 वर्ष आयु वर्ग के हैं ज्यादातर नशा करने वाले

10 लाख है हेरोइन का नशा करने वालों की संख्या, अनौपचारिक रूप से इनकी संख्या 50 लाख है

काम कर रहा है नेक्सस

स्टडी के अनुसार, ड्रग्स की समस्या लंबे समय से बनी हुई। ड्रग्स के व्यापार में राजनीतिक नेताओं, ड्रग तस्करों और पुलिस का नेक्सस काम कर रहा है।

50% ने कम से कम एक बार नशीली दवाओं का सेवन किया है भारत में नौवीं कक्षा तक पहुंचने वाले अधिकांश लड़कों में से

20-40% लोग वर्तमान में शराब का सेवन करते हैं 15 वर्ष से अधिक आयु के

10% नियमित या काफी अधिक शराब का करते हैं सेवन

ड्रग्स की लत पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण-2018

पदार्थ	बच्चे और किशोर (10 से 17 वर्ष) प्रसार (प्रतिशत में)	बच्चे और किशोर (10 से 17 वर्ष) यूजर्स की अनुमानित संख्या	वयस्क (18 से 75 वर्ष) प्रसार (प्रतिशत में)	वयस्क (18 से 75 वर्ष) यूजर्स की संख्या
शराब	1.30	30 लाख	17.10	15.10 करोड़
गांजा	0.90	20 लाख	3.30	2.90 करोड़
नशीली दवाएं	1.80	40 लाख	2.10	1.90 करोड़
शांति देने वाली दवाएं	0.58	20 लाख	1.21	1.10 करोड़
नशे के लिए सूंघने वाली दवा	1.17	30 लाख	0.58	60 लाख
कोकीन	0.06	2 लाख	0.11	10 लाख
एटीएस	0.18	4 लाख	0.18	20 लाख
भ्रम पैदा करने वाली दवाएं	0.07	2 लाख	0.13	20 लाख

जागरण रिसर्च

रोकथाम, उपचार और पुनर्वास जरूरी

भारत एक युवा देश है, जहां लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश तभी हमारे लिए वरदान बन सकता है जब हम समय रहते इन युवाओं के जीवन को नशे जैसी बुराई से बचा सकें। आज युवाओं की जिंदगी में नशीले पदार्थों का बढ़ता उपयोग एक गंभीर खतरा बन चुका है। अगर हमने समय रहते रोकथाम और पुनर्वास के उपाय नहीं किए, तो ये युवा न केवल खुद नष्ट होंगे बल्कि राष्ट्र की सामाजिक और आर्थिक नींव को भी कमजोर कर देंगे।

भारत सरकार नशीली दवाओं की समस्या से निपटने के लिए दो प्रमुख रणनीतियों पर काम कर रही है। यह है आपूर्ति में कटौती और मांग में कमी। आपूर्ति में कटौती का काम मुख्य रूप से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और राज्य पुलिस बलों द्वारा किया जाता है, जो नशे की अवैध तस्करी और वितरण को रोकते हैं। परंतु, यह रणनीति अकेली पर्याप्त नहीं है। जब तक नशे की मांग नहीं घटेगी, तब तक यह समस्या जड़ से नहीं मिट सकती। इसलिए जरूरत है कि मांग कम करने की, यानी रोकथाम और जागरूकता पर जोर दिया जाए। यही काम नाडा इंडिया फाउंडेशन जैसी संस्थाएं कर रही हैं, जो यंग इंडिया नेटवर्क फार गुड हेल्थ के माध्यम से युवाओं को सशक्त बना रही हैं।युवाओं को नशे से बचाने के लिए रोकथाम ही सबसे प्रभावशाली उपाय है। युवाओं को

सुनील वात्सायन
एडिक्शन थेरेपिस्ट और स्ट्रैटेजिस्ट

> युवाओं को नशे के दलदल से निकालने के लिए सिर्फ पुलिस की सक्रियता ही पर्याप्त नहीं है। युवाओं को देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने लायक बनाने के लिए रोकथाम, उपचार और पुनर्वास पर लगातार निवेश करना होगा।

उनके पहले नशे के संपर्क में आने से पहले ही सशक्तीकरण, संवाद, मार्गदर्शन और जीवन कौशल सिखाना होगा। विद्यालयों और कालेजों में सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रशिक्षित काउंसलरों की नियुक्ति की जाए जो न केवल शिक्षा दें, बल्कि युवाओं की भावनात्मक और सामाजिक जरूरतों को भी समझें। योग, खेल, संगीत, कला जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देकर सकारात्मक जीवनशैली को प्रोत्साहन देना होगा। सहकर्मी शिक्षा जैसे उपायों को अपनाना होगा, जहां पहले नशे के शिकार रहे लोग जैसे अनुज जौहरी, अब दूसरों को मार्गदर्शन दे रहे हैं और प्रेरणा बन रहे हैं। अनुज जौहरी जो खुद दो दर्जन बार इलाज से गुजरे, पिछले 27 वर्षों से नशामुक्त होकर अन्य युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। आज का खतरा केवल नशीले पदार्थों तक सीमित नहीं है। तंबाकू, ऊर्जा ड्रिंक्स, जंक फूड और निष्क्रिय जीवनशैली अब युवाओं के लिए 'गेटवे ड्रग्स' बन चुकी हैं। नशे से बाहर निकलने के बाद भी यदि व्यक्ति तंबाकू और अस्वस्थ आदतें नहीं छोड़ता, तो वह टीबी, एचआइवी/एड्स और गैर-संक्रामक बीमारियों का शिकार बन सकता है। इसलिए, जरूरत है समग्र और सतत रणनीति की, जिसमें सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि रोकथाम, पुनर्वास और पुनर्स्थापन पर भी जोर हो। केवल कानून और पुलिस बल के जरिये इस समस्या को हल नहीं किया जा सकता। कानून जरूरी है, लेकिन यह उपाय का एक हिस्सा मात्र है। राज्य सरकारें, जिनके पास स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण की जिम्मेदारी है, उन्हें चाहिए कि वे प्रत्येक जिले में पुनर्वास केंद्र, महिला और बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम, और सामाजिक कार्यकर्ताओं की भर्ती जैसी योजनाएं लागू करें। इसके साथ ही एक राष्ट्रीय ड्रग डिमांड रिडक्शन नीति की जरूरत है,जो केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय स्थापित कर निरंतर निवेश और प्रयास सुनिश्चित करे। हमें ऐसे भारत की ओर बढ़ना है जहां हमारा युवा उपभोक्ता ही नहीं, स्वस्थ उत्पादक भी हो और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान दे।

आपकी आवाज

युवाओं में ड्रग्स की बढ़ती लत न सिर्फ सामाजिक व्यवस्था के लिए खतरनाक है बल्कि यह देश की आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता के लिए भी खतरा पैदा कर सकती है। ऐसे युवा जो करियर बना कर देश और समाज के लिए रचनात्मक भूमिका निभा सकते थे, उनका ड्रग्स के चुंगल में फंसना दुखद है। **पंकज कुशवाहा**

ड्रग्स की समस्या अब शहरों तक ही सीमित नहीं है। देश के ग्रामीण इलाकों में भी यह समस्या तेजी से फैल रही है। इसका प्रमुख कारण बेरोजगारी और सामाजिक मूल्यों में आ रही गिरावट है। परिवार जैसी संस्थाएं कमजोर हो रही हैं। वहीं, रेव पार्टियों में पढ़े लिखे और पेशेवर युवा भी मौज मस्ती के लिए ड्रग्स का सेवन करते हैं। समय के साथ कुछ लोग इसके एडिक्ट हो जाते हैं और अपना जीवन बरबाद कर लेते हैं। सरकारें भी ड्रग्स के नेटवर्क को खत्म करने के प्रति गंभीर नहीं दिख रही हैं। **विपुल वर्मा**

पंजाब ड्रग्स की समस्या से लंबे समय से पीड़ित है। सरकार बदलने के बावजूद ड्रग्स की समस्या में ज्यादा सुधार नहीं आया है। पाकिस्तान से ड्रग्स का आना अब भी जारी है। इसके लिए ड्रोन तक इस्तेमाल किया जा रहा है। ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े लोग देश विरोधी गतिविधियों में भी शामिल हैं लेकिन इनके खिलाफ उस तरह से सख्त कार्रवाई नहीं हो रही है, जैसी आतंकियों के खिलाफ होती है। तथ्य यह है कि ड्रग तस्करी से होने वाली आय का इस्तेमाल भारत में आतंकवाद की घटनाओं में भी किया जा रहा है। **संतोष यादव**

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

नशा और नशामुक्ति के बारे में सिर्फ औपचारिकता का समय समाप्त हो चुका है। इसको लेकर समाज में स्थिति भयावह हो रही है। इसमें अगर कहीं सुधार की स्थिति दिखाई देती तो कहा जा सकता था कि चीजें सुधर रही हैं। लेकिन ऐसा नहीं है।

एनडीपीएस एक्ट में बरामदगी तो बहुत अच्छी हो रही है। गुजरात के पोर्ट पर ड्रग्स की बरामदगी की बात करें या दूसरी बड़ी बरामदगी हो लेकिन अभियुक्तों को सजा दिलाने के मोर्चे पर स्थितियां बेहद खराब हैं। एनडीपीएस एक्ट में बार बार अपराध करने वालों के लिए सजा ए मौत का भी प्रविधान है लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि किसी को इस एक्ट में मौत की सजा सुनाई गई हो। मौत की सजा की बात छोड़ दीजिए आजीवन कारावास या चल- अचल संपत्ति जब्त होने के मामले भी कम से कम मेरे संज्ञान में नहीं हैं। ड्रग्स के तस्करी और व्यापार पर रोक लगाने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के नाम से देश में इतना बड़ा विभाग है लेकिन जब सजा दिलाने की बात आती है तो यहां पर हमारा रिकार्ड बहुत खराब है। सिर्फ नारकोटिक्स यानी मादक पदार्थ की बात नहीं है, देश नार्को टेरर का सामना कर रहा है। आपरेशन सिंदूर का एक भाग नार्को टेरर है। इसका एक पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा है और दूसरा मादक पदार्थ है। आप राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के किसी भी स्कूल के बाहर चले जाएं। शायद ही कोई ऐसा स्कूल हो जिसके बाहर एक दो दुकानें न हों, जहां मादक पदार्थों का क्रय-विक्रय होता है। हम छोटे-मोटे पुड़ियाबाज स्मैकिये को गिरफ्तार करके कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। ड्रग्स के कारोबार से जुड़े किसी बड़े सरगना या गैंगस्टर की गिरफ्तारी बहुत कम है। अगर होती भी है तो हम उसे सजा नहीं दिला पाते हैं। यह बताता है कि इसके लिए जिम्मेदार लोग अपने कार्य के प्रति गंभीर नहीं हैं।

विक्रम सिंह
पूर्व डीजीपी, उत्तर प्रदेश

> ड्रग्स की समस्या सिर्फ नशे तक सीमित नहीं है। इसके दो पहलू हैं। एक राष्ट्रीय सुरक्षा है और दूसरा मादक पदार्थ है। हम नार्को टेरर का सामना कर रहा है। ऐसे में हमें इससे उसी गंभीरता और पेशेवर रवैये से निपटना होगा, जिस तरह से हमने पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर चलाया है।

अब ड्रग्स की समस्या के कई आयाम सामने आ रहे हैं। रेव पार्टियां हो रही हैं। गोपनीय विज्ञापन दिए जा रहे हैं। दिल्ली- एनसीआर और दूसरी बड़ी जगहों पर फार्म हाउस में पार्टियां होती हैं। इन पार्टियों में मादक पदार्थ की सप्लाई होती है और लोग इनका सेवन करते हैं। क्रूज पार्टियां हो रही है। इन पार्टियों को ग्लैमराइज किया जा रहा है। मादक पदार्थों का क्रय-विक्रय हो रहा है लेकिन कार्रवाई के नाम पर कुछ खास नहीं हो रहा है। हमें ड्रग्स की समस्या से निपटने के लिए सारी व्यवस्था को नए सिरे से खड़ा करना होगा। पुरस्कार का सिस्टम लाना होगा कि अगर किसी ने एक तय मूल्य का मादक पदार्थ बरामद किया तो उसे उसका एक तय प्रतिशत पुरस्कार के तौर पर दिया जाएगा। इसके अभियोजन के मोर्चे पर भी सुधार करना होगा। जिले, राज्य और देश के शीर्ष 5 मामलों में देश के बेहतरीन अभियोजकों को लगा कर सजा कराई जाए। इसके अलावा पूछताछ की आख्या में यह जरूर पूछा जाए कि मादक पदार्थों के क्रय- विक्रय में पुलिस और प्रशासन के कौन लोग शामिल हैं और नाम सार्वजनिक कर उनके खिलाफ प्रभावी एक्शन लिया जाए। बड़े मामलों में मौत की सजा, आजीवन कारावास होने पर हालात में सुधार होगा। हमें ड्रग्स के कारोबार से जुड़े बड़े लोगों के खिलाफ अभियान चलाना होगा, तभी देश में फैले ड्रग्स के इस नेटवर्क को खत्म किया जा सकेगा।

राष्ट्रीय फलक

बुलंदशहर के मदरसे में नाबालिग छात्र से दो मौलानाओं ने किया कुकर्म

जागरण संवाददाता, बुलंदशहर : मदरसे में 11 वर्षीय छात्र के साथ दो मौलानाओं ने कुकर्म किया। आरोप है कि एक मौलाना ने 20 जून को आफिस में बुलाकर कुकर्म किया, जबकि दूसरे ने तीन माह पहले। छात्र के पिता की तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया, दूसरा फरार है।

मुरादाबाद का 11 वर्षीय पीड़ित छात्र नूरानी कायदा की पढ़ाई कर रहा है। दो दिन पहले छात्र को उसके स्वजन घर ले गए। शनिवार को छात्र ने मां को बताया कि मदरसे के दो मौलानाओं ने उसके साथ कुकर्म किया है। छात्र ने बताया कि 20 जून को मौलाना शोएब उसे अपने आफिस में ले गया और कुकर्म किया। आरोप है कि इससे तीन माह पहले लखीमपुर खीरी के मौलाना फरहान ने भी कुकर्म किया था। छात्र के स्वजन कई लोगों को साथ लेकर मदरसा पहुंचे और मौलाना से जानकारी ली। इस पर दोनों मौलानाओं ने पीड़ित के स्वजन के साथ अभद्रता की। स्वजन ने मौलानाओं पर मारपीट करने का भी आरोप लगाया। पुलिस ने मौलाना शोएब को गिरफ्तार कर लिया है। मौलाना फरहान की तलाश की जा रही है।

बड़े साहब के शाही डिब्बों के लिए शिमला के लिए ट्रेन कर दी रद

दीपक बहल ● जागरण

- रेलवे इंजन निरीक्षण के लिए शाही डिब्बों को लेकर अंबाला से शिमला पहुंचा
- ट्रेन रद होने से दूसरे विकल्पों से गंतव्य तक पहुंचने के लिए मजबूर हुए मुसाफिर

अंबाला: पहाड़ों की रानी के नाम से पहचान रखने वाले शिमला तक पहुंचने के लिए शनिवार को यात्रियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। वजह यह थी कि रेलवे के एक बड़े साहब के शाही डिब्बों के लिए ट्रेन को रद कर दिया गया, क्योंकि जो रेलवे इंजन डिब्बों को खींचता था, वह शाही डिब्बों को लेकर अंबाला से शिमला पहुंचा। सीटी 14 झरोखा (जिसमें खुले में बैठकर निरीक्षण किया जाता है) में अधिकारियों ने निरीक्षण किया।

उत्तर रेलवे के बड़े साहब को 28 जून को शिमला आना था। उन्हें निरीक्षण के साथ अन्य आधिकारिक कार्य भी करने थे। 27 जून को ही संदेश जारी कर दिया कि ट्रेन को रद किया जाना है। पैसेंजर ट्रेन कालका से शिमला तक जाती है। इस रूट पर स्टेशनों पर पहुंचाए जाने वाले पानी के डिब्बे भी इसी ट्रेन से ले जाए जाते हैं। आदेश मिलने के बाद इस ट्रेन को रद कर दिया, क्योंकि इसी रैक में सीटी 14 और अन्य विशेष डिब्बों को जोड़ा जाना था। ट्रेन रद करने के पीछे तर्क दिया गया कि निरीक्षण के दौरान अधिकारी को बीच-बीच में ट्रेन को रोकना पड़ सकता है। यदि सवारी डिब्बे भी साथ होते तो उनको परेशानी होती।

इस कारण कालका से शिमला और शिमला से कालका आने वाली ट्रेन में यात्रियों को अन्य विकल्पों से गंतव्य तक जाना पड़ा। इस संदर्भ में कालका के स्टेशन सुपरिंटेंडेंट ने कहा, निरीक्षण के कारण ट्रेन को रद किया गया और कोई खास कारण नहीं है।

यूनेस्को ने चुना था विश्व धरोहर

100 साल पुरानी कालका-शिमला रेल लाइन 96 किलोमीटर लंबी है, जो नैरोगेज है। इसे यूनेस्को ने 2008 में विश्व धरोहर स्थल के रूप में चुना था। इस सेक्शन पर गर्मियों के मौसम में देश ही नहीं बल्कि विदेश से भी लोग आते हैं।

रोहित गोदारा गैंग ने भाजपा नेता से मांगी 30 करोड़ की रंगदारी

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान के श्रीगंगानगर में भाजपा नेता और कारोबारी अशोक चांडक व उनके पुत्र से रोहित गोदारा गैंग ने 30 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। वाट्सएप काल कर चांडक को चेतावनी दी गई कि रुपये नहीं देने पर ऐसा झटका देंगे कि याद रखोगे, आपका गार्ड भी नहीं बचेगा, सारी कमाई बेकार जाएगी, परिवार में खाने वाला कोई नहीं बचेगा। चांडक ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

चांडक ने रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि उन्हें गैंगस्टर द्वारा 20 जून से धमकियां मिल रही हैं। 22 जून को तीन बार काल आई। इसी दिन राघव को भी काल की गई। काल करने वाले ने खुद को रोहित गोदारा गैंग का सदस्य हैरी बाक्सर बताते धमकी दी। बता दें कि चांडक के पास पंजाब में शराब के ठेके हैं। इसके पहले 17 जून को उनके सहयोगी आशीष गुप्ता पर फायरिंग की गई थी। उनके पैर में गोली लगी थी। हैरी बाक्सर ने ही इसकी जिम्मेदारी ली थी।

****

मैच में छक्का लगाने के बाद युवक को आया हार्टअटैक, पिच पर ही मौत

जागरण संवाददाता, फिरोजपुर

- पंजाब के फिरोजपुर में क्रिकेट मैच के दौरान गई 35 वर्षीय युवक की जान

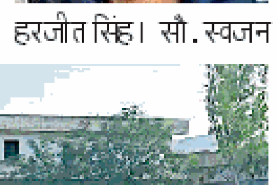

हरजीत सिंह। सौ. स्वजन

पंजाब के फिरोजपुर जिले में रविवार सुबह एक घटना से सभी को हैरान कर दिया। गुरुहरसहाय के डीएवी स्कूल के पास मैदान में क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला जा रहा था। 35 वर्षीय हरजीत सिंह ने छक्का लगाया और फिर अपने साथी बल्लेबाज से बात करने के लिए पिच पर आगे बढ़ा। वह कुछ कदम ही चला था कि अचानक पिच पर घुटनों के बल बैठ गया और फिर लेट गया। साथी बल्लेबाज कुछ समझ पाता, उससे पहले ही उसकी मौत हो गई। डाक्टर ने बताया कि हरजीत को हार्टअटैक आया था, जिससे उसकी मौत हो गई।

बस्ती गुरु कर्म सिंह वाली में रह रहे स्वजनों ने बताया कि हरजीत कारपेंटर का काम करता था। उसका आठ साल का एक बेटा है। हर रविवार को वह साथियों के साथ क्रिकेट खेलने जाता था। रविवार सुबह छह बजे वह घर से यह कहकर निकला कि आज फाइनल मैच है। वह साढ़े छह बजे मैदान में पहुंच गया। गुरुहरसहाय की टीम गांव हामद की टीम के खिलाफ पहले बल्लेबाजी कर रही थी। हरजीत 20 गेंदों पर 43 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे। नौवें ओवर की चौथी गेंद पर उसने छक्का मारा और 49 रनों पर पहुंच गया। मैदान से बाहर साथी खिलाड़ियों ने तालियां व सीटियां बजाकर उत्साह बढ़ाया। हरजीत अपने साथी बल्लेबाज से कुछ बात करने के लिए पिच पर आगे बढ़ा तो अचानक पिच पर बैठ गया। साथी बल्लेबाज रचित सोढी पास पहुंचा तो वह पिच पर लेट गया। इस पर साथी खिलाड़ी वहां जमा हो गए। उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

हरजीत को संभालता साथी खिलाड़ी । वीडियो ग्रैब

बंद यमुना पुल से विधायक की गाड़ी निकालने पर कार्यदायी संस्था ने कर्मी को हटाया

जागरण संवाददाता, हमीरपुर : कानपुर-सागर मार्ग पर मरम्मत कार्य के दौरान यमुना पुल से वाहनों के निकलने पर रोक लगी है इसके बावजूद भाजपा विधायक की गाड़ी निकाल दी गई। कार्यदायी कंपनी पीएनसी के परियोजना प्रबंधक एमपी वर्मा ने सहायक रूट पेट्रोलिंग आफिसर संतोष कुमार चौधरी को ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में पद से हटा दिया और क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ से संबद्ध किया गया है।

पेट्रोलिंग टीम को निर्देश हैं कि शनिवार-रविवार को मरम्मत कार्य के दौरान पुल से कोई भी वाहन न निकलने दिया जाए। इसके चलते रविवार को किसी को पुल से नहीं गुजरने दिया गया। गत तीन सप्ताह से शनिवार और रविवार को यातायात रोककर पुल पर काम किया जा रहा है। इस बार शनिवार सुबह करीब सात बजे सदर विधायक डा. मनोज प्रजापति की गाड़ी बैरिकेड्स खोलकर कानपुर जाने के लिए निकाली गई थी। इसके बाद सुबह करीब साढ़े नौ बजे एक शव वाहन को नहीं गुजरने दिया गया। बेटा मां के शव को स्ट्रेचर में लेकर पुल पार करने को मजबूर हुआ था।

दैनिक जागरण
भीतर के डर से पार पाकर ही डगर आसान हो सकती है

अब रथयात्रा में भगदड़

यह घोर निराशाजनक और दुख की बात है कि तमाम तैयारियों, सुरक्षा तथा भीड़ नियंत्रण के दावों के बावजूद पुरी में रथयात्रा के समय भगदड़ मच गई और कई लोग हताहत हो गए। यह घटना इसलिए अधिक क्षुब्ध करने वाली है, क्योंकि इससे यही पता चल रहा है कि न तो प्रयागराज में कुंभ मेले के समय मची भगदड़ से कोई सबक सीखा गया और न ही अभी हाल में बेंगलुरु में आइपीएल विजेता आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ से। भारत भगदड़ के लिए भी जाना जाने लगा है। अपने देश में धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐसे ही अन्य आयोजनों में रह-रहकर भगदड़ मचती रहती है। भगदड़ की इन घटनाओं में लोग मारे जाते हैं। जब कोई बड़ी घटना घटती है तो शोक व्यक्त करने से लेकर जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उन्हें दंडित करने और सबक सीखने की बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं, लेकिन होता कुछ नहीं है। कभी-कभी कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया जाता है और मुआवजा देने की घोषणा कर दी जाती है। इस मामले में जो स्थिति राज्य सरकारों की है, वही केंद्र सरकार की भी। यह एक तथ्य है कि निजी स्तर पर भीड़ भरे आयोजन करने-कराने वाले भी भीड़ प्रबंधन को लेकर लापरवाही का ही परिचय देते हैं।

यह ठीक है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और कभी-कभी आम लोग भीड़ में संयम एवं अनुशासन का परिचय देने के प्रति सतर्क नहीं रहते, लेकिन आखिर शासन-प्रशासन भी क्यों सतर्क नहीं रहता? क्या वह भी आम जनता की तरह व्यवहार करेगा। पुरी में भगदड़ के लिए ओडिशा के मुख्यमंत्री ने क्षमा मांग ली, लेकिन आवश्यकता इसकी है कि भगदड़ के कारणों की तह तक जाया जाए और जरूरी सबक सीखने में देर न की जाए। सबक केवल ओडिशा सरकार को ही नहीं, सभी सरकारों को भी सीखना होगा। यदि यह काम नहीं किया जाता तो भविष्य में भी ऐसी घटनाएं होंगी और उनसे कुल मिलाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी होगी। भारत प्रगति कर रहा है, लेकिन उसे बहुत कुछ सीखने और ठीक करने की भी आवश्यकता है। कम से कम भीड़ प्रबंधन में नाकामी को लेकर तो चेत ही जाना चाहिए। यह काम जितनी जल्दी किया जाए, उतना ही अच्छा, क्योंकि इसमें पहले ही देर और एक तरह की अंधेर हो चुकी है। वास्तव में जब तक सार्वजनिक आयोजनों में अव्यवस्था और उसके कारण होने वाली भगदड़ के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को जवाबदेह नहीं बनाया जाएगा, तब तक हालात बदलने की उम्मीद कम ही है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि ओडिशा के मुख्यमंत्री ने कुछ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर दी। बात तब बनेगी, जब इस घटना की समय रहते गंभीरता से जांच भी होगी और ठोस कार्रवाई भी।

सख्त संदेश आवश्यक

पंजाब की जेलों में कैदियों के पास से मोबाइल फोन और नशीले पदार्थ मिलने के मामलों से यह तो स्पष्ट है कि कुछ जेल अधिकारियों की कैदियों से मिलीभगत है। ऐसे में सरकार की ओर से भ्रष्टाचार एवं लापरवाही के आरोप में 26 जेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निलंबित किए जाने का निर्णय उचित है। दुष्कर्म के जुर्म में मानसा जेल में सजा काट रहे पास्टर के पास से बीते सप्ताह मोबाइल फोन बरामद हुआ था। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब जेल के गेट पर सघन जांच से गुजरना पड़ता है तब फोन जेल के अंदर उसके पास कैसे पहुंचा, किसने पहुंचाया। राज्य की जेलों में कई आतंकवादी एवं गैंगस्टर भी बंद हैं। सीमावर्ती राज्य होने के कारण पंजाब की जेलों में सुरक्षा व्यवस्था ज्यादा पुख्ता होनी चाहिए। बार-बार यह बात भी सामने आ रही है कि जेलों में बंद गैंगस्टर मोबाइल फोन पर अपने गुर्गों को निर्देश देते हैं। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड की जांच में भी यह बात सामने आ चुकी है। नाभा जेल ब्रेक की योजना भी कैदियों ने फोन पर ही बनाई थी। फरीदकोट जेल के वार्डन को कुछ समय पहले कैदियों को नशीले पदार्थ बेचने के आरोप में बर्खास्त किया गया था। जेलों में यदि अनियमितता को रोकना है तो सरकार को कड़े कदम उठाने ही होंगे। लापरवाह एवं भ्रष्टाचार में लिप्त जेल अधिकारियों व कर्मचारियों को सख्त संदेश देना बहुत जरूरी है।

जेलों में यदि अनियमितता को रोकना है तो राज्य सरकार को भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कड़े कदम उठाने ही होंगे

राजनीतिक एजेंडे की भेंट चढ़ता पुरातत्व

विकास सारस्वत

यह आवश्यक है कि इतिहास-पुरातत्व को राजनीतिक विचारधाराओं से मुक्त रखा जाए, खासकर तब, जब क्षेत्रवाद के जरिये अलगाववाद को हवा दी जा रही हो

इतिहास के राजनीतीकरण ने देश में लगातार विवादों को जन्म दिया है। तमिलनाडु के कीलड़ी पुरातात्विक स्थल के साथ इसमें एक और अध्याय जुड़ गया। राज्य की द्रमुक सरकार ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यानी एएसआइ पर कीलड़ी उत्खनन को रोकने और राज्य में पुरातात्विक प्रयासों की उपेक्षा के आरोप लगाए हैं। इस विवाद का जन्म एएसआइ निदेशकों द्वारा कीलड़ी के मुख्य पुरातत्वविद अमरनाथ रामाकृष्णन की रिपोर्टों पर स्पष्टीकरण और अतिरिक्त साक्ष्य मांगने के कारण हुआ है, क्योंकि पुरातात्विक सर्वेक्षण बहुविषयी समझ पर आधारित होते हैं। प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए एएसआइ में विशेषज्ञों द्वारा ऐसे स्पष्टीकरण मांगना सामान्य प्रक्रिया है। हालांकि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इन सवालों को तमिल संस्कृति पर हमला बताया है। राज्य के एक अन्य मंत्री थंगम तेन्नरसु ने कहा है कि कीलड़ी रिपोर्ट को नकारना तमिलों को दोयम दर्जे का नागरिक बनाए रखने का षड्यंत्र है। यह आरोप इसलिए हास्यास्पद है, क्योंकि स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने तमिल को विश्व की सबसे पुरानी भाषा बताया है। तथ्यात्मक न होने पर भी यह कथन केंद्र की मंशा व्यक्त करता है। मोदी सरकार ने ही चेन्नई के बाद तिरुचिरापल्ली में एएसआइ के दूसरे सर्किल का गठन किया है और देश के जिन पांच पुरातात्विक स्थलों को संग्रहालय बनाने का निर्णय लिया है उसमें तमिलनाडु का आदिच्चनल्लूर भी शामिल है।

द्रमुक सरकार के आरोपों के जवाब में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि उत्खनन रिपोर्ट जारी करने में किसी को आपत्ति नहीं है, परंतु तमिलनाडु की विरासत का सम्मान विभाजनकारी भावनाएं भड़काने के बजाय बौद्धिक ईमानदारी से होना चाहिए। असंतुष्ट द्रमुक अमरनाथ के नियमसम्मत तबादले को भी षड्यंत्र बता रही है। 2015 से 2017 के बीच दो चरणों के उत्खनन में अमरनाथ द्वारा कीलड़ी का काल निर्धारण 200 ईसा पूर्व किया गया, जो 400 ईसा पूर्व से 300 ईस्वी की सर्वमान्य संगम काल अवधि में पहुंचता है, परंतु बाद में उन्होंने इसकी अवधि को 800 ईसा पूर्व में पहुंचा दिया। दिलचस्प बात यह है कि राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा 2018 में चौथे चरण के उत्खनन से प्राप्त छह अवशेषों की कार्बन डेटिंग में एक सैंपल की डेटिंग 580 ईसा पूर्व ही बताई गई थी।

पुरातत्व में डेटिंग का अपना महत्व है, लेकिन रेडियोकार्बन प्रयोगशाला केवल चारकोल में परिवर्तित होने वाले पेड़ की मृत्यु की तिथि बता सकती है।

अवधेश राजपूत

यह तिथि उस स्थान के बारे में तब तक कुछ अधिक नहीं बता सकती जब तक इस डेटिंग को स्थल की स्ट्रैटीग्राफी और लेयर मार्किंग से जोड़कर न देखा जाए। रामाकृष्णन की रिपोर्ट में स्ट्रैटीग्राफी स्पष्ट नहीं थी। साथ ही कुछ खंदकों से संबंधित मिट्टी एवं जैविक नमूनों आदि की जांच रिपोर्ट भी शामिल नहीं थीं। रामाकृष्णन ने यह कहते हुए अपनी रिपोर्ट में परिवर्तन-संपादन से इन्कार कर दिया कि इससे निष्कर्षों का महत्व कम हो जाएगा, लेकिन उन्होंने विवादास्पद ईसाई मिशनरी फादर जगत गैस्पर राज को उत्खनन स्थल का दौरा कराया। याद रहे कि लिट्टे को हथियार सप्लाई करने के मामले में जगत गैस्पर राज का नाम एफबीआइ की वांछित अपराधियों की लिस्ट में रहा है।

रामाकृष्णन का नाम केरल के संदिग्ध पट्टनम उत्खनन से भी जुड़ा है। पट्टनम उत्खनन ईसाई लाबी के दबाव में सेंट थामस के प्रथम शताब्दी में केरल आगमन वाले मिथक को इतिहास के रूप में गढ़ने का प्रयास था। प्रो. वसंत शिंदे, आर. नागस्वामी और टी. सत्यमूर्ति जैसे वरिष्ठ पुरातत्वविदों ने पट्टनम उत्खनन की तीखी आलोचना की है। विश्वविख्यात पुरातत्वविद प्रो. दिलीप चक्रवर्ती ने तो पट्टनम को ईसाई लाबी की कारगुजारी बताया है। जब एएसआइ ने इसकी जांच का जिम्मा सौंपा तो रामाकृष्णन ने कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की। पट्टनम की तर्ज पर ही कीलड़ी उत्खनन में भी अतिशयोक्तिपूर्ण दावे किए गए, जो उत्कट तमिल राष्ट्रवाद को उभारने का प्रयास करते हैं। अमरनाथ समेत कई शोधार्थी कीलड़ी को नदी घाटी सभ्यता करार दे रहे हैं, जबकि जिस वैगई नदी पर कीलड़ी स्थित है वह मात्र 250 किमी लंबी मौसमी नदी है।

कुछ शोधार्थियों द्वारा इस स्थल को सिंधु घाटी सभ्यता से जोड़ने का प्रयास भी बेतुका है, क्योंकि छठी शताब्दी की काल गणना मान लेने पर भी कीलड़ी सिंधु घाटी सभ्यता के परिपक्व काल 2500 ईसा पूर्व से 1900 साल बाद आती है। कीलड़ी के संबंध में एक अनूठा दावा यह भी किया गया कि यह एक गैर-धार्मिक पुरातात्विक स्थल है। राज्य पुरातत्व की रिपोर्ट में कीलड़ी उत्खनन के हवाले से तमिल ब्राह्मी की तारीख को पीछे करने का प्रयास भी किया गया है। कीलड़ी में तमिल ब्राह्मी केवल दो टुकड़ों पर लिखी मिली है। यह भी नहीं पता कि ये टुकड़े कार्बन-डेटेड चारकोल से कितनी दूरी पर स्थित थे। यही रिपोर्ट कहती है कि इस स्तर पर जो कुछ भी मिला वह 600 ईसा पूर्व और 300 ईस्वी के बीच की अवधि का हो सकता है। इतने सतही आधार पर तमिल ब्राह्मी की तिथि दो शताब्दी पीछे धकेलना चौंकाने वाली बात है। ब्राह्मी लिपि के सबसे बड़े विशेषज्ञ हैरी फाक तो रेडियोमेट्रिक आधार पर तमिल ब्राह्मी के 500 ईसा पूर्व दावे को भी गलत बताते हैं। फाक ऐसी रिपोर्ट को 'क्षेत्रीय अंधराष्ट्रवाद' की उपज मानते हैं।

राज्य के पुरातात्विक स्थलों को सिंधु सभ्यता से जोड़कर आर्य-द्रविड़ खांचे को पुख्ता करना, अपने इतिहास को गैर-धार्मिक और शेष देश की संस्कृति से भिन्न बताना, तमिल ब्राह्मी को अशोक ब्राह्मी का जनक बताना-ये सभी बातें तमिलनाडु में पुरातात्विक उत्खनन को जबरन द्रमुक राजनीति के प्रमुख एजेंडा बिंदुओं की दिशा में धकेलती दिखती हैं। इस एजेंडे को स्वयं स्टालिन आगे बढ़ा रहे हैं। यह नितांत आवश्यक है कि इतिहास एवं पुरातत्व को विचारधाराओं से मुक्त रखा जाए। खासकर तब जब वह ईसाई विस्तारवाद और तमिल क्षेत्रवाद के जरिये द्रविड़ अलगाववाद की बौद्धिक पृष्ठभूमि बनाने पर आमादा हो।

(लेखक इंडिक अकादमी के सदस्य एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)
response@jagran.com

देश और सरकार विरोध में भेद करे कांग्रेस

वर्तमान में कांग्रेस संतुलित एवं सामान्य राजनीतिक गतिविधियों वाली पार्टी नहीं दिख रही। राहुल गांधी और उनके सलाहकार-रणनीतिकार, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आदि के वक्तव्य-क्रियाकलाप देखकर ऐसा ही लगता है। कई कांग्रेस नेताओं की भी ऐसी ही धारणा है कि उनकी पार्टी की दशा-दिशा और रीति-नीति वह है ही नहीं, जो कांग्रेस की होनी चाहिए। पिछले दिनों मणिशंकर अय्यर ने कहा था कि आज की कांग्रेस न पं. नेहरू की कांग्रेस है, न इंदिरा गांधी की और यह राजीव गांधी की भी कांग्रेस नहीं है। यह सच है कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। इस कारण सरकार के फैसलों की निर्मम समीक्षा और विभिन्न मुद्दों पर आक्रामक होकर उसे घेरना कांग्रेस का कर्तव्य है, लेकिन जब बात देश हित की आए तो पार्टी से उम्मीद की जाती है कि वह सामान्य परिपक्वता दिखाएगी, परंतु कांग्रेस इसके ठीक उलट विरोध के नाम पर अतिवादी आचरण करती दिख रही है। यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।

ऐसा लगता है कि राहुल गांधी देश के अंदर युद्ध लड़ रहे हैं और भारत में राजनीतिक बदलाव के लिए विदेश से समर्थन पाने की कोशिश में लगे हैं। वे विदेश में भारत की ऐसी डरावनी तस्वीर प्रस्तुत करते हैं जैसे देश में धर्म, अभिव्यक्ति, राजनीतिक गतिविधियों और अन्य वैयक्तिक स्वतंत्रताओं को सत्ता के दुरुपयोग से नष्ट कर दिया गया है। सोनिया गांधी ने हाल में एक अंग्रेजी दैनिक में लिखे आलेख में ईरान-इजरायल युद्ध में सरकार की नीति की आलोचना करते हुए मांग की कि केंद्र सरकार को इस पर मुंह खोलना चाहिए। उनके कहने का आशय था कि भारत को ईरान के साथ खड़ा होना चाहिए। इजरायल-हमास संघर्ष के दौरान भी कांग्रेस फलस्तीन के बहाने हमास और उसकी समर्थक इस्लामिक शक्तियों के साथ खड़ी दिखी, किंतु उसने हमास द्वारा निरपराध इजरायलियों की हत्या पर एक शब्द नहीं बोला। आपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया में पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भारत सरकार ने सात सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में भेजे। इसमें कांग्रेस के भी सदस्य थे। हैरानी की बात है कि कांग्रेस

अवधेश कुमार

सरकार के फैसलों की समीक्षा कर उसे घेरना कांग्रेस का कर्तव्य है, पर वह देश हित के मुद्दों पर तो एकजुटता दिखाए

सवालों के घेरे में कांग्रेस आलाकमान की रणनीति। फाइल

के रणनीतिकारों ने अपने ही सदस्यों शशि थरूर, सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी के चरित्र हनन का प्रयास किया। अपने ही नेताओं के वक्तव्यों और भूमिका पर लगातार कटाक्ष से बड़ा अतिवाद क्या हो सकता है? थरूर के विरुद्ध तो पार्टी के अंदर ऐसा अभियान चल रहा है जैसे उन्होंने कांग्रेस से गंभीर विश्वासघात कर दिया है। आपरेशन सिंदूर के बाद देश के अंदर भी एक बड़ा दुष्प्रचार अभियान चला, जो आज तक जारी है। राहुल गांधी यहां तक कहने लगे कि ट्रंप ने फोन किया और प्रधानमंत्री ने युद्ध विराम कर दिया। उन्होंने इसकी कोई चिंता नहीं की कि इससे भारत की कमजोर देश की छवि बनती है, जो अमेरिका के दबाव में पाकिस्तान जैसे आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देशों के विरुद्ध भी कार्रवाई से पीछे हट सकता है।

राहुल गांधी चुनाव आयोग जैसी संस्था को भी भाजपा का आदेशपालक साबित करने के लिए हर सीमा लांघ चुके हैं। महाराष्ट्र चुनाव परिणाम के किसी तथ्यात्मक आंकड़े और उत्तर से उनका लेना-देना नहीं है। ईवीएम के विरुद्ध दुनिया भर में अभियान और भारत की चुनाव प्रणाली को बदनाम करना इन दिनों कांग्रेस के एजेंडे में सबसे ऊपर दिख रहा है। जबकि सुप्रीम कोर्ट भी इस पर सुनवाई कर चुका है। बावजूद इसके कांग्रेस के रवैये में बदलाव नहीं आ रहा है।

क्या कांग्रेस यह सब अनजाने में कर रही है या इसके पीछे उसकी कोई सोची-समझी दूरगामी नीति और योजना है? मुस्लिम वोट पाने और उसे बनाए रखने की उसकी रणनीति तो साफ है, पर लगता है यह यहीं तक सीमित नहीं है। एक समय दुनिया भर में हिंसक क्रांति से सत्ता परिवर्तन करने या सत्ता पर कब्जा करने की राजनीति करने वाली वामपंथी पार्टियां इसी तरह दुष्प्रचार से छवि बनाती थीं कि संपूर्ण सत्ता कुछ लोगों, पूंजीपतियों की गिरफ्त में है। न्यायपालिका, कार्यपालिका सब एक होकर उसका साथ दे रही हैं। आमजन शोषण-दमन के शिकार हो रहे हैं, उनके अधिकार कुचले जा रहे हैं। संविधान और कानून के कोई मायने नहीं रह गए हैं। लोगों में असंतोष पैदा कर विद्रोह के लिए उकसाना और फिर खूनी क्रांति एवं सरकारों को सत्ता से बेदखल करने तक अभियान चलता रहता था। ऐसा प्रतीत होता है कि जाति जनगणना, संपत्ति सर्वे, समान बंटवारा की बात कर राहुल गांधी इसी तरह लोगों में असंतोष पैदा करना चाहते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में दुनिया भर में नए प्रकार का लेफ्टिज्म उभरा है। पूर्व कम्युनिस्टों से विपरीत इसमें विश्व के बड़े-बड़े पूंजीपति, वैश्विक संस्थाएं, थिंक टैंक, देशों की सत्तारूढ़ या विपक्ष की पार्टियां हैं। एक बड़ी इस्लामी लाबी भी इसमें है। इसकी धार्मिक, अभिव्यक्ति, वैयक्तिक स्वतंत्रता से लेकर शासन, समाज, पर्यावरण, सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, उपभोग आदि को लेकर अपनी योजनाएं हैं। देशों में और वैश्विक स्तर पर भी ये वर्तमान सत्ता की जगह अपने मनमाफिक व्यवस्था कायम करना चाहते हैं। लगता है कि राहुल गांधी को किसी ने यह समझा दिया है कि भाजपा, नरेन्द्र मोदी, संघ, हिंदुत्व और उससे संबद्ध भारतीय राष्ट्र के सोच के विरुद्ध लगातार हमलावर रुख से उनका समर्थन बढ़ेगा और सत्ता में वापसी होगी। भारत की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी का, जिसने लंबे समय तक केंद्र से लेकर राज्यों तक शासन किया हो, उसका सत्ता हासिल करने का यह तौर-तरीका चिंतित करने वाला है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

धर्मनिष्ठ

भगवत्प्रणीत धर्म वह शाश्वत नियम और सिद्धांत है, जिसके अनुपालन से चराचर जगत और समस्त प्राणियों का सब प्रकार कल्याण सुनिश्चित होता है। धर्म के प्रति निष्ठा ही वह पारसमणि है, जो लोक में दुर्लभ वस्तु को सुलभ करा देती है। इस परिवर्तनशील संसार में जिसके जीवन में पारदर्शिता, नैतिकता और सदाचार सहज ही अभिव्यंजित हों, ऐसा व्यक्ति धर्मनिष्ठ कहा जाता है। ऐसे ही महामानव समाज में स्वयं सत्य और न्याय के लिए एक सजग प्रहरी के समान अडिग रहते हुए, दूसरों के प्रति दया और करुणा के भाव से, उनकी सेवा में अपना समय और संसाधन दोनों ही सहर्ष प्रदान करते हैं। आज समाज में धर्म से विमुख होने के कारण ही भौतिकता की चकाचौंध में मानव सन्मार्ग से च्युत हो रहा है, जिसके दुष्प्रभाव से सर्वत्र स्वार्थ, द्वेष और वैमनस्य का दानव मानवता को निगल रहा है। समाज में तमाम लोग हैं, जिन्होंने भौतिक ऊंचाइयां प्राप्त कीं, किंतु जीवन को परमार्थिक गति-मति न दे सके, क्योंकि वे धर्म के मूल स्वरूप को समझ न सके। लोक में श्रेष्ठ और योग्य मनुष्य वही है, जिसके कार्य-व्यवहार को देख-सुनकर जन सामान्य भी प्रेरित होकर उसका अनुसरण करे। आज समाज में परस्पर व्यवहार में प्रियता, मधुरता और सहिष्णुता का जो अभाव देखने-सुनने में आ रहा है, उसका एकमात्र कारण धर्म से दूर होना है।

हम संसार में जो भी कार्य या व्यवहार करते या कराते हैं, वह सब इस चराचर सृष्टिरूपी दर्पण में प्रकाशित होते हैं, जिसे हम जीवन में देखते और अनुभव करते हैं। जिसका जैसा रूप होता है, वह दर्पण में वह वैसा ही दिखाई देता है। इस सिद्धांत से यह समझ लेना चाहिए, जैसा हम कार्य और व्यवहार लोक में करेंगे, वैसा ही हमें प्राप्त होगा। हमारी सत्कर्म में निष्ठा हो, व्यवहार में पारदर्शिता हो, दया, करुणा और परोपकार में अभिरुचि हो, तभी हम धर्मनिष्ठ कहलाने योग्य होंगे।

आचार्य नारायण दास

संबंधों को सहेजने की सीख

डा. मोनिका शर्मा

जगन्नाथ रथयात्रा ईश्वरीय स्वरूप संग जुड़े पारिवारिक अपनेपन का जीवंत उदाहरण भी है

जगन्नाथ रथयात्रा ईश्वरीय स्वरूप संग जुड़े पारिवारिक अपनेपन का जीवंत उदाहरण है। इसमें मानवीय जीवन से जुड़े रिश्तों के भाव-चाव भी देखने को मिलते हैं। रथ यात्रा का भव्य और दिव्य आयोजन भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा के स्नेहमयी जुड़ाव की झांकी भी है। तीनों भाई-बहन एक साथ जिस तरह अपनी मौसी के घर जाने को निकलते हैं, पारिवारिक संबंधों से जुड़ने का एक दैवीय परिवेश बनता है। आस्था में रचा-बसा यह परिवार बोध का भाव मन को छूने वाला है। भाई-बहन के आपसी स्नेह से जुड़े चाव-लगाव को लिए है। पद्म पुराण में वर्णित एक कथा के अनुसार, एक बार प्रभु जगन्नाथ से बहन सुभद्रा ने नगर देखने की इच्छा जताई। बहन की अभिलाषा को पूरा करने के लिए जगन्नाथ और बलभद्र सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाने निकल पड़े। भाई-बहन के अनुराग को दर्शाता यह पक्ष सचमुच सुंदर और अनुकरणीय है।

रथयात्रा के पर्व से परंपरा के रंग भी जुड़े हैं। मौसी के घर पहुंचने पर परंपरागत भाव-चाव के उनका स्वागत सत्कार किया जाता है। पकवान बनाए जाते हैं। यह रीत इस विश्व प्रसिद्ध पर्व के माध्यम से कितना सहज और प्रेमपगा सा संदेश देती है। अपनों के आने पर मान-मनुहार करने का। स्नेह जताने का यह पावन भाव जितना दैवीय शक्तियों से जुड़ा है, उतना ही आम जीवन में भी मायने रखता है। रथयात्रा का भक्तिमय परिवेश सामाजिक जीवन को पोसने वाले इस स्नेहमयी बर्ताव की तो आज सबसे अधिक दरकार है। अंध विश्वास नहीं, बल्कि संबंधों को सहेजने इन परंपराओं के व्यावहारिक पक्ष को समझने की जरूरत है।

इस पर्व से जुड़ी कथाएं दायित्वबोध का भी संदेश देती हैं। सात दिन बाद महल लौटने पर देवी लक्ष्मी का रुष्ट होना पारिवारिक दायित्व बोध और आपसी संवाद के महत्व को समझाता है। शिकायत और रूठने-मनाने का सुंदर सा उदाहरण भी है। प्रचलित कथा के अनुसार लक्ष्मी जी प्रभु जगन्नाथ के भाई-बहन के साथ अकेले ही यात्रा पर चले जाने से क्रोधित होती हैं। तब भगवान जगन्नाथ माता लक्ष्मी को उनका प्रिय मिष्टान्न रसगुल्ला खिलाकर अपनी त्रुटि के लिए क्षमा मांगते हैं। इसमें आम जीवन के लिए कितनी सुंदर सीख है। अपनी गलती पर क्षमा मांग लेने की सहजता भी और अपनों से सही संवाद करने की सीख भी। परिवारजनों के बीच संवाद की कमी आज के दौर में रिश्तों की टूटन का सबसे बड़ा कारण है। नाराजगी जताने पर दूरी बना लेने के बजाय मान-मनौवल करने में भी कोताही ही जाती है। रथयात्रा से जुड़ी इस प्रेमपगी प्रथा में अहंकार से उलझने बढ़ाने के बजाय जीवनसाथी द्वारा अधिकार जताने के भाव का मान है। अपनी अर्धांगिनी के क्रोध को समझने की आत्मीयता है जिसमें स्वयं प्रभु जगन्नाथ संबंधों को सहेजने की सीख देते हैं।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

न्याय की चुप्पी लोकतंत्र पर भारी

अरविंद जैन द्वारा लिखित आलेख 'जस्टिस यशवंत वर्मा हाजिर हों!' में जिस साहसिक ढंग से भारतीय न्यायिक व्यवस्था की निष्क्रियता पर प्रश्न उठाया गया है, वह संवैधानिक चेतना को झकझोरने वाला है। यह आलेख हमें याद दिलाता है कि संविधान केवल लिखित दस्तावेज नहीं, बल्कि न्यायिक विवेक और सक्रिय चेतना की कसौटी है। आलेख में जस्टिस वर्मा के माध्यम से न्यायपालिका को जिम्मेदार ठहराया गया है, लेकिन यह विश्लेषण एकतरफा प्रतीत होता है। आलेख में अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट की देरी, जनहित याचिकाओं की उपेक्षा और संवैधानिक संकटों पर न्यायपालिका की चुप्पी को केंद्र में रखा गया है, परंतु न्यायपालिका की भूमिका केवल नकारात्मक दृष्टांतों से नहीं आंकी जा सकती। हाल के वर्षों में लिए गए कुछ ऐतिहासिक निर्णय-जैसे चुनावी बांड योजना को असंवैधानिक ठहराना, सूचना के अधिकार को मजबूती देना, मणिपुर हिंसा पर त्वरित हस्तक्षेप और पेगासस निगरानी मामले में विशेषज्ञ समिति का गठन-ये स्पष्ट करते हैं कि न्यायपालिका ने कई अवसरों पर अपनी सक्रियता और उत्तरदायित्व सिद्ध किया है। इन उदाहरणों की उपेक्षा करने से आलेख का संतुलन प्रभावित होता है। इसके अतिरिक्त यह आवश्यक है कि न्यायपालिका की आलोचना करते समय उस पर बढ़ते कार्यभार, संसाधनों की कमी और नियुक्तियों में देरी जैसे व्यावहारिक पहलुओं को भी ध्यान में रखा जाए। आलोचना तभी रचनात्मक बनती है जब वह समाधान के बिंदुओं को भी उजागर करे। आलेख में उठाए गए सवाल वाजिब हैं-क्या न्यायिक संस्थाएं जनता के विश्वास की कसौटी पर खरी उतर रही हैं? लेकिन इसका उत्तर केवल आलोचना से नहीं, विवेकपूर्ण संवाद और पुनरावलोकन से मिलेगा। अंततः यह जरूरी है कि हम न्यायपालिका से न केवल जवाबदेही मांगें, बल्कि उसमें सुधार की प्रक्रिया को भी सशक्त रूप से समर्थन दें। तभी लोकतंत्र का आत्मा सुरक्षित रह पाएगा।

awanishg30@gmail.com

मेलबाक्स

अमेरिका से प्रतिभा पलायन

अमेरिका के सुपरपावर बनने का सबसे बड़ा कारण है वहां की विशाल संख्या में मौजूद शोधकर्ता और विज्ञानी। उनकी प्रतिभा और विज्ञान के क्षेत्र में किए गए गहन शोध के कारण ही अमेरिका की पूरी दुनिया में धमक है। कई मौलिक शोध और आविष्कार अमेरिका के विज्ञानियों ने ही किए हैं। जिस देश को 'शोधकर्ताओं का देश'' कहा जाता है, वही अब एक असहज दौर से गुजर रहा है। अब अमेरिका के अधिकांश शोधकर्ताओं को लगने लगा है कि 'यह देश हमारे और हमारे शोध के लिए उपयुक्त नहीं है।'' इसी कारण वे अब अमेरिका छोड़कर अन्य सुरक्षित देशों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसका कारण हैं - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी शोध नीति। हाल में ट्रंप ने शोध फंडिंग में भारी कटौती की है और विदेशी छात्रों पर कई पाबंदियां लगाई हैं। शोधकर्ता अब यूरोप या एशिया में सुरक्षित शोध अवसरों की तलाश में हैं।

दत्तप्रसाद शिरोडकर, मुंबई

सेक्युलर है भारत का चरित्र

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर एक बार फिर ''सेक्युलर'' और ''सोशलिस्ट'' शब्दों को संविधान की प्रस्तावना में जोड़ने पर बहस छिड़ गई है। यह समझना जरूरी है कि संविधान का मूल स्वरूप ही हमारे राष्ट्रीय चरित्र की पहचान है। इसे जबरन थोपे गए शब्दों से मुक्त करना ''संविधान विरोधी'' नहीं, बल्कि ''संविधान शुद्धि'' का प्रयास है। कांग्रेस शासन में जो भी राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित कानून जोड़े गए हैं, उन पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। संविधान कोई स्थिर पत्थर नहीं, बल्कि जीवंत दस्तावेज है, जिसे समय-समय पर संशोधित किया जा सकता है, लेकिन वह संशोधन राष्ट्रहित में हो, न कि सत्ता बचाने के लिए। इसलिए अब समय आ गया है कि हम मूल संविधान की ओर लौटें, जो न तो किसी पंथ विशेष से जुड़ा था और न ही किसी विचारधारा विशेष से। शुद्ध संविधान ही भारत को सही दिशा देगा, न कि संशोधनों से भरा हुआ भ्रमित दस्तावेज।

मधु सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम, मप्र

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

928 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया वर्ष 2024 में, जबकि इस वर्ष के आरंभिक पांच महीनों में ही 718 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

आजकल

चौतरफा दबाव में उड्डयन उद्योग

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश में बड़ी संख्या में हवाई अड्डों को विकसित किया गया है और नागरिक उड़ान सेवाएं आरंभ की गई हैं। तीर्थयात्रियों के लिए भी अनेक स्थानों पर हेली सेवाएं आरंभ की गई हैं। परंतु व्यापक जनदबाव के कारण ऐसा लग रहा है मानो उड्डयन उद्योग लोगों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने में असफल ही साबित हो रहा है। इसे बेहतर बनाने के प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं, परंतु बढ़ती मांग के अनुरूप बुनियादी ढांचे के अभाव में सेवाओं का विस्तार संभव नहीं हो पा रहा है

मनोज वार्ष्णेय
वरिष्ठ पत्रकार

वर्तमान में एविएशन इंडस्ट्री यानी उड्डयन उद्योग हर तरफ से दबाव में है। साधनों की कमी से जूझ रही यह इंडस्ट्री एक तरफ हो रही हवाई दुर्घटनाओं से परेशान तो है ही, साथ ही सोशल स्टेटस के लिए की जा रही यात्राओं के कारण भी यात्रियों की भीड़ को संभाल नहीं पा रही है। यात्रियों के आपसी झगड़े, सहयात्री पर गंदगी कर देना या फिर क्रू मेंबर्स से बदतमीजी करना इतना आम हो गया है कि इंटरनेट मीडिया के तमाम प्लेटफार्म पर इनकी रील खूब प्रचार पा रही हैं। जो यात्राएं कल तक जरूरत की श्रेणी में आती थीं, वह अब एक-दूसरे को दिखाने के लिए सोशल स्टेटिज्म का कारण बन रही हैं।

दो देशों के बीच में युद्ध हो तो, मौसम बिगड़े तो, कोई दुर्घटना हो जाए तो सबसे पहले एविएशन उद्योग पर असर आता है। इस पर सोशल स्टेटिज्म के लिए दौड़ पड़ रहे आधुनिक धनकुबेरों ने एविएशन इंडस्ट्री के लिए ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि वह संभल नहीं पा रही है। सुविधाएं-व्यवस्थाएं जब तक बन पाती हैं, तब तक नई समस्याएं उठ खड़ी होती हैं और रही-सही कमी पूरी हो रही है प्रतिस्पर्धा में किराए से होने वाले घाटे से। इसके आगे और देखें तो एक बात यह साफ नजर आ रही है कि सोशल स्टेटिज्म (एक विचारधारा है जो सरकार या राज्य के नियंत्रण और प्रभाव को सामाजिक और आर्थिक जीवन के विभिन्न पहलुओं में महत्वपूर्ण मानती है) के लिए जीने वाले नुकसान की परवाह के बगैर हवाई यात्राओं के लिए दौड़ पड़ रहे हैं। इन यात्राओं में होने वाली भीड़ को देखकर कभी-कभी सड़कों पर दौड़ लगाती प्राइवेट बसों की याद आ जाती है।

देश का हर कोना आज हवाई मार्ग से जुड़ चुका है। जहां पर हवाई पट्टी नहीं हैं, वहां पर हेलीकाप्टर की सेवाएं उपलब्ध हैं। पहले हवाई यात्राएं सीमित दायरे में थीं, फिर जैसे ही यह विस्तार पाने लगीं तो यह आम आवश्यकता हो गई। व्यापार, चिकित्सा, इमरजेंसी के लिए इनका उपयोग एक निर्धारित दायरे में होता था, पर अब ये सेवाएं इतनी अधिक आम हो गई हैं कि मध्यवर्ग भी सोशल स्टेटिज्म के लिए हवाई मार्ग के लिए दौड़ पड़ा है। यह हालत तो तब है, जब हवाई जहाजों में कुछ क्लासों को छोड़कर चाय जैसी चीज भी उतनी महंगी होती है, जितने में एक शहर से दूसरे शहर तक सार्वजनिक वाहन आसानी से पहुंचा जा सकता है।

इस भीड़ को सेवाएं देने के लिए एविएशन इंडस्ट्री जबरदस्त दबाव में है। तीर्थ यात्राओं में तो हेलीकाप्टर की सेवा के लिए जितने स्कैम हो रहे हैं, वह डिजिटल फ्राड में बड़ी हिस्सेदारी बनते जा रहे हैं। हवाई जहाज में सहयात्रियों के साथ बदतमीजी का स्तर कितना गिर चुका है, इसका अंदाज इसी से लग जाता है कि पास की सीट पर बैठी महिला से छेड़खानी, तरल पदार्थ गिरा देना, उसे टीज करना अब आम बात होती जा रही है। खैर! एविएशन की दुनिया में बढ़ती भीड़ के कारण रख-रखाव प्रभावित हो रहा है और स्टाफ की कमी के कारण जब-तब पायलटों का उड़ान को बीच में ही छोड़ देना बड़ी बात नहीं रह गई है।

सबसे अधिक भीड़ ग्रीष्म ऋतु में तब देखी जाती है, जब तीर्थयात्राएं होती हैं और पर्यटन का पूरे देश में सीजन माना जाता है। उत्तराखंड की चार धाम यात्रा, अमरनाथ यात्रा, कुंभ जैसी पर्व विशेष यात्राएं, पहाड़ी स्थानों पर जाने की जल्दी उन बातों में शुमार है, जिसमें कहा जाता है कि हवाई यात्रा काफी सुगम होती हैं। परंतु कुछ वर्षों से ये यात्राएं साइबर स्कैमरों के लिए मौका बन चुकी हैं, साथ ही होने वाली दुर्घटनाएं सरकार-संचालन फर्म के लिए मुसीबत बन रही हैं। कोई दूसरा कारण नहीं है कि केदारनाथ यात्रा जब दो मई को आरंभ हुई तो उसके बाद से महज 50 दिनों में आठ हेली कंपनियों के माध्यम से 56 हजार से अधिक यात्रियों ने बाबा के दर्शन किए।

भीड़ का अंदाज इसी से लग सकता है कि 15 जून को गौरीकुंड के पास हुई हेली दुर्घटना के बाद सात दिनों में सात हजार से अधिक टिकट कैंसिल हुए। यहां पर भीड़ ने यह ध्यान नहीं रखा कि यात्रा मार्ग में उड़ान के लिए क्या मौसम सही होगा? इसमें कोई दो राय नहीं है कि हेली सेवा देने वाली कंपनियों ने अधिक यात्रियों के लिए अपनी उड़ानों को उन नियमों से परे रखा जो सुरक्षा के लिए जरूरी थीं। यह बात भी गौर करने लायक है कि भीड़ हेली बुकिंग के नाम पर ठगी जा रही है। सरकार ने 2023 में 64 से अधिक फर्जी वेबसाइट बंद कराईं तथा इस वर्ष अभी तक 51 से अधिक वेबसाइट ब्लाक करवाए हैं। वाट्सअप नंबरों के साथ ही बैंक एकाउंट भी सरकार ने बंद कराए हैं, लेकिन इस पर भी ठगी जारी है और सोशल स्टेटिज्म के लिए ठगे जाने के बाद भी पीछे नहीं हट रहे हैं। अब होने वाली अमरनाथ यात्रा में सरकार ने हेली सेवा रोक दी है तथा केदारनाथ जैसी यात्रा के लिए भी बारिश बंद होने तक हेली सेवाएं स्थगित हैं।

ऐसे में उड्डयन उद्योग के जानकारों का कहना है कि पहले हवाई यात्राएं आवश्यकता की श्रेणी में थीं, पर अब यह सामाजिकता से जुड़ गई हैं। लोग धर्म के लिए यात्रा करते समय भी सुविधा भोगी हो गए हैं, इसलिए हेली सेवाओं की गुणवत्ता कम होती जा रही है। यात्रियों द्वारा डाले गए इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर स्टेटस आदि में साफ नजर आता है कि हेलीकाप्टर में किस आपाधापी में यात्री बैठाए जा रहे हैं और हेलीकाप्टर इस तरह से दौड़ रहे हैं जैसे सड़क पर सार्वजनिक वाहन। जहां तक हवाई जहाजों की बात है तो वह भी यात्रियों की भीड़ के कारण सुरक्षा मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं। इन स्थितियों में कहा जा सकता है कि हवाई यात्राएं अब जरूरत नहीं, बल्कि सोशल स्टेटस बनती जा रही हैं। (ईआरसी)

निरंतर हो रही दुर्घटनाओं के कारण उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों के लिए हेली सेवाओं को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। फाइल

बेहतर बने रेल और सड़क की यात्रा

कन्हैया झा

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में रेल और सड़क परिवहन लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा है। रेल और सड़क यात्रा न केवल रोजमर्रा के आवागमन को आसान बनाती है, बल्कि देश की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। देश में राष्ट्रीय राजमार्गों का नेटवर्क डेढ़ लाख किलोमीटर से भी अधिक हो चुका है। यदि राज्यों के उच्चपथों को भी इसमें जोड़ दें तो यह आंकड़ा कहीं बहुत अधिक हो जाता है। वहीं भारतीय रेलवे का नेटवर्क 70 हजार किलोमीटर तक पहुंच चुका है। भारतीय रेल आज रोजाना लगभग ढाई करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचा रही है। रेलयात्रा भारत में सर्वाधिक सुगम है।

शहरी परिवहन की बात करें तो दिल्ली समेत देश के अन्य बड़े शहरों में मेट्रो रेल निवासियों के लिए जीवन रेखा का रूप धारण कर चुकी है। परंतु तमाम सुविधाओं के बावजूद इन व्यवस्थाओं में कई चुनौतियां भी हैं- जैसे भीड़भाड़, असुरक्षा, रखरखाव की कमी और समय पालन की समस्याएं। ऐसे में इनके संचालन से संबंधित सभी पक्षों को इन पहलुओं पर निरंतर अध्ययन करना होगा कि रेल और सड़क यात्रा को किस प्रकार बेहतर और अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है।

अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास उपरोक्त समस्याओं का एक बड़ा व्यावहारिक समाधान हो सकता है। इस क्रम में वंदे भारत ट्रेन एक बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है जो आज तमाम शहरों को आपस में जोड़ रही है। इससे यात्रा अपेक्षाकृत सुगम और सरल हुई है। वहीं अहमदाबाद से मुंबई के बीच हाई-स्पीड या कहें कि बुलेट ट्रेन का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। उम्मीद है कि आगामी दो से तीन वर्षों में इसके पहले चरण का कार्य संपन्न हो जाएगा और यात्री सेवा आरंभ हो जाएगी। इससे भारत में रेलयात्रा को एक नया आयाम मिलेगा। देश का एक बड़ा मध्यवर्गीय तबका रेलयात्रा को अधिक पसंद करता है, जिसका सबसे बड़ा कारण इसकी समयबद्धता, कम लागत और अपेक्षाकृत आरामदेह होना कहा जा सकता है। कुछ बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाते हुए इस यात्रा को और आरामदायक बनाया जा सकता है। रेलवे परिसरों से लेकर अनेक ट्रेनों में सीसीटीवी कैमरा, आरपीएफ गश्ती और आटोमैटिक डोर लाकिंग की व्यवस्था की जा रही है। इससे सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा सकेगा, जो अब तक एक बड़ी चुनौती रहा है।

वैसे तमाम उपायों के बावजूद मांग के अनुरूप यात्रियों को सीट या बर्थ उपलब्ध नहीं करा पाना भारतीय रेलवे के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है। हालांकि पिछले लगभग एक दशक में इस दिशा में केंद्र सरकार ने व्यापक प्रयास किए हैं, जिनके परिणाम अनेक रूटों पर देखे जा सकते हैं। फिर भी, यात्री ट्रेनों से प्रतीक्षा सूची को समाप्त करना रेलवे के लिए एक बड़ी चुनौती है। समय रहते रेलवे को इसका उपाय करना होगा। यात्री सुरक्षा और पर्यावरण के लिहाज से भी बेहतर स्थिति यही है कि अधिक से अधिक यात्री रेलमार्ग से यात्रा करें, और यह केवल तभी संभव है जब मांग के अनुरूप सभी यात्रियों को कंफर्म टिकट मिल सके। वहीं, दूसरी ओर सड़कों के निरंतर विकास के साथ ही यात्री परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी कम हुई है। वर्ष 1950 के आसपास ट्रेन से यात्रा करने वालों का प्रतिशत 65 था, जबकि 35 प्रतिशत लोग ही सड़क के माध्यम से यात्रा करते थे, जबकि आज ट्रेनों से केवल 10 से 20 प्रतिशत यात्री ही आवागमन करते हैं और सड़क मार्ग से आने-जाने वालों की संख्या 80 से 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

रेल-सड़क यात्रा केवल गंतव्य तक पहुंचने का साधन नहीं हैं, ये देश की सामाजिक-आर्थिक रीढ़ हैं। भारत में यदि इन दोनों परिवहन माध्यमों में समग्र सुधार किए जाएं, साथ ही तकनीकी, संरचनात्मक और सामाजिक स्तर पर भी इसे बढ़ावा दिया जाए तो लोगों की यात्रा न केवल अधिक सुरक्षित और आरामदायक होगी, बल्कि समावेशी विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

(kanhaiya.jha@nda.jagran.com)

खरी-खरी

पुरस्कार हथियाने का नया तरीका

पूरन सरमा

मैंने 50 पुस्तकें लिख लीं। लेकिन पुरस्कार के नाम पर केवल स्थानीय नगरपालिका ने मुझे गणतंत्र दिवस पर माला पहनाकर सम्मानित किया है। नकद राशि वाला मुझे एक भी पुरस्कार नहीं मिला है। मैं आजकल बस यही सोचता हूं कि कोई बड़ा पुरस्कार कैसे मारा जा सकता है।

कल भ्रमर जी मिल गए। कुशलक्षेम पूछने लगे तो मैंने कहा- 'हाल बेहाल है। हम तो किताबें लिखने-छपाने में साठ वर्ष गुजार आए, लेकिन उसका प्रतिफल पुरस्कार रूप में शून्य है। आप बताइए, कैसे क्या करें। अब तो कोई बड़ा पुरस्कार मिलना ही चाहिए।'

भ्रमर जी हंसकर बोले, 'घबराते क्यों हो शर्मा, तुम कहोगे उस दिन मंच पर दुशाला भी पहनवा देंगे, सार्वजनिक सम्मान हो जाएगा, बोलो और क्या चाहते हो?'

मैं बोला, 'भ्रमर जी सम्मान का क्या करूं। कुछ नकद राशि वाला लक्खी पुरस्कार दिलवाने की जुगाड़ करो। मैं तो किसी को जानता-वानता नहीं। आप तो साहित्य के घुटे हुए खिलाड़ी हैं। आपने तो पहली पुस्तक पर पचास हजार झटक लिए थे।'

'देखो शर्मा, तुम किताबें लिखने में उलझे रहे। कभी हमको घास ही नहीं डाली। पुरस्कार तो लक्खी भी मिल जाएगा, परंतु देखो खर्चा पानी करना होगा। मेरा मतलब लाख रुपये में से बीस हजार हाथ लगेंगे बाकी जोड़-तोड़ में लग जाएंगे।' वे बोले।

मैं बोला, 'भ्रमर जी मानता हूं भागते चोर की लंगोटी से भी संतोष करना पड़ता है, लेकिन यार थोड़ी राशि तो बढ़ाओ। एक लाख में से 80 हजार खर्च करना बड़ा ही महंगा कार्य है। मेरा मतलब 50 प्रतिशत तक बैठ जाए तो देखो ना।'

'शर्मा तुम्हारे भाग्य में पुरस्कार लेना है नहीं। ऐसा करो तुम तो कागज काले करो। इसी से अमर रचनाकार बन जाओगे। पुरस्कार की जब तुम तिकड़म जानते ही नहीं हो तो क्यों इसके पचड़े में पड़ते हो। अपने लिखो और जीवन भर तक लिखते रहो। अब मैं क्या कर सकता हूं, जब पुरस्कार ही ऐसे मिलने लगे हैं तो। अब जमाना और मूल्य बदल गए हैं। इसलिए थोड़ा व्यावहारिक बनो। क्यों बेकार में हानि-लाभ का गणित लगाते हो।'

पोस्ट

अगर पूरी दुनिया में पाकिस्तान से भी ज्यादा जहरीला, दगाबाज और घातक देश है तो वह चीन है। एससीओ सम्मेलन में भी पाकिस्तानी आतंक के बेशर्मी से बचाव का उसका कुत्सित प्रयास सफल नहीं हो सका।
मिन्हाज मर्चेंट@MinhazMerchant

एक और धार्मिक आयोजन तथा एक और भगदड़। आखिर क्यों भीड़ प्रबंधन में हम असफल हैं? अगर जगन्नाथपुरी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आ रही है तो उन्हें संभालना भी तो प्रशासन का ही दायित्व है। यह नहीं हो सकता कि आप सफल आयोजन का श्रेय तो लें, लेकिन विफल होने पर जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लें।
अखिलेश शर्मा@akhileshsharma1

बांग्लादेश में एक हिंदू महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का वीभत्स मामला दर्शाता है कि वहां किस तरह हिंदुओं को निशाना बनाकर उनके नस्लीय सफाए की योजना पर काम हो रहा है। इसके लिए अमेरिका की कठपुतली यूनुस सरकार ही जिम्मेदार है, जिसमें कट्टरपंथी अपराधी खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। आरती टिकू सिंह@AartiTikoo

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा का विपक्षी दलों की ओर से विरोध सही है?

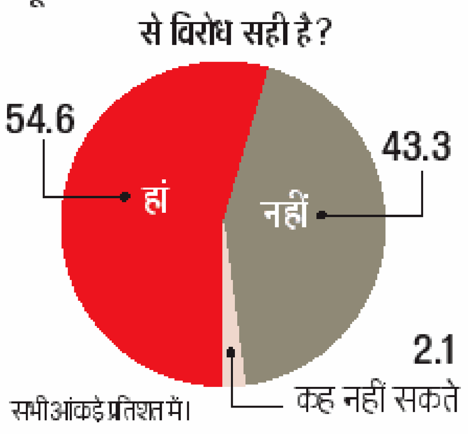

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या जगन्नाथ पुरी में भगदड़ भीड़ प्रबंधन में अक्षमता को उजागर करती है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

महिला सीएम के यहां होता अत्याचार,
बेटी वकील-डाक्टर होतीं नित्य शिकार।
होतीं नित्य शिकार हुए मनबढ़ अपराधी,
नहीं सुरक्षित आज कहीं आधी आबादी।
गुंडों का ही पक्ष लक्ष्य जब रहता पहला,
तो ममता के राज बचेगी कैसे महिला!
- ओमप्रकाश तिवारी

अजय जायसवाल
राज्य ब्यूरो प्रमुख, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश डायरी

अपमान की 'आंच' पर सियासत की हांडी

इटावा का कथावाचक अपमान प्रकरण चौतरफा चर्चा में है। कथावाचकों का अपमान क्या पिछड़ी जाति के होने के कारण हुआ या छेड़खानी की कोशिश के आरोप सच्चे हैं? दो आधार कार्ड रखकर जाति छिपाने वाली बात में कितनी हकीकत है? लोग भले ही इन सवालों के उत्तर मिलने के इंतजार में हों, लेकिन राजनीतिक दलों ने बिना प्रतीक्षा, सियासी लाभ के लिए अपने-अपने दांव खेलने में देर नहीं की। अपमान की आंच पर सियासत की हांडी चढ़ा दी गई है और अब उसमें पंचायत से लेकर आने वाले विधानसभा चुनावों तक की रणनीतियों को पकाया जा रहा है। हालांकि, इस सियासी दौड़ में अभी केवल सपा और भाजपा ही शामिल है। बसपा व कांग्रेस ने चुप्पी साध रखी है, शायद वह समझ रहे हैं कि इस दोधारी तलवार को थामने में नुकसान भी हो सकता है।

मामला गरमाने के बाद सपा भी इसी जोखिम के मद्देनजर सावधानी बरतती दिख रही है। अहीर रेजिमेंट के एक्शन से उसे उन ब्राह्मणों के छिटकने का डर सता रहा है जिन पर लंबे समय से डोरे डाले जा रहे हैं। वहीं भाजपा, सपा को कठघरे में खड़ाकर मामले को जातीय संघर्ष की राजनीतिक साजिश करार दे अपनी रणनीति को धार दे रही है।

इटावा के बकेवर क्षेत्र में 21 जून को कथावाचक मुकुटमणि यादव, संत सिंह यादव और उनके साथियों के साथ घटना हुई थी। उनका आरोप है कि उनके साथ मारपीट की गई, चोटी काटी गई और अमानवीय व्यवहार किया गया। वहीं, दूसरा पक्ष जाति छिपाकर कथा करने और महिलाओं से छेड़खानी का आरोप लगा रहा है। कथावाचकों से मारपीट और बाल काटने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ तो सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इसे सीधे अपने पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) पर अन्याय के आरोपों की

प्रदेश सपा कार्यालय में अपने सहयोगियों संग कथावाचक मुकुटमणि यादव। फाइल

रणनीति में फिट कर लिया। कथावाचकों को लखनऊ बुलाकर सम्मान करने के बाद अखिलेश ने सरकार के संरक्षण में वंचितों पिछड़ों पर अत्याचार होने का आरोप लगाया। तमाम दूसरी घटनाओं को भी गिनाया, लेकिन ब्राह्मणों को साथ लाने की रणनीति कमजोर न पड़ जाए, इसलिए एक बार भी कथावाचकों पर अत्याचार करने वालों के नाम या जाति का उल्लेख नहीं किया। केवल प्रभुत्ववादी और वर्चस्ववादी शब्दों का ही इस्तेमाल करते रहे। यहां तक तो सब सही चला, लेकिन प्रकरण के सुर्खियां बनते ही इंडियन रिफार्मर्स आर्गनाइजेशन और अहीर रेजिमेंट के संस्थापक अध्यक्ष गगन यादव ने राजनीतिक बढ़त का दांव खेल सपा की रणनीति में खलल डाल दिया। गगन ने यादवों के अपमान का मुद्दा उठाकर थाने के घेराव का एलान किया। उनको तो पुलिस ने नजरबंद कर दिया, लेकिन समर्थकों ने उपद्रव करने के साथ ही ब्राह्मणों के गांव पर धावा बोलने की कोशिश की।

इटावा को वैसे भी सपा के प्रभाव वाला क्षेत्र माना जाता है, ऐसे में उपद्रव से जोड़े जाने का जोखिम खड़ा हो गया। ब्राह्मणों में गलत संदेश जाने की आशंका से बचने के लिए सपा ने पत्रकार वार्ता कर मामले से लेना-देना न होने की सफाई दी। सपा प्रमुख ने उपद्रव के पीछे भाजपा की साजिश की बात कही। आरोप लगाया कि भाजपा अपने सेट किए हुए 'प्लांटेड लोगों' के उपनाम का दुरुपयोग करके पड़ोसी राज्यों से लोगों को लाकर, समाज को बांटने की 'घुसपैठिया राजनीति' कर रही है। इसके बाद सपा प्रमुख, सुलतानपुर के पूर्व विधायक संतोष पांडेय के लखनऊ स्थित आवास पर पहुंचे और ब्राह्मण नेताओं से मुलाकात कर संदेश देने की भी कोशिश की। सपा के आगे बढ़ने के साथ ही सत्ताधारी भाजपा भी अपने हिसाब से माहौल बनाने में जुट गई। प्रकरण में अपमान के आरोपों के बाद मुकदमा और आरोपितों को जेल भेजने की कार्रवाई के बाद दूसरे पक्ष की ओर से भी मुकदमा दर्ज हुआ। उपद्रव पर गगन यादव और उसके समर्थकों पर भी मुकदमा कर 19 लोगों को जेल भेजा गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में जातीय संघर्ष कराने के लिए राजनीतिक साजिश किए जाने की बात उठाते हुए प्रकरण में सख्त कार्रवाई का संदेश देने की कोशिश की तो उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि अखिलेश इटावा की घटना को ब्राह्मण बनाम यादव की लड़ाई के रूप में फैलाना चाहते हैं। वहीं, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने अखिलेश पर मामले को जातीय रंग देने और ब्राह्मण समुदाय पर बेबुनियाद आरोप लगा जनता को गुमराह करने के आरोप लगाए। एनडीए की सहयोगी सुभासपा के ओपी राजभर ने तो कह दिया कि ब्राह्मणों का काम हथियाने के बजाय यादवों को पुश्तैनी काम पर ध्यान देना चाहिए। इस पर अखिलेश ने तंज किया तो राजभर ने तीखा पलटवार भी किया। बहरहाल, सबका मकसद आने वाले चुनावों में फायदे के लिए अपनी-अपनी जातीय बिसात बिछाने का ही है। सबकी कोशिश अपने-अपने हिसाब से सही पक्ष के समर्थन का संदेश देने की है, लेकिन नेताओं के बयानों से दूसरे पक्ष की नाराजगी का असर तो विधानसभा चुनाव से पहले होने वाले पंचायत चुनाव में ही दिखाई देगी।

मंथन

नीलू रंजन
nranjan@del.jagran.com

माओवाद के विरुद्ध कारगर नीति

माओवादी समस्या से निपटने में गृह मंत्री अमित शाह की त्रि-स्तरीय रणनीति अचूक साबित हुई है। ऐसे में निर्धारित समयसीमा में देश से माओवाद समाप्त होने की आशा की जा रही है

माओवादियों के बैकफुट पर लाने और बड़े माओवादी नेताओं को मारने में मिली सफलता के पीछे निश्चित रूप से सुरक्षा बलों के सफल आरपेशन की प्रमुख भूमिका रही है। लेकिन आकर्षक सरेंडर पालिसी बनाकर उनका सफल क्रियान्वयन, जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने और माओवादियों से मुक्त होने वाले इलाकों में सड़क, बिजली, पानी, अस्पताल, स्कूल जैसी विकास योजनाओं को तेजी से लागू करने की रणनीति भी काफी असरदार साबित हुई। कुर्रेगुट्टा की पहाड़ियों पर स्थित माओवादियों के हेडक्वाटर्स को ध्वस्त कर तिरंगा फहराने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट पर इस रणनीति पर मुहर लगाते हुए कहा कि माओवादियों को जड़ से समाप्त करने की दिशा में हमारा अभियान सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

ऐसा नहीं है कि अमित शाह ने माओवादी विरोधी अभियान में कोई नई शुरूआत की हो। माओवादी इलाकों में सिक्योरिटी गैप को भरने के लिए फारवर्ड आपरेशनल बेस (एफओबी) बनाने का काम पहले से शुरू हो गया था। लेकिन शाह ने इसमें तेजी लाई और छह वर्षों में माओवादी इलाकों में 320 नए एफओबी बनाए गए। वर्ष 2014 तक केवल 66 थानों को सुरक्षा मानकों के अनुरूप फोर्टिफाइड किया गया था, जबकि 2025 में इनकी संख्या 612 हो गई। सिक्योरिटी गैप भरने के कारण माओवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों का आपरेशन आसान हो गया और माओवादी गतिविधियां सीमित होती गईं। इसके बाद माओवादियों के खिलाफ इंटेलिजेंस बेस कई आपरेशन शुरू किए गए। जिनमें आपरेशन चेयुथा, आपरेशन संकल्प, कुर्रेगुट्टा की पहाड़ी पर आपरेशन ब्लैक फारेस्ट, आपरेशन कगार प्रमुख हैं। इन अभियानों में बड़ी संख्या में शीर्ष माओवादियों को मार गिराने में सफलता मिली।

सशस्त्र माओवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों के बड़े आपरेशन के साथ ही अमित शाह ने माओवादियों को हथियार छोड़कर मुख्य धारा में जुड़ने का बढ़िया विकल्प भी दिया। छत्तीसगढ़ सरकार की नई आत्मसमर्पण नीति इसका उदाहरण है। इसके कारण हजारों की संख्या में माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। 2024 में 928 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। वहीं 2025 के पांच महीनों में ही 718 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं और यह सिलसिला जारी है। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों का दो तरह से उपयोग किया गया। एक तरफ उनसे माओवादी गतिविधियों और उसके बड़े नेताओं के क्रियाकलापों की पुख्ता जानकारी मिली, वहीं उनमें कई को प्रशिक्षित कर सुरक्षा बलों में नौकरी भी दी गई। पूर्व माओवादियों के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन ने और अधिक माओवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए प्रेरित किया।

आम जन तक पहुंच : अमित शाह की रणनीति का दूसरा सबसे बड़ा स्तंभ रहा जनता के बीच माओवादियों के समर्थन को खत्म करना। आम जनता तक पहुंचने के लिए एफओबी का इस्तेमाल किया गया। एफओबी के साथ-साथ माओवादी इलाकों में जनता तक सभी कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का काम युद्ध स्तर पर किया गया। एफओबी के साथ ही मुफ्त राशन की दुकान, स्कूल, आंगनबाड़ी और अस्पताल खोले गए। मुफ्त आवास, बिजली, पानी का कनेक्शन जैसी योजनाओं के पहुंचने से आम जनता के बीच सरकार का भरोसा बढ़ा और उसी अनुपात में धीरे-धीरे माओवादियों का समर्थन भी कम होता गया। इस कारण एक बार माओवादियों से मुक्त हुए इलाकों में फिर से माओवादियों के लिए पैर जमाना संभव नहीं हो सका।

केंद्र सरकार की सख्त नीतियों से माओवादियों पर अंकुश लगाने में मिल रही सफलता। फाइल

इस रणनीति में माओवादी इलाकों में बिजली, सड़क, पानी, अस्पताल, मोबाइल टावर का निर्माण युद्ध स्तर पर प्रमुखता से शामिल रहा। इसके परिणामस्वरूप माओवादियों के प्रभाव क्षेत्र में तेजी से कमी आई। माओवादी हिंसा से जुड़े आंकड़े इसकी पुष्टि भी करते हैं। माओवादी हिंसा में भारी कमी सभी आयामों में साफ-साफ दिखती है। वर्ष 2014 में जहां 126 जिले माओवादियों से प्रभावित थे, वहीं 2025 में इनकी संख्या महज 18 रह गई है। इसी तरह से माओवादियों से अति प्रभावित जिलों की संख्या 35 से घटकर छह रह गई है। वर्ष 2014 में 76 जिलों के 330 थानों में माओवादी हिंसा की 1080 घटनाएं रिकार्ड की गई थीं, वहीं 2024 में 42 जिलों के 151 थानों में 374 घटनाएं ही दर्ज हुईं। वर्ष 2014 के पहले मुठभेड़ों में हमेशा माओवादियों का पलड़ा भारी रहता था और बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को बलिदान होना पड़ता था। लेकिन अब स्थिति उलट गई है। वर्ष 2014 में माओवादी मुठभेड़ में सुरक्षा बलों के 88 जवान बलिदान हुए थे, जबकि 63 माओवादी मारे गए थे। वहीं 2024 में सुरक्षा बल के केवल 19 जवान बलिदान हुए, जबकि उन्होंने 2089 माओवादियों को मार गिराया। कहा जा सकता है कि 31 मार्च, 2026 तक देश को माओवादी समस्या से पूरी तरह से मुक्त करने और माओवाद से प्रभावित क्षेत्रों को जल्द ही विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का केंद्र सरकार का दावा पूरा होता दिखाई देने लगा है।

****

परिधान मेला में भाग लेंगे 79 देशों के खरीदार

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले परिधान मेले में भारत के लगभग 360 प्रदर्शक विभिन्न उत्पाद पेश करेंगे। मेले में ब्रिटेन, स्पेन, ग्रीस, इटली, फ्रांस और जर्मनी समेत 79 देशों के खरीदारों के भाग लेने की उम्मीद है। भारत अंतरराष्ट्रीय परिधान मेला (आइआइजीएफ) एक से तीन जुलाई तक आयोजित होगा। एईपीसी के चेयरमैन सुधीर सेखरी ने कहा कि वैश्विक ब्रांड धीरे-धीरे भारत से आयात बढ़ा रहे हैं। (प्रेट्र)

हम ट्रैक्टर बाजार में दूसरे नंबर की कंपनी बनने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। इस योजना के तहत कई उत्पादों को उतारने की तैयारी है।
— निखिल नंदा, चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, एस्कार्ट्स कुबोटा लिमिटेड

मोटर बीमा लेते वक्त बड़े नुकसान से बचा सकती है छोटी सी सावधानी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : मानसून के दौरान सड़कों पर पानी भर जाना, अप्रत्याशित बाढ़, फिसलन भरी सड़कें और कम दृश्यता से ड्राइविंग जोखिम काफी बढ़ जाता है। ऐसे में एक व्यापक मोटर बीमा पालिसी आपके वाहन को संभावित नुकसान से बचाती है और बारिश में ड्राइविंग के दौरान आपको एक आत्मविश्वास भी देती है।

मोटर बीमा पालिसी जानकारों का कहना है मोटर इंश्योरेंस लेने के दौरान छोटी-छोटी सावधानियां बड़े नुकसान से बचा सकती हैं। इंजन को पानी से होने वाले नुकसान के लिए व्यापक कवरेज नहीं है तो इससे दिक्कत हो सकती है। व्यापक कवरेज में बाढ़, जलभराव या वाहन के पार्क होने पर इंजन को पानी से होने वाले नुकसान का ख्याल रखा जाता है। ये समस्याएं अक्सर मानसून के दौरान उत्पन्न होती हैं, जब बारिश वाहन के इलेक्ट्रिकल और महत्वपूर्ण हिस्सों को प्रभावित करती है। जानकारों के मुताबिक इंजन को नुकसान से बचाने के लिए जलभराव वाले क्षेत्रों में गाड़ी चलाने से बचना चाहिए। अगर आपके पास इलेक्ट्रिक वाहन है तो बैट्री कवरेज के लिए 'एड-आन' या 'राइडर' सुविधा खरीदने पर विचार करें, क्योंकि ज्यादातर बीमा पालिसियों में बैट्री कवरेज शामिल नहीं होता है। ये सुविधाएं अतिरिक्त लागत पर पालिसी के कवरेज को बढ़ा सकती हैं।

- अगर आपके पास इलेक्ट्रिक वाहन है तो बैट्री कवरेज के लिए 'एड-आन' या 'राइडर' सुविधा खरीदने पर विचार करें
- व्यापक कवरेज में बाढ़, जलभराव या वाहन के पार्क होने पर इंजन को पानी से होने वाले नुकसान का रखा जाता है ख्याल

मानसून के दौरान अतिरिक्त देखभाल से यात्रा में नहीं होगी परेशानी

जानकारों के मुताबिक मानसून के दौरान थोड़ी अतिरिक्त देखभाल से यात्रा में परेशानी नहीं होगी। ब्रेक, टायर, वाइपर और एग्जास्ट सिस्टम की नियमित जांच आपको फिसलन भरी सड़कों पर सुरक्षित रहने में मदद कर सकती है। वाइपर की सफाई के लिए पानी की उपलब्धता की जांच करते रहें ताकि दृश्यता प्रभावित नहीं हो। सबसे अच्छा बीमा भी सावधानी बरतने का विकल्प नहीं हो सकता। अपने वाहन को गंभीर नुकसान से बचाने के लिए बाढ़ वाली सड़कों पर जाने से बचें। हर बार गाड़ी चलाने से पहले सुनिश्चित करें कि आपकी लाइट, ब्रेक और टायर सही स्थिति में हैं। लांग ड्राइव पर जाने से पहले एक बार सर्विस सेंटर से गाड़ी की चेकिंग करा लें। अगर कोई कमी है तो ठीक करा लें। सुरक्षा सबसे ज्यादा मायने रखती है, चाहे बीमा हो या न हो।

सही कवरेज और कुछ सावधानियों के साथ, सुरक्षित रहना और बिना किसी चिंता के मानसून का आनंद लेना संभव है। वाहन मालिकों को अपने बीमा की समीक्षा करनी चाहिए और सुनिश्चित करें कि यह पानी से होने वाले नुकसान जैसे मानसून-विशिष्ट जोखिमों से निपटने के लिए तैयार है या नहीं। **-उदयन जोशी**, चीफ आपरेटिंग आफीसर, एसबीआइ जनरल इंश्योरेंस

चीन से रेअर अर्थ मैग्नेट की आपूर्ति पर स्थिति साफ नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारतीय वाहन उद्योग का प्रतिनिधिमंडल अभी तक दुर्लभ खनिज (चुंबक) के आयात में तेजी लाने के लिए चीन रवाना नहीं हो पाया है। उद्योग सूत्रों का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल को अब भी चीन के वाणिज्य मंत्रालय से बैठक के लिए औपचारिक मंजूरी का इंतजार है। पिछले महीने लगभग 40-50 उद्योग अधिकारियों को वीजा मिल गया था, लेकिन वे अब भी इस मामले पर बैठक के लिए चीनी अधिकारियों से औपचारिक मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। घरेलू वाहन उद्योग ने दुर्लभ खनिज की कमी को देखते हुए चीन से इसका आयात बढ़ाने के लिए सरकार से भी समर्थन मांगा है।

एक सूत्र ने कहा, 'चीनी अधिकारियों ने अब तक कोई समय नहीं दिया है, इसलिए प्रतिनिधिमंडल अभी तक रवाना नहीं हुआ है। स्थिति खराब है क्योंकि अभी तक हमें एक भी लाइसेंस जारी नहीं किया गया है।'

सूत्र ने कहा कि अगर स्थिति ऐसी ही रही, तो घरेलू वाहन उद्योग को इसकी कमी का सामना करना पड़ेगा, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन का काफी नुकसान होगा। घरेलू वाहन उद्योग को यह कदम इसलिए उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा है क्योंकि चीन की सरकार ने इस साल चार अप्रैल से दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और चुंबक के निर्यात पर अंकुश लगा दिया है। चीन ने सात दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और चुंबक के लिए विशेष निर्यात लाइसेंस अनिवार्य किया है।

वाहन उद्योग के प्रतिनिधिमंडल को बीजिंग जाने के लिए अभी तक नहीं मिली मंजूरी

नायरा एनर्जी में अपनी हिस्सेदारी रिलायंस को बेच सकती है रोसनेफ्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र: रूस की दिग्गज कंपनी पीजेएससी रोसनेफ्ट आयल कंपनी नायरा एनर्जी में अपनी 49.13 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ शुरुआती बातचीत कर रही है। नायरा एनर्जी भारत में दो करोड़ टन सालाना क्षमता वाली तेल रिफाइनरी और 6,750 पेट्रोल पंप का परिचालन करती है।

रिलायंस ने नायरा के अधिग्रहण के लिए शुरुआती बातचीत की है, जिससे उसे सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन आयल कारपोरेशन (आइओसी) को पछाड़कर भारत की नंबर एक तेल रिफाइनरी बनने में मदद मिलेगी। । रोसनेफ्ट ने 2017 में 12.9 अरब डालर के सौदे में एस्सार आयल का अधिग्रहण किया था।

एक नजर में

खाद्य ब्रांड के तौर पर अमूल शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली: ब्रांड फाइनेंस के अनुसार, अमूल ने 4.1 अरब डालर के ब्रांड मूल्य के साथ शीर्ष खाद्य ब्रांड के तौर पर अपना स्थान बरकरार रखा है। वहीं मदर डेयरी 1.15 अरब डालर के ब्रांड मूल्य के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत के शीर्ष खाद्य ब्रांड की सूची में ब्रिटानिया तीसरे जबकि कर्नाटक की सहकारी संस्था नंदिनी चौथे स्थान पर है। (प्रेट्र)

टाटा स्टील को आइटीसी पर कारण बताओ नोटिस मिला

नई दिल्ली: टाटा स्टील ने रविवार को कहा कि उसे वित्त वर्ष 2018-19 और 2022-23 के बीच 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के 'इनपुट कर क्रेडिट (आइटीसी) के कथित अनियमित लाभ' पर कर अधिकारियों से कारण बताओ एवं मांग नोटिस मिला है। टाटा स्टील ने शेयर बाजार को बताया कि शनिवार को मिले नोटिस के अनुसार, उसे 30 दिन में बताना होगा कि उससे 10,07,54,83,342 रुपये का जीएसटी क्यों नहीं वसूला जाए। (प्रेट्र)

वैश्विक बाजार में भारतीय प्याज पर नया खतरा

निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीन और पाकिस्तान ने जमाया प्रभुत्व

अरविंद शर्मा ● जागरण

नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय प्याज की कभी अत्यधिक मांग थी, लेकिन घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए दो वर्ष पहले केंद्र सरकार ने इसके निर्यात पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया, जिससे पाकिस्तान को मौका मिल गया। वैश्विक बाजार में उसने जगह बनाई। इस बीच चीन एवं म्यांमार ने भी स्थिति का लाभ उठाया।

प्याज का उत्पादन बढ़ाया और उन देशों में भेजना शुरू कर दिया जो पहले भारत पर निर्भर थे। स्थिति यह है कि निर्यात से प्रतिबंध हटने के बाद भी भारतीय प्याज को बाजार नहीं मिल रहा है, जबकि सात-आठ वर्ष पहले तक भारत से प्याज का आयात करने वाले पाकिस्तान के प्याज की आज अरब देशों एवं श्रीलंका के बाजारों में मांग बढ़ गई है। इसका एक कारण यह भी है कि भारत के प्याज की तुलना में पाकिस्तान का प्याज सस्ता मिल रहा है। भारत के प्याज की कीमत वैश्विक बाजार में लगभग 300 डालर प्रति टन है, जबकि पाकिस्तान मात्र 170 डालर प्रति टन पर बेच रहा है। चीन भी 250 रुपये टन प्याज बेच रहा है। हालांकि भारत आज भी प्याज उत्पादन में सबसे आगे है, लेकिन वैश्विक स्तर पर स्पर्धा के लिए नीति, कीमत और समय पर उपलब्धता महत्वपूर्ण होती है।

- वैश्विक बाजार में भारत की तुलना में पाकिस्तान का प्याज मिल रहा कम कीमत पर
- प्याज उत्पादन में भारत सबसे आगे, लेकिन वैश्विक बाजार में समय पर उपलब्धता महत्वपूर्ण

307 लाख टन प्याज का उत्पादन हुआ वित्त वर्ष 2024-25 में देश में

प्याज निर्यात में हस्तक्षेप से खरीदार देशों ने खोजे दूसरे विकल्प : प्याज निर्यात में बार-बार सरकारी हस्तक्षेप होता रहा। पहले 19 अगस्त 2023 को प्याज निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाया गया। फिर 800 डालर प्रति टन न्यूनतम निर्यात मूल्य कर दिया गया और उसके बाद पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया। इससे खरीदार देशों का भरोसा खत्म हो गया और उन्होंने अन्य विकल्प खोज लिया, जबकि पाकिस्तान में घरेलू दाम बढ़ने के बाद भी निर्यात पर प्रतिबंध नहीं लगाया। भारत ने जब पिछले वर्ष अप्रैल में प्रतिबंध हटाया है तब तक खरीदार देशों ने दूसरे देशों से समझौते कर लिए। दो वर्ष पहले तक देश के घरेलू बाजारों में प्याज की कमी थी। ऐसे में दाम आसमान छू रहा था। तब किसानों ने प्याज का रकबा बढ़ा दिया, लेकिन उत्पादन बढ़ा तो सरकार ने निर्यात पर रोक लगा दी। जिससे विदेशी में दूसरे देशों ने जगह बना ली।

भारत से प्याज का सबसे बड़ा आयातक देश बांग्लादेश

2024-25 में 307 लाख टन प्याज का उत्पादन हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 64.88 लाख टन ज्यादा है। 2023-24 में भारत ने 25.25 लाख टन प्याज का निर्यात किया था, जो प्रतिबंध लगने के बाद पिछले वर्ष घटकर 17 लाख टन पर आ गया। भारत से प्याज का सबसे बड़ा आयातक बांग्लादेश है, जो कुल निर्यात का 20 प्रतिशत तक आयात करता है। पिछले वर्ष भारत से प्याज नहीं मिलने के कारण उसने अपना घरेलू उत्पादन बढ़ा लिया है। इस वर्ष अभी बांग्लादेश की सीमा नहीं खुली है। कारोबारी इंतजार में हैं, क्योंकि वहां सड़क द्वारा आपूर्ति कर दी जाती है, जिससे लागत ज्यादा नहीं आती है।

प्रतिकिलो प्याज उत्पादन की लागत 12 से 14 रुपये पड़ती है। अभी किसानों को लागत भी नहीं मिल रही है। जाहिर है, किसानों का मोहभंग होगा तो प्याज का रकबा घटेगा। किसानों का उत्साह बढ़ाने के लिए सरकार को निर्यात बंद नहीं करना चाहिए। अभी वैश्विक प्याज बाजार में भारत की उपस्थिति कम हो गई है। ऐसे में भारत को नया बाजार तलाशना चाहिए। **-विकास कुमार सिंह**, उपाध्यक्ष, हार्टिकल्चर प्रोड्यूस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन

सरकार को तय करना होगा कि वह प्याज जैसी फसल के लिए सिर्फ घरेलू जरूरतों को ही देखती रहेगी या वैश्विक कृषि रणनीति के अनुरूप चलना चाहेगी। वर्तमान संकट को स्पष्ट और स्थायी नीति के माध्यम से ही दूर किया जा सकता है। अगर सरकार किसानों को वैश्विक बाजार से जोड़ना चाहती है तो निर्यात की स्पष्ट रणनीति बनानी होगी। **-ज्ञानेश मिश्र**, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल

सब्सिडियरी इकाइयों में अपने निवेश का मौद्रीकरण करें बैंक

नई दिल्ली, प्रेट्र: वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) से कहा है कि वे परिचालन बढ़ाने के बाद सब्सिडियरी कंपनियों में अपने निवेश के मौद्रीकरण के लिए उन्हें एक्सचेंज में सूचीबद्ध करने पर विचार करें। इससे उन्हें अपने निवेश पर अच्छा प्रतिफल मिल सकेगा। सूत्रों ने कहा कि आइपीओ या विनिवेश के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में लगभग 15 सब्सिडियरी कंपनियां या संयुक्त उद्यम तैयार हैं।

सूत्रों ने कहा कि जहां भी आवश्यक हो बैंकों को अपनी सब्सिडियरी कंपनियों या संयुक्त उद्यम के परिचालन को बढ़ाने के लिए निवेश करना चाहिए और सही समय पर इस निवेश का मूल्य निकालने का प्रयास करना चाहिए। सूत्रों ने कहा कि मौद्रीकरण से पहले बैंकों को कामकाज के संचालन, पेशेवर निर्णय की प्रक्रिया में सुधार करना चाहिए। इससे उनकी सब्सिडियरी कंपनियों की परिचालन दक्षता में सुधार होगा। उदाहरण के लिए, देश का सबसे बड़ा ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) भविष्य में परिचालन बढ़ाने के बाद एसबीआइ जनरल इंश्योरेंस और एसबीआइ पेमेंट सर्विसेज को सूचीबद्ध करने पर विचार कर सकता है। 24 फरवरी, 2009 को गठित एसबीआइ जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने मार्च, 2025 को समाप्त वित्त में 509 करोड़ रुपये का लाभ कमाया है।

वित्त मंत्रालय ने दिए निर्देश, आइपीओ के जरिये सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की लगभग 15 कंपनियां या संयुक्त उद्यम तैयार

केनरा बैंक ने शुरू की प्रक्रिया

केनरा बैंक ने संपत्ति प्रबंधन संयुक्त उद्यम केनरा रोबेको एएमसी की लिस्टिंग की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। इसके अलावा, यह अपने जीवन बीमा संयुक्त उद्यम केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी को सूचीबद्ध करने की भी योजना बना रहा है। केनरा बैंक ने अपने जीवन बीमा उद्यम केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में 14.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया को पहले ही मंजूरी दे दी है।

राष्ट्रीय फलक

टोरेंट फार्मा 19,500 करोड़ रुपये में जेबी केमिकल्स का करेगी अधिग्रहण

नई दिल्ली, प्रेट्र : टोरेंट फार्मास्युटिकल्स ने रविवार को 19,500 करोड़ रुपये में जेबी केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स में बहुलांश हिस्सेदारी के अधिग्रहण करने का एलान किया है। इस तरह टोरेंट फार्मा भारत की दूसरी सबसे मूल्यवान फार्मा कंपनी बन जाएगी। टोरेंट के प्रमोटर्स ताऊ इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड (वैश्विक निवेश फर्म की एक इकाई) से लगभग 11,917 करोड़ रुपये में 46.39 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। यह जेबी केमिकल्स के कुछ कर्मचारियों से 1,600 रुपये प्रति शेयर (कुल 719 करोड़ रुपये) के समान अधिग्रहण मूल्य पर अतिरिक्त 2.80 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी।

इसके बाद, यह लिस्टिंग मानदंडों के अनुसार, 1,639.18 रुपये प्रति शेयर (कुल 6,842.8 करोड़ रुपये) की कीमत पर खुले बाजार से 26 प्रतिशत खरीदने के लिए एक खुला प्रस्ताव लाएगी। ओपन आफर की कीमत बीएसई पर जेबी केमिकल्स के लिए शुक्रवार के बंद भाव 1,799.35 रुपये प्रति शेयर से कम है। यह फार्मा क्षेत्र में अब तक का दूसरा सबसे बड़ा सौदा होगा। इससे पहले सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज ने 2015 में रैनबैक्सी लैबोरेटीज का अधिग्रहण किया था। अधिग्रहण शर्तों के आधार जेबी फार्मा के 100 शेयर रखने वाले शेयरधारकों को टोरेंट के 51 शेयर मिलेंगे। रणनीतिक रूप से, यह सौदा टोरेंट को क्रानिक सेगमेंट में जेबी फार्मा के अग्रणी ब्रांडों तक पहुंच प्रदान करता है। जेबी फार्मा के सीईओ निखिल चोपड़ा ने कहा कि कंपनी ने पिछले पांच वर्षों में एक मजबूत आधार तैयार किया है और विश्वास व्यक्ति किया है कि टोरेंट में शामिल होने से बाजारों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच बढ़ाने के नए अवसर खुलेंगे। पिछले पांच वर्षों में, जेबी फार्मा भारत की सबसे तेजी से बढ़ती दवा कंपनियों में से एक के रूप में उभरी है, जिसका श्रेय केकेआर के रणनीतिक मार्गदर्शन, हमारे स्वतंत्र निदेशकों के नेतृत्व और प्रबंधन टीम द्वारा केंद्रित रणनीतिक और निष्पादन उत्कृष्टता को जाता है।

- इस अधिग्रहण के बाद टोरेंट फार्मा भारत की दूसरी सबसे मूल्यवान फार्मा कंपनी बन जाएगी
- यह फार्मा क्षेत्र का दूसरे बड़ा सौदा, इससे पहले सन फार्मा ने रैनबैक्सी का किया था अधिग्रहण

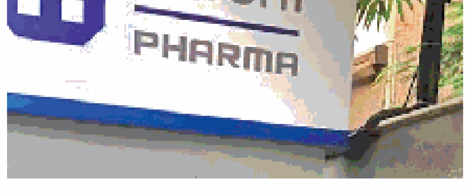

फाइल

2,800 करोड़ की ठगी में राजस्थान की जेल से रायपुर लाए गए तीन आरोपित

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर: ओला-उबर की तर्ज पर 'बाइक बोट स्कीम' चलाकर देशभर में 2,800 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना ग्रेटर नोएडा के चीता गांव निवासी संजय भाटी व उसके दो साथियों मेरठ निवासी करणपाल सिंह व बुलंदशहर निवासी राजेश भारद्वाज को छत्तीसगढ़ की रायपुर जेल भेजा गया है। आरोपितों को पुलिस राजस्थान की भरतपुर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लायी थी।

आरोपितों ने मेसर्स गर्वित इनोवेटिव प्रमोटर्स लिमिटेड नामक कंपनी के जरिये 2017 से 'बाइक बोट स्कीम' चलाई थी। वे लोगों को झांसा देते थे कि एक बाइक के लिए 62,100 रुपये जमा करने पर हर माह 9,765 रुपये का लाभ मिलेगा। इन्होंने यह काम प्रापर्टी कारोबार में घाटा खाने के बाद शुरू किया था। आरोपितों ने छत्तीसगढ़ के साथ उप्र, मप्र, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा समेत कई राज्यों में ठगी की है। उनके विरुद्ध 200 से अधिक मामले दर्ज हैं।

यूनियन कार्बाइड का 337 टन जहरीला कचरा नष्ट

उदय प्रताप सिंह ● नईदुनिया

इंदौर : पीथमपुर में भोपाल गैस त्रासदी के 337 टन कचरे को नष्ट करने की प्रक्रिया रविवार देर रात तक पूरी की गई। जबलपुर हाई कोर्ट ने 70 दिन का समय कचरा नष्ट करने के लिए दिया था, लेकिन 55 दिन में कचरे को नष्ट करने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई। भोपाल से यूनियन कार्बाइड (यूका) के कचरे के साथ लाई गई वहां की मिट्टी और पैकिंग मटेरियल का 21 टन कचरा तीन जुलाई तक भस्मक संयंत्र में नष्ट किया जाएगा।

यूनियन कार्बाइड के कचरे को जलाने के दौरान उसके हानिकारक प्रभाव को कम करने के लिए उसमें चूना और सोडियम सल्फाइड भी उतनी ही मात्रा में मिलाया गया है। इस तरह 337 टन कचरे को जलाने के बाद 750 टन राख जमा हुई है। इसे एक-एक टन के एचडीपीई बैग में रखकर लीक प्रूफ स्टोरेज शेड में भस्मक संयंत्र कंपनी के परिसर में रखा जाएगा।

उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि संयंत्र परिसर में जमीन से 1.5 मीटर ऊंचाई पर कचरे को सुरक्षित रखने के लिए लैंडफिल तैयार किया जाना है। हालांकि अभी वर्षा के कारण ज्यादा निर्माण संभव नहीं है। ऐसे में 19 नवंबर तक लैंडफिल तैयार होगा। इसके बाद उसमें राख को रखने की प्रक्रिया शुरू होगी। इस तरह दिसंबर तक यूका कचरे को जलाने के बाद बची राख को लैंडफिल में दबाया जाएगा।

- 70 दिन में नष्ट करने का था कोर्ट का निर्देश, 55 दिन में आपरेशन पूरा
- मिट्टी और पैकिंग बैग मटेरियल का 21 टन अवशेष नष्ट होना बाकी

इसी संयंत्र में जलाया गया कचरा। फाइल फोटो

28 फरवरी से 12 मार्च : तीन अलग-अलग मात्रा पर 30 टन कचरा नष्ट किया

5 मई : 307 टन कचरा नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू हुई। 270 किलो कचरा प्रतिघंटे की दर से संयंत्र में डाला गया

29 जून शाम 4 बजे: 2.4 टन कचरे की आखिरी खेप डालने का कार्य शुरू हुआ।

29 जून रात 1.30 बजे: आखिरी 270 किलो का कचरा डाला गया।

30 जून सुबह 4 बजे: 337 टन कचरा नष्ट। मिट्टी व अन्य पैकिंग मटेरियल को भस्मक संयंत्र में डालना शुरू किया गया।

भोपाल गैस त्रासदी का 337 टन कचरा नष्ट करने की प्रक्रिया रविवार देर रात पूर्ण कर ली गई। भोपाल में जहां कचरा रखा था, वहां की मिट्टी भी संयंत्र में नष्ट करने के लिए लाई गई है। इसके अलावा लाए गए कचरे के पैकिंग मटेरियल को नष्ट करने की प्रक्रिया तीन जुलाई तक पूरी की जाएगी।
– श्रीनिवास द्विवेदी, क्षेत्रीय अधिकारी, मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

प्रापर्टी ब्रोकर की ससुराल से सोनम का लैपटाप व जेवर बरामद

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर

राजा हत्याकांड

ट्रांसपोर्टर राजा रघुवंशी हत्याकांड में शिलांग की एसआइटी को रविवार को सोनम के जेवर, लैपटाप आदि की बरामदगी में कामयाबी मिली। एसआइटी ने प्रापर्टी ब्रोकर सिलोम जेम्स की रतलाम स्थित ससुराल से सोनम और राजा के गहने, लैपटाप, पेनड्राइव और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं। एसआइटी फ्लाइट से सिलोम को लेकर शनिवार को इंदौर पहुंची थी। रात में उसकी पत्नी सोनाली के सामने पुलिस ने उससे पूछताछ शुरू की तो सिलोम टूट गया। उसने स्वीकार कर लिया कि पत्नी की मदद से ही वह सारा सामान अपने ससुर के घर में छिपा रखा है।

उल्लेखनीय है कि 11 मई को शादी के बाद 20 मई को राजा पत्नी सोनम के साथ शिलांग में हनीमून पर गए थे। वहां 23 मई को राजा की हत्या कर दी गई। इस मामले में शिलांग पुलिस ने गाजीपुर से सोनम को और इंदौर से उसके प्रेमी राज कुशवाहा के अलावा सुपारी किलर विक्की उर्फ विशाल, आनंद और आकाश को गिरफ्तार किया था। हत्या के बाद सोनम इंदौर लौट आई थी। वह यहां एक फ्लैट में रुकी। जांच में यह बात सामने आने के बाद पुलिस ने प्रापर्टी ब्रोकर सिलोम जेम्स, बिल्डर लोकेंद्र तोमर और चौकीदार बलबीर अहिरवार को गिरफ्तार किया था। इनकी निशानदेही पर ही हत्या की नीयत से खरीदी गई अवैध पिस्तौल भी बरामद की गई थी। पुलिस को लैपटाप, जेवर आदि की तलाश थी, जिसे सोनम ने फ्लैट में ही छोड़ दिया था। सिलोम की ससुराल में करीब आधा घंटे की छानबीन के बाद पुलिस ने सारा सामान बरामद कर लिया। पुलिस ने पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई है।

- पत्नी के सामने हुई पूछताछ तो टूट गया सिलोम जेम्स

जासूसी के आरोपित विशाल यादव का पैतृक गांव में सामाजिक बहिष्कार

जागरण संवाददाता, रेवाड़ी

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी के आरोपित नौसेना के क्लर्क विशाल यादव का रविवार को उसके पैतृक गांव पुंसिका की पंचायत ने सामाजिक बहिष्कार कर दिया गया। गांव में अब उससे कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह का रिश्ता नहीं रखेगा। यह निर्णय पंचायत में सर्वसम्मति से लिया गया। हालांकि, पंचायत में कहा गया कि उसके परिवार का बहिष्कार नहीं होगा। अगर कोर्ट का निर्णय उसके हक में आता है तो पंचायत के इस निर्णय को बदला जा सकेगा। पंचायत में ग्रामीण बोले कि उनका गांव सैनिक बाहुल है। विशाल की देशविरोधी हरकतों ने गांव का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम कर दिया है।

विशाल की गिरफ्तारी से उसके पैतृक गांव पुंसिका के ग्रामीणों में रोष था। पंचायत की अध्यक्षता सरपंच सत्यपाल यादव ने की। उन्होंने बताया कि उनके गांव में हर चौथे घर से एक युवा सेना में है। ऐसे देशभक्त गांव के युवकों का विशाल की हरकत से अपमान हुआ है। विशाल से गांव का कोई भी व्यक्ति संबंध नहीं रखेगा। उन्होंने बताया कि गांव के 470 में से यादव समाज के 420 परिवार हैं। वर्तमान में 60 से अधिक युवा सेना में तैनात है और इतने ही सेवानिवृत हैं।

बता दें कि गांव पुंसिका के रहने वाले विशाल यादव को राजस्थान की सीआइडी ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी को सेना से संबंधित गोपनीय जानकारी देने के आरोप में 16 जून को मानेसर से हिरासत में लिया था। उसकी वाट्सएप चैट और रुपये के लेनदेन से जांच एजेंसी का शक पुख्ता हो गया था। उसके बाद आरोपित विशाल को गिरफ्तार कर लिया गया था।

- गांव पुंसिका की पंचायत में सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय
- कोर्ट का निर्णय आरोपित के हक में आने पर बदलेगा फैसला

गांव पुंसिका में आयोजित पंचायत में उपस्थित ग्रामीण। सौ. ग्रामीण

स्वच्छ शहर इंदौर में अब हर घर का होगा डिजिटल पता

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर

देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर अब डिजिटल शहर होगा। शहर में हर घर का डिजिटल पता होगा। हर घर के बाहर क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। इसे स्कैन करते बिजली, पानी, संपत्ति कर का बिल जमा करने जैसी सुविधाएं भी गृहवासियों को मिलेंगी। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने रविवार को वार्ड 82 से डिजिटल पता पायलट योजना का शुभारंभ किया। शुरुआत साहित्यकार सदाशिव कौतुक के घर के बाहर क्यूआर कोड प्लेट लगाकर की गई। उन्होंने दावा कि भारत सरकार के डिजि पिन प्लेटफार्म से जुड़ने वाला पहला शहर बनने का गौरव इंदौर को प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट के तहत हर घर के बाहर डिजिटल प्लेट लगाया जाएगा। इसमें जीपीएस आधारित यूनिक डिजिटल पता, स्वच्छता रेटिंग, नागरिक सेवाओं से संबंधित जानकारी एवं क्यूआर कोड शामिल होगा। क्यूआर कोड को स्कैन करते डिजिटल पेज खुलेगा। गृहवासियों को विभिन्न प्रकार के कर व बिल जमा करने की सुविधाओं के साथ किसी भी प्रकार की शिकायत प्रशासन तक पहुंचाने का भी यह प्लेटफार्म होगा। किसी तरह के प्रमाण पत्र की जरूरत हो तो मांग की जा सकेगी। इस प्लेटफार्म पर नगर निगम से जुड़ी 20 से ज्यादा सेवाएं उपलब्ध होंगी। किसी मेहमान को घर का रास्ता बताना हो तो क्यूआर कोड उन्हें भेजा जा सकता है। इस क्यूआर कोड की मदद से एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड या पुलिस जैसी सेवाएं सीधे और सही जगह पर पहुंचने में मदद मिलेगी। इसमें भवन स्वामी की जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। आने वाले समय में दूसरे वार्डों में भी इसे शुरू किया जाएगा।

- हर घर के बाहर लगेगा क्यूआर कोड, इसे स्कैन कर जमा कर सकेंगे बिजली, पानी, संपत्ति कर

****

रूस का यूक्रेन पर सबसे बड़ा हवाई हमला, एफ-16 को मार गिराया

यूक्रेन पर 477 ड्रोन व 60 मिसाइलों से हमला बोला, पश्चिमी यूक्रेन सहित कई क्षेत्रों को बनाया निशाना

कीव, एपी : रूस ने यूक्रेन के खिलाफ शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात अपना सबसे बड़ा हवाई हमला बोला। इस दौरान उसने यूक्रेन के एफ-16 विमान को मार गिराया। हमले में पायलट भी मारा गया। यूक्रेनी वायु सेना के अनुसार, रूस ने यूक्रेन पर 477 ड्रोन और 60 मिसाइलों से हमला बोला। सेना का दावा है कि इनमें से 249 को मार गिराया गया और 226 को इलेक्ट्रानिक रूप से जाम कर दिया गया। यह ताजा हमले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की शुक्रवार की टिप्पणी के बाद हुए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि मास्को इस्तांबुल में सीधे शांति वार्ता के नए दौर के लिए तैयार है।

यूक्रेन की वायु सेना के संचार प्रमुख यूरी इहनात ने बताया कि हमले के दौरान पश्चिमी यूक्रेन सहित कई क्षेत्रों को निशाना बनाया गया। हमले अग्रिम पंक्ति से काफी दूर किए गए थे। वायु सेना ने कहा कि पोलैंड और सहयोगी देशों ने पोलिश हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विमानों को भेजा।

गवर्नर ओलेक्सांद्र प्रोकुडिन ने कहा कि खेरसान क्षेत्र में ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि खार्कीव में एक ड्रोन द्वारा कार को निशाना बनाया गया। इसमें एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। चर्कासी में एक बच्चे सहित छह लोग घायल हो गए।

सुदूर पश्चिमी लविव क्षेत्र में ड्रोन हमले के बाद ड्रोहोबिच शहर में एक औद्योगिक सुविधा में आग लग गई, जिससे शहर के कुछ हिस्सों की बिजली चली गई।

यूक्रेन के ओडेसा में रूसी ड्रोन हमले के बाद क्षतिग्रस्त इमारत में लगी आग। रायटर

हमले को नाकाम करते समय यूक्रेनी पायलट की हुई मौत

यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस के एक हमले को विफल करते समय एक यूक्रेनी एफ-16 लड़ाकू पायलट की मौत हो गई। पायलट ने दुर्घटना से पहले सात लक्ष्यों को मार गिराया था। यह युद्ध शुरू होने के बाद से तीसरा एफ-16 लड़ाकू विमान नष्ट हुआ है।

नोवोक्रेंका गांव पर नियंत्रण करने का दावा

रूस ने रविवार को दावा किया कि उसने आंशिक रूप से रूसी कब्जे वाले डोनेट्स्क क्षेत्र में एक और गांव नोवोक्रेंका पर नियंत्रण कर लिया है। रूसी सेना 1,000 किलोमीटर की अग्रिम पंक्ति में कुछ बिंदुओं पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने रात भर में तीन यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया। क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज ने रविवार सुबह कहा कि पश्चिमी रूस के ब्रायंस्क शहर पर यूक्रेनी ड्रोन हमले में दो लोग घायल हो गए। क्षेत्र में सात यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया गया।

ओटावा कन्वेंशन से हटने की राह पर यूक्रेन

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ओटावा कन्वेंशन से देश के हटने के आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जो एंटी-पर्सनल माइंस के उत्पादन और उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है। एक वरिष्ठ यूक्रेनी सांसद ने रविवार को यह जानकारी दी है। यूक्रेन ने 2005 में कन्वेंशन की पुष्टि की थी और संधि से हटने के लिए संसदीय निर्णय की आवश्यकता है। दस्तावेज अभी तक राष्ट्रपति कार्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है।

नेतन्याहू के खिलाफ मामलों की सुनवाई अदालत ने रोकी

बेंजामिन नेतन्याहू।

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

- इजरायली पीएम के समर्थन में ट्रंप लगातार दे रहे थे बयान
- कहा, अमेरिका ऐसे मामलों के लिए नहीं देता अरबों डालर

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ न्यायालय में भ्रष्टाचार के मामलों की पैरवी कर रहे सरकारी अधिवक्ताओं की निंदा की है। ट्रंप ने कहा है कि इजरायल के कल्याण के लिए अमेरिका उसे अरबों डालर की मदद देता है, वह मदद ऐसे आधारहीन कार्यों के लिए नहीं होती है। इस बीच रविवार को न्यायालय ने नेतन्याहू के मामलों की सुनवाई को हफ्ते भर के लिए टाल दिया है। नेतन्याहू पर 2019 से रिश्वत लेने, धोखाधड़ी करने और विश्वासघात करने के मामले चल रहे हैं। सरकारी एजेंसियों की जांच के बाद 2020 से इन मामलों पर अब न्यायालय में सुनवाई हो रही है।

गाजा में सैन्य कार्रवाई और ईरान से हाल ही खत्म हुए 12 दिनों के युद्ध के कारण बनी स्थितियों में नेतन्याहू के वकीलों ने शुक्रवार को न्यायालय से प्रधानमंत्री की पेशी को दो हफ्तों के लिए टालने की अपील की थी। पहले न्यायालय ने उनकी अपील खारिज कर दी थी लेकिन रविवार को न्यायालय ने सुनवाई को हफ्ते भर के लिए स्थगित कर दिया।

नेतन्याहू को सोमवार को न्यायालय में पेश होकर अभियोजकों के सवालों के जवाब देने थे। जिला न्यायालय ने नेतन्याहू, खुफिया संगठन मोसाद के प्रमुख और सैन्य खुफिया एजेंसी के प्रमुख द्वारा बताए गए कारणों को ध्यान में रखकर सुनवाई को रोका है। इससे पहले इंटरनेट मीडिया पर ट्रंप ने कहा था कि इस तरह की सुनवाई नेतन्याहू की हमास और ईरान पर कार्रवाई की गुणवत्ता को प्रभावित करेगी। नेतन्याहू ने ट्रंप को इस तरह से समर्थन के लिए आभार जताया है।

बांग्लादेश के इतिहास में 'सबसे विश्वसनीय' होगा अगला आम चुनाव

- यूनुस के प्रेस सचिव ने कहा, बांग्लादेश के इतिहास में अगला आम चुनाव 'सबसे विश्वसनीय व शांतिपूर्ण' होगा।

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के सहयोगी ने कहा है कि बांग्लादेश के इतिहास में अगला आम चुनाव 'सबसे विश्वसनीय और शांतिपूर्ण' होगा। उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हैं।

सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संबाद संस्था (बीएसएस) के अनुसार, यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने शनिवार को खुलना शहर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। मुख्य सलाहकार ने पिछले महीने घोषणा की थी कि बांग्लादेश में आम चुनाव अगले साल अप्रैल के पहले पखवाड़े में होने हैं।

शफीकुल आलम ने इस बात पर जोर दिया कि चुनाव उत्सवपूर्ण और शांतिपूर्ण माहौल में होंगे। "आगामी राष्ट्रीय चुनाव देश के इतिहास में सबसे विश्वसनीय और शांतिपूर्ण चुनाव होंगे।" उन्होंने कहा कि जुलाई, 2024 में बड़े पैमाने पर हुए विद्रोह का प्राथमिक लक्ष्य बांग्लादेश में लोकतंत्र को बहाल करना था। अंतरिम सरकार ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए हैं।

कुछ महीनों में यूरेनियम शोधन फिर शुरू कर सकता है ईरान

- आइएईए के प्रमुख ने ईरानी परमाणु कार्यक्रम नष्ट होने के दावे को किया खारिज
- ट्रंप ने कहा, ईरान खतरनाक स्तर तक यूरेनियम शोधन नहीं करता तो परेशानी नहीं

न्यूयार्क, रायटर : अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आइएईए) के प्रमुख रफाएल ग्रोसी ने कहा है कि ईरान कुछ ही महीनों में फिर से यूरेनियम का शोधन शुरू कर सकता है। अमेरिका और इजरायल के हमलों से ईरान के परमाणु संयंत्रों को भारी नुकसान हुआ है लेकिन यह ऐसा नहीं है कि ईरानी कार्यक्रम पूरी तरह से नष्ट हो गया हो और वह भविष्य में कभी भी यूरेनियम का शोधन नहीं कर सकेगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके मंत्रियों ने 22 जून को ईरानी परमाणु संयंत्रों पर अमेरिकी हमलों को सफल करार दिया है। कहा कि वहां पर सब कुछ नष्ट हो गया है और ईरान अब अपना परमाणु कार्यक्रम नहीं चला पाएगा। लेकिन ईरान का यूरेनियम भंडार सुरक्षित होने की खबरें आने के बाद ट्रंप ने कहा, अगर तेहरान यूरेनियम का खतरनाक स्तर तक शोधन नहीं करता है तो उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अगर ईरान उस रेडलाइन को पार करके यूरेनियम को 90 प्रतिशत तक शुद्ध करने की कोशिश करता है तो उस पर दोबारा हमला हो सकता है।

रफाएल ग्रोसी। फाइल

ग्रोसी ने सीबीएस न्यूज से बातचीत में कहा कि ईरान के पास यूरेनियम शोधन की क्षमता है भले ही उसे अपने सेंट्रीफ्यूज स्थापित करने में कुछ महीनों का समय लगे। इसलिए यह कहना सही नहीं है कि हमलों में ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से नष्ट हो चुका है। ग्रोसी ने कहा, परमाणु मसले पर ईरान बहुत संवेदनशील है उसके पास यूरेनियम शोधन की तकनीक है, इसलिए उसे परमाणु कार्यक्रम से दूर नहीं रखा जा सकता है। जबकि ईरान ने कहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम जारी रहेगा लेकिन उसका उद्देश्य शांतिपूर्ण कार्यों तक सीमित रहेगा।

दशकों अमेरिका में रहने के बाद, ट्रंप के निर्वासन अभियान में पकड़े गए ईरानी

न्यूयार्क, एपी : अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के बाद से यहां रह रहे ईरानियों के ऊपर खतरा मंडराने लगा है। दशकों से अमेरिका में रह रहे ईरानियों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्वासन अभियान के तहत पकड़कर डिटेंशन सेंटर भेजा जा रहा है। ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों से बाद आशंका बढ़ गई है कि अभी और भी लोग गिरफ्तार होंगे।

मैंडोना डोना काशानियन सहित कई इरानी हैं, जिन्हें दशकों बाद पकड़ा गया है। होमलैंड सिक्योरिटी ने काशानियन के मामले पर तुरंत कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन ईरानियों की गिरफ्तारी की बात कही। विभाग ने अमेरिकी मिसाइल हमलों के सप्ताहांत के दौरान आव्रजन उल्लंघन के लिए 11 ईरानियों की गिरफ्तारी की घोषणा की है। वहीं, अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा ने बिना विस्तृत जानकारी दिए कहा कि उसने लास एंजिलिस क्षेत्र के एक पते से सात ईरानियों को गिरफ्तार किया है।

सरकार को अल्टीमेटम

बेलग्रेड में लाखों प्रदर्शनकारियों ने एकजुट होकर सत्तारूढ़ पापुलिस्ट सरकार को जल्दी चुनाव कराने का अल्टीमेटम दिया है। नवंबर 2024 में रेलवे स्टेशन की छत ढहने से 16 लोगों की मौत के बाद, भ्रष्टाचार के खिलाफ छात्रों के नेतृत्व में देशव्यापी हड़तालें और प्रदर्शन हो रहे हैं, जो अब पारदर्शी जांच और जल्द संसदीय चुनाव की मांग कर रहे हैं। एएफपी

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से लगने वाली गुलाम खान सीमा की बंद

पेशावर, प्रेट्र : पाकिस्तान ने सुरक्षा कारणों से अफगानिस्तान के साथ एक प्रमुख सीमा को अगले आदेश तक बंद कर दिया है। रविवार को एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के वजीरिस्तान जिले में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले व अफगानिस्तान सीमा से लगे प्रांत में झड़पों के बाद गुलाम खान सीमा को बंद कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, हमले के बाद उत्तरी वजीरिस्तान में कर्फ्यू लगा दिया गया है। आत्मघाती हमले में 13 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे और तीन अन्य घायल हो गए। अंतरिम अफगान सरकार के सीमा बलों के प्रवक्ता अबीदुल्ला फारूकी ने रविवार को सीमा बंद होने की पुष्टि करते हुए कहा, पाकिस्तान ने इस कदम के लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। अधिकारियों ने क्रासिंग पर वाहनों को वैकल्पिक मार्गों के उपयोग का निर्देश दिया है। सीमा फिर से खोलने की विशिष्ट समय-सीमा नहीं बताई गई है, और अगली सूचना तक यह प्रभावी रहेगी।

राष्ट्रीय फलक

खराब इंजीनियरिंग का एक और नमूना है मध्य प्रदेश का एमपी नगर मेट्रो स्टेशन

- स्टेशन बनने के बाद ऊंचाई निर्धारित करने के लिए चौथी बार खोदी सड़क
- विशेषज्ञ बोले- कार्यालय में बैठकर डिजाइन पास करने का यह नतीजा
- अब सड़क बन जाएगी तालाब, हर साल वर्षा में आएगी समस्या

एमपी नगर मेट्रो स्टेशन के नीचे हो रही सड़क खोदाई। नईदुनिया

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के 90 डिग्री ऐशबाग आरओबी की चर्चा अभी खत्म भी नहीं हुई थी कि खराब इंजीनियरिंग का एक और नमूना सामने आया है। यह मेट्रो का एमपी नगर स्टेशन है, जो इस तरह से बनाया गया है कि सड़क की सतह से मेट्रो स्टेशन के बीच की ऊंचाई इतनी कम हो गई कि यहां से अधिक ऊंचाई वाले भारी वाहनों का निकलना मुश्किल हो गया है। यही कारण है कि दोनों के बीच की ऊंचाई को निर्धारित करने के लिए अब चौथी बार सड़क की खोदाई की जा रही है। खोदाई करने से यहां सड़क खाईनुमा हो जाएगी और वर्षा के दौरान जलभराव भी होगा।

शहर के सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक मेट्रो रेल लाइन का काम लगभग अंतिम चरण में है। खराब इंजीनियरिंग की वजह से मेट्रो स्टेशन और सड़क सतह के बीच की ऊंचाई 5.5 मीटर भी नहीं है। जब इसके बारे में मेट्रो के अधिकारियों को पता चला तो उन्होंने संज्ञान लिया और पिछले एक साल से गलती सुधारने में जुटे हुए हैं। सबसे पहले यहां खोदाई कर सड़क की सतह को नीचा किया गया, जिससे भारी और अधिक ऊंचाई वाले वाहन आसानी से निकल सकें। इसके बाद भी यह संभव नहीं हो सका तो रविवार को चौथी बार फिर से सड़क की खोदाई शुरू की गई।

इंजीनियरों की बड़ी लापरवाही

टाउन प्लानिंग और स्ट्रक्चर डिजाइनर सुयश कुलश्रेष्ठ का कहना है कि जब से एमपी नगर मेट्रो स्टेशन बनकर तैयार हुआ है, तब से यह समस्या बनी हुई है। सड़क की सतह और मेट्रो स्टेशन के बीच की ऊंचाई करीब छह मीटर होनी चाहिए। यह इंजीनियरों की लापरवाही का एक बड़ा नमूना है। अब सुरक्षा और सुधार के अलावा कुछ नहीं हो सकता है।

मेट्रो रेल लाइन बिछाने और स्टेशनों के निर्माण में कोई गड़बड़ी नहीं है। सभी जगह भारतीय सड़क कांग्रेस द्वारा निर्धारित नियमों का पालन किया गया है। एमपी नगर मेट्रो स्टेशन और सड़क सतह की बीच में नियमानुसार 5.5 मीटर ऊंचाई है, जिससे भारी वाहन आवागमन कर सकेंगे। जमीनी स्तर के विकास कार्यों को तेजी से पूरा कराया जा रहा है।

-एस. कृष्ण चैतन्य, प्रबंध संचालक, मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन

डीएसपी के शार्ट वीडियो ने मानसिक अस्वस्थ युवक को स्वजन से मिलाया

नईदुनिया प्रतिनिधि, ग्वालियर : बालाघाट में पदस्थ डीएसपी संतोष पटेल के शार्ट वीडियो ने मानसिक अस्वस्थ युवक को उसके स्वजन से मिला दिया। दरअसल डीएसपी ग्वालियर के स्वर्ग सदन आश्रम पत्नी व बच्चे के साथ आए थे। यहां उन्होंने मानसिक अस्वस्थ युवक से बातचीत की। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम व फेसबुक पर अपलोड कर दिया। वीडियो उसके भाई ने देखा और डीएसपी से संपर्क किया।

बता दें, चित्रकूट के सपहा गांव के युवक को उसके स्वजन इलाज के लिए ग्वालियर लेकर आए थे। वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है। इसी दौरान वह अपने माता-पिता से बिछड़ गया। वह लावारिस हाल में दिसंबर 2024 में मिला था। फरवरी 2025 में उसे स्वर्ग सदन आश्रम भेज दिया गया था, तभी से वह यहां रह रहा था।

बिहार के जहानाबाद में सड़क के बीचों-बीच पेड़ों की शृंखला

जागरण संवाददाता, जहानाबाद

- व्यवस्था ने प्राणवायु देने वाले पेड़ों को जानलेवा बना डाला
- रात में रोशनी की व्यवस्था नहीं होने के कारण कई लोग चोटिल हो चुके

बिहार में जहानाबाद से गयाजी जाने वाली सड़क पर एरकी ग्रिड के समीप व्यवस्था ने प्राणवायु देने वाले पेड़ों को जानलेवा बना डाला है। पहले पेड़ों की शृंखला सड़क के किनारे थी, चौड़ीकरण के बाद ये पेड़ सड़क के बीचों-बीच आ गए हैं। इस कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। रात में रोशनी की व्यवस्था नहीं होने के कारण कई लोग चोटिल हो चुके हैं।

पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता धनंजय कुमार बताते हैं कि कनौदी रिलायंस पेट्रोल पंप से मई गुमटी तक 7.2 किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण किया जाना है। इस पर 98 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मार्ग में जहां-जहां भी पेड़ हैं, उसकी कटाई के लिए वन विभाग को पहले ही आवेदन दिया जा चुका है, लेकिन अब तक एनओसी नहीं मिल सका। इस कारण लोगों के आवागमन की सुविधा को देखते हुए चौड़ीकरण का कार्य बिना पेड़ को काटे ही कर दिया गया है। यह कार्य 2022 के अप्रैल माह में शुरू हुआ था, जिसे पूरा करने की समय सीमा अप्रैल 2025 में समाप्त हो चुकी है। पेड़ व अतिक्रमण की बाधाओं के कारण अभी तक मात्र 30 प्रतिशत ही काम हो पाया है।

सड़क के बीचों बीच खड़े पेड़। जागरण

इस रास्ते से गुजरने वाले लोग इस स्थिति को देखकर यही सोचते हैं कि आखिर इन पेड़ों की कटाई सड़क के चौड़ीकरण की प्रक्रिया से पहले क्यों नहीं हुई। राज्य पथ निर्माण निगम व वन विभाग के बीच पेड़ों की कटाई को लेकर समन्वय स्थापित नहीं हो सका। पथ निर्माण विभाग को समय सीमा की चिंता थी तो सड़क का चौड़ीकरण कराते चले गए। इस संबंध में जिला वन क्षेत्र अधिकारी रितुपर्णा ने बताया कि जिला स्तर पर हम लोगों को सिर्फ जांच करने का ही अधिकार है। एनओसी की प्रक्रिया गयाजी से संचालित होती है। अभी तक हमारे पास कोई आदेश नहीं आया है।

दिन में तो आने-जाने वाले गाड़ियों को दूर से पेड़ नजर आ जाते हैं। रात के अंधेरे में यह और खतरनाक हो जाते हैं। हल्की सी चूक हुई कि गाड़ियां सीधे पेड़ से टकरा सकती हैं। हालांकि राहत देने वाली बात यह है कि बाईपास से आवागमन शुरू होने के बाद इस रास्ते से बड़ी गाड़ियों का परिचालन कम होता है। इस कारण गंभीर दुर्घटनाएं टल रही हैं।

हैदराबाद का तस्कर झारखंड की कफ सिरप बांग्लादेश में खपा रहा

राजीव कुमार • जागरण

- पूर्णिया पुलिस ने आठ दिनों में 80 हजार एवं एक महीने में 1.20 लाख बोतल कफ सिरप जब्त की

पूर्णिया : हैदराबाद का तस्कर बंगाल नंबर के ट्रक एवं महाराष्ट्र के ट्रक चालक के सहयोग से कफ सीरप की तस्करी कर रहा है। तस्करी झारखंड से बांग्लादेश के लिए की जा रही है। वहां नशे के रूप में कफ सीरप की काफी मांग है और सौ रुपये की बोतल छह सौ रुपये तक में बिक रही है। इस कारण इसकी बड़े पैमाने पर इसकी तस्करी की जा रही है। पूर्णिया पुलिस ने आठ दिनों के अंदर छापेमारी कर दो ट्रकों पर लदी 80 हजार बोतल कफ सीरप जब्त की है। इसके पूर्व भी पूर्णिया पुलिस ने एक ट्रक कफ सीरप बरामद की थी।

कफ सीरप की तस्करी के मामले में पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार हैदराबाद का रहने वाला मोहम्मद रियाज तस्करी का मुख्य सरगना है। रियाज ने अपने नाम से सात ट्रक (झारखंड नंबर के) खरीद रखे हैं। इनमें से अब तक पूर्णिया पुलिस तीन ट्रकों को जब्त कर चुकी है।

कफ सीरप की तस्करी झारखंड के हजारीबाग के बघोदरा से बंगाल के बुग्गीमारा के रास्ते बांग्लादेश में की जा रही है। पुलिस जांच में यह बात भी सामने आई है कि कफ सीरप लदे जिन तीन ट्रकों को पुलिस ने अब तक जब्त किया है, उसमें तीनों ट्रकों के चालक एवं उपचालक महाराष्ट्र के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं। कफ सीरप की तस्करी की भनक किसी को नहीं लगे, इसके लिए महाराष्ट्र के ट्रक चालकों का इस्तेमाल करता है।

गिरफ्तार ट्रक चालकों ने पूछताछ में बताया कि जिस दिन कफ सीरप की खेप निकलनी होती है, उस दिन उन्हें रियाज हवाई जहाज से महाराष्ट्र से रांची के लिए बुलाता है। इसके लिए टिकट का इंतजाम उसके द्वारा ही किया जाता है। इसके बाद रांची से विशेष वाहन से उन्हें हजारीबाग पहुंचाया जाता है।

पूर्णिया की पुलिस अधीक्षक स्वीटी सहरावत ने कहा, पुलिस ने आठ दिनों में 80 हजार बोतल कफ सीरप लदे ट्रक को पकड़ा है। चालक को गिरफ्तार किया गया है। इस पूरे नेटवर्क को पुलिस खंगालेगी और इसमें शामिल तस्करों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

दंपती ने नवजात बच्ची को टोकरी में सड़क पर छोड़ा, लिखा 'सारी'

मिड डे, मुंबई

- अपनी शादी को स्वजन से छिपाने के लिए उठाया यह कदम
- पकड़े जाने के बाद अब लगा रहे बच्ची को वापस देने की गुहार

महाराष्ट्र के नवी मुंबई में दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। एक दंपती ने पनवेल में अपनी दो दिन की नवजात बच्ची को सड़क किनारे टोकरी में रखकर छोड़ दिया। इस टोकरी में बच्ची के साथ ही एक नोट भी मिला है। इसमें बच्ची के माता-पिता ने अपनी परेशानी का जिक्र करते हुए 'सारी' लिखा है।

दरअसल, मामले की जांच में सामने आया है कि एक युवक ने चुपके से अपनी प्रेमिका से शादी कर ली थी। बच्ची के जन्म लेने के बाद उसे यह भय था कि शादी की बात सभी को पता चल जाएगी। इसके चलते दंपती ने 28 जून की सुबह पनवेल के टक्का इलाके में स्वप्नालय गर्ल्स हास्टल के बाहर एक टोकरी में बच्ची को रखकर छोड़ दिया। इस मामले के सामने आने के बाद शहर में हड़कंप मच गया। यह इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने लगा।

पनवेल सिटी के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नितिन ठाकरे ने कहा कि पूछताछ के दौरान पता चला कि दोनों न केवल रिश्ते में थे, बल्कि वे एक साल से कानूनी रूप से विवाहित थे। लेकिन उन्होंने इसे अपने परिवारों से छिपाए रखा। दोनों आपस में रिश्तेदार भी हैं। गिरफ्तारी के बाद दोनों ने बताया कि जब बेटी का जन्म हुआ तो अपने स्वजन के डर के चलते उन्होंने छात्रावास के पास बच्ची को छोड़ने का कठोर कदम उठाया। अब ये दोनों अधिकारियों से अपनी बच्ची को वापस करने की गुहार लगा रहे हैं। उन्होंने पुलिस और बाल कल्याण समिति को बताया है कि वे आर्थिक या मानसिक रूप से अस्थिर नहीं हैं।

****

दूसरे टेस्ट की तैयारी के लिए जुड़े 'खास मेहमान'

कप्तान शुभमन गिल ने पंजाब के गेंदबाज हरप्रीत बरार को अभ्यास सत्र के लिए मैसेज कर बुलाया

भारतीय टीम के अभ्यास सत्र के दौरान गेंदबाजी करते पंजाब किंग्स के गेंदबाज हरप्रीत बरार। इस दौरान उन्होंने अर्शदीप सिंह से भी बात की ● बीसीसीआइ

बर्मिंघम, आइएएनएस : भारत और इंग्लैंड के बीच दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया की तैयारियों में एक दिलचस्प मोड़ तब आया जब अभ्यास सत्र में बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बरार और तेज गेंदबाज जगजीत सिंह संधू की मौजूदगी ने माहौल को 'घरेलू' बना दिया। गिल व हरप्रीत पंजाब तो जगजीत चंडीगढ़ की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं।

आइपीएल में पंजाब किंग्स की ओर से खेलने वाले हरप्रीत बरार ने खुलासा किया कि उन्हें भारतीय कप्तान शुभमन गिल के एक साधारण से मैसेज ने बर्मिंघम में टीम इंडिया के नेट सत्र का हिस्सा बना दिया। बीसीसीआइ द्वारा जारी वीडियो में हरप्रीत बरार ने कहा, शुभमन से बात हो रही थी, उन्होंने एक मैसेज भेजा, तो सोचा क्यों न बर्मिंघम जाकर अभ्यास किया जाए। यहां आकर ऐसा महसूस हुआ जैसे पूरा परिवार एक हो गया हो। हरप्रीत बरार की पत्नी स्विंडन की रहने वाली हैं और इसकी दूरी बर्मिंघम से केवल डेढ़ घंटे की है, इसलिए यह अवसर उनके लिए खास बन गया।

अभ्यास सत्र में एक और परिचित चेहरा था, चंडीगढ़ के तेज गेंदबाज जगजीत सिंह संधू, जो अपनी क्रिकेट प्रतिबद्धताओं के चलते इन दिनों बर्मिंघम में ही हैं। उन्होंने बताया, जब टीम के खिलाड़ियों से मिला तो ऐसा नहीं लगा कि बहुत समय बाद मिल रहा हूं। सभी चौंक गए। मैं चंडीगढ़ से प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलता हूं। फिर मुझे इस नेट सत्र के बारे में पता चला और मैं जुड़ गया।

जगजीत का रिश्ता टीम इंडिया के कई खिलाड़ियों से पुराना है। विशेषकर अर्शदीप सिंह के साथ उनका नाता गहरा है। जगजीत ने कहा, जब मैं अंडर-19 जोन में था, तब अर्शदीप अंडर-16 में थे। मैं उसे रनअप और स्विंग के बारे में समझाता था। आज भी वह मुझसे पूछता है कि कौन सी गेंद बेहतर है और कैसे बल्लेबाज को आउट किया जाए।

पुराने साथी को देख प्रसन्न हुए अर्शदीप : अर्शदीप ने भी पुराने साथी को देखकर खुशी जताई। अर्शदीप ने कहा कि विदेश में जब पुराने दोस्त मिलते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। जब मैं छोटा था तो जगजीत भैया को बहुत फालो करता था। आज भी वो मुझे कहते हैं कि उन्हें पुराने दिन याद आते हैं। भारतीय टीम के अभ्यास सत्र में पुराने साथियों की यह मुलाकात केवल एक संयोग नहीं बल्कि क्रिकेट के पारिवारिक पहलू को दिखाने वाली कहानी बन गई। जब एक मैसेज से दोस्त जुड़ते हैं और युवा खिलाड़ी आज भी अपने सीनियर्स से सीखते हैं, तो यही टीम भावना की असली तस्वीर बनती है। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या इन पुराने रिश्तों की गरमाहट मैदान पर टीम इंडिया के प्रदर्शन में भी झलकती है, जब वह इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में वापसी की कोशिश करेगी।

हादसे के बाद पंत का पहला प्रश्न, दोबारा खेल पाऊंगा : पारदीवाला

लंदन, प्रेट्र : भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज रिषभ पंत को दिसंबर 2022 में एक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद जब मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया तो उनका डाक्टर से पहले सवाल यही था कि क्या वह फिर से खेल पाएंगे। यह खुलासा आर्थोपेडिक सर्जन डा. दिनशा पारदीवाला ने किया, जिन्होंने इस भीषण दुर्घटना के बाद इस स्टार क्रिकेटर का इलाज किया था। पंत ने 30 दिसंबर, 2022 को दिल्ली से गृहनगर रुड़की जाते समय अपनी कार पर नियंत्रण खो दिया, जिससे कार डिवाइडर से टकरा गई और उन्हें गंभीर चोटें आईं। पारदीवाला ने डेली टेलीग्राफ से कहा कि पंत बहुत भाग्यशाली थे कि वे जीवित बच गए। वह वास्तव में बहुत भाग्यशाली थे। उन्होंने कहा कि जब उन्हें अस्पताल लाया गया तो उनका दाहिना घुटना उखड़ गया था। उनके दाहिने टखने में भी चोट थी, शरीर पर कई अन्य छोटी-मोटी चोटें थीं। उनकी त्वचा का बहुत ज्यादा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। पारदीवाला ने कहा कि फिर कार से बाहर निकलते समय टूटे हुए कांच के कारण उनकी पीठ की त्वचा का काफी हिस्सा छिल गया। इस तरह की दुर्घटना में मौत का काफी जोखिम होता है। हालांकि पंत ने हार नहीं मानी और अपना जोश और जज्बा बनाए रखा तथा 635 दिनों के बाद मैदान पर वापसी की।

रिषभ पंत ● फाइल फोटो

बुमराह पर अधिक निर्भरता, कुलदीप को खिलाएं : अजहर

हैदराबाद, प्रेट्र : भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने भारत क्रिकेट टीम के गेंदबाजी आक्रमण में अधिक अनुभव जोड़ने और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर बोझ कम करने की सलाह दी है। उन्होंने इंग्लैंड के विरुद्ध एजबेस्टन टेस्ट में भारतीय टीम में बाएं हाथ के कलाई स्पिनर कुलदीप यादव को खिलाने का समर्थन किया है। अजहरुद्दीन ने कहा कि टीम बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर है। यह सीरीज आसान नहीं है, क्योंकि आपको अधिक अनुभवी गेंदबाजों की जरूरत है, इसलिए टीम में कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए। भारतीय टीम दो जुलाई से बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में खेलेगी, जहां पिच सूखी रहने की उम्मीद है, जिससे कुलदीप को कुछ मदद मिल सकती है।

अजहरुद्दीन ने टीम संयोजन को सही रखने की बात की ताकि टीम को लीड्स की हार से बाहर निकाला जा सके। उन्होंने कहा कि हम बल्लेबाजी के विफल होने के कारण हारे, लेकिन अब चयनकर्ताओं को सही खिलाड़ियों को चुनना होगा और मैच में गेंदबाजी भी सही होनी चाहिए। वहीं, नए टेस्ट कप्तान गिल का बचाव करते हुए 62 वर्षीय अजहरुद्दीन ने कहा कि उन्हें अपनी क्षमता साबित करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। अजहरुद्दीन ने अपनी कप्तानी में भारत के लिए 47 टेस्ट में से 14 जीते थे।

विश्वकप फाइनल से पहले पूरी रात सोया नहीं : रोहित

भारत के पूर्व कप्तान रोहित ने एक साल बाद टी20 विश्व कप 2024 की जीत के भावनात्मक पलों को किया याद

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने भारत की टी20 विश्व कप 2024 में दक्षिण अफ्रीका पर जीत के पलों को याद किया है। जीत के ठीक एक साल बाद 29 जून को उन्होंने खुलासा किया कि इस फाइनल से पहले वह बहुत घबराए हुए थे और पूरी रात सो नहीं पाए थे। इस मैच का दबाव ऐसा था कि उन्हें लगा कि उनके पैर सुन्न हो गए हैं।

भारत ने इस खिताब के साथ 13 साल के सूखे को खत्म किया था। रोहित ने कहा कि 13 साल लंबा समय होता है। ज्यादातर लोगों का करियर भी 13 साल का नहीं होता। मैंने अपना पिछला विश्व कप 2007 में जीता था। विश्व कप जीतने के लिए इतना लंबा इंतजार करना मेरे लिए ऐसा था, जिससे और कुछ बड़ा नहीं हो सकता था। मैं पूरी रात सिर्फ विश्व कप के बारे में सोच रहा था। तब मैं घबराया हुआ भी था और मुझे अपने पैर महसूस नहीं हो रहे थे।

उन्होंने कहा कि मैं दबाव में था पर इसे जाहिर नहीं होने देना चाहता था। हमें सुबह साढ़े आठ या नौ बजे स्टेडियम के लिए निकलना था, पर मैं सुबह सात बजे ही जग गया था। मैं अपने रूम से मैदान को देख सकता था। उन्होंने कहा कि मैं सोच रहा था कि दो घंटे बाद मैं मैदान पर रहूंगा और लगभग चार घंटे के बाद मैच का परिणाम लगभग तय हो जायेगा।

सूर्यकुमार का कैच बना निर्णायक : रोहित ने आखिरी ओवर में सूर्यकुमार यादव द्वारा डेविड मिलर के शानदार कैच को मैच का निर्णायक क्षण करार दिया। उन्होंने बताया कि सूर्यकुमार के कैच के बाद अंपायरों ने इस पर फैसले के लिए तीसरे अंपायर की मदद मांगी, तब सभी की धड़कनें तेज हो गई थीं। रोहित ने कहा मैं उस समय लांग आफ पर सूर्यकुमार के ठीक सामने था और शुरुआत में मुझे लगा कि गेंद छह रन के लिए चली गई है।

उन्होंने कहा कि इस कैच को पकड़ना काफी मुश्किल था। इसमें बहुत मेहनत लगी। शायद हवा ने भी गेंद को थोड़ा मैदान की ओर खींच लिया। इस पर अंपायर ने सूर्यकुमार से भी पूछा तो उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्होंने कैच सही तरीके से पकड़ लिया है। मैच में विराट कोहली की 59 रन की पारी के दम पर भारतीय टीम ने सात विकेट पर 176 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था। जवाब में द. अफ्रीका टीम आठ विकेट पर 169 रन ही बना सकी थी।

रोहित शर्मा ● बीसीसीआइ

एक नजर में

टीवी अंपायर की आलोचना करने पर डैरेन पर जुर्माना

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) : वेस्टइंडीज के कोच डैरन सैमी पर बारबाडोस में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध पहले टेस्ट के दौरान टीवी अंपायर एड्रियन होल्डस्टाक की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने के कारण मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। सैमी ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद संवाददाता सम्मेलन में तीसरे अंपायर के फैसलों की आलोचना की थी। (एपी)

लैंडो नारिस ने जीता आस्ट्रियाई ग्रां प्रि

स्पीलबर्ग (आस्ट्रिया) : लैंडो नारिस ने रविवार को आस्ट्रियाई ग्रां प्रि में मैकलारेन टीम के अपने साथी आस्कर पियास्त्री को पछाड़ कर फार्मूला वन (एफवन) खिताब की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। नारिस और पियास्त्री ने शुरुआत से ही कड़ी टक्कर देखने को मिली। आस्ट्रेलिया के पियास्त्री रेस के बीच में नारिस को पछाड़ने में सफल रहे, लेकिन ब्रिटेन का ड्राइवर ने उनसे आगे निकल कर शीर्ष स्थान हासिल किया। पियास्त्री पिट स्टाप के दौरान पीछे रह गए। (एपी)

भारत ने तिमोर लेस्ते को दी करारी शिकस्त

चियांग माई (थाईलैंड) : भारतीय सीनियर महिला फुटबाल टीम ने रविवार को तिमोर लेस्ते पर 4-0 की शानदार जीत के साथ एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। विंगर मनीषा कल्याण (12वें और 80वें मिनट) ने शानदार दो गोल किए जबकि अंजू तमांग (58वें मिनट) और लिंडा कोम सेर्टो (86वें मिनट) ने एक एक गोल दागा। भारतीय महिला टीम ने मैच में शुरू से अंत तक दबदबा बनाए रखा और पहले हाफ में 1-0 की बढ़त बना ली थी। इस जीत के साथ भारत अब दो मैच में छह अंक के साथ ग्रुप बी में इराक और थाईलैंड से आगे शीर्ष पर है। इराक और थाईलैंड दिन में एक दूसरे से भिड़ेंगे। (प्रेट्र)

राकेट क्लासिक में अक्षय ने लगातार चार बर्डी लगाई

डेट्रॉयट : अक्षय भाटिया ने पीजीए टूर के राकेट क्लासिक गोल्फ के तीसरे दौर के आखिरी चार होल में लगातार चार बर्डी लगाकर दो अंडर 70 का कार्ड खेला। भारतीय मूल का यह अमेरिकी खिलाड़ी 68, 70, 70 के कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 55 वें स्थान पर है। भाटिया ने सातवें और 11वें होल में बोगी करने के बाद पिछड़ रहे थे लेकिन वह 15वें से 18वें होल तक लगातार चार बर्डी लगाकर कुछ हद तक वापसी करने में सफल रहे। (प्रेट्र)

टी-20 मुकाबले में शतक लगाना बहुत खास : मंधाना

नाटिंघम, प्रेट्र : भारत की कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि टी20 प्रारूप में शतक लगाना उनके लिए विशेष मायने रखता है क्योंकि वह नैसर्गिक तौर पर पावर हिटर नहीं हैं। मंधाना ने अपने 149वें मैच में अपना पहला टी20 शतक लगाया। मंधाना ने कहा कि मैं पावर हिटर नहीं हूं और मुझे अपनी टाइमिंग पर भरोसा रखकर शाट मारना पसंद है लेकिन मैं अपनी पावर हिटिंग पर भी काम करने की कोशिश कर रही हूं। इस सलामी बल्लेबाज ने कहा कि इस प्रारूप में शतक बनाना वास्तव में खास है।

पहले टी-20 में भारत की कप्तानी करने वाली मंधाना ने कहा कि मैंने टेस्ट क्रिकेट और एक दिवसीय क्रिकेट में भी शतक लगाए हैं, लेकिन यह दोनों प्रारूप मेरी बल्लेबाजी शैली के अधिक अनुकूल हैं। मंधाना ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं था कि वह यहां पहले मैच में शतक लगाने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा कि मैंने नहीं सोचा था कि मैं पहले मैच में ही शतक लगाने में सफल रहूंगी। मैं इससे पहले कुछ अवसरों पर यहां तक पहुंचने से चूक गई थी और मैं बहुत खुश हूं कि आज मैं इसे हासिल करने में सफल रही। पिछले 10 वर्षों में 70 और 80 रन पर आउट होना निराशाजनक था।

स्मृति मंधाना ● फाइल फोटो

पहले महिला टी20 मैच में इंग्लैंड पर लगा जुर्माना

नाटिंघम, प्रेट्र : इंग्लैंड पर भारत के विरुद्ध पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया जिसमें मेहमान टीम ने 97 रन से जीत हासिल की थी। एमिरेट्स आइसीसी अंतरराष्ट्रीय पैनल आफ मैच रैफरी की हेलेन पैक ने निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंकने के बाद इंग्लैंड पर यह जुर्माना लगाया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) ने एक बयान में कहा कि खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी कर्मियों के लिए आइसीसी आचार संहिता का अनुच्छेद 2.22 न्यूनतम ओवर गति उल्लघंन से संबंधित है। खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

गत चैंपियन अलकराज की नजरें लगातार तीसरी बार ट्राफी जीतने पर, महिलाओं में सबालेंका-गफ दावेदार

'ग्रासकोर्ट' का चैंपियन बनने की

जंग आज से

अलकराज ● रायटर

जानिक सिनर ● एपी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : लंदन के ऐतिहासिक आल इंग्लैंड क्लब पर सोमवार से दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट व वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन 2025 की शुरुआत होगी। ग्रास कोर्ट, सफेद ड्रेस कोड और गौरवशाली परंपराओं के बीच इस बार पुरुषों और महिलाओं के वर्ग में खिताबी जंग बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

पुरुष वर्ग में सभी की निगाहें स्पेन के कार्लोस अलकराज पर होंगी, जो लगातार तीसरी बार विंबलडन ट्राफी अपने नाम करने उतरेंगे। 1968 से शुरु हुए ओपन युग में सिर्फ चार खिलाड़ी ही लगातार तीन बार विंबलडन ट्राफी जीत सके हैं, जिनमें ब्योर्न बोर्ग, पीट सैम्प्रास, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविक शामिल हैं। अलकराज की शानदार फार्म और तेज मूवमेंट उन्हें इस बार भी दावेदार बनाती है, लेकिन चुनौती आसान नहीं होगी। इस बार उन्हें टक्कर देने के लिए नंबर एक रैंकिंग पर काबिज जानिक सिनर पूरी तैयारी से आए हैं। सिनर पिछले महीने फ्रेंच ओपन के फाइनल में अलकराज से मिली हार का भी हिसाब चुकता करना चाहेंगे। साथ ही नोवाक जोकोविक भी अपनी 25वीं ग्रैंडस्लैम ट्राफी की तलाश में कोर्ट पर उतरेंगे।

महिलाओं में गत चैंपियन बारबोरा क्रेजिकोवा को कोको गफ, शीर्ष वरीय सबालेंका, इगा स्वियोत व स्थानीय पसंदीदा एमा राडुकानू ने कड़ी चुनौती मिलेगी। अमेरिका की गफ हाल ही में फ्रेंच ओपन जीत चुकी हैं और आत्मविश्वास से लबरेज हैं। विंबलडन की घास पर स्वियातेक की चुनौती थोड़ी कमजोर रही है, लेकिन हालिया प्रदर्शन के आधार पर उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसके अलावा एलिना स्वितोलिना और ओंस जैब्युर जैसी खिलाड़ी भी अपसेट करने का माद्दा रखती हैं। विंबलडन 2025 न केवल खिताब की लड़ाई होगी, बल्कि टेनिस इतिहास में नए अध्याय जोड़ने का भी मंच बनेगा।

सबालेंका ● एपी

एमा राडुकानू ● रायटर

विजेताओं को मिलेंगे ₹ 35 करोड़

विंबलडन में पुरुष और महिला सिंगल्स चैंपियंस को रिकार्ड तीन मिलियन पाउंड (लगभग 34.89 करोड़ रुपये) की इनामी राशि दी जाएगी, जो चारों ग्रैंडस्लैम में सबसे अधिक है।

चारों ग्रैंडस्लैम में इनामी राशि

ग्रैंडस्लैम	राशि
आस्ट्रेलियन ओपन	17.5 करोड़ रुपये
फ्रेंच ओपन	21.5 करोड़ रुपये
विंबलडन	35 करोड़ रुपये
यूएस ओपन	25 करोड़ रुपये

इस बार जल्द शुरू होंगे फाइनल मुकाबले

इस बार पुरुष व महिला सिंगल्स का फाइनल स्थानीय समयानुसार शाम चार बजे शुरू होगा, जबकि डबल्स फाइनल स्थानीय समयानुसार दोपहर एक बजे से खेले जाएंगे। इस वर्ष फ्रेंच ओपन फाइनल 5 घंटे 29 मिनट तक चला, इसीलिए फाइनल का समय बदला गया है।

पहली बार नहीं होंगे लाइन जज

इस वर्ष टूर्नामेंट बिना लाइन जज के खेला जाएगा। उनकी जगह अब इलेक्ट्रानिक लाइन कालिंग सिस्टम का उपयोग किया जाएगा। लाइन जज अब 'मैच सहायक' की भूमिका में नजर आएंगे, जो चेयर अंपायर की अतिरिक्त मदद करेंगे। ऐसे करीब 80 सहायक पूरे टूर्नामेंट में मौजूद रहेंगे।

महाराज 200 टेस्ट विकेट लेने वाले द. अफ्रीका के पहले स्पिनर बने

बुलावायो, प्रेट्र : दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान केशव महाराज रविवार को जिंबाब्वे के खिलाफ शुरुआती मैच के दूसरे दिन 200 टेस्ट विकेट लेने वाले दक्षिण अफ्रीका के पहले स्पिनर बन गए। पैंतीस वर्षीय महाराज पिछले नौ वर्षों से टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं और धीरे-धीरे टेस्ट प्रारूप में टीम के प्रमुख स्पिनर बन गए हैं। महाराज ने यह उपलब्धि 34वें ओवर में जिंबाब्वे के क्रेग एर्विन को आउट करके हासिल की जिन्हें काइल वेरेने ने स्टंप किया। महाराज पूर्व आफ स्पिनर ह्यूग टेफील्ड के 170 विकेट के रिकार्ड को पीछे छोड़ने के बाद दक्षिण अफ्रीका के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनर हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका ने जिंबाब्वे के विरुद्ध पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन रविवार को दिन का खेल खत्म होने तक 216 रन की बढ़त हासिल कर ली है। दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका का स्कोर एक विकेट पर 49 रन था। जोरजी (22) के साथ मुल्डर (25) क्रीज पर मौजूद थे। इससे पहले जिंबाब्वे की पहली पारी 251 रन पर सिमट गई।

भारतीय युवा शटलर तन्वी और आयुष फाइनल में

यूएस ओपन में तन्वी ने सातवीं वरीय बुहरोवा को हराया, आयुष ने चीनी ताइपे के चेन को हराया

आयोवा (अमेरिका), प्रेट्र : भारतीय शटलर तन्वी शर्मा और आयुष शेट्टी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। भारत की 16 वर्षीय गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी तन्वी ने महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल में यूक्रेन की सातवीं वरीयता प्राप्त पोलिना बुहरोवा को 34 मिनट में 21-14, 21-16 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। यह उनकी यूक्रेन की खिलाड़ी के खिलाफ करियर की दूसरी जीत थी। फाइनल में तन्वी का मुकाबला अमेरिका की शीर्ष वरीयता प्राप्त बेइवेन झांग से होगा। वहीं, पुरुष सिंगल्स में भारत के चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व के छठे नंबर के चीनी ताइपे के चोऊ टिएन चेन को एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 21-23, 21-15, 21-14 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। अब आयुष का सामना कनाडा के तीसरे वरीय ब्रायन यांग से होगा। यांग ने चीनी ताइपे के लियाओ झूओ-फू को 21-10, 21-12 से हराया। क्वार्टर फाइनल में तन्वी ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली मलेशियाई खिलाड़ी करुपाथेवन लेत्शाना को 21-13, 21-16 से, जबकि आयुष ने चीनी ताइपे के जूनियर विश्व चैंपियन कुओ कुआन लिन को 22-20, 21-9 से हराया था।

तन्वी शर्मा ● बीएआइ

निकहत-अंकुशिता एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

हैदराबाद, प्रेट्र : दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने रविवार को एलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट के दूसरे दिन शानदार जीत से 51 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। निकहत ने कल्पना पर 5-0 से शानदार जीत के साथ घरेलू दर्शकों को खुश कर दिया। युवा विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो ने भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और राजस्थान की मुक्केबाज पार्थवी पर 5-0 की शानदार जीत के साथ 65 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टरफाइनल के अन्य नतीजों में प्रीति (54 किग्रा), ज्योति (51 किग्रा) और देविका घोरपड़े (51 किग्रा) ने सर्वसम्मत फैसलों से सेमीफाइनल में जगह बनाई। तमिलनाडु की वी लक्ष्या (51 किग्रा) ने लक्ष्मी देवी पर 5-0 की जीत से प्रभावित किया, जबकि तनु (54 किग्रा), शशि (65 किग्रा) और यशी शर्मा (65 किग्रा) भी मजबूत प्रदर्शन की बदौलत अगले दौर में पहुंची। अंकुशिता की 'टाप्स' साथी गीतिमोनी गोगोई 70 किग्रा में आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) के जरिए आगे बढ़ीं।

मियामी को हराकर पीएसजी अंतिम-8 में

क्लब विश्व कप

अटलांटा, रायटर : क्लब विश्वकप फुटबाल टूर्नामेंट के राउंड-16 के तीसरे मुकाबले में फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने अमेरिकी क्लब इंटर मियामी को 4-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। पीएसजी के लिए जोआओ नेवेस ने दो गोल किए। जबकि इंटर मियामी के लियोनेल मेसी अपनी पूर्व टीम के विरुद्ध पहले ही मैच में बेरंग नजर आए। अटलांटा के मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में नेवेस ने फ्री किक से मिले सटीक हेडर को गोल में बदला। वहीं 39वें मिनट में दूसरा गोल कर बढ़त को दोगुना किया। इसमें ब्रैडली बारकोला और फेबियन रुइज का योगदान रहा। इंटर मियामी के टामस अविलेस ने आन गोल किया। वहीं पीएसजी के अशरफ हाकिमी ने हाफटाइम से ठीक पहले चौथा गोल दागकर टीम की जीत की राह पक्की की। अब क्वार्टर फाइनल में पीएसजी का सामना फ्लामेंगो और बायर्न म्यूनिख के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

जोआओ नेवेस ● एएफपी

चेल्सी और पाल्मेरास भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

चार्लोट : क्रिस्टोफर एनकुंकू ने अतिरिक्त समय में रिबाउंड पर गोल किया, जिससे चेल्सी ने बेनफिका को 4-1 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबाल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। खराब मौसम और बिजली कड़कने के कारण इस मैच में व्यवधान पड़ा और इसे पूरा होने में करीब पांच घंटे लगे। चेल्सी क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को फिलाडेल्फिया में पाल्मेरास से भिड़ेगा। पाल्मेरास ने अंतिम 16 के एक अन्य मैच में बोटाफोगो को 1-0 से हराया। दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी। एनकुंकू ने 108वें मिनट में गोल करके चेल्सी को बढ़त दिलाई। इसके बाद पेड्रो नेटो और किरनान ड्यूसबरी हाल ने अतिरिक्त समय में गोल करके चेल्सी की बड़ी जीत सुनिश्चित की। इससे पहले रीस जेम्स ने 64वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके चेल्सी को 1-0 की बढ़त दिला दी। लेकिन खेल समाप्त होने में जब केवल चार मिनट का समय बचा था।

****

डर के आगे जीत है

नव धनाढ्यों के दिखावे, लोभ-लालच और पैंतरेबाजी का प्रवेश जब निजी संबंधों पर होता है, तो कैसी संवेदनापूर्ण स्थिति उत्पन्न हो जाती है, पढ़ें इस कहानी में...

कहानी

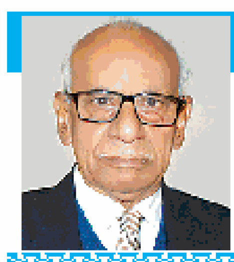

राजेन्द्र राव
कानपुर, उत्तर प्रदेश

इलस्ट्रेशनः अवधेश राजपूत

मदन बाबू आटो से उतरकर जैसे ही खड़े हुए, अंदर से एक नौकर निकलकर आया। गेट खोलकर उनके पैर छुए और सामान उठाकर बोला- 'चलिए बाबूजी, मेमसाब कब से आपका इंतजार कर रही हैं।' उन्हें बैठक में छोड़कर वह सामान अंदर ले गया। उसके जाते ही सिर पर पल्ला ओढ़े शेफाली ने आकर पैर छुए और किंचित आवेश में बोली- 'पापा, आप आटो से क्यों आए, टैक्सी कर लेते। यहां तो इसी को लेकर बातें बनेंगी।' मदन कहने को हुए कि टैक्सी वाला इत्ती-सी दूरी के छह सौ मांग रहा था। आटो तो डेढ़ सौ में ही मान गया, लेकिन कुछ सोचकर चुप लगा गए।

चाय-नाश्ता आया तो वे प्रतीक्षा करने लगे कि शायद दामाद साहब या समधी जी मिलने आएं, क्योंकि ट्रे में दो कप रखे थे। कुछ देर बाद शेफाली ने आकर कहा- 'शोभित अभी आफिस के लिए तैयार हो रहे हैं और ससुर जी पूजाघर में हैं। आप चाय पीजिए, फिर गोपाल आपको गेस्ट रूम ले जाएगा। बाद में कम निपटाकर मैं आती हूं।'

उन्होंने चाय पीकर अखबार उठाया ही था कि शोभित ने आकर कहा- 'अंकल नमस्ते!' वे दामाद को देखकर हड़बड़ाकर खड़े हो गए। वह आगे बढ़ा तो लगा कि वह शादी के 10 वर्ष बाद पहली बार उनके चरण स्पर्श करेगा, मगर उसने अखबारों के ढेर से फाइनेंशियल टाइम्स उठाकर कहा- 'मुझे अभी आफिस के लिए निकलना है, आज ही नई पोस्ट का चार्ज लेना है। आप आराम करिए, बाद में पूजा से निपटकर पापा आपसे मिलने आएंगे। वैसे भी शाम के सेलिब्रेशन में तो सब लोग साथ रहेंगे ही।' वे खड़े के खड़े रह गए। दरअसल, वे अपने अफसरनुमा दामाद से बहुत डरते थे। उन्हें लगता था कि उसकी त्योरियां हमेशा चढ़ी रहती हैं। न जाने किस बात पर भड़क जाए। सरकारी सेवा के अपने दीर्घकाल में ऐसे कई अफसरों से उनका पाला पड़ा था, जो हमेशा नाराज दिखा करते थे। यह तो बाद में पता चला कि वह उनका रक्षा कवच था। कुछ देर बाद समधी जी आए तो मदन बाबू ने बाकायदा उनके पैर छुए।

गेस्ट रूम में नहा-धोकर वे लेटने जा रहे थे कि शेफाली दबे पांव आई और बोली- 'पापा, जरा दिखाइए तो आप क्या गिफ्ट लाए हैं देने को।' उन्होंने खुशी-खुशी उठकर सूटकेस खोला और अंगूठी का खूबसूरत डिब्बा उसे पकड़ा दिया। बिटिया ने खोलकर देखा तो मुंह लटकाकर बोली- 'पापा, यह बहुत बड़ा मौका है। सीईओ की पोस्ट पर उनका प्रमोशन हुआ है और आज ही जन्मदिन है। शाम को पार्टी में घर-परिवार के लोग ही नहीं, उनके दोस्त और आफिस के कलीग भी होंगे। यह चार ग्राम की अंगूठी देते अच्छा लगेगा क्या। मम्मी ने भी नहीं सोचा। खैर, अब चार बजे आप मेरे साथ गोल्ड सूक माल चलिए। वहां इसको देकर कोई ढंग की चीज ले लेते हैं।' वह तो कहकर चली गई, मगर मदन बाबू के प्राण सूख गए। उन्होंने बजट से बहुत बाहर जाकर 48 हजार की सुंदर अंगूठी खरीदी थी और बिटिया को अपनी हेठी होती नजर आ रही है।

ठीक चार बजे शेफाली उनको लेकर गोल्ड सूक माल पहुंची। सराफे की इतनी बड़ी दुकान मदन बाबू ने पहली बार देखी। दुकान क्या, अच्छा खासा म्यूजियम था, जिसमें पचासों कर्मचारी और सैकड़ों ग्राहक बहुत गंभीरता से खरीद-फरोख्त में तल्लीन थे। उन्हें दीन-दुनिया का कोई होश नहीं था। शेफाली भी उनमें शामिल हो गई। मदन बाबू प्रतीक्षारत यात्री की तरह एक सोफे पर बैठे रहे। करीब आधे घंटे बाद शेफाली ने उन्हें बुलाकर पसंद किया गया आभूषण दिखाया। साढ़े नौ ग्राम का ब्रेसलेट था, जिसमें पीले नग जड़े थे। उन्होंने धीरे से पूछा- 'कितने का है?' शेफाली ने उत्तर नहीं दिया और दाम चुकाने चली गई। वह हतप्रभ से खड़े रह गए। फिर अचानक उन्हें याद आया कि अंगूठी तो उनकी जेब में ही है। लपककर वह काउंटर पर खड़ी शेफाली के पास जाकर बोले- 'इस अंगूठी को भी बिल में एडजस्ट करवा लो।' उसने अंगूठी लेकर अपने बैग में रख ली और कहा- 'पापा, आप वहां बैठिए, मैं पेमेंट करके आती हूं।'

लौटते में उन्होंने बिटिया से कहा- 'देखो, मेरे पास डेबिट कार्ड है। मैं 40 हजार और दे सकता हूं। किसी एटीएम पर गाड़ी रुकवा लो।' शेफाली खीज कर बोली- 'पापा, आप परेशान क्यों होते हैं! यह ब्रेसलेट तो मेरे पास ही रहना है। आपकी अंगूठी मेरे पास है ही। अगर मुझे जरूरत पड़ी तो आपसे और पैसे ले लूंगी। लीजिए, यह अपने पास रखिए। शाम को पार्टी में अपने दामाद को पहना दीजिएगा।'

होटल नाज इंटरकांटीनेंटल का बैंक्वेट हाल दुल्हन की तरह सजा था। धीरे-धीरे गण्यमान्य अतिथिगण पधार रहे थे और हर तरफ वस्त्राभूषणों की चकाचौंध थी। शोभित के विभाग के अधिकारी और उसके उच्चपदस्थ मित्र हर तरफ छाए थे। मदन बाबू अपने समधी-समधन और उनके भाई-बंधुओं के साथ बैठे थे। स्टेज से मंद-मंद संगीत लहरियां बिखर रहीं थीं। हाल के दूसरे छोर पर बार सजा था। वहां कुछ ज्यादा ही चहल-पहल थी। उनके समधी ने हंसकर कहा- 'अरे मदन बाबू, आप हम सूफियों के साथ क्यों बैठे हैं, जाइए एकआध पैग लीजिए। यह तो खुशी का मौका है।' उन्होंने विनम्रतापूर्वक हाथ जोड़कर कहा- 'जी, मैं भी नहीं लेता।' तभी बर्थडे केक कटने की उद्घोषणा हुई और सब उठ खड़े हुए। केकाचार के उपरांत उपहार देने-लेने का सिलसिला शुरू हुआ। सबसे पहले शोभित ने अपने मम्मी-पापा के पैर छुए और आशीर्वाद पाया। उन्होंने डिब्बा खोलकर अंगूठी निकाली और अपने बेटे को पहना दी। मदन बाबू तो भौचक रह गए। वह अंगूठी तो वही थी, जो वे लेकर आए थे। अब उनकी बारी थी। उन्होंने जेब से डिब्बा निकालकर खोला और आगे बढ़कर ब्रेसलेट शोभित की कलाई में पहना दिया। हाल तालियों से गूंज उठा। उन्होंने देखा कि दामाद साहब मुग्ध भाव से ब्रेसलेट को देखे जा रहे हैं। फिर वह हुआ, जो उन्होने कभी सोचा भी न था। शोभित ने शादी के दस साल बाद पहली बार अपने ससुर के पैर छू लिए। एक क्षण को तो मदन बाबू को विश्वास ही नहीं हुआ, लेकिन दूसरे ही क्षण लगा, जैसे उनका जीवन सफल हो गया हो। जब अन्य लोग अपने-अपने उपहार लेकर आगे बढ़े तो वे चुपचाप बार की ओर बढ़ गए।

rajendraraoknp@gmail.com

भाषा की पाठशाला

कमलेश कमल
नई दिल्ली

दैनिक जागरण हिंदी हैं हम

अध्यक्ष और सभापति में अंतर

अध्यक्ष का अर्थ है वह व्यक्ति, जिसकी आंखों के नीचे सब कुछ होता हो। उदाहरण के लिए, अगर कोई किसी राजनीतिक-दल अथवा पार्टी का अध्यक्ष है तो इसका मतलब है कि उस दल अथवा पार्टी में सबकुछ उसकी देखरेख में या उसकी आंखों के नीचे होता है।

अध्यक्ष में 'अधि' उपसर्ग है, जो 'अक्षि' से जुड़ा है। 'अधि' का अर्थ है, नीचे और अक्षि(जो समास आदि में 'अक्ष' हो जाता है।) का मतलब है- 'आंख'। इस प्रकार, अध्यक्ष(अधि + अक्षि = अध्यक्ष) का शाब्दिक अर्थ है- वह, जिसकी आंखों के नीचे अर्थात जिसकी निगहबानी या निगरानी में सब कुछ हो रहा हो।

सभापति शब्द 'सभा' और 'पति' के संयोग से(संधि से नहीं) बना है। पति का मूल अर्थ है 'स्वामी'। इस प्रकार, सभापति का अर्थ 'सभा का मालिक' हुआ। जब तक सभा चलेगी, तभी तक सभापति रहेंगे। उदाहरण : उपराष्ट्रपति महोदय तब राज्यसभा के सभापति होते हैं, जब सभा(यहां सदन) चल रही हो।

विचारणीय यह है कि अध्यक्ष सभापति भी हो सकता है और नहीं भी। कोई राजनेता, अगर किसी पार्टी के अथवा किसी समिति के अध्यक्ष हैं तो एक निश्चित अवधि के लिए हैं। इस बीच, वे किसी सभा के वे सभापति हो भी सकते हैं और नहीं भी। स्मरण रहे कि महिला के लिए भी 'सभापति' शब्द ही प्रयुक्त होगा। उदाहरण : 1. सभापतिजी आ रहे हैं। 2. सभापतिजी आ चुकी हैं।

ध्यानाकर्षण : पति का अर्थ 'स्वामी' अथवा 'मालिक' होने के कारण राष्ट्रपति शब्द की जगह राष्ट्राध्यक्ष(अगर महिला हों तो राष्ट्राध्यक्षा) शब्द का प्रयोग अधिक लोकतांत्रिक प्रतीत होता है।

विशेष : व्याकरणिक दृष्टि से यह चर्चा भी समीचीन होगी कि जिला 'जनपद' अथवा 'मंडल' के लिए प्रयुक्त होनेवाला अरबी-भाषा का शब्द है। जिला-अध्यक्ष शब्द भी अनुचित है; जनपद-अध्यक्ष अथवा मंडल-अध्यक्ष लिखना चाहिए। साथ ही, जिला के साथ संस्कृत के कार्यालय शब्द का युग्म नहीं बनाया जाना चाहिए। इसके साथ अरबी-भाषा के दफ्तर शब्द का प्रयोग करना चाहिए। आशय यह है कि जनपद एवं मंडल के साथ कार्यालय शब्द का प्रयोग हो तथा जिला के साथ दफ्तर का प्रयोग हो।

kamalkeekalam@gmail.com

पावस के दोहे

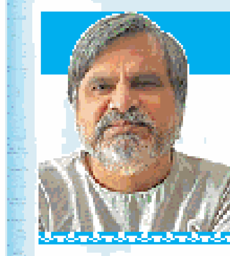

यश मालवीय
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

छेड़ें मेघ मल्हार...

निदा फाजली लिख रहे, गरज-बरस की बात।
बादल दीवाना करे, मनमानी बरसात।।

मीठा गीत शकील का, धुन देते नौशाद।
बादल से अबके बरस, टपक रही है याद।।

घिरी रात बरसात की, साहिर हैं बेलौस।
रखियो मेरी लाज अब, ओ मेरे फिरदौस।।

मेघा आधी रात में, छाए बेतरतीब।
बिरहन का मन-प्राण से, नीरज लिखें नसीब।।

मन को सीधी चोट दे, फिर तिरछी बौछार।
चुप-चुप कैफी आजमी, क्या बोलें गुलजार।।

भड़काती चिनगारियां, पड़ती हुई फुहार।
भरत व्यास के गीत ही, छेड़ें मेघ मल्हार।।

रस्तों में मंजिल मिले, बदली खोले केश।
जब सावन रिमझिम करे, गीत रचें योगेश।।

करें दूर रह बात जब, ये जालिम बरसात।
देने लगते आंच तब, साहिर के जज्बात।।

बरखा दुपहर रेडियो, गूंजा नाम शकील।
अंधियारे में जल उठी, बुझती सी कंदील।।

artiyash23@gmail.com

पुस्तक परिचय

ग्रामीण व नगरीय समाज का दर्पण

वरिष्ठ कथाकार आशा प्रभात के सद्य प्रकाशित कहानी संग्रह वह आवाज में 11 कहानियां संकलित हैं, जो ग्रामीण और नगरीय समाज के वर्तमान से संबंधित हैं। उन्होंने न सिर्फ विभिन्न समस्याओं को इसमें उठाया है, बल्कि संबंधों में भावनात्मकता को भी इसमें पिरोया है।

प्रकाशक : राजकमल पेपरबैक्स
मूल्य : 250 रुपये

पुस्तकें मिलीं

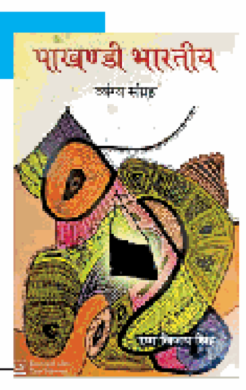

1. पाखंडी भारतीय
(व्यंग्य संग्रह)
लेखक : रण विजय सिंह
प्रकाशक : शिवांक प्रकाशन
मूल्य : 300 रुपये

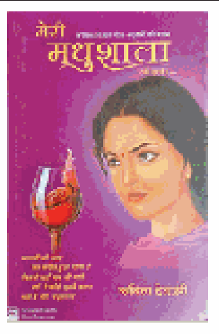

2. मेरी मधुशाला
(कविता संग्रह)
लेखिका : कविता देवाश्री
प्रकाशक : पिलिग्रिम्स पब्लिशिंग
मूल्य : 350 रुपये

संगीतायन

यतीन्द्र मिश्र
अयोध्या, उत्तर प्रदेश

वंशी की धुन में लोकलय का विन्यास

पं. हरिप्रसाद चौरसिया ने आलाप और खयाल के जोड़ को वंशी की माधुरी में उतार कर इस वाद्य को शास्त्रीय अर्थों में परिष्कृत किया। उनकी जन्मतिथि (एक जुलाई) पर विशेष...

पंडित जी के राग-वादन से सीखती है आज की पीढ़ी
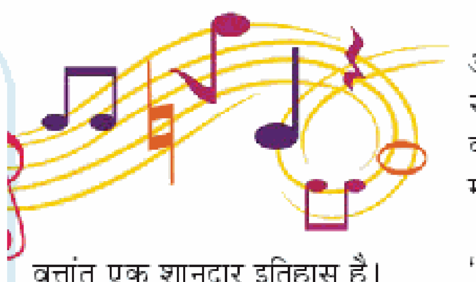
भारतीय शास्त्रीय संगीत में वंशी या बांसुरी सुषिर वाद्यों में सर्वोपरि मानी जाती है। नारदीय शिक्षा और भरत नाट्यशास्त्र में सम्मान से वर्णित वंशी, भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं के मनोहारी वर्णनों का सांगीतिक निरूपण करने वाला वाद्य रही है। पंडित हरिप्रसाद चौरसिया इस वाद्य को साधने वाले ऐसे महान कलाकार हैं, जिनकी दीक्षा को उस्ताद अलाउद्दीन खां की पुत्री अन्नपूर्णा देवी ने पूर्णता प्रदान की।

अपने परिवार की पुश्तैनी पहलवानी से दूरी बरतते हुए हरिप्रसाद जी ने बचपन में राजाराम जी से शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू किया था, मगर मात्र आठ साल की उम्र में बनारस के विद्वान गायक पं. महादेव प्रसाद मिश्र की शिष्य परंपरा के योग्य गुरु भोलानाथ प्रसन्ना को सुनकर उन्होंने बांसुरी वादक होना पसंद किया। भोलानाथ जी ने ही आरंभ में उन्हें बांसुरी की शिक्षा दी, बाद में अन्नपूर्णा देवी का सान्निध्य मिला। तब अन्नपूर्णा देवी जल्दी किसी से मिलती न थीं और उन्हें हरिप्रसाद जी को बांसुरी की शिक्षा देनी न पड़े, इसलिए यह शर्त रखी कि मैं तभी तुम्हें संगीत सिखाऊंगी, जब तुम बाएं हाथ से बांसुरी बजाओगे। हरिप्रसाद जी ने उल्टे हाथ से बांसुरी बजाने का अभ्यास शुरू किया। अन्नपूर्णा देवी इस समर्पण से बहुत प्रभावित हुईं। बाकी का वृत्तांत एक शानदार इतिहास है।

अपने संगीत में माधुर्य और शास्त्रीयता के सम्मिलन से जो टेर हरिप्रसाद चौरसिया की बांसुरी में पैदा हुई या यह कहें कि वह दैवीय कूक पड़ी, उसने शास्त्रीय संगीत के विलक्षण रागों को भी बांसुरी की स्वर-लहरियों पर नितांत सरल और पानी की तरह बना दिया।

1967 में पं. हरिप्रसाद चौरसिया, पं. शिवकुमार शर्मा और पं. बृजभूषण काबरा ने मिलकर एक एलपी रेकार्ड 'काल आफ द वैली' रिलीज किया, जो इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक के संदर्भ में अप्रतिम सिद्ध हुआ। अपने संगीत में लोकलय का विन्यास भी पंडित जी डालते रहे, जिससे एक दुर्लभ किस्म की अदायगी ने अपने पंख पसारे, जो उनकी पहचान बन गई। उनके बजाए रागों को सुनकर आज की पीढ़ी उनके संगीत को आत्मसात करती है। उनके बजाए प्रमुख रागों में भैरवी, शुद्ध कल्याण, मालकौंस, कान्हड़ा, देस, यमन, ललित, भटियार, मारवा, चारुकेशी... एक अंतहीन सूची है।

पं. शिवकुमार शर्मा के साथ उन्होंने 'शिव-हरि' नाम से संगीतकार जोड़ी बनाई और अपने छोटे और सफलतम करियर में यश चोपड़ा की फिल्मों 'सिलसिला', 'फासले', 'विजय', 'चांदनी', 'लम्हे' और 'डर' जैसी फिल्मों में कामयाब संगीत दिया। पं. हरिप्रसाद ने बांसुरी को शास्त्रीय अर्थों में परिष्कृत करते हुए उसमें आलाप और खयाल के जोड़ को वंशी की माधुरी में उतार दिया। यह भी रोचक तथ्य है कि स्वतंत्र संगीतकार बनने से पहले हरिप्रसाद चौरसिया ने फिल्मों में बहुतायत में बांसुरी वादन किया था, जिसमें उस दौर के हुस्नलाल भगतराम, नौशाद, एसडी बर्मन, शंकर-जयकिशन, सी. रामचंद्र जैसे दिग्गज संगीतकार शामिल हैं।

पंडित हरिप्रसाद चौरसिया आज भी संगीत-जगत में सक्रिय हैं और देश-विदेश में अपने शिष्यों को प्रशिक्षित कर रहे हैं।

yatindrapost@gmail.com

कृपया इस पेज के बारे में अपनी सम्मति एवं सुझावों से अवगत कराएं : feature@jagran.com

---

आज का भविष्यफल- 30 जून, 2025 सोमवार

पं. के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : आषाढ़मास शुक्ल पक्ष पंचमी का राशिफल।
आज का राहुकाल : प्रातः 07 बजकर 30 मिनट से 09 बजे तक।
आज का दिशाशूल : पूर्व
आज का पर्व एवं त्योहार : स्कंद षष्ठी
विशेष : मंगल पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में

कल 01 जुलाई, 2025 का पंचांग

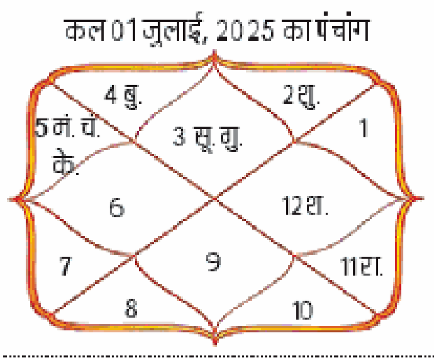

कल का दिशाशूल : उत्तर

विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु आषाढ़मास शुक्ल पक्ष की षष्ठी 10 घंटे 21 मिनट तक तत्पश्चात सप्तमी, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र 08 घंटे 54 मिनट तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र, व्यतिपात योग 17 घंटे 19 मिनट तक तत्पश्चात वरियान योग, सिंह में चंद्रमा 15 घंटे 34 मिनट तक तत्पश्चात कन्या में।

मेष : बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।
वृष : धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी, लेकिन किसी रिश्तेदार या व्यक्ति विशेष के कारण तनाव मिल सकता है।
मिथुन : शिक्षा प्रतियोगिता में प्रयास सार्थक होगा। बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
कर्क : आर्थिक मामलों में प्रगति होगी, लेकिन कालसर्प योग होने के कारण कार्यक्षेत्र में बाधाएं आएंगी।
सिंह : उदर विकार या त्वचा का रोग हो सकता है। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। धनहानि की आशंका है।
कन्या : भाई-बहन आदि के कारण तनाव मिल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।
तुला : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। निजी संबंध प्रगाढ़ होंगे।
वृश्चिक : आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
धनु : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।
मकर : जीविका में प्रयास सार्थक होगा। सामाजिक कार्यों मे रुचि बढ़ेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।
कुंभ : आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।
मीन : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। जीविका के क्षेत्र में चल रहा प्रयास सफल होगा।

वर्ग पहेली-3029

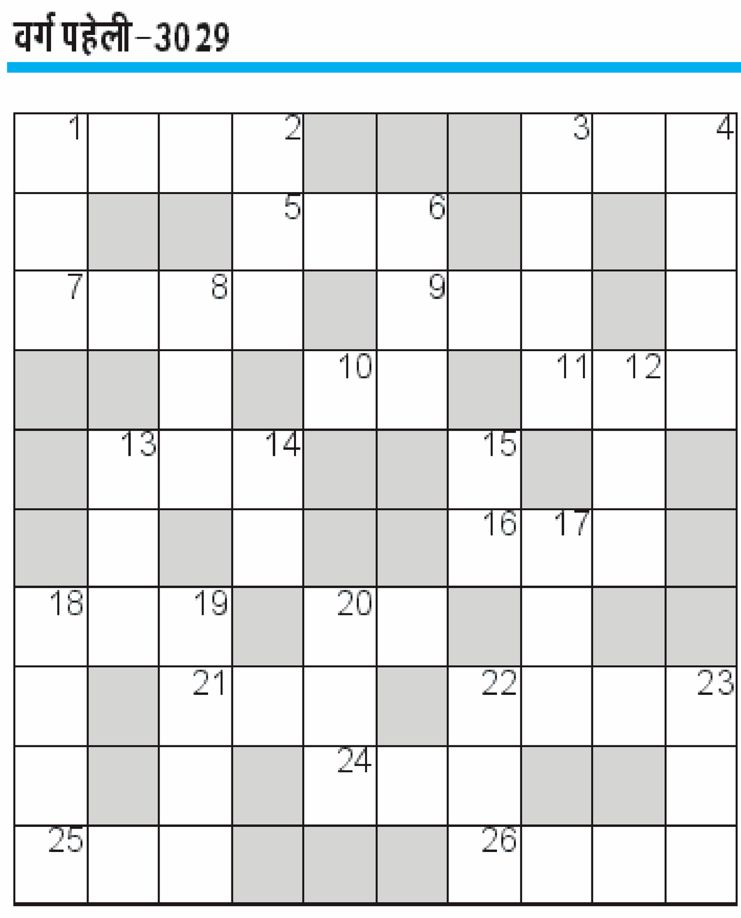

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं
1 'पिंकसिटी' भी कहते हैं इस शहर को (4)। 3 खाने-पीने का सामान (3)। 5 चमड़े आदि की चौड़ी पट्टी (3)। 7 तीर्थ-यात्रा (4)। 9 अंग्रेज (3)। 10 धूल, मिट्टी, राख (2)। 11 चांदी (3)। 13 हाथी का बच्चा (3)। 16 युद्ध, लड़ाई (3)। 18 नहीं थकने वाला (3)। 20 धैर्य, बर्दाश्त (2)। 21 लोहे की भारी और मोटी जंजीर (3)। 22 लालायित या बेचैन रहना (4)। 24 आग की लपट (3)। 25 तरंग, कंप, जोश (3)। 26 अप्रिय, बुरा लगना (4)।

ऊपर से नीचे
1 किसी महापुरुष की जन्म-तिथि (3)। 2 एक फिल्म है- प्रेम ... धन पायो (3)। 3 बिहार की एक ऐतिहासिक जगह (4)। 4 मक्खन (4)। 6 अनुकूल (3)। 8 आपस में भिड़ना, भिड़ंत (3)। 12 कमजोर और बेकार (3)। 13 कसम, सौगंध (3)। 14 डर, खौफ (2)। 15 विशेष, विशिष्ट (2)। 17 मोर (3)। 18 अमूल्य, कीमती (4)। 19 भालू-बंदर नचाने वाले, मदारी (4)। 20 सीधा, आसान (3)। 22 देखना, ताक में रहना (3)। 23 शेर, सिंह (3)।

कल का हल

त1	री	का2		अ3	क	ड़	दि	खा	ना4
ह		ल5	ह	क					च
स		च		र्म		च6	ट	का7	ना
न		क्र8	मां	क		प		हि	
ह						त9	ब	ल	ची10
सं11	दी12	नं	द13						न
	न		वा		झि14	ल	मि15		की
अ16	व	ग	त		ड़		हा		दी
ल					के17	बा	ब		वा
खं18	रा	टा	मा	र	ना		ली19	व	र

जागरण सुडोकू-3029

8			5		1	2		9
	9						8	
				2		7		
	8		3		2		1	
6	3							8
		5	7		9		4	
		8		7		1		5
	2		1		6		3	
4				9				2

कल का हल

9	1	5	7	4	8	6	2	3
6	4	8	3	2	9	7	5	1
3	7	2	1	6	5	9	8	4
1	2	9	6	8	4	3	7	5
5	3	6	2	7	1	8	4	9
4	8	7	9	5	3	2	1	6
8	6	1	5	3	7	4	9	2
7	5	3	4	9	2	1	6	8
2	9	4	8	1	6	5	3	7

राष्ट्रीय फलक

बाबा बर्फानी के भक्तों के लिए आज से तत्काल पंजीकरण प्रक्रिया होगी शुरू

अमरनाथ यात्रा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

- **यात्रा के लिए शिव भक्त तैयार, जम्मू से दो को रवाना होगा पहला जत्था**
- **एक जुलाई को भक्तों के लिए जम्मू में आधार शिविर खोला जाएगा**
- **दो जुलाई सुबह जम्मू में उपराज्यपाल पहले जत्थे को करेंगे रवाना**

अमरनाथ यात्रा की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और श्रद्धालु भी बाबा बर्फानी के दर्शन को तैयार हैं। बिना पंजीकरण वाले श्रद्धालुओं के लिए सोमवार से तत्काल पंजीकरण के काउंटर खोले जाएंगे। एक जुलाई को श्रद्धालुओं के लिए जम्मू में यात्रा आधार शिविर और श्रीनगर के पंथाचौक में यात्री निवास को खोला जाएगा। बिना (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) कार्ड के किसी को भी यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी। पवित्र गुफा स्थल से जम्मू-कश्मीर के प्रवेशद्वार लखनपुर तक लंगर के प्रबंध किए हैं। यात्रा के दोनों मार्गों पहलगाम और बालटाल में कैंप निदेशकों व अतिरिक्त कैंप निदेशकों ने जिम्मेदारी संभाल ली है। जम्मू के यात्री निवास भगवती नगर में दो जुलाई की सुबह उपराज्यपाल मनोज सिन्हा पहले जत्थे को रवाना करेंगे। तीन जुलाई को पहले दर्शन होंगे। जम्मू में एक जुलाई से तत्काल पंजीकरण की सुविधा भी शुरू हो जाएगी। इसके लिए एक दिन पहले जम्मू के सरस्वती धाम से टोकन प्राप्त करना होगा। जम्मू में पांच पंजीकरण केंद्र होंगे। जिन तीर्थयात्रियों ने पंजीकरण पूरा कर लिया है, उन्हें यात्रा के लिए आरएफआइडी कार्ड जारी किए जाएंगे। ये कार्ड लखनपुर, सांबा, जम्मू, चंद्रकोट और बनिहाल सहित कुल 60 केंद्रों से मिलेंगे।

50,000 से अधिक के लिए भोजन और ठहरने की सुविधा उपलब्ध

जम्मू क्षेत्र के लखनपुर से बनिहाल तक विभिन्न आवास केंद्रों पर 50,000 से अधिक लोगों के लिए भोजन और ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इसके लिए जगह-जगह कुल 141 आवास केंद्र स्थापित किए गए हैं। लंगर वालों को अपने क्षेत्र में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

सुरक्षाबलों की तैनाती हो चुकी

यात्रा सुरक्षित बनाने के लिए सुरक्षाबलों की तैनाती की हो चुकी है। दोनों मार्गों को नो फ्लाई जोन घोषित किया है। इस बार हेलीकाप्टर सेवा उपलब्ध नहीं है। पहले दिन के दर्शन में अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, प्रशासन व सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं का रविवार से जम्मू पहुंचना शुरू हो गया है।

श्रावण मास में पहली बार विश्वनाथ धाम की हेलीकाप्टर और ड्रोन से निगरानी

राकेश श्रीवास्तव, जागरण ● वाराणसी : ग्यारह जुलाई से शुरू हो रहे श्रावण मास में श्रीकाशी विश्वनाथ धाम की सुरक्षा निगरानी पहली बार हेलीकाप्टर और ड्रोन से की जाएगी। शिवनगरी में कांवड़ियों को समर्पित प्रयागराज से वाराणसी तक नेशनल हाईवे नंबर-19 की एक लेन (20 किलोमीटर) सीसीटीवी की जद में रहेगी। शिवभक्तों की संख्या अधिक होने पर निगरानी के लिए ड्रोन उड़ाए जाएंगे। हाईवे पर 12 अस्थायी पुलिस चौकियां बनाई जाएंगी, जिनमें कांवड़ियों के लिए चार-चार बेड के लघु अस्पताल होंगे। व्रतियों को उचित मूल्य पर खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए दुकानों पर कीमतों की सूची लगानी होगी।

जासूसी के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का काशी दौरा, जासूसी के आरोप में ही बनारस के जैतपुरा से गिरफ्तार तुफैल और सारनाथ से बांग्लादेशी घुसपैठिए मोगाम्ब्रूक मोग उर्फ कोको की गिरफ्तारी भी शिवनगरी की स्थिति को संवेदनशील बनाती है।

****

राम मंदिर के साथ संग्रहालय भक्तों को करेगा तृप्त

जागरण संवाददाता ● अयोध्या

राम मंदिर के साथ अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय भी भक्तों को तृप्त करेगा। इसमें कुल 20 दीर्घाएं विकसित की जा रही हैं। भूतल की दो दीर्घाओं में रामजन्मभूमि की दावेदारी से संबंधित अभिलेख तथा रामजन्मभूमि के आसपास उत्खनन में प्राप्त पुरावशेष प्रदर्शित किए जाएंगे। भूतल पर ही कुछ अन्य दीर्घाओं में श्रीराम की अंतरराष्ट्रीय व्याप्ति के परिचायक साक्ष्य, पुरावशेष एवं कलाकृतियां संरक्षित की जाएंगी। संग्रहालय की कुल 20 दीर्घाओं में से एक दीर्घा श्रीराम के प्रिय भक्त बजरंगबली को समर्पित होगी। यह दीर्घा आइआइटी-मद्रास के सहयोग से विकसित की जा रही है। समझा जाता है कि आइआइटी मद्रास की ख्याति के अनुरूप यह दीर्घा कला, तकनीक, प्रामाणिकता और सूचना की दृष्टि से अत्यंत परिष्कृत होगी और इसमें हनुमानजी को कहीं अधिक गहराई और गहनता से अनुभूत किया जा सकेगा। यह दीर्घा इसी वर्ष के अंत तक संचालित होगी। यह जानकारी राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक के दूसरे दिन मीडिया से साझा की।

- **अगले माह तक रामलला के अतिरिक्त रामजन्मभूमि परिसर के कई अन्य दर्शनीय स्थलों तक जा सकेंगे श्रद्धालु**

नृपेंद्र मिश्र। फाइल

उन्होंने मंदिर निर्माण की प्रगति से भी जुड़ी जानकारी दी और बताया कि अगले माह तक राम मंदिर के अतिरिक्त रामजन्मभूमि परिसर में नवनिर्मित आस्था के अन्य दर्शनीय केंद्र भी श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। यद्यपि, यह सुनिश्चित करते हुए राम मंदिर की सुरक्षा संबंधी मानकों का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

मिधानी संयंत्र में निर्मित होंगी राम मंदिर की खिड़कियां

राम मंदिर के तीनों तलों पर टाइटेनियम की खिड़कियां लगाई जाएंगी। इनकी नापजोख इसी माह की जा चुकी है। खिड़कियों का निर्माण जुलाई माह में भारत सरकार के हैदराबाद स्थित मिधानी (मिश्र धातु निगम लिमिटेड) संयंत्र में किया जाएगा। संयंत्र में उत्पादित टाइटेनियम से कारीगर खिड़कियां बनाएंगे। इन खिड़कियों पर बारिश, धूप आदि का प्रभाव नहीं पड़ेगा। चमकदार बनीं रहेंगी। मंदिर के तीनों तल पर कुल 44 कपाट लगे हैं। इसमें भूतल के सभी कपाटों को स्वर्ण मंडित भी किया गया है। कपाट लगने के बाद ही ट्रस्ट ने तुरंत खिड़कियों को निर्मित कराने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी। मिधानी की उत्पादन इकाई में सुपर मिश्रित धातुओं, विशेष स्टील, रक्षा सामग्री व अन्य सामरिक सामग्री का उत्पादन किया जाता है। कार्यदायी संस्था के एक इंजीनियर ने बताया कि टाइटेनियम बहुत कम अभिक्रियाशील है, क्योंकि एल्युमीनियम की तरह यह आक्साइड की एक पतली सुरक्षात्मक परत बनाता है, इसलिए यह जंग नहीं खाता।

दुनिया का पहला इमरजेंसी नंबर 999 शुरू किया गया

1937 में आज ही दुनिया का पहला इमरजेंसी टेलीफोन नंबर 999 शुरू किया गया था। यह इंग्लैंड का आधिकारिक इमरजेंसी नंबर था। इससे सबसे पहले लंदन में शुरू किया गया। इंग्लैंड का 999 नंबर दुनिया की सबसे पुरानी इमरजेंसी काल टेलीफोन सेवा भी है।

महात्मा गांधी को पहली बार गिरफ्तार किया गया

1914 में आज ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को पहली बार गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के अधिकारों के लिए आंदोलन करने के लिए की गई थी। 1915 में गांधी जी दक्षिण अफ्रीका से भारत आए और स्वतंत्रता के लिए राष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व किया।

सीएनआर राव ने रसायन शास्त्र को दी नई दिशा

सीएनआर राव का जन्म 1934 में आज ही बंगलौर (अब बेंगलुरु) में हुआ था। 1953 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से विज्ञान में परास्नातक की पढ़ाई पूरी की और फिर पीएचडी की। राव 1959 में आइआइएससी, बंगलौर में लेक्चरर के पद पर नियुक्त किए गए और फिर 1963 में आइआइटी कानपुर के रसायन विज्ञान विभाग में ज्वाइन किया। उन्होंने घन-अवस्था और संरचनात्मक रसायन शास्त्र के क्षेत्र में मुख्य रूप से काम किया। राव ने शोध एवं नेतृत्व के जरिये विज्ञानी समुदाय के लिए अहम योगदान दिया। इसके लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता और कई पुरस्कार मिले।

इधर-उधर की

कमाल की लीव एप्लीकेशन, बास ने कहा 'वाह'

जेएनएन, नई दिल्ली: एक कर्मचारी ने कंपनी के सीइओ को ऐसी लीव एप्लीकेशन लिखी कि सीइओ ने कहा, वाह आपने तो मेरा सप्ताह बना दिया। कर्मचारी ने 'मैं तो जा रही हूं' सब्जेक्ट लाइन के साथ एप्लीकेशन लिखी थी। यह एप्लीकेशन लिंक्डइन पर प्रसारित हो रही है। गुरुग्राम में टाक एंड टारगेट की फाउंडर सौम्या गर्ग ने कृतिका सिंह द्वारा लिखे गए मेल का स्क्रीनशाट साझा किया है। कृतिका सिंह कंपनी में सीनियर कापीराइटर हैं। गर्ग को पहले लगा कि यह इस्तीफे का मेल है लेकिन बाद में पता चला कि कृतिका सिर्फ एक दिन की छुट्टी मांग रही हैं। सीइओ ने पोस्ट में लिखा ' थैंक्स। बाय के साथ ईमेल साइन आफ किया। इस मेल ने मेरा सप्ताह बना दिया।'

रचनात्मक ईमेल से सीइओ हुईं प्रभावित। इंटरनेट मीडिया

महिलाओं में पांच साल पहले होता है लंग कैंसर

अध्ययन ▸ एनसीडीआइआर ने देश भर के 96 अस्पतालों से 45,228 मरीजों का डाटा किया शामिल

रणविजय सिंह ● जागरण

नई दिल्ली : धूमपान के कारण पुरुष भले ही लंग कैंसर (फेफड़े के कैंसर) से अधिक पीड़ित होते हैं लेकिन पुरुषों के मुकाबले महिलाएं पांच वर्ष कम उम्र में इस बीमारी से पीड़ित होती हैं। एम्स के कैंसर सेंटर और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीडीआइआर) द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है जो हाल ही में लंग इंडिया जर्नल में प्रकाशित हुआ है। साथ ही पैसिव स्मोकिंग, रसोई का धुआं, ग्रामीण और दूर दराज के क्षेत्रों में खाना बनाने में उपले, कोयले जैसे बायोमास ईंधन के धुएं का दुष्प्रभाव को महिलाओं में इस कैंसर का बड़ा कारण बताया गया है।

एम्स कैंसर सेंटर के डाक्टरों ने वर्ष 2012-19 के बीच देश भर के 96 अस्पतालों में फेफड़े के कैंसर से पीड़ित होकर इलाज के लिए पहुंचे 45,228 मरीजों पर यह अध्ययन किया है जिसमें 34,395 पुरुष व 10,833 महिला मरीज शामिल थीं। अध्ययन में पाया गया कि तीन चौथाई पुरुष मरीज 50-74 वर्ष की उम्र में व 69.4 प्रतिशत महिला मरीज 45-69 वर्ष की उम्र में फेफड़े के कैंसर से पीड़ित हुईं। राष्ट्रीय गैर संचारी रोग निगरानी सर्वे के अनुसार, देश में 23 प्रतिशत पुरुष धूमपान करते हैं। वहीं बीड़ी के सेवन से कैंसर होने का जोखिम 2.64 गुना और सिगरेट से 2.23 गुना बढ़ जाता है। इससे धूमपान पुरुषों में फेफड़े के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। औसतन 21 वर्ष की उम्र में वे धूमपान शुरू कर देते हैं। यह आदत वर्षों बाद कई लोगों में यह कैंसर कारण बनता है। देश में सिर्फ 1.3 प्रतिशत महिलाएं धूमपान करती हैं लेकिन पति या परिवार के पुरुष सदस्यों द्वारा धूपमान करने के कारण 37.5 प्रतिशत महिलाएं पैसिव स्मोकिंग की शिकार हैं। पैसिव स्मोकिंग का अर्थ धूमपान करने वालों के नजदीक खड़े लोगों के फेफड़े में धुआं पहुंचना।

▸ **तीन चौथाई पुरुष मरीज 50-74 वर्ष के बीच और 69.4 प्रतिशत महिला मरीज 45-69 वर्ष की उम्र में फेफड़े के कैंसर से हुईं पीड़ित**

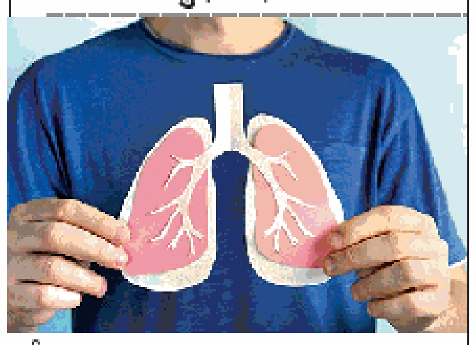

प्रतीकात्मक

बहुत कम मरीजों की ही हो पाती है सर्जरी

अध्ययन में पाया गया कि इलाज में देरी एक बड़ी समस्या है। दूसरे अस्पतालों में जांच कराने वाले एक तिहाई मरीज जांच के सात से 30 दिन बाद कैंसर अस्पतालों में पहुंचे। 50.7 प्रतिशत मरीजों की बीमारी शरीर एडवांस स्टेज में पहुंच चुकी थी। शुरुआती स्टेज के भी बहुत कम मरीजों की सर्जरी हो पाती है। शुरुआती स्टेज के 5.9 प्रतिशत पुरुष और 8.4 प्रतिशत महिला मरीजों की सिर्फ सर्जरी हुई। वहीं 4.2 प्रतिशत पुरुष व 4.7 प्रतिशत महिला मरीजों की सर्जरी, कीमो व रेडियोथेरेपी तीनों हुई थी। जिन मरीजों में ट्यूमर फेफड़े के आसपास फैला हुआ था उनमें से सिर्फ 2.22 प्रतिशत पुरुष व 2.52 प्रतिशत महिला मरीजों की ही रेडियोथेरेपी हुई। शुरुआती स्टेज व जिन मरीजों में ट्यूमर फेफड़े के आसपास फैला था उनमें से क्रमशः 19.6 प्रतिशत व 36.2 प्रतिशत मरीजों का सिर्फ दर्द कम करने के लिए पैलिएटिव इलाज हुआ। एडवांस स्टेज के 77.7 प्रतिशत मरीजों का पैलिएटिव केयर ही हो पाता है।

छात्रों के सम्मान में उत्सव

रूस में हाई स्कूल उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के सम्मान में आयोजित स्कार्लेट सेल्स उत्सव मशहूर है। सेंट पीटर्सबर्ग में नेवा नदी पर पार्श्व में रंगबिरंगी और भव्य आतिशबाजी के साथ रविवार को रूसी युद्धपोत (फ्रिगेट रोसिया) चमकीले लाल पालों के साथ तैर रहा है। लेजर शो के साथ यह सुंदर दृश्य मंत्रमुग्ध करने वाला है। एएफपी

बर्फ में छिपा सकेंगे गुप्त कोड

न्यूयार्क टाइम्स से

▸ **सूचना रिकार्ड करने का नया तरीका**

▸ **स्मार्टफोन के बेहतर विकल्प के तौर पर किया जा सकता है इस्तेमाल**

वाशिंगटन: चीनी, कोरियाई और चेक विज्ञानियों द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में संदेश लिखने और संग्रहीत करने के एक नए तरीके की ओर इशारा किया गया है-बर्फ की चादरों में हवा के बुलबुले से गुप्त कोड बनाना। हालांकि, शोधकर्ता यह उम्मीद नहीं कर रहे हैं कि आप अपना स्मार्टफोन छोड़ देंगे लेकिन उनका अध्ययन बर्फ के उल्लेखनीय गुणों के बारे में बताता है।

बीजिंग इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी में थर्मोडायनामिक्स के विशेषज्ञ और वैज्ञानिक पत्रिका सेल रिपोर्ट्स फिजिकल साइंस में प्रकाशित अध्ययन के प्रमुख लेखकों में से एक मेंगजी सोंग ने कहा कि यह विचार केवल मामूली अभ्यास से कहीं अधिक है। यह मनुष्यों के लिए सूचना रिकार्ड करने का एक बिल्कुल नया तरीका है। इस काम के कई अनुप्रयोग हो सकते हैं। उदाहरण के लिए इसका उपयोग बिजली लाइनों, हवाई जहाजों और हाई-स्पीड ट्रेनों की डी-आइसिंग का अधिक सटीक माडल तैयार करने में मदद के लिए किया जा सकता है। बर्फ के बुलबुले कैसे बनते हैं, इसकी स्पष्ट समझ विज्ञानियों को चंद्रमा की मिट्टी से बनी ईंटों के तापीय और यांत्रिक गुणों को बेहतर ढंग से समझने में भी मदद कर सकती है। इसका उपयोग चंद्रमा पर आधार बनाने के लिए किया जा सकता है। बर्फ के बुलबुले में पैटर्न को पहचानने के लिए प्रशिक्षित एआइ अतीत के जलवायु पैटर्न के बारे में सुराग के लिए ग्लेशियरों का अध्ययन करने या प्राकृतिक गैस के संभावित भंडार की पहचान करने में मदद कर सकती है।

दस को बग मून, 29 जुलाई को होगी उल्का वर्षा

अमलेन्दु त्रिपाठी ● जागरण

▸ **16 को चंद्रमा रहेगा शनि ग्रह के साथ**

▸ **21 को शुक्र के साथ नजर आएगा चांद**

प्रतीकात्मक

प्रयागराज: जुलाई में कई खगोलीय घटनाएं होने जा रही हैं। 29 और 30 जुलाई को डेल्टा एक्वेरिड उल्का बौछार होने के साथ चंद्रमा अलग अलग ग्रहों के साथ युगलबंदी करता नजर आएगा। चंद्रमा 16 जुलाई को शनि ग्रह के निकट, 21 को शुक्र, 23 को बृहस्पति, 25 को बुध और 28 को मंगल के साथ दिखाई देगा। तीन जुलाई को पृथ्वी, सूर्य से अधिकतम दूरी पर रहेगी। खगोल की भाषा में यह घटना अपसौर कही जाती है। 10 जुलाई को पूर्णिमा है। इस महीने के पूर्ण चंद्रमा को फेदर मोल्टिंग मून, सैल्मन मून और बग मून के नाम से भी जाना जाता है।

जवाहर तारा मंडल की विज्ञानी सुरूर फातिमा के अनुसार इसी महीने में नर हिरणों के सींग तेजी से बढ़ते हैं, यही वजह है कि इस चंद्रमा को बग मून की संज्ञा दे दी गई। फेदर मोल्टिंग मून और सैल्मन मून कहने की वजह यह है कि इस समय पक्षियों के पंख झड़ने लगते हैं और सैल्मन मछलियां प्रजनन के लिए नदियों में आती हैं। इसके अतिरिक्त जुलाई के पूर्ण चंद्रमा को थंडर मून और हे मून भी कहते हैं क्योंकि यह महीना तूफानों और घास काटने के मौसम से जुड़ा है। यूरोप में यह नाम मीड बनाने की परंपरा से भी जुड़ा है जो शहद से बना मादक पेय है, इसी समय बनाया जाता है। इसके अतिरिक्त आकाश में चंद्रमा का चाप (रंगीन बैंड) महीने दर महीने बदलता रहता है। जुलाई की पूर्णिमा का चाप अन्य महीने की तुलना में कम होता है। इसे स्पर्श रेखा चाप भी कहते हैं। यह वायुमंडलीय प्रकाशीय घटना है जो सूर्य या चंद्रमा के चारों ओर 22 डिग्री प्रभामंडल के ऊपर और नीचे दिखाई देती है। यह चाप, बर्फ के क्रिस्टल के माध्यम से सूर्य के प्रकाश के अपवर्तन के कारण बनता है जो क्षैतिज रूप से नजर आता है। 24 जुलाई को अमावस्या है। खगोल विद इसे नया चांद कहते हैं।

कुंभ राशि के तारों के बीच से डेल्टा एक्वेरिड उल्का बौछार : विज्ञानी सुरूर फातिमा के अनुसार डेल्टा एक्वेरिड उल्का बौछार जुलाई के मध्य से शुरू होती है। अगस्त के अंत तक चलती है। इस साल यह 12 जुलाई से 23 अगस्त के बीच होगी। उत्तरी गोलार्ध में 29 और 30 जुलाई को आसमान साफ रहने पर कुंभ राशि के तारों (राशियां तारों का समूह होती हैं) के बीच से देख सकते हैं।

सुबह एक कप काफी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को कर सकती है कम

अनुसंधान

क्या आपको सुबह काफी पीनी पसंद है। अगर ऐसा है तो यह आपको कई फायदे पहुंचा सकती है। एक अध्ययन से पता चला है कि यह न केवल आपको ऊर्जा प्रदान करती है बल्कि उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने और दीर्घायु होने में भी मददगार साबित हो सकती है। कैफीन को लंबे समय से संभावित स्वास्थ्य लाभों से जोड़ा जाता रहा है जिसमें उम्र से संबंधित बीमारियों का कम जोखिम भी शामिल है।

ब्रिटेन में क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी आफ लंदन के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन से पता चला है कि कैफीन एक प्राचीन सेलुलर ऊर्जा प्रणाली का उपयोग कर उम्र बढ़ने पर प्रभाव डालता है। उन्होंने दिखाया कि कैफीन एक महत्वपूर्ण प्रणाली, जिसे एएमपीके कहा जाता है, को सक्रिय करके काम करता है। यह एक सेलुलर ईंधन गेज है जो खमीर और मनुष्यों में विकासात्मक रूप से संरक्षित है। यह शोध माइक्रोबियल सेल पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

क्वींस मैरी यूनिवर्सिटी के सेंटर फार मालिक्यूलर सेल बायोलाजी में आनुवंशिकी, जीनोमिक्स और मौलिक सेल बायोलाजी के रीडर डा. चारालाम्पोस रालिस ने कहा कि जब आपकी कोशिकाओं में ऊर्जा की कमी होती है तो एएमपीके सक्रिय होता है ताकि इससे निपट सकें। हमारे परिणाम दिखाते हैं कि कैफीन उस स्विच को पलटने में मदद करता है। दिलचस्प बात यह है कि एएमपीके मेटफार्मिन का भी लक्ष्य है। मेटफार्मिन एक सामान्य मधुमेह की दवा है जिसका रैपामाइसिन के साथ मिलकर जीवनकाल बढ़ाने की क्षमता का अध्ययन किया जा रहा है। अध्ययन से जुड़े डा. अलाओ ने कहा कि यह शोध इस दिशा को नए आयाम दे सकता है। (आइएएनएस)

स्क्रीन शाट

काजोल की फिल्म 'मां' को मिली ठीक ठाक शुरुआत

मां के बाद फिल्म सरजमीं में नजर आएंगी काजोल। फाइल

इस सप्ताह टिकट खिड़की की निगाहें काजोल अभिनीत फिल्म मां पर थी। इस फिल्म को लेकर काजोल के साथ-साथ उनके पति, अभिनेता एवं फिल्म के निर्माता अजय देवगन ने भी खूब प्रचार किया था। उनके अलावा अभिनेता अक्षय कुमार ने भी इस फिल्म का समर्थन किया था। विशाल फुरिया के निर्देशन में बनी यह पौराणिक हारर फिल्म शुक्रवार को देश के करीब 1500 स्क्रीन पर प्रदर्शित हुई। फिल्म को लेकर समीक्षकों की प्रतिक्रिया मिली जुली रही। कुल मिलाकर फिल्म को संतोषजनक व्यूअर मिले। जिसके बाद काजोल के अलावा किसी अन्य बड़े सितारे की अनुपस्थिति वाली इस फिल्म को पहले दिन 4.93 करोड़ रुपये की ओपनिंग मिली। दूसरे दिन शनिवार को करीब 27 प्रतिशत बढ़त के साथ फिल्म की कमाई 6.26 करोड़ रुपये रही। इस तरह प्रदर्शित होने के पहले दो दिनों में फिल्म ने कुल 11.19 करोड़ रुपये कमाए। वहीं सितारे जमीन पर की कमाई दूसरे सप्ताह में भी जारी रही। प्रदर्शित होने के आठवें और नौवें दिन यानी शुक्रवार और शनिवार को इस फिल्म की कमाई क्रमशः 6.67 करोड़ रुपये और 12.55 करोड़ रुपये रही। इस तरह नौवें दिन 100 करोड़ क्लब में एंट्री करते हुए शनिवार तक फिल्म की कुल कमाई 107.68 करोड़ रुपये हो चुकी है।

द लंचबाक्स के बाद एक और अनोखी प्रेम कहानी लाने की तैयारी में रितेश बत्रा

हर निर्देशक की अपनी विशेषता होती है, अलग-अलग तरह की कहानियों पर पकड़ होती है। द लंचबाक्स और फोटोग्राफ फिल्मों के निर्देशक रितेश बत्रा की पकड़ अनोखी प्रेम कहानियों पर ज्यादा मजबूत दिखती है। शायद यही कारण है कि अब वह एक और अनोखी प्रेम कहानी लाने की तैयारी हैं। उनसे जुड़े करीबी सूत्रों के अनुसार, साल 2019 में प्रदर्शित अपनी आखिरी फिल्म फोटोग्राफ के छह साल बाद रितेश जल्द ही अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले है। यह फिल्म एक भारतीय पुरुष और एक विदेशी महिला की प्रेम कहानी पर आधारित होगी। जिसमें मुख्य भूमिका में एक भारतीय और एक विदेशी कलाकार कास्ट किए जाएंगे। फिल्म की कास्टिंग हो चुकी है। हालांकि, कलाकारों के नाम अभी तक सामने नहीं आए हैं। रितेश यह फिल्म निर्माता गुनीत मोंगा के साथ मिलकर बना रहे हैं जिनके साथ उन्होंने इरफान अभिनीत बहुचर्चित फिल्म द लंचबाक्स बनाई थी। रितेश ने इस फिल्म को लिखने में काफी समय दिया है और अब यह फिल्म फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है। सितंबर से इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना है। देखना दिलचस्प होगा कि रितेश इस बार प्यार के किन नए पहलुओं को दर्शकों के सामने रखते हैं?

गुनीत मोंगा के साथ फिल्म बनाने जा रहे हैं रितेश। इंटरनेट मीडिया

यह मेरा परिवार है...

सैफ अपने तीनों बेटों के साथ मस्ती करते हुए दिखे। इंस्टाग्राम (@iak)

कहते है कि बाप का जूता अगर बेटे के पैर में आने लगे तो वो बेटे के साथ-साथ एक अच्छा दोस्त भी हो जाता है। अभिनेता सैफ अली खान के बड़े बेटे इब्राहिम (सैफ और उनकी पहली पत्नी अमृता सिंह से जन्मे) ने एक ऐसी ही फोटो साझा की है जिसमें यह साफ नजर रहा है। इसमें इब्राहिम के साथ भाई तैमूर और जेह (सैफ और उनकी पत्नी करीना कपूर के बेटे) भी पोज देते हुए काफी खुश नजर आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इब्राहिम ने इस साल फिल्म नादानियां से अभिनय में पदार्पण किया है।

'पंचायत के लिए हर सीजन है चुनौती'

पंचायत के अलावा वेब सीरीज फादर्स भी लिख चुके हैं चंदन। टीम चंदन

किसी भी शो को लेकर चार सीजन तक लोगों के बीच आकर्षण बनाए रखना किसी भी लेखक और निर्माता के लिए बड़ी चुनौती होती है। वेब सीरीज पंचायत के लेखक चंदन कुमार ने इस चुनौती का सामना बखूबी किया है। हाल ही में प्रदर्शित हुए इस शो के चौथे सीजन को भी खूब पसंद किया जा रहा है। हालांकि, पिछले सीजन में लोगों से मिले प्यार को आगे भी बरकरार रखने पाने के लिए उनकी अपनी चुनौतियां होती हैं। वह कहते हैं, 'मेरे लिए हर सीजन नयापन बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती रही है। हमारे शो में कोई भी चीज दोहराई नहीं गई है। नयापन ही इसी की खासियत है। हर सीजन में हम धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं और एक नई परत खुलती है। कहानी के नजरिए से हमें कुछ न कुछ नया मिलता जा रहा है। हमारा चौथा सीजन पंचायत चुनाव के बारे में है। चुनाव जुड़ने से चौथे सीजन में अपने आप एक नई चीज आ गई, नया नजरिया जुड़ गया। फिर जब एक बार परिस्थितियां और कहानी तय हो जाती है तो बाकी के किरदार भी उसी के अनुसार ढल जाते हैं। भाग्य से हमारे लिए अभी तक सब कुछ सही चला है। उम्मीद है आगे के सीजन में भी लोगों का प्यार मिलता रहेगा। कहानी लोगों को पसंद आनी चाहिए।' चंदन जल्द ही शो के पांचवें सीजन पर काम शुरू करेंगे।

रिश्ता निभाने का प्रयास दोनों तरफ से होना चाहिए

सात सवाल

साल 2007 में प्रदर्शित फिल्म लाइफ इन ए... मेट्रो के बाद अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा इस फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म मेट्रो.. इन दिनों का भी हिस्सा है। चार जुलाई को प्रदर्शित हो रही इस फिल्म में वह रजिया हुसैन की भूमिका में नजर आएंगी। अभिनय के साथ-साथ निर्देशन में भी सक्रिय कोंकणा ने उनकी फिल्म और सिनेमा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर बातचीत :

● लाइफ इन ए.. मेट्रो निर्देशक अनुराग बसु के साथ आपकी पहली फिल्म थी, उससे कैसे जुड़ी थीं?

– तब मैं खुद भी इंडस्ट्री में काफी नई थी। वर्ष 2005 में तो मैं मुंबई रहने आई थी। तब तक मैंने अनुराग की फिल्म गैंगस्टर नहीं देखी थी। वह जब फिल्म की कहानी सुनाने मेरे पास आए थे, तो मुझे याद है कि वह पात्रों के नामों को लेकर बहुत ज्यादा घालमेल कर रहे थे। मुझे लग रहा था कि शायद मैं कहानी अच्छी तरह से समझ नहीं पाई पर हम दोनों ही बंगाली हैं। इस घालमेल को भूलकर हमने एक साथ खाना खाया। उसके बाद मैंने शबाना जी (अभिनेत्री शबाना आजमी) से पूछा था कि ये फिल्म करनी चाहिए या नहीं। तब उन्होंने कहा था कि अनुराग ने बहुत अच्छी फिल्म गैंगस्टर बनाई है। उनके साथ फिल्म जरूर करनी चाहिए।

● फिर इस फिल्म को किन पैमानों या शर्तों पर हां कहा? क्या उनमें कुछ बदलाव आया है?

– उसके करीब 17-18 साल बाद जब मुझे मेट्रो.. इन दिनों के लिए फोन आया तो मुझे बहुत खुशी हुई। वैसे ये फिल्म उसकी सीक्वल नहीं है क्योंकि इसकी कहानी और किरदार सब अलग हैं। इसमें कुछ नया भी है और पुराना भी है इसलिए मुझे यह परफेक्ट फिल्म लगी। जब मैंने इस फिल्म के लिए हां की तब तो मुझे पता भी नहीं था कि इसमें मेरी भूमिका क्या है, मैंने तो बस अनुराग का नाम सुनकर हां कह दिया था।

● फिल्म के संवाद 'किसी के साथ जिंदगी भर रहने के लिए बार-बार प्यार में पड़ना होता है' को अपनी निजी जिंदगी के अनुभवों के आधार पर कितना प्रासंगिक मानती हैं?

– यह पंक्ति तो बहुत सुंदर है, इससे बहुत से लोग स्वयं को जोड़ पाएंगे। हालांकि, जिंदगी भर साथ रहने के लिए जीवनसाथी भी सही होना चाहिए। किसी रिश्ते को निभाने का प्रयास दोनों तरफ से होना चाहिए। अगर दोनों ही रिश्ते के प्रति उतने ही प्रतिबद्ध हैं तो निश्चित तौर पर यह एकदम सही संवाद है।

● आप निर्देशन भी करती हैं। ऐसे में क्या कभी शूटिंग के समय अंदर की निर्देशक भी बाहर निकलती हैं?

– अभिनय करते हुए बीस वर्ष से ज्यादा हो चुका है, तो मैं अभिनेत्री ही हूं। निर्देशन के काम में मुझे बहुत मजा आया, लेकिन मैंने वो काम बहुत कम किया है। इसलिए मेरे अंदर की निर्देशक इतनी जल्दी नहीं जागती है।

● बतौर निर्देशक अगले प्रोजेक्ट की शुरुआत कब कर रही हैं?

– उसमें बहुत मेहनत करनी पड़ती है। बहुत लिखना पड़ता है, उसमें काफी समय जाता है। अभी मैं अभिनय में व्यस्त हूं। हाल-फिलहाल में तो नहीं, लेकिन आगे एक शो बनाने के बारे में सोच रहे हैं, लेकिन वह अभी दूर की बात है।

● मनोज बाजपेयी और पंकज त्रिपाठी जैसे धुरंधर कलाकारों के साथ काम करना काम को सहज बनाता है या चुनौतीपूर्ण?

– सहज। अगर किसी सीन में दो पात्र हैं और दूसरा कलाकार इतना ज्यादा प्रतिभाशाली हो तो आधा काम तो अपने आप ही हो जाता है। मनोज बाजपेयी हो या पंकज त्रिपाठी, मुझे तो यह अजीब लगता है कि इसके पहले लोगों ने हमें साथ काम करने का आफर ही नहीं दिया।

● आज भी समाज एक निश्चित उम्र के बाद वाली प्रेम कहानी को आसानी से स्वीकार नहीं करता दिखता। आपका क्या नजरिया है?

– आमतौर फिल्मों में दिखाया जाता है कि हीरो हीरोइन को अपना प्यार मिला, कहानी खत्म हो जाती है। हम उसके आगे कभी नहीं बढ़े कि प्यार बहुत ही जटिल और व्यापक अनुभव है। उसमें जीवन के विभिन्न पड़ावों पर बहुत बदलाव आते हैं। प्यार सिर्फ युवावस्था तक ही सीमित नहीं है। लोगों की जिंदगी में प्यार तो चलता रहता है। चाहे हालात जैसे भी हों। इसके साथ जिम्मेदारियां भी आती हैं। **(दीपेश पांडेय)**

सलमान-आमिर बने दोस्त

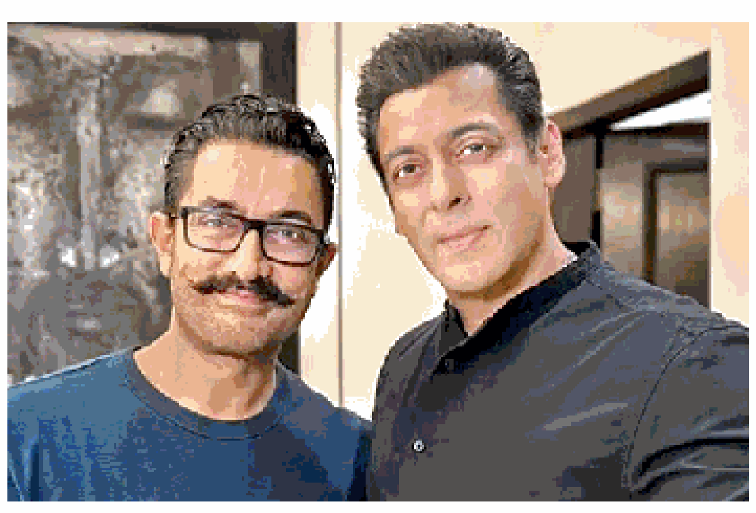

हालिया रिलीज फिल्म सितारे जमीन पर में कोच की भूमिका में दिखे हैं आमिर।

अभिनेता आमिर खान और सलमान खान की दोस्ती काफी चर्चित है। हालांकि, दोनों शुरुआत से अच्छे दोस्त नहीं थे। आमिर ने एक साक्षात्कार में बताया कि सलमान के साथ नजदीकी तब हुई जब वह अपनी पहली पत्नी रीना दत्ता से अलग होने के बाद डिप्रेशन से गुजर रहे थे। आमिर ने कहा कि सलमान खाने पर मेरे घर आए। यह वर्ष 2000-01 की बात है, हमने घंटों बातें कीं। मैंने उनसे दिल की बातें की, क्योंकि मैं उस समय डिप्रेशन से गुजर रहा था। उन्होंने भी मुझसे बहुत कुछ साझा किया। तभी से हम दोस्त बनने लगे। आगे उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि राजकुमार संतोषी की फिल्म अंदाज अपना-अपना में सलमान के साथ काम करने के दौरान उनसे शिकायत रहती थी। आमिर ने बताया कि वह कभी भी समय पर सेट पर नहीं आते थे और चीजें योजना के अनुसार नहीं होती थीं। इसलिए मुझे लगा कि शायद हम दोस्त नहीं बन सकते, लेकिन जब हमने बातचीत की तब मुझे अहसास हुआ कि हम सभी इंसान हैं और गलतियां करते हैं। इसलिए किसी को इतना जज नहीं करना चाहिए।

****